3 | राजधानी
असामाजिक तत्वों ने फूंका रैन बसेरा

6 | अभिमत
लॉकडाउन में घरेलू हिंसा मामलों की अनदेखी

11 | स्पोर्ट्स
बेटी के साथ समय बिताकर खुश है रहाणे

12 | विदेश
चीन में 46 नए मामले आए सामने

RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 158
नई दिल्ली, रविवार, 12 अप्रैल, 2020
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

लॉकडाउन ने बदली हवा
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

प्रधानमंत्री ने दिए लॉकडाउन बढ़ाने के संकेत, बदला नारा

जान भी चाहिए और जहान भी: मोदी

- कोरोना संकट पर मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग से की लंबी चर्चा, सभी लॉकडाउन बढ़ाने के पक्ष में
- महाराष्ट्र, तेलंगाना ने 30 अप्रैल तक बढ़ाया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

14 अप्रैल के बाद राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन को बढ़ाया जाना तय है। राज्यों के मुख्यमंत्रियों से इस मुद्दे पर शनिवार को हुई चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना नारा बदलते हुए कहा 'जान भी चाहिए और जहान भी।' मोदी ने कहा, 'लॉकडाउन की घोषणा करते हुए मैंने कहा था, 'जान है तो जहान है। देश के अधिकतर लोगों ने इसे समझा और घरों के भीतर रहने की जिम्मेदारी का पालन किया।

अब दोनों आयामों पर ध्यान देने की जरूरत है। जाहिर है कि लॉकडाउन बढ़ेगा जरूर लेकिन कुछ आंशिक ढील के साथ। चर्चा में अधिकांश राज्यों ने केंद्र सरकार से लॉकडाउन बढ़ाने का अनुरोध किया है। इस बीच महाराष्ट्र और तेलंगाना में कोविड-19 के मामलों में लगातार हो रही वृद्धि के मद्देनजर राज्य सरकार ने शनिवार को लॉकडाउन को 30 अप्रैल तक बढ़ाने का निर्णय लिया। इसकी घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि कुछ क्षेत्रों में लॉकडाउन में ढील दी जा सकती है जबकि कुछ क्षेत्रों में उसे और कड़ा किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि 30 अप्रैल के बाद पाबंदियां पूरी तरह हटाने का निर्णय स्थिति के आधार पर लिया जाएगा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये मुख्यमंत्रियों के साथ हुई बैठक में मोदी ने कहा कि ध्यान अब 'जान भी, जहान भी' पर होना चाहिए और भारत के 'उज्ज्वल भविष्य, समृद्धि एवं स्वस्थ भारत' के लिए यह जरूरी है।

सरकार के मुख्य प्रवक्ता केएस धतवलिया ने ट्वीट किया, 'भारत में कोरोना वायरस के मुद्दे पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान अधिकतर राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने प्रधानमंत्री से लॉकडाउन को दो सप्ताह के लिए और बढ़ाने का आग्रह किया। सरकार इस आग्रह पर विचार कर रही है।' ऐसे संकेत हैं कि लॉकडाउन को आर्थिक गतिविधियों में कुछ छूट के साथ बढ़ाया जा सकता है। सूत्रों ने कहा कि वायरस से अप्रभावित इलाकों में कम पाबंदी सहित अन्य प्रस्तावों पर विचार किया जा रहा है। संवाद के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री वीएस येदियुरप्पा ने कहा कि 14 अप्रैल के बाद अगले दो हफ्ते का बंद अभी जारी पिछले तीन हफ्तों के बंद से अलग होगा। येदियुरप्पा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा है कि लॉकडाउन का बढ़ना अपरिहार्य है, अगले 15 दिन के लिए इसे लागू करने के बारे में दिशा-निर्देश जल्द जारी किए जाएंगे। सरकारी बयान के अनुसार, मुख्यमंत्रियों के साथ संवाद के दौरान प्रधानमंत्री मोदी मास्क पहने हुए थे और उन्होंने मुख्यमंत्रियों से कहा कि ध्यान 'जान भी, जहान भी' पर होना चाहिए और भारत के 'उज्ज्वल भविष्य, समृद्धि एवं स्वस्थ भारत' के लिए यह जरूरी है।

मोदी ने कहा, 'लॉकडाउन की घोषणा करते हुए मैंने कहा था, 'जान है तो जहान है। देश के अधिकतर लोगों ने इसे समझा और घरों के भीतर रहने की जिम्मेदारी का पालन किया। और अब दोनों आयामों पर ध्यान देने की जरूरत है, 'जान भी, जहान भी' जो भारत के 'उज्ज्वल भविष्य, समृद्धि एवं स्वस्थ भारत' के लिए जरूरी है।' उन्होंने कहा कि जब प्रत्येक नागरिक इन दोनों आयामों पर ध्यान देगा और सरकार के निर्देशों का पालन करेगा, तब इससे कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में हमें ताकत मिलेगी। प्रधानमंत्री कहा कि कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए अब तक उठाए गए कदमों का प्रभाव तय करने की खातिर अगले तीन-चार हफ्ते बेहद जटिल हैं और राज्यों से लॉकडाउन उल्लंघन पर रोक लगाने और सामाजिक दूरी के नियम पर अमल सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि देशव्यापी लॉकडाउन को और दो सप्ताह के लिये बढ़ाये जाने के बारे में राज्यों के बीच आम सहमति है। डाक्टरों और पैरामेडिकल कर्मियों के लिये व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों की कमी की रिपोर्ट पर मोदी ने कहा कि वायरस से निपटने में अग्रिम मोर्चे पर लड़ रहे सभी कर्मियों को सुरक्षात्मक और महत्वपूर्ण उपकरण मुहैया कराने के लिए कदम उठाए गए हैं। संवाद के दौरान मुख्यमंत्रियों ने महामारी से मुकाबला करने के लिये वित्तीय मदद की भी मांग की। सरकारी बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री ने आश्वस्त किया कि भारत में जरूरी दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता है। साथ ही उन्होंने कालाबाजारी, जमाखोरी के खिलाफ सख्त संदेश दिया। प्रधानमंत्री ने कृषि और संबंधित क्षेत्रों के लिये कृषि बाजार कानून में बदलाव समेत कुछ खास उपाय बताए जिससे कृषि उपज की बिक्री हो सके।

प्रधानमंत्री के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरिवंद केजरीवाल ने लॉकडाउन को कम से कम एक पखवाड़े के लिए बढ़ाने का सुझाव दिया। कोविड-19 संकट से निपटने के लिए (शेष पेज 9)

नई दिल्ली में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कोराना संकट पर मुख्यमंत्रियों से संवाद करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

लॉकडाउन न होता तो हो जाते आठ लाख मरीज

सुपरफास्ट कोरोना

- स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताई संपूर्ण बंद की अहमियत, अब तक 239 मौत, सामने आए 1035 नए मामले

संयुक्त सचिव लव अग्रवाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लॉकडाउन बढ़ाने के संकेतों के बीच शनिवार को केंद्र सरकार ने कोरोना से बचाव में सोशल डिस्टेंसिंग की अहमियत बताई। अभी तक देश में कोरोना संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 7,447 हैं और इसमें हर रोज इजाफा हो रहा है। शनिवार को भी 1035 नए मरीज सामने आए। स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि यदि समय रहते लॉकडाउन का कड़ा फैसला नहीं लिया गया होता तो देश में अब तक स्थिति बहुत खराब हो सकती थी और मरीजों की संख्या आठ लाख के पार चली जाती। भारत में विश्व के सबसे बड़े लॉकडाउन का तीसरा सप्ताह चल रहा है और पूरे देश में एक अरब तीस करोड़ लोग घरों में बंद हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने अपनी नियमित ब्रीफिंग में शनिवार को बताया कि अगर देश में लॉकडाउन लागू नहीं किया गया होता तो कोरोना वायरस संक्रमण के मामले 41 प्रतिशत बढ़ जाते। इस वजह से 15 अप्रैल तक देश में 8.2 लाख से ज्यादा केस हो जाते। लव अग्रवाल के मुताबिक भारत ने कोरोना वायरस से निपटने के लिए एहतियाती कदम उठाए हैं। संकट से निपटने के लिए तकनीक का इस्तेमाल करते हुए बेहतर ढंग से काम किया है। दो राज्यों में और केंद्रीय स्तर पर देश में सिर्फ कोरोना वायरस से जुड़े मामलों के इलाज के लिए 587 अस्पताल हैं। देशभर में एक लाख आइसोलेशन बेड और 11,500 आईसीयू बिस्तर कोविड-19 के मरीजों के लिए आरक्षित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि देश में अब तक कोरोना वायरस संक्रमण के कुल 7,447 केस सामने आए हैं। अब तक 643 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 1035 नए केस सामने आए हैं और 40 लोगों की मौत हुई है। अब तक देश में इससे 239 लोगों की जान जा चुकी है। भारत ने अब तेजी से कोरोना वायरस जांच की रफ्तार को भी बढ़ाया है। बीते गुरुवार को जहां 16,002 टेस्ट किए गए थे, वहीं शुक्रवार को 16,764 टेस्ट किए गए। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के मुताबिक देश में अब तक 1,71,718 सैंपल की जांच की जा चुकी है। जांच के काम में 146 सरकारी और 67 प्राइवेट लैब लगे हुए हैं।

चांदनी महल दूसरा सबसे बड़ा हॉटस्पॉट, 52 जमाती पॉजिटिव

- पूरा इलाका सील पिछले तीन दिन में यहां हुई हैं तीन मौतें मरीज के संपर्कों की तलाश, चार गिरफ्तार
- छह अप्रैल को तेरह मस्जिदों से निकाले गए थे 102 जमाती, क्वारंटीन किए गए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पुरानी दिल्ली का चांदनी महल इलाका राजधानी में दूसरा सबसे बड़ा हॉट स्पॉट बन कर उभरा है। यहां 52 जमाती कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। तीन दिन में तीन लोगों की मौत हो चुकी है। यहां से बीते छह अप्रैल को तेरह मस्जिदों से 102 जमाती निकाले गए थे, जिन्हें क्वारंटीन कर दिया गया था। अब इस इलाके को पूरी तरह सील कर दिया गया है और मरीजों के संपर्कों की तलाश की जा रही है।

मोहल्ले को सेनेटाइज किया जा रहा है। कोरोना मामले में लापरवाही बरतने के चलते चार लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। जिन जमातियों को यहां से निकाला गया था, उनमें कई विदेशी भी शामिल हैं। ये सभी निजामुद्दीन स्थित मरकज से यहां पहुंचे थे। राजधानी दिल्ली में अब तक कोरोना वायरस संक्रमण के 900 से अधिक मामले आ चुके हैं और करीब 14 लोगों की मौत हो गई है। यह भारत में तीसरा सबसे ज्यादा मरीजों वाला राज्य बन गया है। बीते सोमवार को चांदनी महल इलाके की 13 मस्जिदों से 102 जमातियों को निकाल कर गुलाबी बाग के क्वारंटीन सेंटर भेजा गया था।

इनमें से 52 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इस घातक महामारी से इस क्षेत्र में पिछले तीन दिन में तीन लोगों की मौत हुई है। इस तरह यह मोहल्ला इस समय राजधानी का दूसरा (शेष पेज 9)

कर्नाटक में भाजपा विधायक ने धूमधाम से मनाया जन्मदिन

- कांग्रेस ने की डीजीपी से शिकायत, कार्रवाई करने की मांग

नियम कानून ताक पर

लॉकडाउन का उल्लंघन कर जन्मदिन मनाते विधायक एम जयराम

पायनियर समाचार सेवा। बेंगलुरु

कोरोना वायरस की महामारी से जूझ रहे देश में 21 दिन का लॉकडाउन है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों से सामाजिक दूरी (सोशल डिस्टेंसिंग) बनाए रखने की अपील कर चुके हैं। लेकिन उन्हीं की पार्टी के विधायक लॉकडाउन के नियमों को ताक पर रखकर लोगों की जिंदगी को खतरे में डाल रहे हैं। मामला कर्नाटक का है।

यहां टुमकुर जिले तुरुवेकेर में भाजपा के विधायक एम जयराम ने लॉकडाउन का उल्लंघन कर समर्थक के बीच शुक्रवार को अपना जन्मदिन मनाया। विधायक ने दस्ताने पहनकर चॉकलेट केक काटा। सोशल डिस्टेंस को भूलकर लोगों को बिरयानी खिलाई। इस बीच कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा कि मुझे भरोसा है कि मुख्यमंत्री इस तरह की गतिविधियों पर कार्रवाई करेंगे।

हमने इस संबंध में डीजीपी को शिकायत दी है। इस बारे में मामला दर्ज किया जाना चाहिए। कर्नाटक राज्य के स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन के मुताबिक, 10 अप्रैल को शाम 5 बजे तक राज्य में कोरोनावायरस से कुल 207 लोग संक्रमित थे। इनमें से 6 लोगों की मौत हो गई है। करीब 34 लोग बीमारी से ठीक भी हुई है। इलाज करा रहे करीब 167 लोगों में एक गर्भवती भी है।

चार रोगियों को आईसीयू में रखा गया है। 10 नए मामलों में 9 संक्रमित के (शेष पेज 9)

मेरठ में हॉटस्पॉट सील करने गई पुलिस पर पथराव

- मजिस्ट्रेट और दारोगा घायल

पायनियर समाचार सेवा। मेरठ

उत्तर प्रदेश के मेरठ शहर के अत्यन्त संवेदनशील थाना क्षेत्र देहली गेट के जली कोठी में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की पुष्टि के बाद इलाके को सील करने गई स्वास्थ्य विभाग की टीम और पुलिस पर पथराव किया गया। पथराव में सिटी मजिस्ट्रेट और दिल्ली गेट के दारोगा घायल हो गए हैं। पुलिस के मुताबिक कई थानों के बल ने पहुंचकर भीड़ को खदेड़ा। फिलहाल मौके पर शांति व्यवस्था बनी हुई है।

अपर मुख्य सचिव (गृह) अवनीश अवस्थी ने शनिवार को यहां एक बयान में बताया कि कुछ उपद्रवियों ने इलाका सील करने गई पुलिस पर हमला कर दिया। इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इन सभी लोगों के खिलाक रासुका के तहत कार्रवाई होगी। इलाके के पुलिस क्षेत्राधिकारी दिनेश शुक्ला के अनुसार महाराष्ट्र से जमात कार्यक्रम में शामिल हुए तीन प्रतिनिधि 24 फरवरी को मेरठ में आए थे। वे दिल्ली गेट थाना क्षेत्र में जली कोठी के पास दरी वाली मस्जिद में रुके हुए थे। शुक्रवार को इन तीनों के नमूने की जांच रिपोर्ट में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई। शनिवार सुबह दिल्ली गेट थाने के प्रभारी रविंद्र सिंह बल लेकर जली कोठी स्थित एक गली को सील करने के लिए गए थे। इस दौरान वहां पर सिटी मजिस्ट्रेट भी मौजूद थे।

उन्होंने बताया कि पुलिस जैसे ही लकड़ी की बल्लियां और अवरोधक लेकर पहुंची तो वहां रहने वाले कुछ लोगों ने इसका विरोध किया। भीड़ ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पथराव शुरू कर दिया। इस घटना में सिटी मजिस्ट्रेट और थाना प्रभारी को चोट पहुंची। पथराव में दारोगा मुकेश कुमार घायल हो गए। पुलिस पर हमले की सूचना वायरलेस पर मिलते ही अन्य थानों का फोर्स जली कोठी के लिए निकल पड़ा। पुलिस बल ने हंगामा कर (शेष पेज 9)

जम्मू-कश्मीर के निलंबित डीएसपी एक महीने की न्यायिक हिरासत में भेजे गए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने जम्मू कश्मीर के निलंबित पुलिस अधिकारी दविंदर सिंह को एक महीने की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस साल के आरंभ में हिज्बुल मुजाहिदीन के दो आतंकवादियों को एक वाहन में ले जाने के दौरान सिंह को श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग पर गिरफ्तार किया गया था। विशेष न्यायाधीश अजय कुमार जैन ने सिंह को छह मई तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सिंह की 30 दिनों की पुलिस हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद शुक्रवार को अदालत में पेश किया गया था। दिल्ली पुलिस ने पूछताछ के लिए सिंह को अदालत की अनुमति से अपनी हिरासत में रखा था। पुलिस ने अदालत से कहा कि आरोपी से और अधिक पूछताछ करने की जरूरत नहीं है। अदालत ने मामले में तीन अन्य आरोपियों--जावेद इकबाल, सैयद नवीद मुश्ताक और इमरान शफी मीर-- को भी न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

बाजार

सेंसेक्स	31,159
निफ्टी	9,111
सोना	/10g
चांदी	/kg

क्विक न्यूज

केंद्रीय मंत्री कल से अपने कार्यालयों से काम करेंगे

नई दिल्ली। सभी केन्द्रीय मंत्रियों को सोमवार से अपने-अपने कार्यालयों से काम शुरू करने और लॉकडाउन के बाद अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने की योजना बनाने के लिए कहा गया है। मंत्रियों से कहा गया है कि संयुक्त सचिव और उससे ऊपर की रैंक के अधिकारी अपने अपने विभागों में काम शुरू करें। इसके अलावा प्रत्येक मंत्रालय में आवश्यक कर्मचारियों के एक तिहाई सदस्यों का उपस्थित होना जरूरी है। सरकार कोविड-19 के हॉटस्पॉट और लॉकडाउन खत्म होने के बाद अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के उपायों पर ध्यान केन्द्रित कर रही है।

पश्चिम बंगाल में लॉकडाउन तोड़ने पर गृह मंत्रालय की चेतावनी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

तमाम तरह की सख्ती के बावजूद कई लोग अभी भी लॉकडाउन को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। पश्चिम बंगाल में बेहद लापरवाही बरते जाने की खबरें आ रही हैं। यहां आवश्यक श्रेणी से इतर सामान की दुकानें भी खुल रही हैं और मीट-मछली भी धड़ल्ले से मिल रहे हैं।

अधिकारियों के बजाय नेता राशन बांट रहे हैं। इससे सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ रही हैं। यही नहीं, धार्मिक स्थलों में भी लोग जमा हो रहे हैं। खुफिया इनपुट मिलने के बाद गृह मंत्रालय ने सख्त रवैया अख्तियार कर लिया और पश्चिम बंगाल सरकार को कड़ी चेतावनी दी है। मंत्रालय ने राज्य के मुख्य सचिव और डीजीपी को पत्र लिखकर जवाब मांगा है। खत में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि पश्चिम बंगाल में सब्जी, मछली और मांस बाजारों पर किसी तरह का अंकुश नहीं लगाया गया है। इन जगहों पर सोशल डिस्टेंसिंग के मानकों का उल्लंघन हो रहा है।

सुरक्षा एजेंसियों से मिल रही रिपोर्ट्स के मुताबिक पश्चिम बंगाल में लॉकडाउन का असर धीरे-धीरे घट रहा है। राज्य सरकार की तरफ से दी जा रही छूट का दायरा बढ़ता ही जा रहा है। गृह मंत्रालय ने कहा कि गैरजरूरी सामानों से जुड़ी दुकानों को भी खुलने की इजाजत दी गई है। इसके अलावा कोलकाता के राजा बाजार, नरकेल डांगा, तोपसिया, मेटियाबुर्ज, गार्डेनरीच, इकबालपुर और मनिकटाला (शेष पेज 9)

मछलियां पकड़ने और समुद्री जलीय गतिविधियों को लॉकडाउन से छूट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केन्द्र सरकार ने मछलियां पकड़ने या समुद्री जलीय उद्योग को शुक्रवार को लॉकडॉउन से छूट दे दी। इसके साथ ही मछली बेचने, खरीदने और उनकी पैकेजिंग समेत विभिन्न समुद्री गतिविधियों के लिए छूट मिल गई है। केन्द्रीय गृह मंत्रालय की ओर से सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को जारी संदेश में कहा गया है कि केन्द्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने आपदा मोचन अधिनियम के तहत गठित राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के अध्यक्ष की हैसियत से यह फैसला लिया है। हालांकि लॉकडाउन के दौरान उठाए जा रहे कदमों के तहत इन गतिविधियों के दौरान भौतिक दूरी और साफ-सफाई का खास ख्याल रखा जाना चाहिए।

कोरोना से बेबस मजदूर बने दंगाई

- पकड़े गए सभी मजदूर ओडिशा के निवासी, भारी पुलिस बल तैनात स्थिति नियंत्रण में

तोड़फोड़-पथराव-आगजनी

सूरत में प्रवासी मजदूरों द्वारा की गई आगजनी के बाद आग बुझाते दमकलकर्मी

पायनियर समाचार सेवा। सूरत

वेतन और राशन न मिलने तथा बंद के बीच घर जाने की इजाजत नहीं मिलने से नाराज प्रवासी मजदूरों ने सूरत में जमकर तोड़फोड़ और आगजनी की।

इसके बाद पुलिस ने करीब 80 लोगों को हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि हिरासत में लिये गए अधिकांश मजदूर ओडिशा से हैं। बंद की वजह से सूरत में सैकड़ों प्रवासी कामगार फंस गए हैं। इन लोगों ने शुक्रवार रात शहर के लक्साना इलाके में ठेलों और टायरों में आग लगा कर हंगामा किया। अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस को तैनात किया गया और स्थिति अब नियंत्रण में है।

एसीपी सीके पटेल ने कहा, 'सैकड़ों मजदूर यह मांग करते हुए सड़कों पर उतर आए कि उन्हें घर भेजा जाना चाहिए। इनमें से अधिकांश मजदूर ओडिशा के थे और उनका यह भी दावा था कि गैर सरकारी संगठन द्वारा उन्हें उपलब्ध कराया जा रहा खाना बेस्वाद है और खाना लेने के लिये उन्हें कतार में खड़ा होना पड़ता है।' उन्होंने कहा, 'इसी गुस्से में उन्होंने लस्काना इलाके में कुछ ठेलों और टायरों में आगजनी की। हमने 80 प्रवासी कामगारों को हिरासत में (शेष पेज 9)

हरियाणा : दो दशक पुरानी परंपरा से शुरू होगी नई कक्षाओं की पढ़ाई

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

लॉकडाउन के चलते हरियाणा के स्कूलों में किताबों की सप्लाई रुक गई है। जिसके चलते शिक्षा विभाग विद्यार्थियों में किताबों का आदान-प्रदान शुरू कर दिया है। इसके लिए शिक्षा विभाग ने अधिकारिक रूप से स्वीकृति प्रदान कर दी है। नई कक्षाओं की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को जब तक नई किताबें नहीं मिलती तब तक वह पुरानी किताबों से पढ़ाई शुरू करेंगे।

हरियाणा में शिक्षा विभाग द्वारा हर साल नया सत्र शुरू होने पर विद्यार्थियों को किताबें मुहैया कराई जाती हैं। इस बार नए सत्र से पहले किताबों का प्रकाशन तो हो गया था लेकिन जब तक यह किताबें जिला केंद्रों के माध्यम से स्कूलों तक पहुंचती तब तक लॉकडाउन शुरू हो गया। अब लॉकडाउन आगे बढ़ने जा रहा है। प्रदेश के स्कूलों में दस अप्रैल को परिणाम घोषित होने के बाद विद्यार्थियों की नए सत्र के लिए पढ़ाई शुरू हो चुकी है।

लॉकडाउन में किताबों की सप्लाई अटकी तो शुरू हुआ आदान-प्रदान

नई कक्षाओं में जाने वाले विद्यार्थी पुरानी कक्षा के विद्यार्थियों से लेंगे किताबें

अध्यापकों द्वारा विद्यार्थियों की ऑनलाइन पढ़ाई तो शुरू करा दी गई है लेकिन नए सत्र में किताबों की समस्या देखते हुए शिक्षा विभाग ने नया तरीका अपनाया है। जिसके तहत करीब दो दशक पुरानी परंपरा फिर से शुरू की जा रही है। शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों को सुझाव दिया है कि वह अपने गांव, मोहल्ले और आसपास के विद्यार्थियों के साथ संपर्क करके उनकी किताबें लेकर पढ़ाई शुरू करें।

हरियाणा के अधिकतर जिलों में नई व पुरानी कक्षा के विद्यार्थियों का अनुपात एक समान है। शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों, जिला परियोजना समन्यवक, खंड शिक्षा अधिकारियों को जारी पत्र में कहा है कि प्रदेश के कुछ स्कूलों ने विद्यार्थियों में किताबों का आदान-प्रदान कराकर पढ़ाई शुरू करा दी है। हरियाणा की यह पुरानी परंपरा है। विद्यार्थी पहले ही तय कर लेते थे कि अगले सत्र में नई किताबों की बजाए किस विद्यार्थी से किताबें लेनी हैं।

इस प्रणाली को विद्यार्थियों के हित में फिर से लागू किया जा सकता है। लॉकडाउन में किताबों के आदान-प्रदान से न केवल किताबों की समस्या का समाधान होगा बल्कि पर्यावरण की भी मदद होगी।

सोशल डिस्टेंसिंग व सैनिटाइजेशन का रखना होगा ख्याल

शिक्षा निदेशालय ने अपने पत्र में साफ किया है कि किताबों के आदान प्रदान के समय सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा ख्याल रखा जाए। किताबों का आदान प्रदान स्कूल मुखिया, अध्यापक व एसएमसी सदस्यों द्वारा किया जाएगा। निदेशालय ने विद्यार्थियों को सुझाया है कि किताबें लेने व देने के बाद तुरंत हाथ धोएं। किताबों को कम से कम दो दिन के लिए ऐसे स्थान पर रखें जहां कोई इन्हें न छुए। उसके बाद ही इनका इस्तेमाल करें।

तबलीगी जमातियों की वजह से बढ़ी है कोरोना मरीजों की तादाद : नायब सैनी

किसानों का गेहूं खरीद करने के लिए पूरे हरियाणा में दो हजार परचेज सेंटर बनाए गए हैं

मंडलाध्यक्षों ने सांसद को सौंपे रिलीफ फंड के लिए 60-60 हजार रुपये के चेक

पायनियर समाचार सेवा। पूंडरी

सांसद नायब सैनी को मुख्यमंत्री रिलीफ फंड के लिए चेक भेंट करते मडल अध्यक्ष विनोद बंसल। साथ में अन्य।

सांसद नायब सिंह सैनी ने कहा कि कोरोना वायरस को लेकर पूरे देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यकुशलता के चलते सब कुछ कंट्रोल में चल रहा था, लेकिन निजामुद्दीन दिल्ली में तबलीग जमात में जमा लोगों गलतियों ने इस स्थिति को बिगाड़ के रख दिया। वे पीडब्ल्युडी रेस्ट हाऊस में पार्टी कार्यकर्ताओं से चर्चा कर रहे थे।

इस मौके पर भाजपा पूंडरी मंडलाध्यक्ष विनोद बंसल व करोड़ा मंडलाध्यक्ष देवीदयाल बरसाना ने 60-60 हजार रुपये चैक कोरोना मुख्यमंत्री रिलिफ फंड के लिए सांसद को भेंट किये। सांसद ने कहा कि इस वैश्विक महामारी को सहजता में नहीं लेना चाहिए, जीवन अनमोल है और निरंतर बढ़ रही इस बीमारी की रोकथाम केवल सरकार द्वारा दी गई हिदायतें मानने में है।

घरों में ही रहे और अति जरूरत के समय ही घरों से बाहर निकलने वो भी मास्क लगाएं और सोशल डिस्टेंसिग बनाए रखें। ये ऐसी बीमारी है जिससे अपना ही नहीं, बल्कि परिवार के अन्य सदस्यों का जीवन भी खतरे में पड़ सकता है। सांसद ने उन सभी सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं व समाजसेवियों का भी आभार व्यक्त किया जो इस आपदा की घड़ी में मानव जीवन को बचाने के लिए उन्हें मूलभूत सुविधाएं व भोजन उपलब्ध करवा रहे है। भारत विकास परिषद पूंडरी शाखा द्वारा जो दो हजार मास्क बटवाएं गये है ये भी बहुत बड़ा मानव कार्य में योगदान है। ऐसी स्थिति में सभी संपन्न लोगों को आगे आकर अपना राष्ट्र धर्म निभाते हुए सरकार कि भी मदद करनी चाहिए, ताकि सरकार जरूरतमंद लोगों को जीवनयापन की सुविधाएं उपलब्ध करवाती रहे। सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से प्रशासन भी जरूरतमंद लोगों तक खाना पहुंचाने का काम कर रहा है, इसके अलावा अगर कोई बहुत अधिक जरूरतमंद है तो वो सरकार के हैल्पलाइन न. 1950 पर मदद प्राप्त कर सकता है। सांसद ने किसानों को भी संयम व धैर्य बरतते हुए गेहूं बेचने में सरकार का सहयोग करना चाहिए और सोशल डिस्टेसिंग का ध्यान रखकर भीड़भाड़ से बचना चाहिए। सरकार गेहूं का एक-एक दाना खरीद करने के लिए बचनबद्ध है। जिसके लिए पूरे हरियाणा में दो हजार गेहूं परचेज सेंटर बनाए है। तीन गांव को जोड़कर एक कलस्टर हैड बनाया जायेगा, जहां किसान अपना गेहूं बेच पायेंगे, जिससे किसानों की अनावश्यक भीड़ भी नहीं होगी। 20 अप्रैल से गेहूं की खरीद शुरू की जायेगी।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष अशोक गुर्जर, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुभाष हजवाणा, हिशम सिंह साकरा, मंडी प्रधान जितेंद्र टाया, रोशन सैनी, सतपाल चुघ, राजेश कुकरेजा, प्रभात गोयल, संदीप गर्ग, हर्ष सेठी, मनोज जांबा, कृष्ण कुमार, दीपक नंदराजोग, राजकुमार साकरा व आशिष गर्ग भी मौजूद थे।

निजी कंपनी ने किया ईएमआई काटने का प्रयास, राशि नहीं होने पर वसूला जुर्माना

सरबजोत सिंह दुग्गल। कुरुक्षेत्र

लॉकडाउन के चलते रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की गाईड लाइन पर अमल कर बैंकों ने अपने उपभोक्ताओं की लोन ईएमआई फिलहाल न काटने का निर्णय लिया है। मगर कुछ निजी कंपनियां उपभोक्ताओं का साथ देने की बजाए उन्हें चूना लगाने पर तुली हैं। यहां तक कि ईएमआई की राशि बैंक खाते में नहीं होने पर, उन्हें जुर्माना भी लगाया जा रहा है। शाहाबाद निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि उन्होंने एक निजी कंपनी का कार्ड बनवा कर एक लाख 14 हजार रुपये लोन लिया था।

इस लोन की एवज में कंपनी द्वारा पांच हजार रुपये ईएमआई रखी गई, जिसे हर महीने की पांच तारीख को उसके बैंक खाते से काट लिया जाता है। मगर कोरोना वायरस के चलते लगाए गए लॉकडाउन की वजह से अब सभी की आर्थिक स्थिति दयनीय बनी है। इसके मद्देनजर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया व केंद्र सरकार ने बैंकों को तीन महीने के लिए ईएमआई न काटने को कहा था, जिसे अधिकांश बैंकों द्वारा लागू भी किया गया है। ऐसे में उन्होंने जिस कंपनी से लोन लिया है, उसके द्वारा पांच अप्रैल को उसके बैंक खाते से किस्त काटने का प्रयास किया गया। मगर उपयुक्त राशि न होने की वजह से उसकी किस्त नहीं कटी और इस पर कंपनी द्वारा उसके खाते से 295 रुपये जुर्माना काट लिया गया, जिसका मैसेज उनके पास आठ अप्रैल को आया।

यही नहीं, इसके उपरांत फिर से कंपनी ने ईएमआई काटने का प्रयास किया, लेकिन इस बार भी राशि न होने के कारण उसे फिर से 295 रुपये का जुर्माना लगा दिया और इस मैसेज नौ अप्रैल को उनके पास आया। भुगतभोगी ने मांग की कि इस निजी कंपनी की मनमानी पर सरकार द्वारा रोक लगाई आए और उसके बैंक खाते से काटी गई जुर्माना राशि वापस दी जाए। उन्होंने कहा कि इस निजी कंपनी के काफी अधिक संख्या में उपभोक्ता हैं, तो ऐसे में सभी को परेशानी उठानी पड़ रही होगी।

संक्षिप्त समाचार

रिटायर्ड बुजुर्ग ने एक माह की पेंशन कोरोना रिलीफ में दी

नारनौल। वैश्विक महामारी कोरोना में लोग तन-मन-धन से सरकार की मद्द करने को अब धीरे-धीरे गांवों से भी आगे आ रहे हैं। अपनी एक माह सर्विस पेंशन कोरोना रिलीफ फंड में 5 हजार रुपये देकर सीहमा के रिटायर्ड बुजुर्ग ताराचंद ने देकर दूसरे लोगों को भी रिलीफ फंड में मदद करने को प्रेरित किया है। पंच हेमंत सीहमा ने ताराचंद के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि आज वैश्विक महामारी कोरोना के चलते देश आर्थिक मंदी और कोरोना बीमारी से जूझ रहा है। इस संकट की घड़ी में सबको अपने स्तर पर सामर्थ्य अनुसार सरकार की तन-मन-धन से मदद करनी चाहिए। बुजुर्ग ताराचंद के कार्य से ओर लोग भी प्रेरित होकर मदद को आगे आयेंगे।

किसानों को तुरंत बारदाना मुहैया करवाए सरकार

चंडीगढ़। भारतीय किसान यूनियन ने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को पत्र लिखकर बिना किसी देरी के किसानों को बारदाना (गेहूं स्टोर करने की बोरियां) उपलब्ध करवाया जाए। बीकेयू के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि इस बार गेहूं खरीद का सीजन लंबे समय तक चलेगा जिससे मजबूरी वंश किसानों को अपनी गेहूं ओर सारसों की फसल घर पर रोक कर रखनी पड़ेगी। किसान का जब मंडी में नंबर आएगा तभी फसल बेच सकेगा। ऐसे में किसानों को अपनी फसल भरकर रखने के लिए बोरियों की जरूरत है। ऐसी परिस्थितियों में किसानों को दो बार अपनी फसल की सफाई भी करानी पड़ सकती है। ऐसी स्थिति में किसान सफाई करा लेगा बरदाना वही चल जाएगा। जिस प्रकार शैलर मिल मालिकों को धान में दिया जाता है और फिर उसमें चावल ले लिया जाता है जिससे किसानों की परेशानी कम होगी। प्रदेश के कई जिलों में किसानों ने मौसम की मार देखते हुए अपने स्तर पर गेहूं की कटाई शुरू कर दी है और कई जिलों में गेहूं की कटाई शुरू होने जा रही है। ऐसे में किसानों के पास बोरियों की कमी है।

पलवल के मीरपुर में जमाती के खिलाफ एफआईआर

पलवल। पलवल में जिला प्रशासन ने कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के तमाम प्रयासों के साथ-साथ एक और बड़ी कार्रवाई की है। जिले के गांव मीरपुर (मीरका) निवासी एक ग्रामीण के खिलाफ जमात के संपर्क में आने के बावजूद प्रशासन को बिना सूचना दिए चोरी छिपे अपने गांव में पहुंचने पर मामला दर्ज कर लिया गया है। उपायुक्त नरेश नरवाल ने बताया कि गांव के सरपंच अनिल ने सराहनीय कार्य करते हुए जिला प्रशासन को संबंधित व्यक्ति के गांव में लौटने की सूचना दी थी जिसके आधार पर उसे सिविल अस्पताल पलवल लाया गया और रिपोर्ट पॉजिटिव मिली है। सरपंच को इस सराहनीय कार्य के लिए जिला में स्वतंत्रता दिवस समारोह पर सम्मानित किया जाएगा। बता दें कि गांव मीरपुर निवासी एक व्यक्ति सात अप्रैल की रात को आंध्र प्रदेश के गंटूर से चोरी छिपे ट्रक में बैठकर आया था। गंटूर में वह 11 मरकज जमातियों के संपर्क में था। गांव पहुंचने पर उसने किसी को सूचना नहीं दी। सरपंच अनिल की सूचना पर प्रशासन ने उसे हिरासत में ले लिया। जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर उसे अब अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में रखा गया तथा उसके संपर्क में आने वालों व परिवार को ट्रेस आउट किया जा रहा है।

गेंहू खरीद के लिए बनाए गये परचेज सैंटरों पर समुचित प्रबंधन

कैथल। कोविड-19 संक्रमण के चलते किसानों के लिए राहतभरा समाचार है कि अब वे अपने आसपास क्षेत्र में बने परचेज सैंटर पर गेंहू तथा सरसों की फसल बेच सकेगे, जिसके लिए जिला प्रशासन द्वारा 243 परचेजिंग सैंटर स्थापित करने के निर्देश दिए गये है। एसपी शशांक कुमार सावन ने कहा कि उक्त सभी परचेजिंग सैंटरों पर सोशल डिस्टैंसिंग व किसानों के जान माल की सुरक्षा हेतू पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक प्रबंधन किया जा रहा है। सभी थाना प्रबंधकों को निर्देश दिए गये है कि वे चिंहित किए गये प्रत्येक परचेज सैंटर का दौरा करके वहा की भौगौलिग स्थिती की जांच करें तथा समुचित सुरक्षा हेतू आगामी कदम उठाते हुए उचित प्रबंधन करें, ताकी सोशल डिस्टैसिंग तथा किसानों के जानमाल की सुरक्षा की जा सके।

मास्क पहनना अनिवार्य, उल्लंघन करने पर होगी कानूनी कार्रवाई

करनाल। कोविड-19 के फैलाव को रोकने के लिए जिलाधीश करनाल निशांत कुमार यादव ने आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005 की धारा 34 के तहत शनिवार को एक आदेश जारी कर जिला के सभी लोगों को घर से बाहर निकलते समय मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया है। आदेशानुसार प्रत्येक व्यक्ति करनाल जिला की परिधि में सार्वजनिक स्थान पर बिना मास्क लगाए नहीं जा सकेगा। जिलाधीश ने कहा कि देखने में आया है कि करनाल में कोरोना संक्रमण के केस बढ़ रहे हैं और इससे संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क में दूसरे लोगों के आने से यह और अधिक बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग ऐसे हो सकते हैं, जिनमें इसके लक्षण दिखाई न दें और ऐसे में वह इसे जाने बिना दूसरों में संक्रमण फैला सकते हैं। इसे देखते हुए यह आदेश जारी किए गए हैं।

बच्चों को ऑनलाइन करवाई जा रही पढ़ाई

निगदू। कोरोना वायरस के चलते संपूर्ण लॉक डाउन की वजह से पिछले कई दिनों से स्कूल बंद हैं। इससे बच्चों की पढ़ाई पर असर पड़ रहा है। बच्चों की पढ़ाई पर कोई प्रभाव न पड़े इसको लेकर कस्बे के माता राम प्यारी डीएवी पब्लिक स्कूल की तरफ से बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाई करवाई जा रही है। अध्यापक ऑनलाइन बच्चों को पढ़ा रहे हैं। स्कूल के प्रधानाचार्य संजय शर्मा ने कहा कि लॉक डाउन की वजह से बच्चों की पढ़ाई पर कोई प्रभाव न पड़े इसके लिए अध्यापकों द्वारा बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाया जा रहा है।

अग्रवाल सेवा समिति ने किया राशन वितरित

कैथल। अग्रवाल सेवा समिति ने बलराज नगर में जरूरतमंद परिवारों को राशन वितरित किया। समिति के प्रधान राजीव गर्ग व वरिष्ठ उपाध्यक्ष व इनसो जिलाध्यक्ष शुभम गुप्ता ने कहा कि उनका प्रयास है कि लॉकडाऊन में कोई परिवार भूखे पेट न सोये इसके लिए वह लगातार जरूरतमंदों की मदद कर रहे हैं। शुभम गुप्ता ने कहा कि आज लॉकडाऊन को सफल बनाने की जरूरत है ताकि कोरोना को हराया जा सके। इस कोरोना बीमारी में कोई भूखे पेट न सोये ऐसे में हमारा दायित्व है कि ऐसे जरूरतमंदों की मदद करने के लिए हम हमेशा तत्पर रहें। उन्होंने जरूरतमंदों को भरोसा दिलाया कि लॉकडाऊन की दौरान उनकी मदद के लिए वह तैयार रहेंगे।

पुलिस कर्मियों का मनोबल बढ़ाएंगे अनिल विज

प्रशंसा पत्र के साथ मिलेगा एक बैज

पहले दिलाया एक्सग्रेशिया, तीन दिन की वेतन कटौती से बचाया

चंडीगढ़। हरियाणा के गृहमंत्री अनिल विज ने पुलिस कर्मियों में फैले असंतोष को शांत करते हुए ऐलान किया है कि कोरोना के दौरान इमरजेंसी ड्यूटी देने वाले पुलिस कर्मियों को स्पेशल बैज के साथ प्रशंसा पत्र दिया जाएगा। विज के इस फैसले से पुलिस कर्मी उत्साहित हैं।

हरियाणा में कोरोना संकट के चलते करीब 40 हजार पुलिस कर्मी इस समय फील्ड में ड्यूटी दे रहे हैं। ज्यादातर स्थानों पर पुलिस कर्मियों द्वारा डबल ड्यूटियां दी जा रही हैं। पुलिस के 80 फीसदी कर्मचारी इस समय पुलिस थानों व पुलिस लाइनों से बाहर चौक-चौराहों पर हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गत दिवस मेडिकल व पैरा मेडिकल स्टाफ को दो गुणा वेतन देने का ऐलान किया था।

सीएम के इस ऐलान के बाद पुलिस कर्मियों के अलावा स्थानीय निकाय के सफाई कर्मचारियों में रोष पाया जा रहा है। पुलिस कर्मियों के इस असंतोष को शांत करते हुए अनिल विज ने ऐलान किया है कि पिछले करीब एक माह से जो पुलिस कर्मी कोविड-19 के तहत ड्यूटी दे रहे हैं। उन्होंने प्रशंसा पत्र के अलावा एक स्पेशल बैज भी दिया जाएगा। गृहमंत्री ने कहा कि इस संबंध में पुलिस महानिदेशक को दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

सीहमा का सरसों खरीद केंद्र एसडीएम के निरीक्षण के बाद बदला

नारनौल। वैश्विक महामारी कोरोना को लेकर चिंतित और सोशल डिस्टेंसिंग को लेकर लेकर गंभीर सरकार इस बार किसानों से अनाज मंडी के अलावा उनके नजदीक बड़े गांवों में सरसों-गेहूं की खरीद करेगी। 15 अपैल से सरसों की और 20 अप्रैल से गेहूं की खरीद सरकारी एजेंसी हैफेड द्वारा सरकार द्वारा निर्धारित बड़े गांवों में की जाएगी। सरकार द्वारा जारी फसल खरीद लिस्ट में गांव सीहमा को भी शामिल किया है। सीहमा में किसानों को फसल बेचते समय किसी प्रकार असुविधा न हो इसके लिए शनिवार को पंचायत सदस्यों सरपंच हरनाम सिंह, पूर्व सरपंच विक्रम सिंह, नरेश, पंच हेमंत भारद्वाज एडवोकेट, पंच करतार, पूर्व पंच अशोक शर्मा, प्रमोद यादव ने स्कूल व खेल परिसर का निरीक्षण किया। पंच हेमंत एडवोकेट ने बताया कि प्राइमरी स्कूल व खेल खेल परिसर को लेकर एसडीएम नारनौल ने अंतिम निर्णय लिया है।

एनएचएम कर्मचारी सैलरी दोगुनी नहीं, भविष्य चाहते हैं सुरक्षित

जमीर के नाम पर सरकार के दोगुनी सैलरी के प्रस्ताव को वापस किया

चंडीगढ़। कोरोना महामारी के खिलाफ जंग में फुंट लाइन पर खड़े डॉक्टरों, नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ के साथ हरियाणा सरकार बेशक तन-मन-धन के साथ खड़ी हो गई हो लेकिन, इनसे जुड़ा एनएचएम कर्मचारियों का एक ऐसा बी वर्ग है जो दोगुनी सैलरी की पेशकश की बजाए केवल अपना भविष्य सुरक्षित चाहता है। इस वर्ग ने जमीर का हवाला देते हुए दोगुना सैलरी के प्रस्ताव को लौटाकर सरकार के सामने अजीबों-गरीब स्थिति खड़ी कर दी है।

उल्लेखनीय है कि केंद्र प्रायोजित परियोजना के तहत हरियाणा में करीब 11 हजार एनएचएम कर्मचारी बरसों से काम कर रहे हैं। हरियाणा में इनकी सैलरी पर करीब 30 करोड़ रुपये खर्च होता है। इन कर्मचारियों की अपनी कुछ लंबित मांगे हैं जो ये कर्मचारी समय-समय पर उठाते रहे हैं। ये कर्मचारी भी इस समय कोरोना के खिलाफ जंग में बहुत अहम रोल निभा रहे हैं। इसे देखते हुए सरकार ने हाल में कोरोना के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे डॉक्टरों, नर्सों, स्टाफ आदि की सैलरी दोगुनी करने का ऐलान किया था। सरकार के इस फैसले के दायरे में एनएचएम कर्मचारी भी आते हैं। इन कर्मचारियों ने सैलरी दोगुनी के प्रस्ताव की बजाए सरकार को पेशकश दी है कि उनका वेतन टुकड़ों में देने की बजाए एकमुश्त और समय पर दिया जाए।

एनएचएम कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष रिहान रजा ने सरकार के ऐलान का स्वागत किया लेकिन, यह भी कहा कि जब देश और प्रदेश संकट के दौर से गुजर रहा हो तो ऐसे में दुगनी सैलरी कर प्रदेश के वित्तीय भार नहीं डाला जाए।

दिमागी तौर पर परेशान पड़ोसी ने दी थी सुरजेवाला को धमकी

कैथल। कांग्रेस के पूर्व मंत्री रणदीप सिंह सुरजेवाला को फोन कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में क्रइम ब्रांच ने कैथल निवासी अग्रिम को पूछताछ के बाद छोड़ दिया है। सुरजेवाला को एक अप्रैल को एक फोन आया था, जिसमें उसने जान से मारने की धमकी दी थी।

सूत्रों के अनुसार रणदीप सुरजेवाला ने उसी 1 अप्रैल को पुलिस के ऑनलाइन पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवा दी थी, लेकिन पुलिस के सिस्टम में तकनीकि खराबी के कारण पुलिस यह शिकायत देख नहीं पाई। नौ अप्रैल को जब सिस्टम ठीक हुआ, तो पुलिस के पास जैसे ही ऑनलाइन शिकायत पहुंची, तो पुलिस ने धारा 506 के तहत केस दर्ज कर लिया। मामले की जांच के दौरान क्राइम ब्रांच ने मोबाइल नंबर ट्रेस किया, तो वह कैथल का निकला। पुलिस ने कैथल के अग्रिम नामक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद छोड़ दिया है।

वोडाफोन आइडिया ने 'रीचार्ज फॉर गुड' प्रोग्राम लॉन्च किया

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

यह ऑफर वोडाफोन आइडिया के सभी प्रीपेड उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध

किसी अन्य व्यक्ति के लिए रीचार्ज करें और अगले रीचार्ज के लिए कैशबैक पाएं

वोडाफोन आइडिया ने मौजूदा अनिश्चितता के दौर में लोगों को एक-दूसरे के साथ डिजिटली जोड़े रखने के लिए एक अनूठी पहल 'रीचार्ज फॉर गुड' का लॉन्च किया है। इस प्रोग्राम के तहत वोडाफोन आइडिया का हर उपभोक्ता किसी ऐसे दोस्त, परिवारजन या अन्य व्यक्ति के लिए रीचार्ज कर सकता है, जिसे इंटरनेट के जरिए या ऑनलाईन रीचार्ज करना नहीं आता। माय वोडाफोन ऐप या माय आइडिया ऐप के जरिए किसी अन्य जरूरतमंद के लिए रीचार्ज करने वाले उसपभोक्ता को छह फीसदी तक का कैशबैक मिलेगा।

'रीचार्ज फॉर गुड' प्रोग्राम के बारे में बात करते हुए अवनीश खोसला, मार्केटिंग डायरेक्टर, वोडाफोन आइडिया ने कहा, मौजूदा स्थिति में बड़ी संख्या में प्रीपेड उपभोक्ताओं पर असर हुआ है जो रीचार्ज कराने के लिए बाहर नहीं जा सकते या इंटरनेट के जरिए डिजिटल रीचार्ज करना नहीं जानते। एक दूरसंचार कंपनी के रूप में हम इस अनिश्चित दौर में अपने सभी उपभोक्ताओं को एक दूसरे के साथ जोड़े रखने के लिए प्रयासरत हैं। इसीलिए हम 'रीचार्ज फॉर गुड' प्रोग्राम लेकर आए हैं, ताकि इस मुश्किल समय में लोगों के लिए फोन रीचार्ज करने की समस्या हल हो जाए। हम डिजिटल रूप से सक्रिय अपने सभी वोडाफोन एवं आइडिया उपभोक्ताओं से आग्रह करते हैं कि 'रीचार्ज फॉर गुड' के माध्यम से किसी अन्य जरूरतमंद के लिए रीचार्ज करें।

वोडाफोन आइडिया 'रीचार्ज फॉर गुड' कैसे काम करता है

- मौजूदा प्रीपेड उपभोक्ता माय वोडाफोन ऐप या माय आइडिया ऐप के जरिए लॉगइन करता है और किसी अन्य वोडाफोन आइडिया प्रीपेड उपभोक्ता के लिए रीचार्ज करता है।
- इसके बाद रीचार्ज करने वाले उपभोक्ता को रीचार्ज की राशि के आधार पर कैशबैक मिलता है।
- उपभोक्ता के अगले रीचार्ज पर कैशबैक कूपन का इस्तेमाल किया जा सकता है।

नोट- कैशबैक ऑफर माय वोडाफोन ऐप या माय आइडिया ऐप के माध्यम से रीचार्ज पर लागू होगा।

7 बजे के बाद कंबाइन से कटाई करने पर 21 हजार लगाया जाएगा जुर्माना

निगदू। मार्केट कमेटी कार्यालय में शनिवार को मार्केट कमेटी सचिव दिनेश कुमार व अनाज मंडी के प्रधान राजबीर सागवाल की अध्यक्षता में मार्केट कमेटी के अंडर आने वाले गांवों के सरपंचों और सरपंच प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की गई। जिसमें कोरोना वायरस महामारी को मध्यनजर रखते हुए गेंह की फसल की कटाई को लेकर विचार विमर्श किया गया। बैठक में फैसला लिया गया कि कम्बाइन सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे तक गेहूं की कटाई करेंगे। यदि किसी कंबाइन के मालिक ने 7 बजे के बाद कम्बाइन से गेहूं की कटाई की तो कम्बाइन मालिक पर 21 हजार रुपये का जुर्माना मार्केट कमेटी के माध्यम से लगाया जाएगा। और कम्बाइन को भी जब्त कर लिया जाएगा। तथा जुर्माना राशि को प्रधानमंत्री राहत कोष में जमा करवाया जाएगा।

घर में आइसोलेट लोगों के बाहर घूमने पर 20 नामजद

भोजावास में मुस्लिमों ने किया एकांतवास का उल्लंघन

नारनौल। कनीना उपमंडल के गांव भोजावास में बीती एक अप्रैल को घर पर आईसोलेट किये गये व्यक्तियों द्वारा बीती रात्री खेत से गेहूं की फसल कटाई कर घर लाने ओर गांव में लगाये गये नाके पर लॉकडाउन का उल्लंघन करने पर विवादास्पद स्थिति पैदा हो गई। पुलिस ने लॉकडाउन का उल्लंघन करने पर सलीम खां, लालाखां, साबुद्दीन, सोमनखान, इमरान खान, आशुखां, दीन मोहमद, फरीदखान, लीलूखान, पवनखान, इरफानखान, सब्बुद्दीन, मुंसेरखां सहित इनकी महिलाओं एवं बच्चों सहित करीब 20 व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज किया है। क्वारंटाइन किये गये सलीम खान ने बताया कि उनके परिवार के 5 व्यक्ति गांव की महिला सरपंच मंजूबाला को सूचित करके गोमला में खेत से गेहूं निकालने गये थे। उन्हें जानबूझकर परेशन किया जा रहा है।

विदित रहे कि गांव में सलीम व उनके परिजनों 28-30 परिजनों को चिकित्सकों ने एक अप्रैल को घर पर आइसोलेट किया था। बताया जाता है कि बीती रात्री करीब साढ़े 11 बजे सलीम के 5-6 परिजन खेत में पहुंचे और गेहूं निकलवाकर लाये। गांव में लगाये गये नाके पर तैनात चार ग्रामीणों ओमप्रकाश, आकाश, दशरथ व धर्मबीर सिंह ने उन्हें रोककर पूछताछ करनी चाही तो वे चले गये। बाद में उनके पीछे बाइक से ओमप्रकाश आदि पहुंचे और रामलीला मैदान के पास पहुंचकर पूछताछ की जिसमें क्वारंटाइन किए हुए उनके परिजन भी आ गये। दोनों ओर से गर्मागर्मी शुरू हो गई।

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 12 अप्रैल 2020

कोरोना महामारी पर चौकन्नी सरकार

राजधानी में 6 नए हॉटस्पॉट सील, एक मौत

तमाम ऐहतियात के बावजूद तेजी से बढ़ रहा कोविड-19 संक्रमण, 183 नए मामले

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में तमाम उपायों के बावजूद कोरोना वायरस का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। नए मामले सामने आने से सरकार ने छह और हॉट स्सॉट को सील कर दिया है। इससे पहले 24 हॉट स्पॉट थे जिनकी संख्या शनिवार को बढ़कर तीस हो गई है। जिन इलकों को सील किया गया है उनमें सदर बाजार, चांदनी महल, नबी करीम, जी-174 कैपिटल ग्रीन डीएलएफ मोती नगर, बी-1/2 पश्चिम विहार, 11/3 द्वितीय मंजिल अशोक विहार शामिल हैं।

दिल्ली सरकार और पुलिस प्रशासन संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए मुस्तैदी से डटा हुआ है। नोटिस से लगाकर हॉट स्पॉट वाले इलाकों में आवाजाही को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। दिल्ली नगर निगमों, दमकल विभाग और नई दिल्ली नगर पालिका परिषद इलाकों में साफ-सफाई सुनिश्चित करने के साथ सैनिटाइजेशन का काम जोरशोर से किया जा रहा है। इसके बावजूद हर दिन नए मामले साथ में आते जा रहे हैं।

इस बीच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से विडियो कांफ्रेंसिंग के बाद कहा कि दिल्ली सरकार पूरी तरह से केंद्र के साथ खड़ी है। प्रधानमंत्री ने लॉकडाउन को बढ़ाने के लिए जो भी फैसला किया है सही है। मुख्यमंत्री ने तीन सुझाव भी दिए हैं। जिनमें लॉकडाउन बढ़ाकर 30 अप्रैल तक बढ़ाया जाना चाहिए। इसके अलावा कोरोना महामारी से निपटने के लिए जो भी फैसला लिया जाए वह राष्ट्रीय स्तर पर हो और तीसरा अगर ढील दी जाती है तो आवाजाही पर चाहे व सड़क, रेल और हवाई यातायात को बंद रखा जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में ज्यादातर मुख्यमंत्रियों ने कोरोना वायरस के मद्देनजर लागू लॉकडाउन को बढ़ाने की मांग की। बैठक के बाद सीएम केजरीवाल ने तो ट्वीट कर इसकी पुष्टि भी कर दी कि प्रधानमंत्री ने लॉकडाउन बढ़ाने का फैसला ले लिया है। आज अगर तमाम विकसित देशों के मुकाबले भारत की स्थिति बेहतर है तो इसकी मुख्य वजह यह है कि हमने पहले ही लॉकडाउन कर दिया। अभी अगर इसे रोका गया तो इसके अभी तक जो भी फायदे मिले हैं, वे सभी खत्म हो जाएंगे। इसलिए लॉकडाउन को बढ़ाया जाना बहुत महत्वपूर्ण है।

केजरीवाल ने अपने ट्वीट में लॉकडाउन बढ़ाए जाने की तो जानकारी दी लेकिन इसका कोई जिक्र नहीं किया कि यह कब तक के लिए बढ़ेगा। ओडिशा और पंजाब ने तो पहले ही अपने-अपने प्रदेशों में लॉकडाउन को क्रमश: 30 अप्रैल और 1 मई तक के लिए बढ़ाने का ऐलान कर चुके हैं।

हैबतपुरा गांव शिफ्ट की गई नजफगढ़ सब्जी मंडी

नई दिल्ली। भीड़भाड़ के कारण नजफगढ़ सब्जी मंडी को पास के ही हैबतपुरा गांव में दिल्ली सरकार ने स्थानांतरित कर दिया है। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर यह सुनिश्चित करना है कि लोग बाजार में सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करें।

दिल्ली सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मुख्य सड़क पर होने के कारण नजफगढ़ मंडी में भीड़ रहती है। इससे लोगों के स्वास्थ्य को खतरा है। नजफगढ़ के उपमंडलीय दण्डाधिकारी (एसडीएम) सौम्य शर्मा ने अपने आदेश में इलाके के थाना प्रभारी को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि नए स्थान पर मंडी में भीड़ भाड़ को संभालने के लिए पर्याप्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाए। एसडीएम ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि पुरानी सब्जी मंडी में किसी भी विक्रेता को सब्जी बेचने की इजाजत नहीं होगी।

खाली कराया मकान तो लगेगा एनएसए

पैरामेडिकल स्टाफ की शिकायत पर डीएम ने जारी किया आदेश

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

उत्तर प्रदेश सरकार ने शनिवार को एक बड़ा आदेश जारी किया है। सरकार की ओर से आदेश दिया गया है कि अब डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ से कोई भी घर या मकान खाली नहीं करवाया जा सकता है। पूरे उत्तर प्रदेश में यह पाबंदी 30 अप्रैल तक लागू रहेगी। गौतम बुद्ध नगर पुलिस कमिश्नर आलोक कुमार सिंह ने सरकार के इस आदेश को जिले में लागू कर दिया है।

गौतम बुद्ध नगर के अपर पुलिस उपायुक्त आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर में कोई भवन स्वामी, सोसायटी प्रबंधक अब चिकित्सक या पैरामेडिकल स्टॉफ से आवास खाली नहीं करवाएगा। इसके लिए दबाव भी नहीं बनाएंगे। धारा 144 सीआरपीसी के अंतर्गत यह निषेधाज्ञा जारी की गई है। निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने पर ऐसे भवन स्वामी और सोसायटी प्रबंधकों के विरूद्ध राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम की धारा 51ए महामारी अधिनियम और एनएसए के तहत कार्रवाई की जाएगी।

अपर पुलिस उपायुक्त कानून एवं व्यवस्था आशुतोष द्विवेदी ने बताया, उत्तर प्रदेश शासन ने कोविड-19 के कारण फैल रही महामारी को आपदा घोषित किया है। इस महामारी के संक्रमण से प्रभावित मरीजों के उपचार और जीवन रक्षा में चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टॉफ की महती भूमिका है। जो स्वयं के संक्रमण से बचाव के प्रबन्ध के उपरान्त सतत संक्रमित मरीजों के उपचार हेतु अपनी चिकित्सीय सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। जोकि समुदाय के लिए आवश्यक हैं। विभिन्न माध्यमों से यह तथ्य संज्ञान में आ रहे हैं कि अनेक भवन स्वामियों और सोसायटी के प्रबन्धक मात्र संक्रमण की आशंकाओं के कारण ऐसे चिकित्सक व पैरामेडिकल स्टॉफ पर उनके आवासों को खाली करने के लेकर दबाव बना रहे हैं।

एडीसीपी ने कहा, वर्तमान में आपातकालीन और आपवादिक परिस्थितियों में इस प्रकार का दबाव चिकित्सक व पैरामेडिकल स्टॉफ द्वारा समुदाय को दी जाने वाली आवश्यक सेवाओं के अनुरक्षण, आपदा प्रबन्धन पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला है। जिससे मानव जीवन और सामुदायिक स्वास्थ्य क्षेम को खतरा है। अत: यदि किसी भवन स्वामी या सोसायटी प्रबंधक ने चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टॉफ से आवास खाली कराने को लेकर दबाव बनाने की कोशिश की तो उसके विरूद्ध राष्ट्रीय आपदा अधिनियम.2005 की धारा 51ए महामारी अधिनियम.1897 के तहत दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।

नोएडा में एक और व्यक्ति कोरोना से हुआ संक्रमित

नोएडा। शनिवार को नोएडा में कोरोना वायरस से संक्रमित एक और व्यक्ति सामने आया है। अब जिले में कोरोना वायरस से पीड़ित मरीजों की संख्या 64 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि शनिवार को 22 रिपोर्ट मिली है, जिनमें से एक टेस्ट रिपोर्ट को कोरोना वायरस से पॉजिटिव बताया गया है। इस व्यक्ति को उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल कर दिया गया है।

आपको बता दें कि गौतम बुद्ध नगर में अब तक 64 लोगों को कोरोना से संक्रमित घोषित किया जा चुका है। इस सप्ताह में केवल 7 नए मामले सामने आए हैं। दूसरी ओर 12 लोगों को सफ ल उपचार के बाद उनके घर भेज दिया गया है।

प्रेसवार्ता को संबोधित करते डीएम सुहास एलवाई। फोटो : दीपक यादव

सीलबंद इलाकों के लिए बढ़ाया गया स्टाफ

जिम्स और चाइल्ड पीजीआई में बनेगी प्रयोगशाला, किया अनुबंध

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोविड-19 संक्रमण की जांच में शहर में तेजी आएगी। इसके लिए यहां दो प्रयोगशाला की स्थापना जल्द हो जाएगी। आगामी दो से तीन दिनों में जिम्स ग्रेटर नोएडा में प्रयोगशाला स्थापित कर दी जाएगी। इसके लिए 46.22 लाख रुपए खर्च किए जा रहे हैं। एक प्रयोगशाला चाइल्ड पीजीआई में करीब 65 लाख की लागत से स्थापित की जा रही है।

इसके लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलॉजिकल के साथ अनुबंध किया गया है। इसके बाद सैंपल को जांच के लिए शहर के बाहर नहीं भेजना होगा। वर्तमान में सैंपल मेरठ, अलीगढ़, लखनऊ, सैफई स्थित प्रयोगशाला में भेजे जा रहे थे। जिससे रिपोर्ट आने में समय लग रहा था।

डीएम ने बताया कि शहर में प्रतिदिन काफी जांच की जा रही है। अब तक 1283 जांच की जा चुकी है जिसमें सक्रिय मरीजों की संख्या 52 है। इनका इलाज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 300 टीम की संख्या में इजाफा किया गया है। अब कुल 407 लोगों की टीम कोविड-19 के वारियर्स हैं।

अस्पतालों को जारी की गई एडवाइजरी

जिलाधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को जेपी अस्पताल में भर्ती एक मरीज जिसका आपरेशन किया गया वह कोविड-19 से संक्रमित था। मरीज मुजफ्फरनगर से यहां इलाज करा रहा था। ऐसे में मुज्जफरनगर प्रशसन को इसकी जानकारी दे दी गई है। साथ ही अस्पताल के आपरेशन वार्ड, डाक्टर व नर्स को क्वारंटाइन कर दिया गया है। इसके अलावा आपरेशन थियेटर के साथ वार्ड व मरीज जहां-जहां गया था सभी को सील कर सेनेटाइजेशन किया गया। वहीं, सभी अस्पतालों को एडवाइजरी जारी की गई है जो इंफ्लूंजा से संबंधित कोई भी केस आता है तो उसकी स्क्रीनिंग की जाए यदि हिस्ट्री व लक्षण मिलते है तो उसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग को तत्काल दें या गंभीर मरीज हैं तो पहले कोविड-19 का टेस्ट कराए इसके बाद ही सर्जरी की जाए।

खेत में चल रही थी शराब बनाने की फैक्ट्री, दो लोग गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा में पुलिस ने अवैध शराब बनाने की एक फैक्ट्री का भंडाफोड किया है। लॉकडाउन के दौरान ये ऊंची कीमतों पर शराब की सप्लाई करने के लिए फैक्ट्री चला रहे थे। पुलिस ने शनिवार को छापा मारा मौके पर काम कर रहे दो लोगों को गिरफ्तार करके उन्हें जेल भेजा गया है। फैक्ट्री से भारी मात्रा में अवैध शराब और शराब बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा उपकरण भी बरामद किया गया है।

डीसीपी आरके सिंह ने बताया कि शनिवार को थाना रबूपुरा पुलिस ने एक संयुक्त टीम बनाकर थानाक्षेत्र के ग्राम चंडीगढ़ में छापा मारा। वहां पर चल रही 3 भट्टियों और 2000 लीटर लहन को नष्ट किया गया है। 90 लीटर कच्ची शराब और 100 किलोग्राम गुड़, प्लास्टिक के 4 ड्रम, 3 बड़े पतीले एल्युमिनियम, 5 लोहे के ड्रम छोटे, 2 लोहे के तसले, 4 किलोग्राम यूरिया बरामद किया है। डीसीपी ने बताया कि मौके से दो लोगों को गिफ्तार किया गया है।

बरामद सामान के साथ दोनों आरोपी पुलिस के कब्जे में।

असामाजिक तत्वों ने फूंका रैनबसेरा, पुलिस पर फेंके पत्थर

कश्मीरी गेट स्थित बड़े शेल्टर होम में थी बेसहारा लोगों के रहने, खाने-पीने की व्यवस्था

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कश्मीरी गेट थाना क्षेत्र में निगम बोध घाट के निकट स्थित होम शेल्टर में असामाजिक तत्वों ने आग लगा दी है। यहां पर गरीबों को सोशल डिस्टेंसिंग के तहत रखा गया था और उनके खाने-पीने की व्यवस्था भी की गई थी। आग की लपटों पर कड़ी मशक्कत के बाद काबू पा लिया गया है। इस आगजनी में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

मौके पर पहुंची दमकल की पांच गाड़ियों ने आग तो बूझा दिया लेकिन अब सवाल खड़ा हो गया है कि यहां रहने वालों को कहां रखा जाएगा।

आग की लपटों में धू-धूकर जलता कश्मीरी गेट का रैनबसेरा।

इससे पहले आगजनी की सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस टीम पर लोगों ने पथराव भी किया। घटना शनिवार शाम छह बजे की है।

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि गत शुक्रवार को कोई यहां पर खाना बांटने के लिए आया था। उस समय यहां पर भीड़ जमा हो गई थी। जिसके बाद वहां पर तैनात सिविल डिफेंस के कर्मियों ने जब इन लोगों से सोशल डिस्टेंस बनाने की बात कही तो यहां रहने वाले लोग भड़क गए। इसके बाद सिविल डिफेंस के कर्मियों के साथ हाथापाई करने पर उतारू हो गए जिसके बाद सिविल डिफेंस कर्मियों ने सख्ती कर हंगाम कर रहे लोगों पिटाई शुरू की। तभी इनमें से तीन-चार लोग यमुना में कूद गए जिसके बाद गोताखोरों ने इनमें से 3 लोगों को बाहर निकाला लेकिन बाहर आने के बाद उन्होंने कहा कि उनका एक साथी यमुना में डूब गया है।

शनिवार को गोताखोरों की टीम ने सिविल लाइंस स्थित यमुना नदी से एक शव बरामद किया गया था जिसकी शिनाख्त के लिए पुलिस जब उन लोगों से संपर्क किया तो इन लोगों ने जमकर बवाल काटा।

हॉटस्पॉट इलाकों में डोर टू डोर सर्वेक्षण करेगा एसडीएमसी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम केजरीवाल सरकार द्वारा पहचान किए गए हॉटस्पॉट में कोरोना वायरस के प्रभाव को कम करने के लिए विशेष अभियान चला रहा है। निगम द्वारा लगभग 200 सफाई कर्मचारी, 20 कैंटर, 8 दमकल वाहनों और 16 जैटिंग मशीनों द्वारा सेनेटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है।

इन हॉटस्पॉट में रोजाना साफ-सफाई सुनिश्चित करने के साथ घरों से कूड़ा भी उठाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष टीमें तैयार की जा रही हैं जो डोर-टू-डोर सर्वे और मेडिकल जांच करेगी।

पश्चिमी जोन के एकमात्र हॉटस्पॉट अशोक नगर में भी लगभग 400 घरों को सेनेटाइज किया गया। इस क्षेत्र में कोरोना के जो तीन पॉजिटिव केस आए थे उनके घरों और आसपास के क्षेत्र में अतिरिक्त 20 सफाई कर्मचारियों को लगाकर सोडियम हाइपोक्लोराट सोल्यूशन का छिड़ किया गया। कोरोना हॉटस्पॉट के रूप में चिन्हित किए गए जाकिर नगर में भी 35 सफाई कर्मचारियों द्वारा पावर स्प्रे और नैपसैक पंपों द्वारा किटाणुनाशक दवा का छिड़काव किया गया।

संक्षिप्त समाचार

मजनूं का टीला स्थित सी-ब्लॉक मार्केट में ड्रोन से सैनिटाइजेशन के दौरान मौके पर मौजूद महापौर अवतार सिंह।

मजनूं का टीला में ड्रोन से सैनिटाइजेशन

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने मजनूं का टीला स्थित सी-ब्लॉक मार्केट को ड्रोन से सैनिटाइज किया। इस मौके पर महापौर अवतार सिंह मौजूद थे। उन्होंने बताया कि एनडीएमसी द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में ड्रोन के द्वारा सैनिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है। ऐसा करने वाली उत्तरी दिल्ली नगर निगम पहली निगम है। कोरोना प्रभावित क्षेत्रो में ड्रोन द्वारा सैनिटाइजेशन का कार्य काफी आसान हो गया है। इसके इस्तेमाल से न केवल निगम स्वास्थ्य कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चत कर रहा है बल्कि ज्यादा से ज्यादा क्षेत्रों में सैनिटाइजेशन का कार्य आसान हो गया है। निगम कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए हर संभव कोशिश रहा है ताकि दिल्ली वालों को इस खतरनाक बीमारी से बचाया जा सके।

संत निरंकारी मंडल द्वारा जरूरतमंदों को बांटने के लिए खाद्य पदार्थों की पैकिंग करते सेवक।

संत निरंकारी मंडल ने पीएम फंड में दिए 5 करोड़

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के संक्रमण से निपटने के लिए संत निरंकारी मंडल हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री राहत कोष में 50 लाख के साथ-साथ प्रधानमंत्री राहत कोष में पांच करोड़ रुपये का योगदान दिया है। निरंकारी सद्गुरु माता सुदीक्षा महाराज के सौजन्य से मिशन के प्रबंधक और एवं सेवादार देशभर के लाखों भाइयों और बहनों तक पहुंचे जो कोरोनो वायरस के लॉकडाउन से प्रभावित हुए है। दिल्ली -एनसीआर में निरंकारी कॉलोनी,पालम, रोहिणी, रोहतास नगर, मंगोल पुरी, मदनगीर, पीरागढ़ी, महरौली, गीता कॉलोनी, मॉडल टाउन, सुल्तान पुरी, रानी बाग, प्रेम नगर, मुबारकपुर, मुखर्जी जरूरतमन्दों तक भोजन व राशन राहत सामग्री मुहैया करा रहा है।

कर्मचारी संघ का सीएम-एलजी से आग्रह

नई दिल्ली। कर वसूली में भारी गिरावट के मद्देनजर दिल्ली सरकार के कर्मचारी एसोसिएशन ने उपराज्यपाल अनिल बैजल और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से डॉक्टरों, नर्सों व कोविड-19 के संदिग्ध मरीजों को धार्मिक संस्थानों के परिसरों में ठहराने का अनुरोध किया है। एसोसिएशन के अनुसार सरकार ने कोविड-19 मरीजों का इलाज कर रहे डॉक्टरों को पांच सितारा होटलों में ठहराने का इंतजाम किया है। जिससे ऐसे वक्त में सरकारी खजाने पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा जब कर राजस्व में भारी गिरावट आयी है। मालूम हो कि इस सप्ताह के शुरू में केजरीवाल ने सभी विभागों को कर्मचारियों को सैलरी छोड़कर बाकी खर्च को बंद करने का निर्देश दिया गया है।

गैस से भरा कैप्सूल ट्रक पलटा, कोई हताहत नहीं

गाजियाबाद। थाना साहिबाबाद क्षेत्र में हिंडन एयर फोर्स स्टेशन मार्ग से राजनगर एक्सटेंशन जाने वाले सड़क की ओर नाग गेट के पास रसोई गैस से भरा एक इंडियन ऑयल का कैप्सूल ट्रक पलट गया।

शनिवार की दोपहर में एक ट्रक इंडियन आयल गैस प्लांट टीला मोड़ की ओर से आया था और हिंडन एयर फोर्स स्टेशन मार्ग से होकर राजनगर एक्सटेंशन की ओर जा रहा था। तभी नाग गेट के पास अचानक ट्रक एक गड्ढे के कारण अनियंत्रित हुआ और पलट गया। इस घटना में ट्रक चालक और परिचालक की जान बाल-बाल बच गई। गनीमत यह रही कि लॉकडाउन के कारण वाहनों की आवाजाही बंद थी।

मामूली विवाद में भतीजे ने वृद्ध चाची की कर दी हत्या, फरार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

कविनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सदरपुर गांव में मामूली विवाद होने पर एक व्यक्ति ने वृद्धा चाची की हत्या कर दी। हत्या करने के बाद हत्यारोपी मृतका के शव को अपने घेर में स्थित भूसे के कोठे में छुपाकर फरार हो गया। वारदात की सूचना मिलते पर पुलिस मौके पर पहुंची और वृद्धा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एसएचओ कविनगर मोहमद असलम ने बताया कि मृतका के पुत्र द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर हत्यारोपी की गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिये गये हैं। सदरपुर गांव में 75 वर्षीय तुलसी देवी पत्नी स्वर्गीय कुंवरपाल सिंह शनिवार सुबह अपने घर के बाहर झाड़ू लगा रही थी। उस समय भतीजा सुधीर भूसा लेकर आ रहा था।

पुलिस के मुताबिक, कुछ भूसा तुलसी देवी के घर के सामने गिर गया। भूसा गिरने पर ताई व भतीजे के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद सुधीर ने अपनी ताई पर हमला करके उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। खून से लथपथ तुलसी देवी को वो घसीटता हुआ अपने घेर में ले गया। जहां उनकी धोती से ही उनका गला घोटकर मौत के घाट उतार दिया।

अधिकारियों संग बैठक करते एडीएम यशवर्धन श्रीवास्तव।

गेहूं खरीदने को बनाये गए बारह खरीद केंद्र

गाजियाबाद। जिले में किसानों से 75हजार कुंतल गेहूं खरीदे जायेंगे । यह खरीददारी 15 अप्रैल से शुरू होगी और इसके लिए 12 खरीद केंद्र बनाये गए हैं । इसकी तैयारी को लेकर अधिकारियों की बैठक कलक्ट्रेट में हुई । बैठक में किसानों से गेहूं खरीद के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के निर्देश दिए गए। किसानों को 1925 रूपये का प्रति कुंतल की दर से भुगतान किया जायेगा ।

बैठक के बाद अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व यशवर्धन श्रीवास्तव ने बताया कि सभी किसानों को सरकार की इस योजना का लाभ उठाने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा।

दूध डेयरी संचालकों को सताने लगी पशुओं के चारे की चिंता

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

लॉकडाउन के चलते पशुओं के लिए चारा ना मिल पाने की वजह से शहरी क्षेत्रों में दूध की डेयरी चलाने वाले संचालकों के सामने अपने पशुओं का पेट भरने का संकट खड़ा हो गया है। अब उनको चिंता सताने लगी है कि अगर ऐसे ही चलता रहा तो उनके पालतू पशु भुखमरी की कगार पा आ जाएंगे।

बता दें कि लॉकडाउन के चलते किसान खेतों पर नहीं जा पा रहे हैं। ऐसे में उन लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है जो शहरी क्षेत्रों में दूध का व्यापार करते हैं। डेयरी संचालको का कहना है कि उनको अपने पशुओं का चारा, भूसा, खल चुरी नहीं मिल पा रही है। अगर कहीं से वह अपने पशुओं के चारे का इंतजाम करते हैं तो वह उनको पहले से कहीं अधिक दामों पर खरीदना पड़ता है। डेयरी संचालकों के मुताबिक लॉकडाउन की वजह से उनके दूध की सप्लाई भी बंद हो गई है। अब वह दूध सस्ते दामों में बेच रहें हैं जिसकी वजह से उनको नुकसान उठाना पड़ रहा है।

गेट पर नहीं घरों की देहरी तक पहुंचेगा जरूरी सामान

जिलाधिकारी ने नोएडा के हॉटस्पॉट क्षेत्रों में डिलीवरी की दी इजाजत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा, ग्रेटर नाऐडा के सभी हॉटस्पॉट में डोर स्टेप डिलीवरी की इजाजत दी गई है। अभी तक सोसाइटी, सेक्टर और गांव के मुख्य द्वार तक रोजमर्रा के सामान की डिलीवरी की जा रही थी।

डीएम सुहास एलवाई

ऐसे में लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। लोग लगातार सोशल मीडिया और हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत कर रहे थे। शनिवार को जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने यह जानकारी दी कि सभी हॉट स्पॉट्स में डोर स्टेप डिलीवरी की इजाजत दी गई है। डीएम ने जानकारी दी कि हॉट स्पॉट्स के अंदर डोरस्टेप डिलीवरी के लिए हमने होम डिलीवरी कर्मियों (केवल आवश्यक सामान) को सोसायटी के मुख्य द्वार के अंदर प्रवेश करने की अनुमति दी है। उन्होंने सभी आरडब्ल्यूए और निवासियों से सामाजिक दूरियां सुनिश्चित करने का अनुरोध भी किया। आपको बता दें कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा में 22 आवासीय क्षेत्रों को कोरोना वायरस के मद्देनजर हॉट स्पॉट घोषित किया गया है। इन सभी आवासीय परिसरों को बुधवार रात 12 बजे सील कर दिया गया था। वहां न तो किसी को जाने की इजाजत है और ना ही इन आवासीय क्षेत्रों से कोई व्यक्ति बाहर निकल सकता है। रोजमर्रा की वस्तुएं ब्रेड, दूध, फल, सब्जी और अंडे की डिलीवरी करने की जिम्मेदारी जिलाधिकारी और विकास प्राधिकरण ने उठाई थी। विकास प्राधिकरणों ने तमाम इंतजाम किए लेकिन, लोगों की परेशानी दूर नहीं हो सकी। दूसरी ओर जिला प्रशासन ने जिन वेंडर्स की लिस्ट जारी की थी, उनमें से ज्यादातर सेवाएं नहीं दे पा रहे हैं। ऐसे में गुरुवार और शुक्रवार को मारामारी का माहौल रहा। लोग सोशल मीडिया पर शिकायतें करते रहे।

पुलिस, प्रशासन और प्राधिकरण शिकायतों का निवारण करने में जुटे रहे। अब हालात संभालने के लिए शनिवार को जिला प्रशासन ने डिलीवरी बॉयज को इन आवासीय क्षेत्रों में प्रवेश की इजाजत दी है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

लॉकडाउन के बीच हुनरमंद बन रही महिलाएं

कई तरह की मिठाइयां, साउथ इंडियन खाना समेत विशेष व्यंजन बना परिवार को दी सौगात

किसी ने पर्यावरण हेल्थ पर किया फोकस

लॉकडाउन : घर में बने व्यंजन दिखाती गृहिणी सरोज, किरन, रेखा व संजू जैन। पूनम ने बनाया केक। योगा करतीं मिसेज भारत आइकन प्लेटिनम रितु कटारिया। योगा करती सोशल एक्टिविस्ट शिल्पी अरोरा।

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

कोरोना वायरस और उसके खौफ से लॉकडाउन, यानी जिन्दगी का थम जाना। हर कोई अपने-अपने घरों में बंद। बहुतों का टाइम पास नहीं हो रहा तो बहुतों ने टाइम का सदुपयोग करके खुद की प्रतिभा को ही निखार लिया। इसमें महिलाओं की संख्या अव्वल है। आज हम ऐसी महिलाओं को आपसे रूबरू करा रहे हैं, जिन्होंने लॉकडाउन में खाने की चीजों पर प्रयोग किए और वे सफल रहे। इसके साथ ही योग, आसन व पर्यावरण के क्षेत्र में भी कई महिलाओं ने सकारात्मक कार्य किए।

सबसे पहले बात करते हैं सरोज की। परिवार के साथ लॉकडाउन के बीच घर में बंद सरोज ने कुछ नया करने की सोची। यह नया खाने की चीजों पर प्रयोग था। इसके लिए उन्होंने यू-ट्यूब का सहारा लिया। वहां से नॉलेज जुटाई। इसके बाद उन्होंने घर में चॉकलेट केक, बेसन बर्फी, समोसा, केस, ब्रेड पकोड़ा, जलेबी, इडली, सांभर और ढोकला बना डाला। बिना किसी मिलावट के यह सब घर में ही बनाकर उन्होंने अपने परिवार को अच्छी, पौष्टिक चीजें खिलाने के साथ खुद कुछ नया सीखा। उनके लिए एक तरह से यह होम साइंस जैसा था। सरोज कहती हैं कि कुछ नया करने की सोचकर शुरुआत करें। सफलता लाजिमी मिलेगी।

किरन, रेखा ने डोसा व साम्भर बना दिखाई प्रतिभा

गृहिणी किरन और ब्यूटी एक्सपर्ट रेखा ने भी लॉकडाउन में कुछ प्रयोग किए। उन्होंने साउथ इंडियन फूड डोसा, साम्भर बनाने की शुरुआत की और इस प्रयोग में सफल रही।

जिस तवे पर रोटियां बनती हैं, उस पर डोसा बनाकर उन्होंने अपने टैलेंट को दिखाया। पूरा परिवार उनकी इस प्रतिभा का दीवाना हो गया। किरन ने कहा कि वैसे तो वह हमेशा घर पर ही रहती हैं, लेकिन अब लॉकडाउन में घर में बंद रहना एक बंदिश हो गई है। इसलिए इस मौके पर उन्होंने कुछ नया ट्राई किया। टाइम पास के बहाने ही सही, कुछ नया बनाने की कोशिश की। वह खुश है कि उन्होंने टेस्टी डोसा-साम्भर बनाना सीख लिया है। रेखा ने भी उनकी तरह डोसा बनाकर अपने ब्यूटी एक्सपर्ट से इतर नए टैलेंट से रूबरू कराया।

रितु ने योग, आसन को बनाया मॉर्निंग मंत्र

बहुत सी महिलाएं ऐसी भी हैं, जिन्होंने लॉकडाउन में खुद के लिए समय निकाला और दिखाया टैलेंट। टैलेंट के साथ उन्होंने समाज को संदेश भी दिए हैं। बात करें गुरुग्राम में टीचर रितु कटारिया की तो उन्होंने योग के जरिए न केवल अपने परिवार को बल्कि सोशल मीडिया के जरिए औरों को भी संदेश दिया कि हेल्थ के लिए योग बहुत जरूरी है। रितु कटारिया के सामने कोई योगासन कठिन नहीं है। वे कोई भी आसन बेहद ही खूबसूरती के साथ आसानी से कर देती हैं। भले ही टीचिंग उनका पेशा हो, लेकिन वे फैशन की दुनिया का भी चमकता सितारा हैं। उन्होंने वर्ष 2018 में मिसेज हरियाणा का खिताब जीता। इसके अलावा वे मुम्बई में मिस इंडिया चार्मिंग, 2019 में मिसेज भारत आइकन प्लेटिनम का खिताब वे जीत चुकी हैं। बेस्ट स्माइल की मल्लिका रितु कटारिया मॉडल, सोशल एक्टिविस्ट हैं तो योग, फिटनेस, ड्राइविंग उनके शौक हैं। इन सब खूबियों के साथ रितु कटारिया लॉकडाउन के बीच अपने घर से ही जरूरतमंदों को भोजन सामग्री पहुंचाकर समाजसेवा का फर्ज भी पूरा कर रही हैं।

बगीचे को संभाल रही शिल्पी, साथ में योगा भी

सोशल एक्टिविस्ट शिल्पी अरोरा ने लॉकडाउन में योग और पौधों की बेहतरी देखभाल का काम शुरू किया। काफी अरसे बाद परिवार के साथ उन्होंने समय बिताया, वहीं सुबह के समय उन्होंने अपने शौक पूरे किए। उनका शौक योग-प्राणायाम करने के साथ पौधे पालना भी है। इसलिए उन्होंने लॉकडाउन में अपना टाइम मैनेज करके सभी के साथ बिताया। शिल्पी कहती हैं कि बहुत दिनों बाद बच्चों के साथ फिल्म देखी। लूडो खेला और बगीचे की सफाई की। यही नहीं अपने जानने वालों को फोन करके उन्होंने घरों में रहने के लिए जागरुक करने के लिए उन्हें देश का वास्ता दिया।

संजू जैन ने भी हुई कई व्यंजन में एक्सपर्ट

लॉकडाउन में संजू जैन ने भी व्यंजनों पर ही प्रयोग किए। उन्होंने इडली-साम्भर, वड़ा, फिंगर चिप्स, सूजी वड़ा, उड़द दाल वड़ा, भिंडी के पकोड़े समेत कई चीजें बनाई। वे कहती हैं कि घर में रहना मजबूरी थी तो अपना दिमाग खाने की चीजें बनाने में लगाया। इससे परिवार भी खुश और खुद को भी नया सीखने को मिला।

संक्षिप्त समाचार

जांच कराने के लिए सूचना न देने पर जमात के सात लोगों पर केस

नूंह। नूंह जिले के पिनगवां थाना अंतर्गत डूंगेजा गांव के सात लोगों के खिलाफ जांच के लिए सूचना न देने पर मामला दर्ज किया गया है। सातों लोगों का ताल्लुक जमात से बताया जा रहा है। जिन्हें पुलिस ने खतरे को भांपते हुए आईसोलेशन वार्ड में भर्ती करा दिया गया है। जहां पर उनकी जांच के लिए सैंपल लिए गए हैं, समाचार लिखे जाने तक जांच की रिपोर्ट नहीं आई, लेकिन इनमेंसे कितने लोगों की रिपोर्ट पॉजीटीव पाई जाती है, ये स्वास्थ्य विभाग की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा। पिनगवां थाने के इंस्पेक्टर रतन लाल ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि डूंगेजा गांव में सात लोग जमात से घर वापिस आए थे, जिनकी सूचना ना तो स्वास्थ्य विभाग को दी गई और ना पुलिस को। ऐसे में जैसे ही इन सातों की सूचना मिली तो सातों को मौके पर पहुंच कर सभी को जांच के लिए पहुंचा गया और आईसोलेशन वार्ड में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि इन लोगों ने पुलिस को सूचना नहीं दी कि वह बाहर से आए हैं, जिससे कोरोना वायरस फैलने तथा दूसरे लोगों की जान के खतरे को भांपते हुए इन सातों के खिलाफ धारा 307 व लॉकडाउन की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है, जैसे ही ये सातों आईसोलेशन वार्ड से बाहर निकलेंगे उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। इसके अलावा इंस्पेक्टर रतन लाल ने क्षेत्र के लोगों से आह्वान किया है कि यदि कोई भी व्यक्ति इस तरह से जांच कराने के लिए सामने नहीं आ रहा है, उसकी सूचना पुलिस को दें, ताकि उसकी जांच कराई जा सके और वायरस को फैलने से रोका जा सके। वहीं इस बारे में जब डूंगेजा गांव के सरपंच खुर्शीद अहमद का कहना है कि वह इस मामले की सूचना गत 6 अप्रैल को डाक्टर व पंचायत सेक्टरी को सूचना दे चुके था।

गुरुग्राम में नाकों पर पुलिस कर्मियों का सम्मान

गुरुग्राम। इसमें कोई दोराय नहीं है कि लॉकडाउन को सफल बनाने में पुलिस का अहम रोल है। लोगों को सड़कों पर निकलने पर उनके खिलाफ कार्रवाई करने की बात हो या फिर अनुरोध करके उन्हें घरों में रहने को प्रेरित करना हो, पुलिस ने अपना काम बखूबी किया है। यहां इसे काम नहीं बल्कि देश सेवा कहा जाएगा। क्योंकि यह देश पर कोरोना के रूप में आई आपदा है। इससे बचने को हर किसी का जागरुक होना जरूरी है। यह बात बीजेपी जिला सचिव नवीन गोयल ने यहां सेक्टर-14 में पुलिस नाके पर पुलिस कर्मियों को सम्मानित करते हुए कही। पुलिस कर्मियों का यह सम्मान सेक्टर-14 आरडब्ल्यूए के साथ मिलकर किया गया। पुलिस कर्मियों को सम्मानित करने के दौरान बीजेपी निगरानी कमेटी के चेयरमैन सुमेर सिंह तंवर, जिला कोषाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, सेक्टर-14 थाना प्रभारी जसबीर सिंह, सिटी थाना प्रभारी रमेश कुमार भी मौजूद रहे। सम्मान के साथ पुलिस कर्मियों को मास्क व सेनिटाइजर भी दिए गए। इसके साथ ही सभी को फूल भी भेंट किए गए। साथ ही सोशल डिस्टेंस का खास ध्यान रखा गया। जिला सचिव नवीन गोयल ने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की ओर से लॉकडाउन में विशेष कार्य करने वालों को सम्मानित करने की परम्परा शुरू की गई है। इसी परम्परा का निर्वहन करते हुए उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं के साथ यहां पुलिस का सम्मान किया। शहर के चौक-चौराहों पर नाके लगाकर ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मचारियों का उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं के साथ सम्मान किया। साथ ही उन्होंने कहा कि कैनविन संस्था की ओर से 15 फीसदी छूट के साथ दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

गुरुग्राम में अब मशीनों व टैंकरों से सेनिटाइजेशन का काम शुरू

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा कोविड-19 की रोकथाम और बचाव के लिए युद्ध स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। इसके तहत पूरे क्षेत्र को लगातार सेनिटाइज करने का कार्य जोरों से चल रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को मेयर मधु आजाद तथा नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त विनय प्रताप सिंह द्वारा शहर में बड़े स्तर पर सेनिटाइजेशन कार्य की शुरुआत की गई है। सेनिटाइजेशन के लिए 5 मिस्ट मशीनों तथा 3 टेंकरों को निगम कार्यालय से सेनिटाइजेशन कार्य के लिए रवाना किया गया। ये मिस्ट मशीनें तथा टैंकर गुरुग्राम में सभी सार्वजनिक स्थानों, सड़कों, गलियों आदि को सेनिटाइज करेंगे। नगर निगम गुरुग्राम का उद्देश्य है कि गुरुग्राम का कोई भी क्षेत्र ना छूटे। इन मशीनों के माध्यम से गुरुग्राम के प्रत्येक क्षेत्र में सेनिटाइजेशन होगी। ये मिस्ट मशीनें ग्रेसग्रीन इंफ्रा तथा पीआई इंडस्ट्रीज द्वारा स्पांसर की गई हैं। आज शुरू की गई मशीनों में बड़े टैंकर की क्षमता 10 हजार लीटर, छोटे टैंकरों की क्षमता 5 हजार लीटर तथा मिस्ट मशीनों की क्षमता 1000 लीटर एवं 600 लीटर है। रिहायशी सोसायटियों, कॉलोनियों, कंडोमिनियम, पार्कों, सामुदायिक केंद्रों, मेडिकल एवं ग्रोसरी शॉप्स, बैंक शाखाओं, एटीएम, सरकारी कार्यालयों, पुलिस थानों, अस्पतालों सहित सभी प्रकार के सार्वजनिक स्थानों को नगर निगम गुरुग्राम द्वारा लगातार सेनिटाइज किया जा रहा है।

सफाई कर्मियों का फूलों से स्वागत, फिर दिया खाना

बेरी वाला बाग इको ग्रीन ट्रांसफर स्टेशन में नवकल्प फाउंडेशन ने किया कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के बेरी वाला बाग स्थित इको ग्रीन ट्रांसफर स्टेशन में सफाई कर्मियों को फल व खाना वितरित करते नवकल्प फाउंडेशन के सदस्य।

शहर की सफाई में अहम भूमिका निभाने वाले सफाई कर्मचारियों का शनिवार को यहां बेरी वाला बाग इको ग्रीन ट्रांसफर स्टेशन में फूलों से स्वागत किया गया। फिर उन्हें खाना और फल वितरित किए गए। नवकल्प फाउंडेशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बीजेपी जिला अध्यक्ष भूपेंद्र चौहान ने भी शिरकत की।

यहां अपने सम्बोधन में जिला अध्यक्ष भपूेंद्र चौहान ने कहा कि कोरोना वायरस का यह जो काल है, इसे हमें अपने देश, शहर, समाज का काल नहीं बनने देना। हमें इससे बचना है। जिनकी मजबूरी बाहर निकलना नहीं है, वे अपने घरों में रहें। जिनकी मजबूरी घरों से बाहर निकलने की है तो वे जरूरी इंतजामों के साथ बाहर निकलें। उन्होंने नवकल्प फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्था ने हजारों लोगों को रोजाना जिस तरह से सम्भाला है। उनका पेट भरा है, वह काबिले तारीफ है। कार्यक्रम में बीजेपी जिला महामंत्री अनिल गंडास, जिला उपाध्यक्ष हरविंद कोहली, जिला उपाध्यक्ष परीक्षित भारद्वाज, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष संदीप राघव भी मौजूद रहे। सभी ने नवकल्प फाउंडेशन के कार्यों की सराहना की। इकोग्रीन के डिप्टी सीईओ संजय शर्मा ने कहा कि शहर को स्वच्छ रखने के लिए बेहतर कार्य किया जा रहा है।

हरियाणा शिक्षा बोर्ड के पेपर मार्किंग शुरू

सोहना। हरियाणा शिक्षा बोर्ड की हाल ही में हुई कक्षा दस की परीक्षाओं में पेपरों की मार्किंग शुरू हो गई है। शिक्षकों को सेनेटाइज करके पेपर बंडल दिए गए हैं।

कोरोना वायरस से अहतियात बरतते हुए हरियाणा शिक्षा बोर्ड परीक्षा के पेपर मार्किंग कार्य किया जा रहा है। सोहना के राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल में बने सेंटर के प्रभारी मास्टर हुकमचंद राघव ने बताया कि पेपरों के बंडलों को सेनेटाइज किया गया है। उसके बाद मार्किंग के लिए शिक्षकों को दिए गए है। उन्होंने बताया कि शिक्षक अपने घरों पर पेपरों को ले जाकर मार्किंग करेंगे। क्योंकि लॉकडाउन के चलते किसी एक स्थान पर भीड़ करना उचित नहीं है। उन्होने बताया कि पेपर मंडल वितरण करने के दौरान भी शिक्षकों को एक से दो मीटर की दूरी बनाई गई। सेंटर प्रभारी ने बताया कि पेपर मार्किंग का कार्य 22 अप्रैल तक चलेगा।

टेक्निको इंडस्ट्रीज ने डोनेट किए मास्क और पीपीई किट

गुरुग्राम। कोविड-19 से बचाव के लिए काम आने वाले मास्क तथा पीपीई किट शनिवार को एक कम्पनी द्वारा नगर निगम गुरुग्राम को सीएसआर के तहत उपलब्ध करवाए गए हैं।

शनिवार को टेक्निको इंडस्ट्रीज गुरुग्राम के प्रतिनिधि अरुण गगड़ तथा अमित गुप्ता नगर निगम गुरुग्राम के सेक्टर-42 स्थित कार्यालय में पहुंचे। उन्होंने नगर निगम गुरुग्राम के सयुंक्त आयुक्त हरिओम अत्री तथा जूनियर इंजीनियर हरिकिशन को 15 हजार 3 प्लाई मास्क तथा 200 पीपीई किट सौंपे। कम्पनी द्वारा ये वस्तुएं अपने सीएसआर फंड के तहत उपलब्ध करवाई गई हैं। इसके लिए सयुंक्त आयुक्त हरिओम अत्री द्वारा कम्पनी प्रतिनिधियों का धन्यवाद किया गया। कम्पनी प्रतिनिधियों ने आगे भी आवश्यकता अनुसार हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

लॉकडाउन को भरपूर समर्थन दे रहे शहरवासी

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना की सब्जी मंडी में पसरा सन्नाटा।

सोहना के बाजार में बंद किराना दुकानें।

शहरवासियों को अब लॉकडाउन का असर समझ आने लगा है। शहर के व्यापार से जुड़े विभिन्न संगठन अपने आप ही अपनी दुकानों और गोदामों को सुबह दस बजे के बाद बंद कर लॉकडाउन को भरपूर समर्थन दे रहे हैं।

सोहना में सुबह दस बजे के बाद अपने आप ही छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े व्यापारी अपनी-अपनी दुकान और गोदामों के शटर गिरा घर चले जाते हैं। जिससे सुबह दस बजे के बाद अगले दिन सुबह छह बजे तक समूचा शहर लॉकडाउन के आगोश में आ जाता है। शहर की सड़कों से लेकर मोहल्लों के चौक-चौराहे, आम रास्ते व तंग गलियों में सन्नाटा पसर जाता है।

क्या हाल है शहर के पांच सार्वजनिक स्थानों का

1. पेट्रोल पंप : यातायात संसाधनों को हवा की गति देने वाला पेट्रोल और डीजल के पंप शहर में सुबह सात से दस बजे तक ही खुलते हैं। उसके बाद पंपों पर तेल देने का कार्य ठप हो जाता है। पलवल मार्ग पर स्थित श्रीचंद पेट्रोल पंप के प्रोफेसर अनिल अग्रवाल ने बताया कि उनकी यूनियन ने लॉकडाउन को महत्व देते हुए यह फैसला लिया कि पंपों को निर्धारित समय तक ही खोला जाएगा।

2. मेडिकल स्टोर:- शहर में चल रहे करीब 50 मेडिकल स्टोर मालिकों ने सुबह सात से दोपहर 12 बजे तक मेडिकल स्टोर खोलने का फैसला लेते हुए गुरुवार से अमल शुरू कर दिया है, लेकिन यूनियन के प्रधान बलजीत सिंह ने बताया कि कुछ मेडिकल स्टोर संचालक नशीला पदार्थ की बिक्री अपने घरों से बैठकर कर रहे हैं। ऐसे मेडिकल स्टोर संचालकों के खिलाफ शिकायत सीएम दरबार में की जाएगी।

3. सब्जी मंडी : सब्जी मंडी को दो दिन से पूर्णरूप से बंद कर दिया गया है। जो लॉकडाउन तक बंद ही रहेगी। केवल कुछ रेहड़ी मालिक ही किसानों से सब्जी खरीद मोहल्ले व चौक चौराहों पर बेचते हैं, लेकिन दस बजे के बाद वे भी नजर नहीं आते हैं।

4. बाजार : बाजार में लॉकडाउन का असर 100 फीसदी हो गया है। किराना दुकानों के शटर सुबह दस बजे के बाद दुकानदार अपने आप ही गिराना शुरू कर देते हैं। उनकी दुकानें अलगे दिन सुबह तक बंद रहती हैं। किराना दुकानदार विपिन कुमार ने बताया कि बाजार में अन्य किसी प्रकार की दुकानें पिछले 18 दिनों से खुली ही नहीं हैं।

5. कॉलोनियां : शहर में कॉलोनियों में रहने वाले परिवारों ने एकजुटता दिखाते हुए अपने आप ही सील करना आरंभ कर दिया है। शहर के वार्ड नंबर 6 और 12 में दो कॉलोनियों के निवासियों ने अपनी गलियों को सील कर दिया है। जिनमें सुबह 7 से 9 बजे तक ही घरेलू राशन, दूध और अन्य जीवन उपयोगी वस्तुओं को लाने व बेचने वालों को छूट दी गई है। वार्ड 6 में बनी फ्रेंड्स कॉलोनी निवासी सुरेन्द्र मलिक ने बताया कि उनकी कॉलोनी में बाहरी व्यक्ति को प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। कॉलोनी का मुख्य गेट बंद कर दिया है। जो सुबह 7 से 9 बजे तक ही खुलेगा।

विधायक ने पुलिस को सौंपे 100 कैंपर

20-20 लीटर के 100 कैंपर सभी पुलिस चेक पोस्ट पर दिए जाएंगे

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम स्थित श्री सिद्धेश्वर मंदिर में सीपी मोहम्मद अकील को पुलिस नाकों के लिए कैंपर सौंपते विधायक सुधीर सिंगला।

कोरोना वायरस के बीच लॉकडाउन की कामयाबी के लिए जिलाभर में तैनात पुलिस की सुविधा के लिए गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने 100 चेक पोस्ट यानी पुलिस नाकों पर पानी के लिए 20-20 लीटर के कैंपर (100) जग पुलिस कमिश्नर मोहम्मद अकील को यहां सोहना चौक स्थित श्री सिद्धेश्वर मंदिर के पास सौंपे।

यहां श्री सिद्धेश्वर मंदिर के पास मार्केट में आयोजित औपचारिक कार्यक्रम में गुरुग्राम के पुलिस कमिश्नर मोहम्मद अकील पहुंचे। श्री सिद्धेश्वर मंदिर सभा की ओर से उनका स्वागत किया गया। सोशल डिस्टेंस रखते हुए यहां कार्यक्रम संचालित किया गया। कार्यक्रम में विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि गुरुग्राम पुलिस का काम काबिले तारीफ है। यह पुलिस की ही सक्रियता है, जिससे कि लॉकडाउन पूरी तरह से कामयाब है। उन्होंने कहा कि 24 घंटे पुलिस की तैनाती से लोगों को सुरक्षित भी किया जा रहा है और उन्हें इस बात का संदेश भी दिया जा रहा है कि घरों में रहना कितना जरूरी है। विधायक सुधीर सिंगला ने सीपी मोहम्मद अकील को 100 जग सौंपते हुए कहा कि इन्हें सभी पुलिस नाकों पर रखवाया जाए, ताकि वहां तैनात पुलिसकर्मियों को गर्मी में पानी की कोई दिक्कत न हो। विधायक सुधीर सिंगला ने बताया कि ये जग श्री सिद्धेश्वर मंदिर सभा के महासचिव राम अवतार गर्ग बिट्टू के छोटे भाई पवन कुमार गर्ग ने दिए हैं।

समाजसेवा में मंदिर सभा कर रही सहयोग: राम अवतार

इस मौके पर सिद्धेश्वर मंदिर सभा के महासचिव राम अवतार गर्ग बिट्टू ने कहा कि कोरोना वायरस के इस दौर में मंदिर सभा समाजसेवा के लिए काम में जुटी है। लगातार यहां से खाना आवंटित किया जाता है, ताकि कोई भूखा ना रहे। उन्होंने कहा कि समाजसेवा के लिए हम सभी को सहयोग करना है। आज हमारा घरों में रहना भी समाजसेवा, राष्ट्रसेवा है। पुलिस, प्रशासन, सरकार के निर्देशों का पालन करते हुए हमें सहयोग देना है, ताकि कोरोना वायरस जैसी बीमारी को हम खत्म कर सकें।

आम जनता पुलिस का सहयोग करे : सीपी

सीपी मोहम्मद अकील ने एक बार फिर लोगों से अपील की कि वे पुलिस का सहयोग करें। यह सहयोग कोई सड़कों पर आकर नहीं करना, बल्कि अपने-अपने घर पर रहना ही पुलिस का सहयोग है। उन्होंने कहा कि कोरोना से बचने का यह तरीका सबसे सस्ता और आसान है। इसमें किसी तरह का कोई खर्च भी नहीं है। पुलिस ने जिला को पूरी तरह से सील कर रखा है। साथ ही शहर के उन आंतरिक हिस्सों को भी सील किया गया है, जहां पर कोरोना के पॉजिटिव मरीज मिले हैं। इसलिए सभी से यह अनुरोध है कि लोग अपने घरों में रहकर खुद को व औरों को सुरक्षित बनाएं।

पति को मास्क लगाने के लिए कहा तो पत्नी को घर से निकाला

गुरुग्राम। लॉकडाउन में जिला प्रशासन ने यह आदेश जारी कर दिए हैं कि कोई भी बिना मास्क के पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। यहां एक पत्नी ने जब अपने पति को इस डर से मास्क लगाने की सलाह दी तो वह सलाह दोनों पति-पत्नी पर भारी पड़ गई। पति ने पत्नी को अपनी मां के साथ मिलकर पीटा और फिर घर से निकाल दिया। गुस्से में पत्नी थाने पहुंच गई और पति के खिलाफ केस दर्ज करा दिया। आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया।

जानकारी के अनुसार फर्रूखनगर खंड के बाबड़ा बाकीपुर गांव में रहने वाली 30 वर्षीय महिला ने पुलिस को शिकायत देकर कहा कि उसके पति राजबीर उर्फ राजू लॉकडाउन के बावजूद अपना होटल खोलने जा रहे थे। उसने यह भी कहा कि होटल में उसके पति अवैध तरीके से शराब और गांजा भी बेचते है। जब वे घर से निकल रहे थे तो उसने उन्हं मास्क लगाकर जाने को कहा था, ताकि बचाव में ही बचाव रहे। यह बात पति को अच्छी नहीं लगी। वह गुस्सा हो गया और उसने अपनी मां से भी शिकायत की।

गेहूं की फसल निकालने के लिए मशीन न मिलने से किसान परेशान

नरेश कुमार। सोहना

गेहूं की फसल की कटाई बाद मशीन से निकालने के लिए खेतों में चड्डा लगा रहे हैं।

लॉकडाउन के चलते देश के सबसे बड़े श्रमिक किसान के सामने अपनी गेहूं की फसल को लेकर गहरा संकट गहरा गया है। गेहूं की फसल कट तो गई, लेकिन मशीन न मिलने से खेतों में लगी फसल से अनाज निकालना मुशिकल हो गया है।

कोविड-19 के कहर ने इस बार देश के सबसे कमरा वर्ग की श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। जैसे-तैसे करके किसानों ने अपने खेतों में खड़ी सरसों और गेहूं की फसल को काट तो लिया। लेकिन फसल में से अनाज व तूड़ा (भूस) को अलग करने के लिए मशीन नहीं मिल रही है। ऐसे में खेतों में गेहूं की फसल के लगे गादे (चट्टा) को देख-देख किसानों को दिन का चैन व रातों की नींद उड़ी हुई है। क्योंकि किसानों को डर है कि आंधी व बारिश आ गई तो उनकी फसल खेतों में ही रखी हुई खराब हो जाएगी। किसानों की मेहनत व छह माह की कमाई मिट्टी में मिल जाएगी।

क्या कहना है किसानों का : गांव सांप की नंगली निवासी किसान रामकुमार का कहना है कि उसके खेत में गेहूं की फसल की कटाई पांच दिन पहले हो गई। जो पूरी तरफ से सूख गई है। लेकिन अनाज निकालने लिए मशीन (थ्रेशर) न मिलने से परेशानी हो रही है। उन्होने बताया कि पूरे गांव में एक ही मशीन है। जिसके लिए 5 से सात तक का इंतजार करना पड़ रहा है। किसान जगदीश खटाना ने बताया कि पंजाब से कंपास व रीपर मशीनें गेहूं की फसल को काटने और अनाज निकालने के लिए आती थी। वह लॉकडाउन होने के कारण मात्र दस फीसदी ही आई है।

मशीन मालिकों ने रेट बढ़ाए : किसान रामचन्द्र सैनी ने बताया कि थ्रेशर मशीन मालिक से लेकर कंपास और रीपर मशीन मालिकों ने पहले से अधिक मजदूरी बढ़ा दी है। पिछले साल एक एकड़ में पैदा होने वाली गेहूं निकालने की मजदूरी 800 से 900 रुपये लेते थे। इस बार 1300 से 1400 रुपये ले रहे हैं। ऐसे ही थ्रेशर मशीन मालिक ने 500 से 600 रुपये प्रति एकड़ फसल बढ़ा कर ले रहे हैं। दलेर यादव ने बताया कि कंपास मशीन मालिक पहले एक एकड़ फसल को निकालने के लिए 1000 रुपये लेते थे। इस बार 1500 से 1600 रुपये ले रहे हैं।

कोरोना की दहशत

पॉजिटिव मरीजों की संख्या 31 पर पहुंची

मेडिकल स्टोर संचालक पाया कोरोना पॉजिटिव

परिवार समेत दस लोगों के लिए सैम्पल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर-28 निवासी एक व्यक्ति की कोरोना पॉजिटिव होने की पुष्टि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कर दी है। 60 घंटे बाद तीन पॉजिटिव मरीज के बढ़ जाने पर स्वास्थ्य विभाग सर्तक हो गया और पहले मरीज के सम्पर्क में आए सभी लोगों को तुरंत बीके सिविल अस्पताल की आईडीएसपी लैब में लाकर सैम्पल लेने शुरू कर दिए। इनके अलावा दो जमाती और संक्रमित पाए गए हैं।

इस दौरान विभाग की टीम ने मरीज के सात फैमली मैम्बर और तीन उसके यहां काम करने वाले कर्मचारियों के सैम्पल लिए हैं। सभी दस लोगों के सैम्पलों को जांच के लिए भेजा गया है। वहीं पॉजिटिव मरीज को एनएच-तीन स्थित ईएसआई अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कोरोना के जिला नोडल अधिकारी डॉ. रामभगत ने बताया कि तीन केस सामने आने से कोरोना के कुल मरीजों की संख्या 31 हो चुकी है।

जानकारी के मुताबिक सेक्टर-28 में मेडिकल स्टोर संचालक कोरोना पोजिटिव पाया गया है। स्टोर संचालक की रिपोर्ट पोजिटिव पाये जाने पर उसके सम्पर्क में आए सभी व्यक्तियों और परिवार के सदस्यों के शनिवार को दोपहर बाद सैम्पल लिए गए। सभी को कॉरंटाइन किया गया। इस बारे में डॉ. रामभगत ने बताया कि मेडिकल स्टोर संचालक पोजिटिव पाया गया है। जिस पर उसके परिवार से पत्नी समेत सात लोगों के सैम्पल लिए है। वहीं उसके स्टोर पर काम करने वाले तीन सदस्यों के सैम्पल भी सुरक्षा की दृष्टि से भरे गए है। सभी दस सैम्पलों को जांच के लिए भेजा गया है।

यह है स्थिति

डॉ. रामभगत ने बताया कि जिले में अब तक 1274 यात्रियों को सर्विलांस पर लिया जा चुका है, जिसमें 819 यात्री सर्विलॉस पर है और 455 पोजिटिव केसों के सम्पर्क वाले शामिल है। इनमें से 294 लोगों का निगरानी में रखने का 28 दिन का पीरियड पूरा हो चुका है। शेष 980 लोग अंडर सर्विलांस हैं। कुल सर्विलांस में रखे गए लोगों में से 1245 होम आइसोलेशन पर हैं। अब तक 522 लोगों के सैंपल लैब में भेजे गए थे, जिनमें से 428 की नेगेटिव रिपोर्ट मिली है तथा 65 की रिपोर्ट आनी शेष है। अब तक 31 लोगों के सैंपल पॉजिटिव मिले हैं, जिनमें से 28 लोगों को अस्पताल में दाखिल किया गया है तथा ठीक होने के बाद 3 को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया है। वहीं दो लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव पाई गई है।

रोटरी क्लब ने दिया राशन मास्क और सैनेटाइजर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

रोटरी क्लब ऑफ फरीदाबाद मिडटाऊन के प्रधान जेपी सिंह मक्कड़ व रोटेरियन उपिन्द्रर सिंह ने लॉकडाऊन में गरीबों और बेसाहाराओं को भोजन खिला रहे एनएच-5 गुरूद्वारा श्री सिंह सभा को राशन जिसमें 650 किलो आटा, 250 किलो चावल, 100 किलो दाल, मस्टर्ड ऑयल 4 पैकेट और आधा लीटर के 96 पैकेट, 100 किलो नमक तथा 200 मास्क और 5 बड़े सैनीटाइजर भेंट किए। इस मौके पर गुरूद्वारे की तरफ से सरदार सुरजीत सिंह, सरदार एचएस सेठी व सरदार बीएस वालिया मौजूद थे। इस अवसर पर जेपी सिंह मक्कड़ ने कहा कि कोरोना वायरस का सबसे बड़ा कहर उन गरीबों पर टूटा है जो दिहाड़ीदार मजदूर थे। जिनकों पूरा दिन काम करने के बाद शाम को पैसे मिलते थे। इन गरीबों के लिए भगवान एनएच-5 का गुरूद्वारा श्री सिंह सभा बना है जोकि दिन रात गरीबों को भोजन खिला रहा है ताकि कोई भूखा न सो पाए।

मंडी में शुरू हुआ फॉग सैनेटाइजेशन का काम

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर के निर्देश पर डबुआ मंडी में कोरोना वायरस का संक्रमण रोकने के लिए फॉग सैनिटाइजेशन का कार्य शुरु किया गया। शनिवार को मार्केट कमेटी सचिव विपिन यादव की देखरेख में मंडी परिसर में सैनिटाइजर करवाया गया। इस दौरान उन्होंने व्यापारियों से सामाजिक दूरी का पालन करने की अपील की।

यादव ने कहा कि हॉल सेल व्यापारियों और मंडी में आने वाले लोगों को संक्रमण से बचाने के लिए पिछले दिनों फुल बॉडी सैनिटाइजर मशीनें लगाई गई हैं। मंडी में आने वाले हर व्यक्ति को इस मशीन से गुजरता है। इसी के साथ केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर के निर्देश पर फॉग सैनिटाइजर मशीन से दवाई का छिड़काव शुरु किया गया है।

यह मशीन धुंआ नहीं छोड़ती है। इसमें से निकलने वाली भाप (हीट) से कीटाणु मर जाते हैं। इसलिए शनिवार को पूरे मंडी परिसर में फॉग मशीन से सैनिटाइजेशन करवाया गया। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि मंडी में खरीदारी के दौरान एक मीटर की सामाजिक दूरी का पालन करें। लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ड्रोन कैमरे रखेंगे नजर

फरीदाबाद। अब ड्रोन कैमरे के द्वारा जिले के विभिन्न अलग-अलग. भीड़भाड़ वाले इलाकों में नजर बनाए हुए हैं। पुलिस ने शनिवार को एसजीएम नगर, एनआईटी एवं ओल्ड एरिया एवं बाजारों में ड्रोन कैमरे से निगरानी की है। पुलिस आयुक्त केके राव ने बताया कि ड्रोन की शुरुआत इसलिए की गई है क्योंकि कई जगह शिकायत आई है कि लोग घरों के बाहर बैठते हैं और गलियों में घूमते , और शाम के समय छतों पर झुन्ड बनाकर बैठते हैं। ऐसे लोगों पर नकेल कसने के लिए - तीसरी आंख ड्रोन से निगरानी रखनी शुरू की है। सभी थाना प्रभारी, चौकी इंचार्ज को लॉक डाउन के आदेशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

लॉकडाउन में फंसे बुजुर्ग दंपति को पुलिस ने पहुंचाया घर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

लॉकडाउन की वजह से खाकी वर्दी के पीछे छिपा पुलिस का मददगार दिल हर रोज नजर आ रहा है। पुलिस शहर के लोगों से लॉकडाउन का पालन करवाने के साथ जरूरतमंदों की कई तरह से मदद कर रही। बात भूखों को खाना खिलाने की हो या फिर बुजुर्गों को दवा पहुंचे की हो, पुलिस जरूरमंदों की हर तरह से मदद कर रही है। हाल में पुलिस आयुक्त केके राव के आदेश पर पुलिस ने लॉकडाउन की वजह से शहर में फंसे बुजुर्ग दंपति को दिल्ली स्थित उनके घर पहुंचाया है।

क्या है मामला

करीब 70 वर्षीय सुशील कुमार गर्ग और इतनी ही उम्र की उनकी पत्नी सेक्टर 19 में अपने परिवार के साथ रहते थे। उम्र ज्यादा होने की वजह से उन्हें यहां अकेले रहने में परेशानी हो रही थी। जिसके कारण उन्होंने करीब चार महीने पहले दिल्ली के विकासपुरी में स्थित अपनी के घर में जाकर रहना शुरू कर दिया था। इन दिनों मौसम बदलने की वजह से उन्हें गर्मियों के कपड़ों की जरूरत पड़ने लगी।

ऐसे में लॉकडाउन से ठीक पहले वह सेक्टर 19 स्थित अपने मकान में पत्नी के साथ गर्मी के कपड़े लेने के लिए आए थे। लेकिन लॉकडाउन की वजह से परिवहन की सुविधा बंद कर दी गई। जिससे सुशील कुमार गर्ग और उनकी बुजुर्ग धर्मपत्नी यहां अपने घर में कैद होकर रह गए। आसपास उनका न तो कोई जानकार है और न ही कोई रिश्तेदार। यहां ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है तो रोजमर्रा के कामों में मदद कर सके। हृदयरोगी होने की वजह से वे दवाईयां भी नहीं ला पा रहे थे।

पुलिस आयुक्त से लगाई गुहार

परेशान होकर बुजुर्ग सुशील गर्ग ने पुलिस आयुक्त केके राव को स्थिति से अवगत कर मदद की गुहार लगाई। मामला संज्ञान में आते ही पुलिस आयुक्त ने तुरंत गाड़ी की व्यवस्था करवा कर उन्हें दिल्ली स्थित उनकी बेटी के घर पहुंचवा दिया। घर पहुंच कर बुजुर्ग दंपति ने फोन व व्हटसेप के माध्यम से पुलिस आयुक्त का आभार जताया।

शिक्षा विभाग ने एक बार फिर जारी किया कागजी निर्देश

कहा अभिभावकों पर फीस जमा कराने के लिए दवाब न डालें

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शिक्षा विभाग ने स्कूल प्रबंधकों को तीसरा पत्र भेजकर कहा है कि वे अभिभावकों पर फीस जमा कराने के लिए दवाब न डालें। जो स्कूल प्रबंधक इस आदेश की अवहेलना करेगा। उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। अभिभावक एकता मंच ने इस तीसरे पत्र को भी एक कागजी कार्रवाई बताया है। मंच का कहना है कि हरियाणा सरकार चोर से कह चोरी कर, और साह से कह सावधान रह की नीति पर चल रही है। मंच के प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा ने बताया कि मंच की ओर से मुख्यमंत्री को 9 अप्रैल को एक पत्र लिखकर तथ्यों और सबूतों के साथ बताया गया था कि स्कूलों द्वारा बैलेंस शीट के साथ जमा कराए गए फार्म 6 व एफएफआरसी द्वारा की गई ऑडिट रिपोर्ट से साफ पता चलता है कि स्कूलों के पास काफी मात्रा में रिजर्व फंड है। जिसका इस्तेमाल हुए वे अध्यापकों, कर्मचारियो को तनख्वाह देने में कर सकते हैं। मंच ने यह भी लिखा था कि फीस लेने का कोई भी आदेश देने से पहले हरियाणा सरकार प्राइवेट स्कूलों के पिछले 5 साल के खातों की जांच कराएं और जो स्कूल जांच के बाद घाटे में चलता हुआ दिखाई दे उसे ही फीस लेने की अनुमति दी जाए और किसी भी हालत में शिक्षा सत्र 2020-21 में फीस में बढ़ोतरी न करने दी जाए। एक और उत्तर प्रदेश, पंजाब और दिल्ली सरकार आदेश न मानने वाले स्कूल स्कूलों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई कर रही है। जबकि दूसरी और हरियाणा सरकार पत्र पर पत्र भेजकर याचना के रूप में स्कूलों से आग्रह कर रही है कि वह लोकडाउन के चलते अभिभावकों पर ही फीस जमा कराने के लिए दबाव न डालें। इसका मतलब यह है कि जैसे ही लोकडाउन खुलेगा स्कूल प्रबंधक गत शिक्षा क्षेत्र के मुकाबले वर्तमान शिक्षा सत्र में बढ़ाई गई फीस वह भी त्रैमासिक रूप से लेने के लिए स्वतंत्र हैं। शिक्षा विभाग का स्पष्ट आदेश न होने के कारण ही स्कूल प्रबंधकों के हौसले बुलंद हैं मंच ने अभिभावकों से कहा है कि वे एकजुट होकर स्कूलों की मनमानी का डटकर मुकाबला करें और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर उन्हें तथ्यों और सबूतों के साथ इस विषय पर जानकारी दें।

सफाई कर्मचारी त्याग समर्पण एवं सेवा भाव की प्रतिमूर्ति हैं : अशोक

फरीदाबाद। बाबा फरीद की नगरी फरीदाबाद में बराही तलाब पर दर्जनों सफाई कर्मचारीयो की प्रे फॉर इंडिया की ओर से आरती उतारी गई तथा महिला एवं पुरुष सफाई कर्मचारियों को पगड़ी व फूल माला पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रे फॉर इंडिया के संस्थापक अशोक जॉर्ज ने सफाई कर्मचारियों के देश के प्रति समर्पण सेवा भाव की जमकर प्रशंसा की। जॉर्ज ने हरियाणा सरकार से मार्मिक अपील करते हुए कहा कि सरकार कर्मचारियों में भेदभाव न बरतें और प्रदेश के संगभी कर्मचारियों का बीमा एक समान करें तथा करोना के खिलाफ लड़ने वाले सभी सफाई कर्मचारियों, स्वास्थ्य कर्मचारियों, फायर व पुलिस कर्मचारियों सहित अन्य जो इस दौरान जन सेवाओं को निरंतरता में चला रहे हैं

क्यूआरजी ने निगम कर्मियों का किया मुफ्त फ्लू स्क्रीनिंग टेस्ट

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए हाल ही में हरियाणा सरकार द्वारा फरीदाबाद शहर को हॉटस्पॉट घोषित कर दिया गया है। लोगों को इस वायरस से बचाने के लिए जिला प्रशासन की तरफ से भी लोगों को जरूरी काम से घर से बाहर निकलने के दौरान चेहरे पर मास्क लगाने की सख्त हिदायत दी गई है।

इस संकट के समय में क्यूआरजी अस्पताल, महामारी के इस समय में स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। अस्पताल की ओर से शहर में पुलिस कर्मियों के लिए यह गतिविधि पहले से ही नियमित रूप से की जा रही है। जन कल्याण की दिशा में आगे बढ़ते हुए, शनिवार को क्यूआरजी अस्पताल ने नगर निगम के सफाई और सीवर का कार्य करने वाले कर्मचारियों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की अनूठी पहल शुरू की है।

फरीदाबाद गुरुग्राम रोड स्थित एक मैरिज गार्डन में शनिवार देर शाम शॉर्ट-सर्किट से आग लग गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की छह गाड़ियां आग बुझाने में जुट गईं। समाचार लिखे जाने तक दमकल कर्मी आग बुझाने के प्रयास में लगे हुए थे।

क्लोव डेंटल ने शुरू की टेली कंसलटेशन

ई-डेंटिस्ट बाय क्लोव' देगी मुफ्त ऑनलाइन डेंटिस्ट सलाह

पूरे देश में उपलब्ध होगा आपात उपचार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

देशभर में लॉकडाउन के इस दौर में कितने ही लोग होंगे, जो दांत में दर्द, मसूड़ों से खून आदि मौखिक परेशानियों से जूझ रहे होंगे। दांत का दर्द बहुत गंभीर हो सकता है और इससे पीड़ित रोगी को समाधान की अत्यंत आवश्यकता होती है।

भारत की सबसे बड़ी डेंटल हैल्थ चेन क्लोव डेंटल दंत स्वास्थ्य हेतु दैनिक व निशुल्क ऑनलाइन एवं टेली कंसलटेशन मुहैया करा रही है तथा क्लोव के कई क्लीनिक आपात उपचार हेतु खुले हैं। क्लोव डेंटल के डॉक्टरों की ओर से 'ई-डेंटिस्ट बाय क्लोव' नामक यह पहल किसी भी सवाल के लिए उपलब्ध है, यह मार्गदर्शन देगी और यह निर्धारित करने में मददगार होगी कि तत्काल इलाज चाहिए या फिर कुछ अंतरिम उपायों के साथ लॉकडाउन खुलने के बाद किया जा सकता है। इसके तहत वीडियो और टेलीफोनिक बातचीत दोनों विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं।

कंसलटिंग अपॉइंटमेंट क्लोव के डेंटल हैल्थ लाइन सेंटर 1800 1200 3232 के माध्यम से बुक कराया जा सकता है। आपका प्रश्न पंजीकृत हो जाने के बाद जूम या स्काइप पर वीडियो कंसलटेशन हेतु अपॉइंटमेंट तय किया जाएगा, इसके अतिरिक्त फोन पर भी जरूरत के मुताबिक बात की जा सकती है। यदि किसी जटिलता के चलते समस्या हल नहीं होती तो मरीज को करीबी क्लीनिक में जाने का निर्देश भी दिया जा सकता है। क्लोव डेंटल के चीफ क्लीनिकल ऑफिसर ले.ज. (रिटा.) डॉ विमल अरोड़ा, एवीएसएम ने कहा, ''इस महामारी के दौर में हर आदमी अपने जीवन के बारे में चिंतित है, उसके बर्ताव में एक किस्म का डर समाया हुआ है। ऐसे में मौखिक स्वास्थ्य का ख्याल नहीं रखा जा रहा है और दांतों को ऐसा नुकसान होने का जोखिम है जिसकी बाद में भरपाई शायद मुमकिन न हो।

स्वास्थ्य कर्मियों के बचाव को आगे आए निजी डॉक्टर

फरीदाबाद। कोरोना महामारी में लॉकडाउन के बावजूद बढ़ रहे मरीजों की संख्या को देखते हुए जिला स्वास्थ्य विभाग के तैनात चिकित्सक और कर्मचारी दिन रात मेहनत कर रहे है। लेकिन विभाग की तरफ से उन्हें दस्तानों, मास्क और पीपीई कीट के आभाव में तरसना पड़ रहा है। पिछले दिनों बीके सिविल अस्पताल में सेनिटाइजेशन का कार्य करने वाला एक स्वास्थ्य कर्मचारी पोजिटिव पाया गया था। जिसके बाद स्वास्थ्य कर्मचारी डर के साये में यहां काम करने को मजबूर हो रहे है। समाजसेवी सतीश चौपड़ा ने अपने एक चिकित्सक दोस्त डॉ. नीरज को इस बारे में बताया, तो उन्होंने अस्पताल में पहुंचकर अपातकालीन कक्ष में ऑन ड्यूटी डॉक्टरों को वॉसेबल प्रोटेक्शन गाउन (पीपीई कीट) दिए। जिसमें डॉ. नीरज ने सात कीट प्रसुति वार्ड में काम करने वाली चिकित्सकों के लिए। दो सर्जनों के लिए, चार अपातकालीन कक्ष में तैनात ड्यूटी डॉक्टरों के लिए और एक फिजिशियन के लिए उपलब्ध कराई है। उनका कहना है कि जल्द ही और किट्स का इंतजाम किया जाएगा। ताकि सभी के पास एक-एक वॉसेबल कीट हो। वह अपना बचाव कर सके।

यात्रियों को तनाव से बचा रही मनोचिकित्सा विभाग की टीम

कविता। फरीदाबाद

शहर में जिला प्रशासन की तरफ से पलायन कर रहे प्रवासी मजदूरों को रखने के लिए जिले में 21 शैल्टर होम बनाए गए है। लेकिन प्रवासी मजदूरों को फिलहाल दो ही शैल्टर होम में रखा गया है। जिसमें सुरजकुंड स्थित राधा स्वामी सत्संग भवन और अनखीर स्थित सत्संग भवन शामिल है। यहां रहने वाले 223 लोगों का हेल्थ डिपार्टमेंट की मनोचिकित्सा विभाग की टीम तनाव को कम कर खुश रहने की प्रेरणा दे रही है।

यह है स्थिति

शहर में 21 में से मात्र दो ही शैल्टर होम में प्रवासी रूके हुए है। जिसमें सूरजकुंड में 216 और अनखीर में पिछले काफी समय से सात लोग (पुरूष) रह रहे है। लेकिन बीती रात सूरजकुंड से 45 शरणार्थियों को अनखीर शिफ्ट किया है। फिलहाल सुरजकुंड में 40 महिलाएं और करीब 30 बच्चों के अलावा बाकि पुरूष शामिल है।

मिल रही सुविधा

दोनों शैल्टर होम में ठहरे मजदूरों की सुविधा के लिए वहां स्पीकर लगाए गए हैं। जिसमें रोजाना धार्मिक म्युजिक उन्हें सुनाया जाता है। वहीं तीन टाईम का भोजन उन्हें समय पर उपलब्ध करवाया जा रहा है। इसके अलावा उनके बच्चों को यदि दूध परोसा जाता है।

ऐसे किया जा रहा दूर

हेल्थ डिपार्टमेंट की टीम में मनोचिकित्सक डॉ. धर्मवीर नेहरा, मनोवैज्ञानिक प्रीति, नर्स ममता और सुमंत्रा के अलावा रेडक्रॉस से प्रोजेक्ट मैनेजर जगत और लीगल एर्थोरिटी काउंसलर रविन्द्र, आशा ज्योति फाउंडेशन से काउंसलर प्रदीप मलिक शामिल है। प्रीति ने बताया कि टीम सुबह दस बजे से दोपहर तीन बजे तक कैम्पों में पहुंच कर वहां लोगों का मानसिक तनाव से दूर रहने के उपाय बता रही है। उनकी समस्याओं को सुना जाता है। इन लोगों में शामिल कुछ लोगों में गायन और नृत्य की कला भी है। इन कलाओं के माध्यम से इनका व अन्य लोगों का तनाव दूर किया जा रहा है।

अन्य किसी तरह की परेशानी होती है, तो उनकी उस समस्या का समाधान भी किया जा रहा है।

यह है उनकी परेशानी

शैल्टर होम में अधिकतर वह लोग है, जिन्हें झुग्गी झोपड़ियों और मकान मालिकों ने घरों से निकाल कर बाहर कर दिया था। वह पैदल अपने गांव लौटने लगे थे। लेकिन प्रशासन ने उन्हें इस शैल्टर होम में रखा जा रहा है। लेकिन यहां रहते हुए उन्हें अपने घर में बीमार परिजनों की चिंता, फसलों के खराब होने से आने वाले समय में अनाज न होने की चिंता और कामकाज की चिंता सता रही है।

पीएफ खाते से निकाल सकते हैं एडवांस पैसा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने पीएफ खाते से एडवांस पैसा निकालने की सुविधा प्रदान की है। तीन दिन पहले शुरू हुई इस योजना से जिले में अब तक करीब एक हजार खाता धारकों ने पीएफ से 1.70 करोड़ रुपये का एडवांस लिया। यह पैसा उन्हें फिर से जमा करने की जरूरत नहीं होगी।

लोगों को किसी तरह के आर्थिक संकट से न जूझना पड़े, इसके लिए ईपीएफओ ने पीएफ खाते से एडवांस पैसा निकालने की सुविधा प्रदान की है। इसके तहत कर्मचारी अपने खाते में जमा रकम का 75 फीसदी या तीन महीने के वेतन के बराबर रकम निकाल सकते हैं। इस रकम का इस्तेमाल कर्मचारी अपनी जरूरतों के लिए कर सकते हैं और इसे फिर से जमा करने की जरूरत नहीं होगी।

इस बारे में ईपीएफओं के क्षेत्रीय आयुक्त भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि कोरोना संकट के बीच करीब एक हजार पीएफ खाता धारकों ने 1.70 करोड़ रुपये का एडवांस क्लेम लिया है। इसके अलावा कोरोना संकट में एडवांस पैसा निकालने वालों के लिए विभाग तेजी से कार्य कर रहा है। विभाग की ओर 72 घंटे में आवेदक का पैसा उनके खातों में ट्रांसफर कर दिया जाता है। इसका लोगों को काफी लाभ मिल रहा है।

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 12 अप्रैल, 2020

लॉकडाउन में घरेलू हिंसा मामलों की अनदेखी

कोविड 19 महामारी पर काबू पाने के प्रयास में सरकार ने घरेलू हिंसा की समस्या को जनस्वास्थ्य की तैयारी एवं आपात प्रतिक्रिया योजना के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता को अनदेखा कर दिया है।

सिमी मेहता बलवंत मेहता अर्जुन कुमार

25 मार्च से राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की घोषणा किए जाने के समय कई ऐसे क्षेत्र थे जहां सरकार उसके संभावित परिणाम को संबोधित करने हेतु रणनीति तैयार करने में विफल रही है। एक ऐसा ही पहलू जिसको पूरी तरह अनदेखा किया गया वह था 21 दिवसीय लाकडाउन के दौरान महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध होने वाली हिंसा की घटनाओं से निबटने का तरीका। घरेलू हिंसा के शिकार लोगों द्वारा आवश्यकता पड़ने पर सहारा लेने के लिए संतुलन एवं अंकुश लगाने के उपायों पर ध्यन नहीं दिया गया।

घरेलू हिंसा शब्द का इस्तेमाल नजदीकी जीवन साथी द्वारा की जाने वाली हिंसा के संबंध में कई देशों में इस्तेमाल किया जाता है लेकिन इसमें बाल तथा वरिष्ठ जनों के साथ हिंसा अथवा परिवार के किसी सदस्य द्वारा की जाने वाली हिंसा को भी शामिल किया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विश्व भर में प्रत्येक तीन में से एक महिला नजदीकी संबंधी/जीवन साथी द्वारा शारीरिक अथवा यौन हिंसा की शिकार होती है। सभी महिलाओं में से कम से कम 30 प्रतिशत महिलाएं, जो रिश्ते से जुड़ी हैं, अपने निकटतम साथी के द्वारा शारीरिक अथवा यौन हिंसा की शिकार हुई हैं। यह देखा गया है कि महामारियों समेत, हर तरह की आपात स्थितियों के दौरान महिलाओं के विरुद्ध हिंसा बढ़ जाती है। अत:, आश्चर्य की बात नहीं कि कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए सरकार द्वारा लागू किए गए लाकडाउन के दौरान यह बढ़ी है। यह कोरानावायरस से फैली महामारी के कारर्ण पैदा सामाजिक दूरी, आर्थिक अनिश्चितताओं एवं व्याकुलताओं के चलते और भी बढ़ी है।

उदाहरण के लिए, चीन, अमेरिका, यूके, ब्राजील, ट्यूनीशिया, फ्रांस, आस्ट्रेलिया और अन्य कई देशों में घरेलू हिंसा के मामले सामने आए हैं। भारत में ही वैसे ही रुझान देखने को मिल रहे हें, खासकर जब यह यूएई, कतर और सऊदी अरब के बाद लैंगिक समता के मामले में चौथे नंबर पर आता है। राष्ट्रीय अपराध अभिलख ब्यूरो की, भारत में अपराध रिपोर्ट, 2018 के अनुसार, प्रत्येक 1.7 मिनट के भीतर भारत में महिलाओं के विरुद्ध अपराध की घटना दर्ज की गई, प्रत्येक 16 मिनट पर एक बलात्कार हुआ और प्रत्येक 4.4 मिनट के भीतर एक बच्चा घरेलू हिंसा का शिकार हुआ।

लाकडाउन के कुछ ही दिनों के भीतर, राष्ट्रीय महिला आयोग ने ई-मेल के द्वारा मिली घरेलू हिंसा संबंधी रिपोर्टों को दर्ज किया। महिला आयोग की अध्यक्ष का मानना है कि वास्तविक आंकड़े अधिक होने की संभावना है चूंकि अधिकतर शिकायतें समाज के निचले तबके की महिलाओं की ओर से आती हैं, जो डाक के द्वारा अपनी शिकायतें भेजती हैं। मार्च में और 5 अप्रैल तक, राष्ट्रीय महिला आयोग ने घरेलू हिंसा के 310 मामले दर्ज किए। इस अवधि के दौरान आयोग को महिलाओं के विरुद्ध अन्य प्रकार की हिंसा के मामलों की कुल 885 शिकायतें मिलीं जिनमें द्विविवाह, बहुविवाह, महिलाओं को मातृत्व लाभ से वंचित किया जाना, दहेज हत्या, विवाहित महिलाओं को परेशान किया जाना, दहेज प्रताड़ना, महिलाओं का शील भंग किया जाना, बलात्कार व बलात्कार के प्रयास, यौन हमले तथा यौन उत्पीड़न आदि शामिल हैं। कुछ महिला अधिकार संगठनों को लाकडान लागू होने के बाद से घरेलू हिंसा संबंधी शिकायतें मिली हैं।

हो सकता है मामलों की संख्या घरेलू हिंसा व यौन उत्पीड़न के मामलों में वास्तविक बढ़ोतरी के समानुपाती न हों। ऐसा इसलिए क्योंकि महिला और बच्चे उत्पीड़न करने वालों के साथ बंद होने के कारण मोबाइल फोन अथवा समय व स्थान तक पहुंच नहीं हासिल कर पाते हैं, साथ में आर्थिक संसाधनों व सामाजिक संजालों तक सीमित पहुंच अथवा साहस के अभाव के चलते वे मदद की गुहार नहीं लगा पाते हैं। दूसरे शब्दों में, निराशा की स्थिति से बचने के सभी विकल्प बाधित हो गए हैं। इस प्रकार, सामान्य तौर पर जो बाधाएं उनके सामने रहती हैं उनकी तीव्रता महामारी और लाकडाउन के कारण बढ़ गई है।

यद्यपि राष्ट्रीय महिला आयोग ने घरेलू हिंसा से पीड़ित होने अथवा उनके बच्चों के साथ बुरा बर्ताव होने पर पुलिस अथवा राज्य महिला आयोग से संपर्क करने का आग्रह किया है, यह ध्यान रखना होगा कि ऐसे मौके भी आ सकते हैं जहां पुलिस ने राहत के लिए पहुंचने में विलंब किया हो। ऐसा इसलिए क्योंकि वे पहले से ही लाकडाउन की चुनौतियों से जूझ रहे हैं, कमजोर तबकों को अनिवार्य वस्तुएं मुहैया कराने में लगे हुए हैं और कु छ स्थानों पर स्वास्थ्य कर्मियां को उनके दायित्व के निर्वहन में सहयोग कर रहे हैं। आगे, महिलाएं पुलिस से संपर्क करने में असुरक्षित महसूस करती हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि यदि उनके पति को गिरफ्तार कर लिया गया, तो उनके ससुराल वाले उन्हें परेशान करेंगे, और पति के रिहा होने के बाद, वे व उनके बच्चों को और प्रताड़ित किया जाएगा। पति और बच्चों के संभावित रूप से कोविड-19 लाकडाउन के दौरान घरों में सीमित रहने के कारण, प्रताड़ना की दर और तीव्रता और बदतर होकर बाल उत्पीड़न तक पहुंच सकती है। शारीरिक हिंसा के कृत्यों की बारंबारता, यथा थप्पड़ मारना, आघात करना, धक्का देना एवं पिटाई करना, यौन हिंसा, जबरन संभोग एवं अन्य प्रकार के बलपूर्वक यौन कृत्य करना, भावनात्मक उत्पीड़न, जैसे कि अपमान, लगातार शर्मिंदा करना, धमकाना, चोट पहुंचाने की धमकी, बच्चे ले जाने की धमकी, व्यवहार पर अंकुश, किसी व्यक्ति को परिवार व मित्रों से दूर कर देना, उनके आवागमन पर निगरानी करना, आर्थिक संसाधनों तक पहुंच पर रोक लगाना, प्राय: अवसाद, हड़बड़ी में कदम उठाने, अन्य व्यग्रता प्रेरित मानसिक व्याधियों एवं आत्महत्या में परिणित होता है।

इसके प्राय: बचकर निकलने वालों पर दूरगामी प्रभाव होते हैं जैसा कि शोध से पता चलता है कि उत्पीड़न की स्मृतियां हिंसा समाप्त होने के बाद लंबे समय तक कायम रहती हैं। इसका परिणाम प्राय: असाध्य स्वास्थ्स संबंधी समस्याओं के रूप में सामने आता है और दीर्घकालिक तनाव से बहुत सी व्याधियां पैदा होने का जोखिम बना रहता है।

किसी महामारी से निबटने के प्रयासों के दौरान नाजुक स्थिति में, अपने परिवारों के भीतर महिलाओं व बच्चों के समक्ष घरेलू हिंसा की घटनाएं बढ़ जाती हैं। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है क्योंकि महिलाओं व लड़कियों के विरुद्ध हिंसा के मामलों की श्रेणी में 2018 में घरेलू हिंसा की घटनाएं शीर्ष पर रही हैं। आंकड़ों के मुताबिक, महिलाओं/लड़कियों के विरुद्ध अपराधों से संबंधित कुल 89,097 मामले 2018 में भारत में दर्ज हुए थे। आंकड़े दर्शाते हैं कि 2017 में दर्ज हुए 86,991 मामलों की तुलना में कुछ खास सुधार नहीं हुआ है। 2017 में महिलाओं/लड़कियों की प्रति लाख जनसंख्या में अपराध की दर 57.9 के तुलना में 2018 में यह दर 58.8 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय महिला स्वास्थ्य सर्वेक्षण- एनएचएफएस-4, 2015-16 में उल्लेख किया गया था कि भारत में 15-29 आयु वर्ग की 30 प्रतिशत महिलाएं/लड़कियां 15 वर्ष की आयु से ही शारीरिक हिंसा का दंश झेलती रही हैं।

शारीरिक, यौन अथवा भावनात्मक हिंसा से दो-चार होने वाली विवाहित महिलाओं में, खतरनाक ढंग से 83 प्रतिशत का दावा था कि उनके पति ऐसी हिंसा, उत्पीड़न आदि के लिए सर्वाधिक जिम्मेदार होते हैं, साथ ही 56 प्रतिशत माताओं द्वारा, 33 प्रतिशत पिता द्वारा और 27 प्रतिशत पति के भाई-बंधुओं द्वारा प्रताड़ित होती हैं। भारत में महिलाओं द्वारा रिपोर्ट किए गए प्रमुख अपराध हैं, पति अथवा रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता (32.6 प्रतिशत), महिलाओं के शीलभंग के इरादे से उन पर हमले (25 प्रतिशत), अपहरण (19 प्रतिशत) और बलात्कार (11.5 प्रतिशत)।

उपरिलिखित अपराध के आंकड़े महिलाओं के विरुद्ध होने वाली हिंसा के संपूर्ण आंकड़े नहीं हैं। इसका कारण रूढ़िवादी सामाजिक प्रतिमान एवं कंलक है जो घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं पर लगा दिया जाता है जिसके डर से बहुत से मामले दर्ज ही नहीं हो पाते हैं। रिपोर्ट यह भी दर्शाती है कि पुरुषों में बेरोजगारी एवं शराब की लत काफी हद तक महिलाओं व लड़कियों के साथ होने वाली घरेलू हिंसा व यौन उत्पीड़न का कारण होती है।

कोरोनावायरस से होने वाले स्वास्थ्य को प्रत्यक्ष खतरे के साथ-साथ, वैश्विक महामारी और उसके प्रसार को रोकने के लिए लगाए गए प्रतिबंधों के परिणाम व्याकुलताओं में वृद्धि, बीमारी से संक्रमित होने के भय से लेकर आर्थिक चिंताओं एवं सामाजिक सरोकारों तक के रूप में सामने आए हैं। चिंताकी वजह यह भी है कि नौकरियां जाने एवं अन्य आर्थिक दबावों के चलते घरेलू हिंसा और ज्यादा बढ़ेगी। एक अन्य चुनौती है साथ जुड़े नकारात्मक मनो-सामाजिक प्रभाव की जो महिलाओं व लड़कियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है।

कोविड 19 महामारी पर काबू पाने के प्रयास में महिला समानता एवं शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य के सरोकारों को दरकिनार कर दिया है जिससे उन पहलुओं को नुकसान पहुंचा है। सरकार ने घरेलू हिंसा की समस्या को जनस्वास्थ्य की तैयारी एवं आपात प्रतिक्रिया योजना के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता को अनदेखा कर दिया। असलियत में टिकाऊ विकास लक्ष्य जिसके अंतर्गत सार्वजनिक तथा निजी स्थलों पर महिलाओं के विरुद्ध सभी प्रकार के भेदभाव एवं हिंसा का उन्मूलन करने का तथा 2030 तक उन्हें आर्थिक संसाधनों एवं संपत्ति तक पहुंच मुहैया कराने हेतु सुधार लाए जाने के प्रयास किए जाते हैं, वर्तमान दौर में इन लक्ष्यों को अनदेखा किया जा रहा है।

समुदाय के सदस्यों को लाकडाउन के दौरान महिलाओं एवं लड़कियों के स्वास्थ्य तथा जीवन के प्रति बढ़ते जोखिम के प्रति जागरूक करना होगा। उन्हें हिंसा की निंदा करने एवं उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु सभी प्रकार का सहयोग मुहैया कराने की जिम्मेदारी अपने कंधों पर लेनी होगी। कोविड-19 के विरुद्ध जारी प्रयासों में, सरकार को नागरिक समाज संगठनों, काउंसेलरों, मानसिक स्वास्थ्य संगठनों एवं प्रदाताओं को यौन तथा घरेलू प्रताड़ना का सामना करने वाली महिलाओं की रक्षा हेतु आगे आने देना होगा। दुख से पीड़ित महिलाओं व लड़कियों तक पहुंचने एवं उनके विरुद्ध होने वाली विविध प्रकार की हिंसा को संबोधित करने की आवश्यकता को सरकार द्वारा अनिवार्य सेवाओं के तौर पर वर्गीकृत किऐ जाने की जरूरत है। अंतत:, घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न जैसे कृत्यों को अंजाम देने वाले लोगों को न्याय के कठघरे में लाना होगा और बार-बार ऐसा करने वालों के साथ कानून के प्रावधानों के मुताबिक कठोरता से पेश आना होगा।

भारतीय आपदा प्रबंधन कानून की सीमाएं

केन्द्र सरकार द्वारा आपदा प्रबंधन कानून, 2005 के अंतर्गत कोरोनावाइरस संक्रमण की समस्या से निपटने का प्रयास हो रहा है। लेकिन कानून ने इतनी व्यापक आपदा और मानवीय संकट का पूर्वानुमान नहीं किया था।

चित्रव रघु
लेखक तेलंगाना व आंध्र प्रदेशउच्च न्यायालय में अधिवक्ता हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के टीवी पर राष्ट्र के नाम संबोधन के तीन-चार घंटे के अंदर पूरे देश में लाकडाउन लागू कर दिया गया। इससे देश में प्रवासी श्रमिकों की समस्या सामने आई जो हजारों किलोमीटर दूर अपने घरों को भूखे, प्यासे और थके हुए पलायन को मजबूर हुए। स्पष्ट था कि भारत भावी आपदा के लिए तैयार नहीं था। ऐसा इस तथ्य के बावजूद हुआ कि चीन में महीनों पहले कोरोनावाइरस महामारी फैलने के बाद यह खतरा हमारे सामने था। अति-आत्मविश्वास से भरी सरकार ने वैश्विक महामारी के प्रभावी प्रबंधन के लिए सक्षम योजना बनाना व्यावहारिक नहीं समझा जिसने भारत से बेहतर स्वास्थ्यरक्षा व्यवस्था वाले विकसित देशों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। सरकार इस असाधारण विभीषिका से निपटने के लिए ठीक से तैयार नहीं थी। 1918 में आए स्पैनिश फ्लू के बाद दुनिया ने ऐसी महामारी नहीं देखी है जिसमें दुनिया भर के लगभग 500 मिलियन लोग संक्रमित हुए थे तथा लगभग 30-50 मिलियन की जान गई थी।

स्पष्ट रूप से केन्द्र ने अपनी योजना आपदा प्रबंधन कानून, 2005 के अंतर्गत बनाई थी, लेकिन कानून में इतनी व्यापक समस्या तथा मानवीय संकट का पूर्वानुमान नहीं लगाया गया था। आपदा प्रबंधन केवल विभीषिका का असर कम करने की व्यवस्था करता है। ऐसी व्यवस्था करने में विफल होने पर बड़े पैमाने पर लोग हताहत हो सकते हैं, जनता की आमदनी घट सकती है तथा भारतीय उद्योगों को नुकसान हो सकता है जो अर्थव्यवस्था के लिए विनाशकारी सिद्ध हो सकता है।

इसलिए आपदा प्रबंधन योजना का संबंध आपदा की प्रकृति तथा इसके प्रबंधन से है। सरकार मुख्यत: विधायिका द्वारा बनाए कानून लागू करने का प्रयास करती है। इसलिए सारे कार्यक्रम, परिकल्पित योजनायें व दिशानिर्देश इस संबंध में बने कानूनों के ढांचे में होने चाहिए। संयुक्त राष्ट्र महासभा-यूएनजीए ने 90 के दशक को प्राकृतिक आपदा घटाने के अंतरराष्ट्रीय दशक-आईडीएनडीआर के रूप में मनाने का निर्णय किया था। इसमें देशों द्वारा प्राकृतिक विभीषिकाओं से निपटने के लिए सामाजिक-आर्थिक रणनीतियां बनाने का वैश्विक अभियान शुरू किया गया था। अब यूएनजीए के प्रयासों के कारण दुनिया भर के अनेक देशों में आपदा संबंधी कानून हैं। इसी अभियान के अंतर्गत भारत सरकार ने भी आपदा प्रबंधन पर एक उच्चाधिकार समिति-एचपीसी का गठन किया था।

इसके बाद आई अनेक भयानक प्राकृतिक विभीषिकाओं के कारण आपदा प्रबंधन कानून, 2005 बनाया गया जिनमें 2001 का गुजरात भूकंप तथा 2004 की सुनामी शामिल है। हालांकि, यह सही दिशा में एक कदम था, पर पूरा कानून बहुत संकुचित दृष्टिकोण से बना था। कानून की धारा 2डी के अंतर्गत 'आपदा' की परिभाषा किसी क्षेत्र में गंभीर परिणाम देने वाली कोई भयानक दुर्घटना या विभीषिका है जो प्राकृतिक या मानव-निर्मित कारणों से पैदा हुई हो अथवा दुर्घटना या लापरवाही का परिणाम हो जिससे मानव जीवन को काफी नुकसान हो, मनुष्यों को भारी कष्ट उठाना पड़े या संपत्ति को नुकसान हो या पर्यावरण का क्षरण हो। इसकी प्रकृति या आयाम ऐसा होना चाहिए जो प्रभावित क्षेत्र के समुदाय द्वारा निपटने की क्षमता से अधिक हो।

उपरोक्त परिभाषा पढ़ने से स्पष्ट है कि कानून बनाते समय सुनामी, समुद्री तूफान, भूकंप, औद्योगिक दुर्घटनाओं या आग लगने जैसी विभीषिकाओं का ध्यान रखा गया था। इसमें ऐसी स्थिति की कल्पना नहीं की गई थी जो पूरे देश में तथा उसकी सीमाओं के पार संक्रामक वाइरस महामारी के रूप में सामने आई है। 'विभीषिका' की परिभाषा में 'किसी क्षेत्र' शब्द का प्रयोग बहुत सीमित है। इसका संबंध देश के किसी खास क्षेत्र से है जहां ऐसी प्राकृतिक विभीषिका आई हो। कुल मिला कर कहें तो सार्वजनिक स्वास्थ्य का कोई मुद्दा कानून के दायरे में नहीं आता है।

इस कानून में अनेक विधिक संस्थाओं के गठन का प्राविधान है जिनमें सरकार के अंतर्गत गठित होने वाली राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिकरण-एनडीएमए, राज्य आपदा प्रंबंधन अधिकारी-एसडीएमए, सलाहकार समितियां, कार्यकारी समितियां तथा उप समितियां शामिल हैं। इतनी समितियों व अधिकारियों के गठन का सशक्त तार्किक आधार नहीं है। इससे कानून के अंतर्गत विभिन्न अधिकारियों में दायित्वों का दुहराव होता है जिससे जनता का भ्रमित होना स्वाभाविक है। इससे इन अधिकारियों के बीच समन्वय भी बहुत कठिन होता है।

हालांकि, कानून की धारा 3 में एनडीएमए की स्थापना का प्राविधान है जिसके अध्यक्ष प्रधानमंत्री तथा अन्य सदस्य होंगे। इनकी संख्या अधिकतम 9 होगी जो प्रधानमंत्री द्वारा नामित होंगे और सदस्यों के लिए कोई योग्यता निर्धारित नहीं है। ऐसा इसलिए किया गया कि यह राष्ट्रीय स्तर पर अधिकरण हो जो राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों से निपट रहा हो। देश के राजनीतिक परिदृश्य के संदर्भ में राष्ट्रीय अधिकरण में नियुक्तियां मुख्यत: राजनीति से प्रभावित होंगाी और इससे पूरा उद्देश्य विफल हो सकता है।

धारा 6 में राष्ट्रीय अधिकरण की शक्तियों का निर्धारण किया गया हे जिससे वह आपदा प्रबंधन के संदर्भ में नीतियां, योजनायें व दिशानिर्देश देने में सक्षम हो जाता है। लेकिन यह कानून की घारा 2डी में 'विभीषिका' की परिभाषा के अनुरूप होना चाहिए जो बहुत संकुचित है। स्पष्ट रूप से पूरे कानून का क्रियान्वयन धारा 2डी में 'विभीषिका' की परिभाषा की पृष्ठभूमि में होना चाहिए। इस कारण सारी योजनायें संकुचित दृष्टिकोण वाली होंगी और ये केवल किसी खास क्षेत्र में खास प्रकृति की विभीषिका से निपटने तक सीमित होंगी।

कोरोनावाइरस जैसी वैश्विक महामारी से निपटने की तैयारी के लिए कानून में 'विभीषिका' की परिभाषा में संशोधन होना चाहिए ताकि सरकार इसके उपयुक्त नीतियां और योजनायें बनाने में सक्षम हो सके। वर्तमान समय में हम शहरों से प्रवासी कामगारों का पलायन, दैनिक मजदूरों की आजीविका समाप्त होना, सप्लाई श्रृंखला टूटना, गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले-बीपीएल लोगों को आवश्यक वस्तुओं के वितरण में बाधा तथा अस्पताल व अन्य सुविधाओं के प्रबंधन में आने वाली समस्यायें देख रहे हैं। हमें इस प्रकार योजनायें बनानी चाहिए कि करोनावाइरस वैश्विक महामारी जैसी विभीषिका का विपरीत प्रभाव न्यूनतम हो सके।

किसी विभीषिका का पूर्वानुमान एक आयाम है और विभीषिका-पश्चात प्रबंधन दूसरा। विभीषिका के पूर्वानुमान तथा एक नीति बनाने के संबंध में परिभाषा में ऐसी विभीषिकाओं को भी शामिल किया जाना चाहिए जिनसे पूरा देश प्रभावित हो सकता हो और वे किसी खास क्षेत्र तक सीमित विभीषिकायें न हों। यदि ऐसा संशोधन लाया जाता है तो कानून के अंतर्गत सक्षम अधिकारियों को भी परिभाषित किया जाना चाहिए। कानून की धारा 42 में केन्द्र सरकार को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान-एनआईडीएम गठित करने की शक्ति दी गई है। इसका मुख्य काम आपदा प्रबंधन के संबंध में शोध एवं दस्तावेजीकरण का विकास करना है। एनआईडीएम विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से समग्र मानव संसाधन विकास की योजना बना सकता है जिसमें आपदा प्रबंधन के सभी आयाम शामिल हों। लेकिन जैसा कि पहले कहा गया है, यह पूरी कार्रवाई केवल कानून की धारा 2डी में परिभाषित 'विभीषिका' के संदर्भ में होनी चाहिए।

कानून की धारा 35 सरकार द्वारा आपदा प्रबंधन के अंतर्गत किए उपायों से संबंधित है। केन्द्र सरकार को सभी मंत्रालयों, राज्य सरकारों तथा राष्ट्रीय व राज्य अधिकरणों के बीच समन्वय स्थापित करना चाहिए। हालांकि, धारा 35 केन्द्र सरकार को विभीषिका की संकुचित परिभाषा के अंतर्गत कदम उठाने की शक्ति देती है, पर इसमें ऐसी स्थिति की कल्पना करना कठिन है जो वर्तमान समय में हमारे सामने आई है। किसी विभीषिका को केवल प्रशासनिक व्यवस्था द्वारा कभी नहीं निपटा गया है, जब पूरा समुदाय अलग-थलग हो। दुर्भाग्य से कानून इस महत्वपूर्ण आयाम को अनदेखा करता है। इस कानून का क्रियान्वयन केवल सरकारी व्यवस्था द्वारा होता है।

सरकार को प्रभावी रूप से वर्तमान कोरोनावाइरस वैश्विक महामारी जैसी स्थितियों से निपटने के लिए 2005 के कानून में उपयुक्त संशोधन करने चाहिए। खासकर इसकी धारा 2डी के अंतर्गत 'विभीषिका' की परिभाषा में बदलाव होना चाहिए ताकि देश के सामने आई वर्तमान आपदा जैसी स्थितियों को इसमें शामिल किया जा सके। यह सरकार द्वारा समस्या से ठीक से निपटने के लिए जरूरी है। दुर्भाग्य से मुल्लापल्ली रामचंद्रन द्वारा आपदा प्रबंधन कानून, 2005 में संशोधन के लिए लाए गए आपदा प्रबंधन संशोधन विधेयक, 2016 में भी 'विभीषिका' की परिभाषा बदलने का कोई प्रयास नहीं किया गया है।

इसमें केवल कानून की धारा 11 और धारा 35 में परिवर्तन का प्रस्ताव है जिनका संबंध योजनाओं व दिशानिर्देश देने से है। लेकिन परिभाषा न बदलने की स्थिति में इनका कोई अर्थ नहीं होगा।

कहीं कमी न रह जाए

साग, सब्जी, फल, दाल, चावल, गेहूं इन्हीं शब्दों से सुबह हो रही है और इन्हीं शब्दों से रात लेकिन दिन पूरा गुजारते हैं चाय पर। यह हाल उन सिंह साहब का है जो पूरे दिन मण्डी में ही बैठते हैं और यहीं बैठकर अपने कार्य को अंजाम दे रहे हैं। सिंह साहब की यह हालत बीते दो सप्ताह से है। पहले तो ठीक थाक दिन ही में काम निपट जाया करता था। अब एकदम विपरीत स्थिति है। जब सब सो जाते हैं तब सिंह साहब की मंडी का काम शुरू होता है और रातभर सिंह साहब गाजर, मूली, पालक, हरी धनिया, टमाटर और तो और गेहूं चावल दाल बिकवाने में लगे रहते हैं। जब सुबह होती है तो उसका लेखा-जोखा तैयार करते हैं। आखिर बड़े महाराज को दिखाना भी तो है कि रात में जाग कर किया क्या। वैसे भी मौजूदा स्थिति में बड़े महाराज काफी सख्त हैं । जरा सी गलती पर सीधे गर्दन पर तलवार रख रहे हैं। और सिंह साहब इस बात को भली बात जानते हैं। इसीलिए वह किसी भी तरह का जोखिम उठाने को तैयार नहीं हैं। सिंह साहब ने सोच लिया है भूखे रह लेंगे लेकिन भोजन सामग्री हर हाल में हर जगह पहुंचाएंगे।

सयानी हैं सयानी

विपरीत हालात में अवसर तलाशना कोई भाजपा की इस महिला नेता से सीखे। सभासद से मेयर बनी इस महिला नेता को कोरोना की दस्तक होने के साथ ही अपने लिये संभावनाएं नजर आने लगीं थीं। आनन फानन में इस महिला नेता ने रातों रात सेनेटाइजर बनाने की फैक्ट्री लगा डाली। संकट के इस दौर में जब हर कोई कोरोना के चलते परेशान नजर आ रहा है ऐसे में महिला नेता की सेनेटाइजर बनाने की फैक्ट्री सोना उगल रही है। राज्य के अनेक जिलों में उनकी फैक्ट्री में बना सेनेटाइजर सप्लाई हो रहा है। भाजपा महिला नेता अपने करीबियों से इसे दूरदृष्टि का परिणाम बताती हैं।

एक रेस यह भी

मीडिया की सुर्खियों में रहना कौन नहीं चाहता लेकिन जब यह होड़ चीफ साहब साहब से लेकर उनके अधीनस्थ अफसरों के बीच शुरु हो जाए तो भगवान ही मालिक है। बीते दिनों जब महाराज जी अपने टीम इलेवन के अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे तो कोरोना से प्रभावित कुछ इलाकों के लिए विशेष निर्देश दिए गए। जैसे ही बैठक समाप्त हुई अधिकारियों को खबर नफीसों ने घेर लिया। चीफ साहब ने बोला कुछ और मीडिया में कुछ और ही चलने लगा। इसका असर बाजारों में दिखा जबकि महाराज जी ने बैठक में कुछ जिलों के कुछ क्षेत्र के लिए ही विशेष निर्देश दिए थे। मजे की बात यह रही कि इस खबर को सभी अफसर देख रहे थे लेकिन किसी भी जिम्मेदार अधिकारी ने इस खबर को रूकवाने की जहमत नहीं उठाई। और तो और संबन्धित विभाग के भी आला अधिकारी चुप्पी साधे रहे। उन्हें लगा कि अब तो अगली बैठक में चीफ की क्लास ली जाएगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। शुक्रवार को जब बैठक हुई तो महाराज ने संबन्धित विभाग के अधिकारियों को हिदायत दी जबकि चीफ साहब को कुछ नहीं कहा। बैठक जब खत्म हुई तो एक साहब से रहा नहीं गया और उन्होंने धीरे से कहा नमक से नमक नहीं खाया जाता और इतना कह कहकर वह चीफ साहब की और देख मंद-मंद मुस्कुराने लगे।

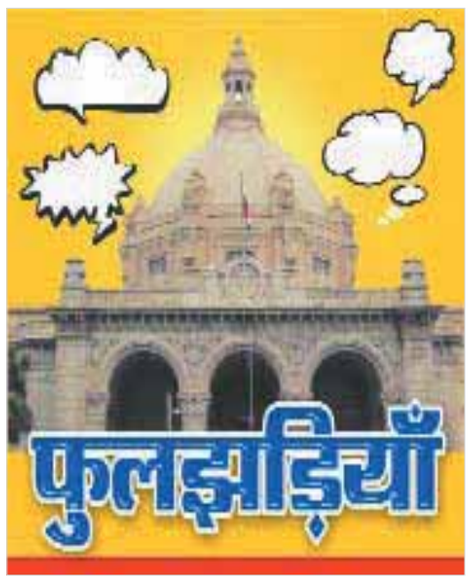

वैसे जो भी हो कोरोना की महामारी ने इस महिला नेता की किस्मत की नयी इबारत लिख दी है। उनके करीबी बताते हैं कि उनकी दवा फैक्ट्री में जितनी कमाई कई सालों में होती थी उतनी कुछ दिनों में हो चुकी है। महिला नेता के परिजन इसे दिमाग का कमाल बताते है।

वाह छोटे साहब

शहर में सैनिटेशन कराने को लेकर छोटे साहब बड़े साहब से भी दो कदम आगे निकल गए। फिर क्या था हाट स्पॉट को सील कराने के लिए सफाई कर्मचारियों को आदेश देने में जुटे गए। सभी हाट स्पॉट को दिन में दो बार सैनिटाइज किया जा रहा है। कोरोना वायरस को खत्म करने के अभियान में छोटे साहब की भाग दौड़ की चर्चा कुछ खास हो रही है लेकिन साहब यह भूल गए कि कर्मचारियों से काम लेने के साथ साथ उन्हें सुविधाएं देने में कंजूसी खेल बिगाड़ देगी । कई सफाई कर्मचारियों के अगुवाकारों ने यह कह डाला कि साहब के आदेश तो सीएम से भी अधिक तीखे हैं। हाल चाल पूछे बिना कोल्हू के बैल की तरह नथ दिया है । आए दिन पुलिस कमिश्नरए डीएम के भ्रमण से सभी हलकान हैं । लेकिन छोटे साहब के ठाठ देखते ही बन रहे हैं। मातहत पहले सड़कों की खाक छाने। फिर घर पर सिर फुटव्वल करें पर सुकून नहीं मिल रहा है । वहीं छोटे साहब मास्क गलव्स देकर चलते बने। बाकी जो रही सही कसर कोरोना के डर ने पूरी कर दी।

मेहनती डॉक्टर

जब से सूबे में भगवा सरकार आई है, तब से अपने चिकित्सा संस्थान वाले डॉक्टर साहब काफी मेहनत कर रहे हैं। आये दिन डॉक्टर साहब की मेहनत को अवार्ड से नवाजा जा रहा है। होना भी चाहिए। काबिलियत की कद्र जरूरी है। लेकिन इधर डॉक्टर साहब की मेहनत का राज क्या है, यह समझ में नही आ रहा है। कहते है डॉक्टर साहब की मेहनत को बाहर लाने के लिए मैनेजमेंट भी काफी अच्छा है। अब इस मेहनत के पीछे डॉक्टर साहब की महत्वाकांक्षा है। छोटी कुर्सी से डॉक्टर साहब का मन जो भर गया है। लेकिन करे तो क्या करें। सारी मेहनत पर उनकी पिछली कारगुजारियां भारी पड़ती जा रही हैं। जैसे ही डॉक्टर साहब दौड़ना शुरू करते हैं वैसे ही विरोधी भी सक्रिय हो जाते हैं। फिर एक के बाद एक पत्राचारों की दौड़ से हाथ आने वाली कुर्सी दूर छिटक जाती है। सुनने में आ रहा है कि संस्थान की खाली होने वाली कुर्सी को हासिल करने के लिए डॉक्टर साहब सक्रिय हो गए हैं। इसी को लेकर प्लस प्वाइंट के चक्कर में मेहनत बाहर निकल कर आ रही है।

ढूढ़ों ढूढ़ों रे.....

खोकी महकमे की स्पेशल विंग में लंबे समय तक तैनात रहने के दौरान एक से बढ़कर एक कीर्तिमान स्थापित करने वाले कप्तान साहब के नाम से अपराधियों का पसीना छूटता है। संगठित अपराध के खिलाफ उल्लेखनीय कार्य करने की वजह से ही भगवा सरकार ने इनाम स्वरूप उन्हें पूर्वांचल के एक अहम जिले की कमान सौंप रखी है। सरकार की मंशा के अनुरूप कप्तान साहब अभी तक धुंआधार तरीके से नौकरी कर रहे थे। स्पेशल विंग की उनकी धाक अभी तक जमी हुई है। यही वजह है कि उनके जिले में आपराधिक वारदातों पर पूरी तरह अंकुश लगा हुआ था लेकिन इधर कोराना महामारी के पैर पसारते ही उनका सुख चैन भी पूरी तरह छिन गया है। हालांकि यह स्थिति तो ज्यादातर जिलों के खाकी के कारिंदों की है मगर इन कप्तान साहब की परेशानी की वजह कुछ अलग ही है। पाताल में भी छिपे अपराधियों का पता ढूंढ निकाल लाने वाले कप्तान साहब कुछ जमातियों की तलाश में बेहाल हो चुके हैं। सूबे में लौटकर आने के बाद से लापता हो गए जमातियों में कुछ उनके भी जिले के हैं। भगवा सरकार ने उन्हें तुरंत खोज निकलने के आदेश दे रखे हैं मगर एड़ी चोटी का जोर लगाने के बावजूद कप्तान साहब को उनका कोई सुराग नहीं मिल पा रहा। परेशान हाल कप्तान साहब ने अब लापता हुए जमातियों का पता लगाने के लिए उनके ऊपर इनाम घोषित कर दिया है। जिले भर में संदेश फैला दिया गया है कि जो भी इनका पता बताएगा उसे नगद धनराशि से पुरस्कृत किया जायेगा।

अन्य राज्यों में रह रहे यूपी के लोगों का रखा जा रहा विशेष ध्यानः केशव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- 20 राज्यों के लिए बनाये गये नोडल अधिकारियो द्वारा लगातार लिया जा रहा है फीडबैक

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा की करोना वायरस संक्रमण के चलते एदेश के विभिन्न राज्यों में उत्तर प्रदेश के रह रहे व्यक्तियों के खानपान, रहने व उनकी समस्याओं का समाधान उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पूरी गंभीरता के साथ किया जा रहा है, यही नहीं यूपी के अंदर अन्य राज्यों के रह रहे लोगों को भी सभी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं । श्री मौर्य ने बताया कि 20 राज्यों में उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को नोडल अधिकारी बनाया गया है, जो देश के विभिन्न राज्यों में बसे उत्तर प्रदेश के मूल निवासियों की भरपूर सहायता कर रहे हैं । नोडल अधिकारी उन राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर वहां पर रह रहे उत्तर प्रदेश के मूल निवासियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु निरंतर वार्ता कर रहे हैं। लाक डाउन के कारण विभिन्न राज्यों में फंसे हुए लोगो मे महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली में ज्यादातर लोग हैं तथा कर्नाटक में भी काफी लोग हैं। लगभग 1,30000 लोगों की समस्याओं का समाधान किया गया है और सभी के खानपान तथा जिन्हें रहने की व्यवस्था नहीं है, उनके रहने की व्यवस्था आदि कराई गई है । उनके खानपान और रहने आदि के संबंध में नोडल अधिकारियों द्वारा लगातार फीडबैक लिया जा रहा है और स्थानीय प्रशासन से वार्ता कर समाधान भी किया जा रहा है। कुछ व्यक्तियों को भी फीडबैक कॉल की जा रही है ताकि पता रहे कि वास्तव में उनकी समस्या का समाधान हुआ है या नहीं।

श्री मौर्य ने बताया कि सभी नोडल अधिकारियों को सरकार द्वारा निर्देशित किया गया है कि वह अपने आवंटित राज्य में उत्तर प्रदेश के रह रहे मूल निवासियों के बारे में लगातार वहां के वरिष्ठ अधिकारियों व जिलाधिकारियों आदि से समन्वय कर वार्ता करते रहें तथा फीडबैक लेते रहें, ताकि किसी को कोई समस्या न होने पाये।

लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके सरकारी आवास पर बैंक ऑफ बड़ौदा के अधिकारीगण 21 लाख रुपए का चेक 'मुख्यमंत्री पीड़ित सहायता कोष' के लिए भेंट करते हुए।

भाजपा के तथाकथित बुद्धिजीवी सपा की छवि को खराब कर रहेः अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी का तथाकथित बुद्धिजीवियों का गैंग समाजवादी पार्टी की छवि को खराब करने में लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या के कुलपति ने एक दुस्साहसपूर्ण आपत्तिजनक टिप्पणी की है। सत्ता लोकतंत्र में इसे स्वस्थ परम्परा नहीं कहा जा सकता है। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी सदैव सकारात्मक और रचनात्मक आलोचना की पक्षधर रही है। सरकार से क्या यह नहीं पूछना चाहिए कि किसानों, बेरोजगारों, महिलाओं, नौजवानों और प्रभावित वर्ग के लिए क्या राहत कार्य किए जा रहे हैं? लॉकडाउन की लम्बी अवधि से घरों में कैद बच्चों और बुजुर्जों की क्या हालत है? पेट में दाना नहीं, घर में खाना नहीं। इन हालातों से गुजर रहे कमजोर वर्ग के लिए बोलना क्या गुनाह है? उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी कोरोना संक्रमण के प्रतिरोध में लागू लॉकडाउन का शतप्रतिशत पालन कर रही है। सरकारी और चिकित्सीय एडवायजरी का पालन करते हुए पीड़ितों और जरूरतमंदो के सहायतार्थ हमारे नेता कार्यकर्ता जुटे हुए हैं। समाजवादी पार्टी संकट के इन हालात को समझते हुए भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ सकती है कि जनता को कहां, किन स्थितियों से गुजरना पड़ रहा है। हमारे सुझाव-शिकायतें टीम इलेवन के काम को अधिक सुसंगत बनाने के लिए होती हैं।

गुजरात के सूरत में लॉकडाउन में फंसे सैकड़ों अन्य स्थानों के भूखे मजदूर श्रमिकों द्वारा मालिकों से अपना वेतन व प्रशासन से घर जाने की व्यवस्था की मांग पर गिरफ्तार किया जाना संवेदनशील विषय है। सरकार तत्काल इन मजदूर लोगों को आर्थिक व आवासीय सहायता देकर उनमें विश्वास जगाए और शांति स्थापित कराए। अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार का पत्रकारिता के प्रति अपना रवैया पक्षपातपूर्ण नहीं रखना चाहिए।

जनहित का पूरा ध्यान रखकर ही लिया जाना चाहिए फैसलाः मायावती

लखनऊ (पीएनएस)। बसपा अध्यक्ष मायावती ने कहा है कि कोरोना वायरस के घातक प्रकोप की वजह से अगर केंद्र सरकार लॉकडाउन बढ़ाने का फैसला लेती है तो उनकी पार्टी इसका स्वागत करेगी मगर इसकी हर स्तर पर गहन समीक्षा करके व व्यापक जनहित का पूरा ध्यान रखकर फैसला किया जाना चाहिए। मायावती ने शनिवार को ट्वीट कर कहा है कि केंद्र व राज्य सरकारों से भी अपील है कि वे इस राष्ट्रीय संकट की घड़ी में जातिए धर्म व दलगत राजनीति से ऊपर उठकर फैसला लें। कोई भी फैसला लेते समय खासकर गरीबों, कमजोर तबकों, मजदूरों व किसानों आदि के हितों व इनकी मदद का जरूर ध्यान रखा जाए। बसपा नेता ने कहा कि इसके साथ ही, कोरोना वायरस के प्रकोप से जूझने वाले सभी डाक्टरों, नर्सों, सफाई व पुलिसकर्मियों तथा अप्रत्यक्ष तौर पर ऐसी देशसेवा में लगे सभी लोगों के हर प्रकार के बचाव व पारिवारिक सुरक्षा आदि के लिए भी केंद्र व राज्य सरकारों को काफी तत्पर दिखना चाहिए, ताकि इनकी हौसला अफजाई होती रहे।

राज्यपाल के समक्ष हुआ नैक मूल्यांकन के आदर्श मॉडल का प्रस्तुतीकरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के समक्ष आज राजभवन में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मानक के अनुसार नैक मूल्यांकन के लिये तैयार मॉडल का प्रस्तुतीकरण दिया। उल्लेखनीय है कि गत 11 जनवरी को नैक मूल्यांकन के संबंध में राजभवन में आयोजित कुलपतियों की बैठक में सभी विश्वविद्यालयों के लिये आदर्श मॉडल तैयार करने की जिम्मेदारी लखनऊ विश्वविद्यालय को दी गयी थी। राज्यपाल ने कहा कि नैक मूल्यांकन एवं उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा जो मॉडल प्रस्तुतीकरण दिया गया है वह एक सराहनीय प्रयास हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 में जिन विश्वविद्यालयों का नैक मूल्यांकन होना हैए उन्हें इस मॉडल को भेजा जाये जिससे वे निर्धारित समयावधि में सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर लें ताकि नैक मूल्यांकन के समय उन्हें कठिनाई का सामना न करना पड़े। पटेल ने कहा कि रिसर्च प्रमोशन एवं इनोवेशन के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा जो कदम उठाये जा रहे हैए उससे शिक्षकों एवं शोध छात्रों का मनोबल बढ़ेगा। विद्यार्थियों की शिकायतों का आनलाइन निस्तारण किया जाना एवं उनसे सीधा संवाद बनाये रखने से विश्वविद्यालय का शैक्षणिक वातावरण अच्छा रहेगा तथा इससे पठन-पाठन में सहूलियत होगी।

राज्यपाल ने किया निशुल्क हैंड सैनिटाइजर वितरण अभियान का शुभारंभ

लखनऊ। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने सीएसआईआर-भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान द्वारा निर्मित हैण्ड सैनिटाइजर को वृद्धाश्रम, अनाथालय एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को निशुल्क प्रदान किये जाने के अभियान का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. आलोक धावन, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. रामा कृष्णा पार्थासार्थी, लखनऊ रोटरी क्लब के अध्यक्ष मनीष मेहरोत्रा, मेघदूत ग्राम उद्योग सेवा संस्थान के विमल शुक्ला उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री विमल शुक्ला ने राज्यपाल को पीएम केयर्स फण्ड में दान के लिए 5 लाख रुपए का चेक भेंट किया।

विश्वविद्यालयों में ऑनलाइन शिक्षण व्यवस्था पर विचार के लिए समिति का गठन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने कोविड.19 के चलते लॉकडाउन के समय में विश्वविद्यालयों में पाठ्यक्रमों को ई-माध्यम से पूरा कराने, परीक्षा, मूल्यांकन तथा शैक्षिक सत्र 2020-21 के लिए प्रभावी योजना बनाने के लिए एक सात सदस्यीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया है। इस समिति का अध्यक्ष डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि के कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक को नामित किया गया है। यह समिति 30 अप्रैल 2020 तक अपनी रिपोर्ट राज्यपाल को सौंपेगी।

एकेटीयू ने लॉकडाउन के दौरान एलएमएस के माध्यम से ई-लर्निंग एवं वर्चुअल क्लास रूम जैसी अवधारणाओं को मूर्त रूप प्रदान किया है। एकेटीयू ने कोरोना संक्रमण के इस विपरीत समय में कुलपति प्रो. पाठक ने नेतृत्व में ई-अध्ययन के साथ ही ऑनलाइन पूल प्लेसमेंट एवं ऑनलाइन इंटर्नशिप जैसे जटिल कार्य को भी बखूबी अंजाम दिया है। एकेटीयू द्वारा ऑनलाइन लर्निंग के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने एकेटीयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक को विशेषज्ञ समिति का अध्यक्ष नामित किया है। समिति में शामिल अन्य सदस्य क्रमशः प्रो. वीके सिंह कुलपति आईआईएमटी मेरठ, डॉ. विजय कृष्ण सिंह कुलपति दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर, प्रो. बिजेन्द्र सिंह कुलपति एनडी कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय फैजाबाद, प्रो. नीलिमा गुप्ता कुलपति छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर, प्रो. टीएन सिंह कुलपति महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी तथा प्रो. आलोक कुमार राय कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ हैं। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने 1 अप्रैल 2020 को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को कोविड-19 के कारण उत्पन्न स्थिति, वायरस के रोकथाम के मद्देनजर आनलाइन अध्ययन एवं इसके विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत विचार-विमर्श करने के निर्देश दिए थे।

कम्यूनिटी किचन के जरिए बीजेपी कार्यकर्ता कर रहे मदद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी लखनऊ के पूर्व जिलाध्यक्ष राम निवास यादव ने गोमती नगर स्थित अपने आवास पर पिछले 15 दिनों से कम्यूनिटी किचन का संचालन कर रहे हैं। लोगों को भोजन वितरण के बीच आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करने के लिए कहा गया। उन्होंने बताया कि पार्टी अध्यक्ष जेपी नडडा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह के निर्देश के बाद इस प्रकार का समाजिक कार्यक्रम किया जा रहा है। इस कम्यूनिटी किचन से प्रतिदिन लगभग 1100 भोजन पैकेट व पानी बोतलों की व्यवस्था की गयी है। इस कम्यूनिटी किचन का शनिवार को 15 वां दिन था।

इसके माध्यम से तहसील, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, सेवा संस्थानों, आश्रय गृहों तथा सामाजिक संगठनों के माध्यम से भोजन पैकेट वितरित किये जा रहे है। भोजन वितरण की प्रक्रिया लखनऊ में लांकडाउन तक निरंतर चलती रहेगी। जिसमें मजदूरों, गरीबों तथा जरूरतमंदों के लिए भोजन और पानी बोतलों की पूर्ण व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त स्थानीय पुलिस प्रशासन एवं सामाजिक संगठनों से निवेदन भी किया है कि गरीबो में भोजन वितरण के लिए भोजन पैकेटों की आवश्यकता होने पर तत्काल में भोजन उपलब्ध कराया जाएगा तथा इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना कालोनियो व पिछडी कालोनियों में भोजन के पैकेट लगातार उपलब्ध कराने के साथ-साथ गरीब, वृद्ध विकलांग व निराश्रित लोगों को राशन की व्यवस्था की गयी है। सभी व्यक्तियों को लगभग एक मीटर सामाजिक दूरी बनाए रखने एवं निरंतर साफ सफाई करने तथा अपने चेहरे को मास्क या गमछे से मुह बांधने का भी आग्रह किया है।

रबी की फसल कटाई कर रहे किसानों को किया जा रहा परेशानः शिवपाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) के अध्यक्ष शिवपाल यादव ने कहा है कि यह दुखद है कि सरकार द्वारा रबी फसलों की कटाई में इस्तेमाल होने वाले कम्बाईन, हारवेस्टर समेत दूसरे उपकरणों व कृषक मजदूरों को लॉक डाउन से छूट दिए जाने के बावजूद प्रदेश में गेहूं की कटाई कर रहे किसानों को परेशान किया जा रहा है। यह गंभीर मामला है। मेरा आग्रह है कि किसानों को शोषण से बचाने हेतु राज्य सरकार द्वारा उपरोक्त संदर्भ में स्पष्ट दिशा निर्देश जारी किए जाएं। उपरोक्त बातें उन्होंने ट्वीट कर कहीं। उन्होंने कहा कि उनके संज्ञान में आया है कि कहीं कहीं पुलिस द्वारा अन्नदाताओं की निर्मम पिटाई भी की गई है। ऐसा प्रतीत होता है कि राज्य सरकार के निर्णय को स्थानीय प्रशासन द्वारा लागू नहीं किया जा रहा है। शिवपाल यादव ने कहा कि, श्रबी की फसल खेतों में तैयार खड़ी है। सैकड़ों किसानों की आजीविका खतरे में है। देश के अन्नदाता आज इस संकट की घड़ी में मौसम के साथ ही इस वैश्विक आपदा की दोहरी मार झेल रहे हैं।

खादी ने शुरू किया बड़े पैमाने पर मास्क निर्माण का कार्यः डॉ. नवनीत सहगल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

देश और प्रदेश में कोरोना वायरस से हो रहे संक्रमण को समाप्त करने के लिए चल रहे महा अभियान में सहयोग करने के लिए खादी विभाग भी मैदान में उतर आया है। खादी विभाग बड़े पैमाने पर मास्क का निर्माण करने जा रहा है। खादी द्वारा बनाए जाने वाला यह मास्क ट्रिपल लेयर का होगाएजो गरीबों को मुफ्त वितरण करने के साथ ही आम नागरिकों के लिए सस्ते दर पर उपलब्ध कराया जाएगा। इस संबंध में प्रमुख सचिव खादी डॉ नवनीत सहगल ने बताया कि खादी के वस्त्रों का निर्माण करने वाली सभी इकाइयों को मास्क बनाने के लिए करीब 6 लाख मीटर कपड़ा उपलब्ध करा दिया गया है। देश की आजादी में अहम भूमिका निभाने वाला खादी आज एक बार फिर देश पर आई विपदा में सहयोग करने के लिए तैयार हो गया है। कोरोना संक्रमण से लोगों को बचाने के लिए बड़ी मात्रा में प्रदेश को मास्क की आवश्यकता है। इसकी पूर्ति का बीड़ा खाद विभाग ने उठा लिया है।

उल्लेखनीय है कि बीते दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर बैठक करके खादी के द्वारा मास्क बनाने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया था। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद ही खादी विभाग इस दिशा में सक्रिय रूप से काम करने में लग गया था। मास्क निर्माण की पूरी रूपरेखा तैयार करने के उपरांत खादी विभाग ने मास्क निर्माण का काम प्रारंभ कर दिया है और वह बड़ी मात्रा में मास्क का निर्माण करने जा रहा है। मौजूदा मौसम को देखते हुए खादी से बनाए जाने वाला यह मास्क काफी फायदेमंद बताया जा रहा है। यह मास्क 3 लेयर में होगा। इसको आसानी से धोया भी जा सकता है। प्रमुख सचिव खादी डॉ नवनीत सहगल ने बताया कि मास्क के निर्माण के लिए खादी से जुड़ी जिला इकाइयों को लगभग 6 लाख मीटर कपड़ा उपलब्ध करा दिया गया है। इन्हीं कपड़ों के माध्यम से मास्क का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोरोना से बचाव के लिए उत्तर प्रदेश सरकार कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है हर स्थिति में प्रदेश की जनता को सभी उचित सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि विभिन्न औद्योगिक इकाइयों द्वारा सैनिटाइजर का भी बड़ी मात्रा में निर्माण कराया जा चुका है और वह बाजार में उपलब्ध है। नवनीत सहगल ने कहा कि खादी ने जो मास्क बनाने का बीड़ा उठाया हैए उसे वह निश्चित समयावधि के भीतर ही पूरा कर देगी।

केजीएमयू के कुलपति प्रोफेसर भट्ट का कार्यकाल तीन माह बढ़ा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्यपाल और राज्य विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोण् मदनलाल ब्रह्म भट्ट का कार्यकाल तीन माह के लिए बढ़ा दिया है। वर्तमान में कोरोना वायरस की वजह से उत्पन्न आपदा के चलते कुलाधिपति ने यह निर्णय लिया है। कुलपति प्रो. एमएलबी भट्ट का कार्यकाल आगामी 13 अप्रैल को खत्म हो रहा था। प्रो. भट्ट के बाद केजीएमयू का कुलपति कौन बनेगा इसे लेकर लग रहे कयासों के बीच शनिवार को कुलाधिपति और राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने पत्र जारी कर सारे कयासों को खत्म कर दिया। पत्र में कहा गया है कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए कुलपति के पद पर किसी का चयन नहीं किया जा सका है। कोरोना की आपदा को देखते हुए किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय अधिनियम 2002 की धारा 16 (10) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के अधीन प्रो. मदनलाल ब्रह्म भट्ट कुलपति के कार्यकाल को 3 माह की अवधि अथवा नियमित कुलपति नियुक्त होने पर अथवा अग्रिम आदेशों तक, जो भी पहले हो, विद्यालयों के कार्यों के निर्वहन के लिए विस्तारित किया जाता है।

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 12 अप्रैल 2020

वधावन बंधुओं के खिलाफ सीबीआई की सख्त कार्रवाई की मांग

भाषा। मुंबई

भाजपा नेता किरीट सोमैया ने डीएचएफएल के प्रवर्तकों कपिल और धीरज वधावन के खिलाफ सीबीआई द्वारा सख्त कार्वाई किए जाने की शनिवार को मांग की। ए दोनों व्यक्ति यस बैंक से जुड़े मामले में गैर जमानती वारंट का सामना कर रहे हैं और लॉकडाउन के दौरान यात्रा करने के कारण दोनों फिलहाल पृथक वास में हैं। सोमैया ने कहा कि उन्होंने आज प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह से बात की और अनुरोध किया कि सीबीआई वधावन बंधुओं के खिलाफ सख्त कार्वाई करे।

हाल ही में वधावन बंधुओं एवं उनके परिवार तथा दोस्तों के पुणे जिला स्थित खंडाला से पड़ोसी सतारा जिले के महाबलेश्वर की यात्रा करने पर विवाद छिड़ गया है। वधावन परिवार की यात्रा में कथित तौर पर मदद करने के लिए राज्य के गृह विभाग के प्रधान सचिव (विशेष) अमिताभ गुप्ता को अनिवार्य अवकाश पर भेज दिया गया है।

सोमैया ने एक वीडियो संदेश में कहा, 14 दिनों के पृथक वास की अवधि के बाद वधावन बंधु जेल जाएंगे। मैंने केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह से सुबह में बात की। मैंने उनसे अनुरोध किया कि सीबीआई सख्त कार्वाई करे। उन्होंने कहा, हम इस बात का ध्यान रखेंगे कि वधावन बंधु सख्त कार्वाई का सामना करें।

पूर्व सांसद ने यह भी जानना चाहा कि वधवान बंधुओं को छिपने में किसने मदद की, जबकि उनके खिलाफ (यस बैंक मामले में) 17 मार्च को एक गैर जमानती वारंट जारी किया गया था। सीबीआई ने सतारा जिला प्रशासन को वधावन बंधुओं को रिहा नहीं करने को कहा है, जिन्हें बृहस्पतिवार को एक सरकारी पृथक वास से महाबलेश्वर में हिरासत में ले लिया गया। सोमैया ने शुक्रवार को आरोप लगाया था कि राकांपा प्रमुख शरद पवार के वधावन बंधुओं से करीबी संबंध हैं, हालांकि पार्टी ने इस आरोप से इंकार किया है।

लॉकडाउन के दौरान जन्मदिन की पार्टी मना रहे पार्षद समेत 11 हिरासत में

भाषा। ठाणे

महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के पनवेल में लॉकडाउन के बावजूद जन्मदिन की पार्टी मनाने के लिए एक जगह एकत्र होने के चलते भाजपा के पार्षद समेत 11 लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, घटना शुक्रवार रात की है। पुलिस ने बताया कि पनवेल नगर निगम के भाजपा पार्षद अजय बहिरा के बंगले पर सभी एकत्र हुए थे। पनवेल पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक अजय कुमार ने कहा, पुलिस को सूचना मिली थी कि पार्षद का जन्मदिन मनाने के लिए उनके बंगले की छत पर कुछ लोग एकत्र हुए हैं। पुलिस दल मौके पर पहुंचा तो कार्यक्रम जारी था और पार्षद समेत 11 लोगों को हिरासत में लिया गया। उन्होंने बताया कि सभी आरोपियों पर विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

मथुरा में मेडिकल स्टोर पर दवा के लिए लाइन लगाए हुए लोग। यह लोग सामाजिक दूरी का पालन न कर अपने और दूसरों के लिए मुसीबत बन रहे हैं

कोविड-19: पूर्वोत्तर के लोगों पर हमला रोकने के लिए अरुणाचल के विधायक ने की मोदी से हस्तक्षेप की मांग

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के एक विधायक ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर देश के विभिन्न क्षेत्रों में पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों के साथ हो रहे नस्लीय भेदभाव और हमलों को रोकने के लिए हस्तक्षेप करने की मांग की। गौरतलब है कि कोरोना वायरस संक्रमण फैलने के चलते पिछले कुछ दिनों में पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों पर हमले की घटनाएं सामने आई थीं। विधायक निनोंग एरिंग ने पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों के साथ हुए दुर्व्यवहार पर चिंता प्रकट की और कहा कि इससे देश की नैतिकता को ठेस पहुंची है। एरिंग ने पत्र में लिखा, कोविड-19 महामारी के कारण पूर्वोत्तर के लोगों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। इससे देश की नैतिकता को ठेस पहुंच रही है। उन्हें कोरोना या वायरस कहा जा रहा है। मणिपुर की एक महिला ने हाल ही में आरोप लगाया था कि उत्तर पूर्वी दिल्ली में एक अज्ञात व्यक्ति ने उस पर थूका और उसे कोरोना कहा। एक अन्य घटना में पूर्वोत्तर के दो छात्रों को हैदराबाद के सुपर मार्केट में घुसने नहीं दिया गया था। इन दोनों घटनाओं का उल्लेख करते हुए पासीघाट पश्चिम से विधायक एरिंग ने कहा, आज जब एक होने की आवश्यकता है तब देश में इस प्रकार का भेदभाव देख कर मेरा दिल रोता है। भारत ने सभी प्रकार के नस्लीय भेदभाव को समाप्त करने के अंतरराष्ट्रीय प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किया था। एरिंग ने प्रधानमंत्री से नस्लीय भेदभाव की घटनाओं की निंदा करने का आग्रह किया।

कोरोना: कश्मीर में लोगो के आवागमन एवं उनके एकत्र होने पर प्रतिबंध जारी

भाषा। श्रीनगर

कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लोगों के आवागमन और उनके एकत्र होने पर लगाए गए प्रतिबंध शनिवार को लगातार 24वें दिन बरकरार रहे। अधिकारियों ने बताया कि कोविड-19 संक्रमण के मामलों की संख्या बढ़ने के मद्देनजर घाटी में प्रतिबंध कड़े कर दिए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने घाटी में मुख्य मार्गों को सील कर दिया है। बंद लागू करने और लोगों को गैर जरूरी काम से आने-जाने से रोकने के लिए कई जगहों पर अवरोधक लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि केवल वैध पास रखने वाले लोगों को आवागमन की अनुमति है।

उन्होंने बातया कि घाटी में बाजार और सार्वजनिक वाहनों की सेवा बंद है। कश्मीर में केवल दवाइयों और राशन की दुकानें खुली हैं।

घाटी में शैक्षणिक संस्थान भी बंद हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देशव्यापी बंद की 24 मार्च की घोषणा से एक सप्ताह से अधिक समय पहले ही यहां जिम, पार्क, क्लब और रेस्तरां जैसे सार्वजनिक स्थान बंद कर दिए गए थे। जम्मू-कश्मीर में 22 मार्च को ही 31 मार्च तक के लिए लॉकडाउन लागू कर दिया गया था। प्रशासन ने बताया कि बंद से स्वास्थ्यसेवा कर्मियों को छूट दी गई है।

घाटी में कोरोना वायरस संक्रमण का पहला मामला सामने आने के बाद कई स्थानों पर सबसे पहले 19 मार्च को प्रतिबंध लगाए गए थे। जम्मू-कश्मीर में कोरोना वायरस से कुल 207 लोग संक्रमित पाए गए हैं जिनमें 168 लोग कश्मीर और 39 लोग जम्मू के हैं। केंद्रशासित प्रदेश में चार मरीजों की मौत हो चुकी है।

ईडी ने फेमा जांच में मुम्बई में 32 करोड़ रुपए से अधिक की सम्पत्ति जब्त की

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को कहा कि उसने मुंबई की एक महिला के खिलाफ विदेश में कथित रूप से अघोषित संपत्ति रखने के लिए विदेशी विनिमय उल्लंघन मामले में दो प्रमुख संपत्ति जब्त की है, जिसकी कीमत 32 करोड़ रुपए से अधिक है। संघीय जांच एजेंसी ने कहा कि दिवंगत परमानंद तुलसीदास पटेल की बेटी जया पटेल के खिलाफ विदेशी विनिमय प्रबंधन अधिनियम (फेमा) की धारा 37ए के तहत एक आदेश जारी किया गया था। एजेंसी ने कहा कि मुंबई में पेड्डार रोड स्थित 32.38 करोड़ रुपए की दो अचल संपत्तियों को विदेशों में अवैध रूप से संपत्ति अर्जित करने के लिए भारत में संपत्ति के बराबर मूल्य के तौर पर जब्त किया गया है। एजेंसी ने कहा कि फेमा की जांच में पता चला कि मुंबई की जया पटेल के पास अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में अवैध रूप से जुटाईं संपत्ति है।

प्रवर्तन निदेशालय ने एक बयान में कहा, जया पटेल और उनके सहयोगी के आवासीय और कार्यालय परिसर पर छापेमारी की गई जिसके परिणामस्वरूप अघोषित विदेशी संपत्तियां अवैध रूप से हासिल करने के बारे में दस्तावेज जब्त किए गए। इसमें कहा गया कि जया पटेल ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स स्थित एक कंपनी, आइवरी इंटरनेशनल प्रॉपर्टीज लिमिटेड से जुड़ी हैं।

निदेशालय ने कहा, वह चेल्सिया इम्बैंकमेंट, लंदन में एक फ्लैट की मालिक है, जिसकी कीमत 15,25,000 ब्रिटिश पाउंड और एक अन्य संपत्ति सेंट्रल पार्क, न्यूयॉर्क में है जिसकी कीमत 25,60,000 अमेरिकी डालर है। एजेंसी ने आरोप लगाया कि दोनों संपत्तियां आइवरी इंटरनेशनल प्रॉपर्टीज लिमिटेड के माध्यम से अर्जित की गई और जांच में पता चला कि कंपनी ने ऋण प्राप्त करने के लिए अचल संपत्ति गिरवी रखी और जया पटेल ने बंधक ऋण आवेदनपत्र में सह-उधारकर्ता के रूप में हस्ताक्षर किए। उसने कहा कि पटेल ए संपत्तियां हासिल करने के धन स्रोत समझाने में विफल रही और इन विदेशी संपत्तियों को हासिल करने के लिए धनराशि को फेमा की धाराओं का उल्लंघन करके अवैध रूप से हस्तांतरित किया गया। ईडी ने कहा कि संपत्तियां हासिल करने के लिए भारत के बाहर धन के अवैध हस्तांतरण से संबंधित जांच जारी है।

पाकिस्तान ने एलओसी पर अग्रिम चौकियों, गांवों पर गोलाबारी की

जम्मू। पाकिस्तानी सेना ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास अग्रिम चौकियों तथा गांवों पर शनिवार को बड़ी संख्या में मार्टार दागे। पाकिस्तान ने किरनी सेक्टर में संघर्ष विराम उल्लंघन तब किया है जब महज 12 घंटे पहले उसने नजदीक के बालाकोट तथा मेंढर सेक्टरों में भी भारी गोलीबारी की थी। इसमें एक मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। पाक सेना ने सुबह नौ बजकर 50 मिनट पर किरनी सेक्टर में छोटे हथियारों से गोलीबारी की और मार्टार दागे जिसके बाद भारतीय सेना ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया। अंतिम सूचना मिलने तक सीमा पार से गोलाबारी जारी थी। शुक्रवार को रात साढ़े दस बजे पाकिस्तानी सेना ने पुंछ के बालाकोट और मेंढर सेक्टरों को निशाना बनाया। पाक गोलाबारी में मोहम्मद सईद नामक व्यक्ति का मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया जबकि कई अन्य इमारतों को मामूली रूप से क्षति पहुंची। गोलाबारी आधे घंटे से अधिक समय तक जारी रही। किरनी तथा कस्बा इलाकों में भारी गोलीबारी और गोलाबारी हो रही है...लोगों के बीच घबराहट है जिन्हें भूमिगत बंकरों के भीतर रहने की सलाह दी गई है।

दुनिया के विजयी होने की प्रार्थना करें: नायडू

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने ईस्टर की पूर्व संध्या पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए शनिवार को कहा कि सभी को इस त्योहार से साहस और आशावाद की भावना लेनी चाहिए क्योंकि दुनिया कोरोना वायरस से पैदा हुई चुनौती से निपटने के लिए जूझ रही है। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने एक बयान में कहा, जब हम घर में अपने प्रियजन के साथ ईस्टर मना रहे हैं तो हम प्रार्थना करें कि हमारा देश और विश्व कोविड-19 के खिलाफ इस लड़ाई में विजई होकर उभरे। बयान में कहा गया है कि उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि हर किसी को उन सभी लोगों खासतौर से स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों का आभारी होना चाहिए जो इस संकट से निपटने के लिए बिना थके काम कर रहे हैं।

जंगलों से निकलकर सूनी सड़कों पर घूम रहे हैं जानवर

बेंगलुरू। कर्नाटक में जंगलों से जुड़े इलाकों में जानवरों को सड़कों पर आराम से घूमते देखा जा रहा है। कोडागु जिले में शनिवार को हाथियों को सड़कों पर मदमस्त होकर चलते हुए देखा गया। चीतल और सांबर हिरण को भी सड़कों पर आराम से घूमते हुए देखा गया। कोरोना वायरस के कारण लगाए लॉकडाउन के कारण सड़कों पर सन्नाटा है जिससे जंगली जीव आराम से खुले में घूम रहे हैं। कर्नाटक के प्रधान मुख्य वन्यजीव संरक्षक संजय मोहन ने शनिवार को बताया, जब भी वातावरण शांत होता है तो वन्यजीव हमेशा खुश हो जाते हैं, वे न केवल अपने इलाकों में घूम रहे हैं बल्कि बाहर भी घूम रहे हैं।

कोविड-19 के मद्देनजर ठाणे जिले के चार कस्बो की सीमा सील

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिला प्रशासन ने कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर अंबरनाथ, कुलगांव-बदलापुर, मुरबाड और शाहापुर कस्बों की सीमाएं सील कर दी हैं। शुक्रवार रात जारी आदेश में, डीएम ने कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के लिए अंबरनाथ, कुलगांव-बदलापुर, मुरबाड और शाहापुर की सीमाएं सील कर दी गई हैं। आदेश के मुताबिक, अत्यावश्यक सेवाओं में लगे लोगों एवं वाहनों की गतिविधि को छोड़ कर अन्य सभी की इन नगरों से आवाजाही प्रतिबंधित होगी। अधिकारी ने कहा कि आदेश का उल्लंघन करने वालों को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

मोदी से मुख्यमंत्री गरीबों को नकद पैसे देने की मांग करें

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री की मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से होने जा रही बैठक से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम नेकहा कि सभी राज्यों के मुख्यमंत्री मोदी से यह मांग करें कि गरीब परिवारों तक नकद राशि पहुंचाई जाए। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पलानीस्वामी और पुडुचेरी के मुख्यमंत्री वी नारायणसामी को प्रधानमंत्री से कहना चाहिए कि गरीबों की आजीविका उनके जीवन जितनी ही महत्वपूर्ण है।

जम्मू में भेड़ों को जम्मू-श्रीनगर हाईवे से होकर ले जाता हुआ चरवाहा

सूरत में तोड़फोड़ करने पर 80 प्रवासी मजदूर हिरासत में लिए गए

भाषा। सूरत (गुजरात)

सूरत में बंद के बीच घर जाने की इजाजत नहीं मिलने से नाराज प्रवासी मजदूरों द्वारा तोड़फोड़ और ठेलों में आग लगाए जाने के बाद पुलिस ने उनमें से करीब 80 लोगों को हिरासत में ले लिया। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि हिरासत में लिए गए अधिकांश मजदूर ओडिशा से हैं।

बंद की वजह से सूरत में सैकड़ों प्रवासी कामगार फंस गए हैं। इन लोगों ने शुक्रवार रात शहर के लक्साना इलाके में ठेलों और टायरों में आग लगा कर हंगामा किया। अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस को तैनात किया गया और स्थिति अब नियंत्रण में है।

एसीपी सी के पटेल ने कहा, सैकड़ों मजदूर यह मांग करते हुए सड़कों पर उतर आए कि उन्हें घर भेजा जाना चाहिए। इनमें से अधिकांश मजदूर ओडिशा के थे और उनका यह भी दावा था कि गैर सरकारी संगठन द्वारा उन्हें उपलब्ध कराया जा रहा खाना बेस्वाद है और खाना लेने के लिए उन्हें कतार में खड़ा होना पड़ता है। उन्होंने कहा, इसी गुस्से में उन्होंने लस्काना इलाके में कुछ ठेलों और टायरों में आगजनी की। हमनें 80 प्रवासी कामगारों को हिरासत में लिया है। भारी पुलिस बंदोबस्त और प्रशासन की कड़ी नजर की वजह से स्थिति नियंत्रण में आई।

सूरत में 30 मार्च को 90 प्रवासी कामगारों को ऐसे ही मुद्दों को लेकर देशव्यापी बंद का उल्लंघन करने तथा पुलिस पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि गुजरात में कोरोना वायरस संक्रमण 116 नए मामले मिलने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या 378 हो गई। प्रदेश में कोविड-19 से दो और लोगों की मौत होने के साथ ही मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 19 तक पहुंच गया है।

मप्र में निजी क्षेत्र के बिजली संयंत्र का राखड़ बांध टूटा, छह लोग बहे

सिंगरौली (मप्र)। जिला मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर दूर हर्हवा गांव में निजी कंपनी के कोयला बिजली संयंत्र का राखड़ बांध टूटने से छह लोग बह गए। बहे लोगों में से अब तक एक बालक और एक युवक का शव मिला है। जिला कलेक्टर के वी एस चौधरी ने यहां शनिवार को बताया कि यह हादसा शुक्रवार शाम को हुआ। दो लोगों के शव मिले हैं। मृतकों की पहचान आठ साल के बच्चे अभिषेक कुमार शाह और 35 वर्षीय दिनेश कुमार के तौर पर हुई है।

उन्होंने कहा कि हादसे में बहे चार लोग सीमा कुमारी (09), अंकित कुमार (03), चुनकुमारी (27) और राजद अली (28) अब भी लापता हैं और उनकी तलाश की जा रही है। हालांकि उन्होंने कहा कि इनके जीवित रहने की संभावना अब बहुत कम है। राखड़ बांध टूटने का कारण पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से रिलायंस कंपनी (पॉवर संयत्र की मालिक कंपनी) की लापरवाही का परिणाम है।

इस सवाल पर कि कंपनी के खिलाफ जिला प्रशासन क्या कार्वाई करने जा रहा है, जिला कलेक्टर ने कहा कि फिलहाल उनकी प्राथमिकता चार लापता लोगों की तलाश करने की है। उन्होंने कहा कि हादसे की न्यायिक जांच के आदेश दिए गए हैं। इस सवाल पर कि हादसे से फसलों को कितना नुकसान हुआ है, चौधरी ने बताया कि हादसे ने करीब 25 एकड़ के क्षेत्र में फसलों को प्रभावित किया है। इस बीच, सासन पॉवर लिमिटेड ने कहा, हमारे सासन पॉवर प्लांट के राखड़ बांध की दीवार टूटने के हादसे पर हमें गहरा दुख है। बांध टूटने से निकले राखड़ पानी से कुछ कच्चे घरों और जमीन पर नुकसान हुआ है। हम घटना के कारणों की जांच कर रहे हैं। उसने कहा कि हादसे के बाद राहत और मरम्मत का कार्य शुरु कर दिया है। इसके साथ ही संयंत्र का संचालन भी जारी है। हम स्थानीय लोगों और जिला प्रशासन के साथ राहत और मरम्मत का कार्य कर रहे हैं।

ओडिशा में कोविड-19 के दो नए मामले, 10 मरीज ठीक हुए

भुवनेश्वर। ओडिशा में कोरोना वायरस के दो नए मामले सामने आने के बाद संक्रमित लोगों की कुल संख्या 50 पहुंच गई है, जबकि राज्य में कोविड-19 के 10 मरीज ठीक हो चुके हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार को दो और व्यक्तियों को कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया और 10 मरीज ठीक हुए है। उन्होंने बताया कि 37 लोग अब भी संक्रमित हैं। राज्य में कोविड-19 के कारण अब तक एक व्यक्ति की जान गई है। विभाग ने बताया कि राज्य में अब तक कोविड-19 की 3,547 जांच हुई हैं, जिनमें से 50 लोगों में संक्रमण मिला है। विभाग ने शुक्रवार को एक ट्वीट में कहा, कोविड-19 के दस रोगी ठीक हो चुके हैं, उनकी रिपोर्ट में संक्रमण नहीं मिला है। इनमें से पांच भुवनेश्वर के हैं, दो भद्रक के और एक-एक कटक, जाजपुर और पुरी के हैं।

फूल बाजार खोलने के फैसले को लेकर बाबुल सुप्रियो ने ममता बनर्जी की निंदा की

भाषा। कोलकाता

केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो ने कोविड-19 महामारी को नियंत्रित करने के लिए लगाए गए लॉकडाउन के बीच एक बड़ा फूल बाजार को खोलने की अनुमति देने के लिए शनिवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना की और दावा किया कि इससे लोगों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी।

वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि इस फूल बाजार के खुलने से गलत संकेत जाएगा कि राज्य कोरोना वायरस के खतरे से नहीं जूझ रहा है। परीक्षण किट की आपूर्ति से लेकर राशन सामग्री में कथित लूट तक विभिन्न मुद्दों पर अपने ट्विटर हैंडल पर मुख्यमंत्री की आलोचना करते रहे सुप्रियो ने शनिवार को ट्वीट किया कि हावड़ा फूल बाजार को खोलकर मुख्यमंत्री जन सुरक्षा को खतरे में डाल रही हैं और यह दर्शाता है कि राज्य में स्थिति खतरनाक है।

केंद्रीय वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री ने ट्वीट किया, हम बोलेगा तो बोलोगे कि राजनीति करता है पर आपलोग बताइए कि ऐसा होना चाहिए था क्या। यह इसलिए हो रहा है क्योंकि फूल, मिठाई, पान की दुकानों यानी सभी चीजों को (खुले रहने की) अनुमति देकर ममता जी ने यह गलत संकेत दे दी कि कोरोना को अब पश्चिम बंगाल हरा चुकी है। कोविड-19 अब अतीत है।

उन्होंने यह ट्वीट हिंदी में किया था। उससे पहले एक अन्य ट्वीट में उन्होंने लोगों से फूल बाजार में जाने जैसे मुद्दों पर मुख्यमंत्री की अवमानना करने का और घरों में ही रहने आह्वान किया था क्योंकि ऐसी जगह पर भीड़ रहती है। सुप्रियो ने शुक्रवार को भी फूल बाजार नहीं खोलने का आग्रह किया था। बाबुल सुप्रियो के बयान पर प्रतिक्रया के लिए तृणमूल कांग्रेस के किसी वरिष्ठ नेता से तत्काल संपर्क नहीं हो पाया है।

गुवाहाटी में कोरोना वायरस के प्रकोप पर अंकुश लगाने के लिए अठगांव कब्रिस्तान के बाहर खड़ें सीआरपीएफ जवान

कोरोना से जंग में बंद और सामाजिक दूरी सबसे प्रभावी दवा: डॉ. हर्षवर्धन

भाषा। नई दिल्ली

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने कहा है कि बंद और सामाजिक दूरी कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए वर्तमान में मौजूद सबसे ज्यादा कारगर सामाजिक दवा है लेकिन भारत की जनसंख्या को देखते हुए संक्रमण के मामलों की जांच तेजी से बढ़ाने की जरूरत है। स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रिका द वीक को दिए साक्षात्कार में यह बात कही। उन्होंने इस बात पर भी चिंता जताई कि हो सकता है कि भारत में जितने लोगों की जांच की जानी चाहिए उसकी तुलना में कम लोगों की जांच हो रही हो। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की जांच पहले की जा रही है जिनमें संक्रमण का खतरा ज्यादा है।

मंत्री ने कहा कि आठ अप्रैल तक भारत में 1,04,764 जाचें हो चुकी हैं और देश में वर्तमान में प्रतिदिन 20 हजार नमूनों की जांच करने की सुविधा है। देश में वेंटिलेटरों की कमी के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि 80 प्रतिशत मामले ऐसे हैं जिनमें संक्रमण कम हैं,15 प्रतिशत मामले गंभीर संक्रमण के हैं जिनमें ऑक्सीजन की जरूरत है और केवल पांच प्रतिशत मामले नाजुक श्रेणी में आते हैं जिन्हें वेंटिलेटर की जरूरत है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि संक्रमित लोगों के लिए फिलहाल 17,000 वेंटिलेटर मौजूद हैं और आने वाले हफ्तों में 48,538 वेंटिलेटर खरीदे जाएंगे। उन्होंने कहा कि सब कुछ लोगों पर निर्भर करता है कि वे कितनी कड़ाई से नियमों का पालन करते हैं। उन्होंने आगाह किया कि किसी भी तरह की लापरवाही सारे प्रयासों को निष्फल कर देगी। हर्ष वर्धन में कहा कि कि बंद और सामाजिक दूरी कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए वर्तमान में मौजूद सबसे ज्यादा कारगर सामाजिक दवा है। उन्होंने कहा कि महामारी से पार पाने की लड़ाई में आने वाले कुछ दिन भारत के लिए बेहद नाजुक हैं। केन्द्रीय मंत्री ने कोविड-19 संक्रमण की जांच बढ़ाने के सरकार के प्रयासों को विस्तार से बताया और कहा कि भारत की जनसंख्या को देखते हुए जांच की बढ़ाए जाने की जरूरत है। फिलहाल 136 सरकारी प्रयोगशालाएं और 59 एनएबीएल संबद्ध (नेशनल एक्रेडेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज)निजी प्रयोगशालाएं जांच के काम में लगी हैं।

एनएबीएल ने ओएफबी की दो इकाइयों को रक्त प्रवेश प्रतिरोध परीक्षण करने की मान्यता दी

कोलकाता। एनएबीएल ने दो आयुध निर्माण इकाइयों को रक्त प्रवेश प्रतिरोध के लिए परीक्षण करने की शनिवार को आधिकारिक मान्यता दे दी। आयुध निर्माणी बोर्ड (ओएफबी) के एक अधिकारी ने बताया कि यह ऐसा कदम है जिससे कोविड-19 संकट से उबारने के प्रयासों में जुटे अग्रिम मोर्चे के चिकित्सा कर्मियों के लिए रक्षात्मक सूट (कवरऑल) तेजी से विकसित करने के कार्य को बल मिलेगा। ओएफबी के उपमहानिदेशक जनरल गगन चतुर्वेदी ने बताया कि आयुध निर्माणी बोर्ड की दो इकाइयों- उत्तर प्रदेश के कानपुर की लघु अस्त्र निर्माणी (एसएएफ) और तमिलनाडु की भारी वाहन निर्माणी, आवडी को राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) ने यह जांच करने की आधिकारिक मान्यता प्रदान की क्योंकि जांच के लिए उनके द्वारा बनाए गए उपकरण निर्धारित मानक के अनुरूप थे। इस परीक्षण का मूल सिद्धांत रक्षात्मक सूट बनाने में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल यानि कपड़े को कुछ निर्धारित अवधि के लिए विभिन्न दबाव स्तरों पर कृत्रिम रक्त के संपर्क में रखा जाता है। जनरल चतुर्वेदी ने कहा, यह जांच पूरे देश में स्वास्थ्य कर्मियों तथा कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों को देख रहे प्रथम चिकित्सा कर्मियों के लिए निर्माताओं द्वारा बड़ी संख्या में रक्षात्मक सूट के निर्माण को सुगम बनाने के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि अब तक पूरे देश में केवल एसआईटीआरए, कोयंबटूर ही यह परीक्षण कर रहा था और रक्षात्मक सूट के निर्माताओं के लिए कपड़े की जांच एक बड़ी चुनौती के रूप में उभर रहा था खासकर राष्ट्रव्यापी बंद के दौरान और साजो-सामान के अभाव में। उन्होंने कहा कि इस कदम के साथ, दक्षिण भारत में दूसरा और उत्तर भारत में पहला ऐसा केंद्र स्थापित कर लिया गया है।

मुर्शिदाबाद में देशव्यापी बंदी के दौरान एलपीजी सिलेंडर लेने के लिए सामाजिक दूरी बनाकर खड़े लोग।

त्विक न्यूज

भारत का त्वरित प्रतिक्रिया दल कुवैत पहुंचा: जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि कोरोना वायरस संकट से निपटने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कुवैत के प्रधानमंत्री शेख सबा अल खालिद अल हमद अल सबा के बीच बातचीत के बाद भारत का त्वरित प्रतिक्रिया दल कुवैत पहुंच गया है। दोनों देशों के नेताओं ने एक अप्रैल को फोन पर बातचीत की थी और उस दौरान सहमति बनी थी कि दोनों देश के अधिकारी सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए लगातार संपर्क में रहेंगे साथ ही ऐसे क्षेत्रों की तलाश करेंगे जहां सहयोग बढ़ाया जा सके। विदेश मंत्री ने ट्वीट किया, कोविड-19 पर दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच बातचीत के बाद भारत का त्वरित प्रतिक्रिया दल कुवैत पहुंचा। यह भारत और कुवैत के बीच मित्रता का प्रतीक है।

सोरेन ने नवीन पटनायक के प्रति आभार जताया

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने उड़ीसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से झारसुगुड़ा में फंसे गढ़वा के मजदूरों को मदद पहुंचाने का आग्रह किया है और कहा है कि उनके इस सहयोग के लिए झारखंड उनका सदा आभारी रहेगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आग्रहपूर्वक कहा, कृपया झारखण्ड के इन श्रमिक भाइयों की मदद करे। राज्यवासियों को अब तक आपके द्वारा दिए गए मदद का मै हमेशा आभारी रहूंगा। मुख्यमंत्री को बताया गया कि लॉकडाउन की वजह से गढ़वा निवासी 25 मजदूर उड़ीसा के झारसुगुड़ा में फंसे है। अबतक उन्हे किसी तरह की मदद नही मिली, जिससे उन्हे भूखा रहना पड़ रहा है। मामले की जानकारी होने के बाद मुख्यमंत्री ने उड़ीसा के मुख्यमंत्री से आज मदद के लिए आग्रह किया।

चार महीने बंद रहने के बाद खोला गया श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग

करगिल। संघ शासित प्रदेश लद्दाख की जीवनरेखा माने जाने वाले 434 किलोमीटर लंबा श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग भारी बर्फबारी के कारण चार महीने बंद रहने के बाद आवश्यक वस्तुओं के परिवहन के लिए शनिवार को खोल दिया गया। कोरोना वायरस फैलने के खतरे को देखते हुए लद्दाख प्रशासन ने शुक्रवार को राजमार्ग पर सीमित संख्या में वाहनों के आवागमन को अनुमति देने का फैसला लिया जिनमें आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति करने वाले ट्रक और तेल के टैकर शामिल है। आमतौर पर सर्दी के महीनों में लद्दाख शेष भूखंड से कट जाता है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के एक अधिकारी ने कहा, लद्दाख को जम्मू - कश्मीर से जोड़ने वाले एकमात्र रणनीतिक स्थ से महत्वपूर्ण राजमार्ग को आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए दोबारा खोल दिया गया।

झारखंड मंत्रिपरिषद की बैठक अब कल

रांची। झारखंड मंत्रिपरिषद की बैठक अब रविवार की बजाय सोमवार यानी 13 अप्रैल को होगी। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग ने आज बताया कि झारखंड सरकार के मंत्रिपरिषद की बैठक अब 12 अप्रैल की बजाय 13 अप्रैल को होगी। पहले मंत्रिपरिषद की बैठक 12 अप्रैल रविवार को होनी थी। उसने बताया कि अब मंत्रिपरिषद की बैठक 13 अप्रैल को अपराह्न तीन बजे झारखंड मंत्रालय में होगी।

कर्नाटक में लॉकडाउन का नियम तोड़ने पर एक ही परिवार के सात सदस्यों पर मामला दर्ज

मंगलुरु। लॉकडाउन के नियम तोड़कर केरल के कासरगोड जिले में स्थित तलपदी से समुद्र के रास्ते कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में प्रवेश करने के आरोप में एक परिवार के सात सदस्यों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। बाजपे पुलिस थाना अंतर्गत अद्दूर के निवासी याकूब और उसके परिजनों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वे कासरगोड में अपने एक रिश्तेदार के घर गए थे और लॉकडाउन की घोषणा होने पर वहां फंस गए थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा सीमा सील कर दी गई थी इसलिए याकूब और उसका परिवार किसी शकीर की सहायता से नाव से समुद्र के रास्ते दक्षिण कन्नड़ जिले पहुंचा और वहां से अद्दूर चला गया।

दो गुटों की लड़ाई में सात के खिलाफ मामला दर्ज, एक गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर जिले में बृहस्पतिवर को दो गुटों के बीच लड़ाई में एक व्यक्ति की मौत हो गई जिसके बाद सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है और एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सात आरोपियों में एक पूर्व ग्राम प्रधान भी शामिल है। उन्होंने बताया कि आमीनगर गांव में बृहस्पतिवार को दो गुटों की लड़ाई में एक व्यक्ति की गोली लगने से मौत हो गई थी और तीन अन्य घायल हो गए थे।

कोविड-19 की मुफ्त जांच के लिए निजी लैब को दिए आदेश में संशोधन का अनुरोध करते हुए याचिका दायर

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय में एक अस्थि रोग विशेषज्ञ ने शनिवार को याचिका दायर कर न्यायालय के आठ अप्रैल के उस आदेश में संशोधन करने का अनुरोध किया है, जिसके तहत अधिकारियों को इजाजत प्राप्त सरकारी एवं निजी प्रयोगशालाओं में कोविड-19 जांच मुफ्त में करने को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था। कौशलकांत मिश्रा ने एक लंबित जनहित याचिका में एक हस्तक्षेप अर्जी देकर कहा कि यदि सभी के लिए जांच मुफ्त कर दी गई तो निजी प्रयोगशालाओं (लैब) पर वित्तीय बोझ काफी बढ़ जाएगा और उनका काम धीमा पड़ जाएगा। मिश्रा ने न्यायालय से अनुरोध किया कि निजी लैब को आईसीएमआर के 17 मार्च के परामर्श में निर्धारित दर के मुताबिक कोविड-19 जांच करने की इजाजत दी जाए। हालांकि, उन्होंने कहा कि ए लैब आर्थिक रूप से कमजोर तबके (ईडब्ल्यूएस) श्रेणी के लोगों की जांच सरकार द्वारा तुरंत पुनर्भुगतान किए जाने के साथ कर सकते हैं। याचिकाकर्ता ने प्राधिकारों को यह निर्देश देने की भी मांग की कि सभी नगर निकायों और पंचायत क्षेत्रों में जांच के लिए प्रयोगशालाएं खोली जाएं। उल्लेखनीय है कि शीर्ष न्यायालय ने यह टिप्पणी की थी कि निजी लैब को राष्ट्रीय संकट के दौरान परमार्थ सेवा करने की जरूरत है। वहीं, इससे पहले सरकार ने कुछ निजी लैब को कोविड-19 की स्क्रीनिंग एवं जांच के लिए 4,500 रुपए लेने की इजाजत दी थी।

राजस्थान में कोरोना संक्रमण के 117 नए मामले

भाषा। जयपुर

राजस्थान में कोरोना वायरस संक्रमण के शनिवार दोपहर तक 117 और मामले सामने आने के बाद राज्य में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 678 हो गई। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को सामने आए नए मामलों में 63 जयपुर के, 18 टोंक के, 14 कोटा के और चार बीकानेर के हैं। जयपुर में सारे मामले रामगंज के हैं जो घर-घर सर्वे के दौरान लिए गए नमूनों से या आरयूएचएस अस्पताल से आए हैं। कोटा के नए मामले वायरस संक्रमण से सबसे अधिक प्रभावित तेलघर व चंद्रघाट इलाके से आए हैं। वहीं बीकानेर के चारों नए मामले पहले से संक्रमित बुजुर्ग महिला के पारिवारिक सदस्य हैं। राजस्थान में कोरोना वायरस संक्रमण के कुल मामलों दो इतालवी नागरिकों के साथ साथ 50 वे लोग भी हैं जिन्हें ईरान से लाकर जोधपुर और जैसलमेर में सेना के आरोग्य केंद्रों में ठहराया गया।

ठाणे का पुलिस अधिकारी कोरोना वायरस से संक्रमित

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए और नासिक में उनका उपचार चल रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अधिकारी ठाणे पुलिस आयुक्त कार्यालय से संबद्ध हैं और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक के तौर पर काम करते हैं। अधिकारी ने बताया, वह नासिक जिले के रहने वाले हैं। हाल में वह गृहनगर से लौटे थे, जहां वह बीमार हो गए थे। उनकी रिपोर्ट से पुष्टि हुई कि वह कोरोना वायरस से संक्रमित हैं। उन्होंने कहा, उन्हें नासिक में एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि संबंधित अधिकारी शायद ठाणे में कोरोना वायरस के मरीज के संपर्क में आए थे।

कोरोना वायरस से संक्रमित होने की आशंका के चलते युवक ने ली अपनी जान

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक शहर में 31 वर्षीय एक युवक ने कोरोना वायरस से संक्रमित होने की आशंका के चलते कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। नासिक रोड के चचेड़ी क्षेत्र के निवासी प्रतीक राजू कुमावत ने शनिवार को कथित तौर पर अपने घर में फांसी लगा ली। एक अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल से सुसाइड नोट बरामद हुआ है जिसमें लिखा है कि कुमावत कोरोना वायरस से संक्रमित हो सकता है। कुमावत प्लंबर का काम करता है और वह गले की बीमारी से जूझ रहा था। अधिकारी ने बताया कि एक स्थानीय डॉक्टर के यहां कुमावत का इलाज चल रहा था। उन्होंने कहा कि मृतक को डर था कि उसे कोरोना वायरस संक्रमण हो गया है। उन्होंने कहा कि शव को परीक्षण के लिए भेजने से पहले जांच के लिए उसके बलगम का नमूना ले लिया गया है। उन्होंने कहा कि दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

गुजरात में कोविड-19 के 54 नए मामले आए सामने

अहमदाबाद। गुजरात में शनिवार को कोरोना वायरस के 54 नए मामले सामने आए, जिससे राज्य में कोविड-19 रोगियों की संख्या बढ़कर 432 हो गई। प्रधान सचिव (स्वास्थ्य) जयंती रवि ने बताया कि अहमदाबाद से 31 नए मामले, वडोदरा से 18, आणंद से तीन, और सूरत और भावनगर जिलों से एक-एक नया मामला सामने आया है। उन्होंने बताया कि 432 रोगियों में से, 379 अभी संक्रमित हैं। इनमें से 376 की हालत स्थिर है, जबकि तीन अन्य की हालत नाजुक है। उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है। रवि ने बताया कि शनिवार को एक और मरीज को ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। राज्य में अब तक 34 लोग ठीक होकर घर लौट चुके हैं। इस घातक संक्रमण के कारण राज्य में अब तक 19 लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटों में ।,593 नमूनों की जांच की गई है जिनमें से 124 में संक्रमण की पुष्टि हुई और।,187 की जांच रिपोर्ट नकारात्मक आई। फिलहाल 282 नमूनों की जांच रिपोर्ट प्रतिक्षित है। अब तक राज्य में 8,331 नमूनों क जांच की जा चुकी है। रवि ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में कोविड-19 के मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है।

गुवाहाटी में कोरोनो वायरस के प्रसार पर अंकुश लगाने के लिए राष्ट्रव्यापी तालाबंदी के दौरान अठगाँव कबरिस्तान मस्जिद के अंदर के लोगों कोवाड-19 परीक्षण के लिए अस्पताल ले जाते स्वास्थ्यकर्मी

आयुध फैक्ट्री बोर्ड ने दो बिस्तरों के तंबू का उत्पादन शुरू किया, जांच और पृथकवास में होगा इस्तेमाल

नई दिल्ली। आयुध फैक्टरी (ओएफबी) ने संदिग्ध कोरोना वायरस संक्रमितों की जांच और उन्हें पृथकवास में रखने के लिए दो बिस्तरों के तंबू का उत्पादन शुरू कर दिया है। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि तंबू का फ्लोर एरिया 9.55 वर्ग मीटर है और यह जलरोधी रेशों, इस्पात और अलम्युनियम मिश्र धातु से बना हुआ है। रक्षा मंत्रालय ने विज्ञप्ति में बताया, इन तंबुओं का इस्तेमाल पारंपरिक अस्पताल के अलावा कहीं भी अल्पकाल के लिए अतिरिक्त सुविधाएं मुहैया कराने के लिए किया जा सकता है। बयान के मुताबिक आयुध फैक्टरी कानपुर ने इन तंबुओं को निर्माण किया है और ऐसे 50 तंबू अरुणाचल प्रदेश सरकार को भेजे गए हैं। उल्लेखनीय है कि भारत में अबतक कोरोना वायरस के संक्रमण से करीब सात हजार लोग संक्रमित हुए हैं और 230 लोगों की मौत हुई है। मंत्रालय ने बताया कि नागपुर के अम्बाझरी स्थित आयुध फैक्टरी ने संक्रमण मुक्त करने के लिए धूमन कक्ष का निर्माण किया है।

पुणे जिला प्रशासन ने निजी चिकित्सकों से मांगी मदद

भाषा। पुणे (महाराष्ट्र)

महाराष्ट्र के पुणे जिले में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले और इस महामारी से मरने वाले लोगों की संख्या बढ़ने के बाद प्रशासन ने शनिवार को कोविड-19 मरीजों के लिए एक उपचार कार्यप्रणाली तैयार करने में निजी चिकित्सकों से मदद मांगी। जिलाधिकारी नवल किशोर राम ने कहा कि प्रशासन कोविड-19 मरीजों के लिए एक उपचार कार्यप्रणाली पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा, हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या मरीजों की मौत में पहले से मौजूद बीमारियों की भी कोई भूमिका थी या कोई अन्य कारण थे। हम निजी चिकित्सकों की मदद ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ यह समझने की भी कोशिश कर रहे हैं कि किस तरह से किसी मरीज का स्वास्थ्य पृथक वास की अवधि के दौरान बिगड़ता चला जाता है और इसके पीछे क्या कारण हैं। कोविड-19 से होने वाली मौत के कारणों का जिक्र करते हुए राम ने कहा कि सभी रोगी की मौत निमोनिया से नहीं हुई और हर मामला अलग है। उन्होंने कहा, फेफड़े से संबंधित बीमारियां और श्वसन से जुड़े रोग भी इन मौतों के बड़े कारण हैं। उन्होंने कहा, हमने एक विशेषज्ञ समिति गठित की है और अपने साथ लाने के लिए 10 से 15 प्राइवेट डॉक्टरों से संपर्क किया है। पुणे नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक पहले से किसी रोग से ग्रस्त 26 लोगों की जिले में कोरोना वायरस संक्रमण से अब तक मौत हुई है, जिनमें से दो की उम्र 70 से 79 साल के बीच, 13 की उम्र 60 से 69 साल के बीच और सात की उम्र 50 से 59 साल के बीच थी। इनमें से किसी भी व्यक्ति ने विदेश यात्रा नहीं की थी।

पेज एक का शेष

जान भी...

प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले महीने 21 दिन के देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की थी, जिसकी अवधि 14 अप्रैल तक है। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने बैठक में बताया कि उनकी सरकार ने एक मई तक कर्फ्यू लगाए रखने या पूरी तरह बंद लागू करने का पहले ही निर्णय ले लिया है। सभी शिक्षण संस्थान 30 जून तक बंद रहेंगे। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सुझाव दिया कि देशभर में लागू लॉकडाउन की अवधि 30 अप्रैल तक बढ़ाई जानी चाहिए। संवाद में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, महाराष्ट्र के उद्धव ठाकरे, उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, हरियाणा के मनोहर लाल, तेलंगाना के के. चंद्रशेखर राव, बिहार के नीतीश कुमार आदि ने हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री के साथ राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक सुबह 11 बजे शुरू हुई। पंजाब और ओडिशा सरकार ने पहले ही लॉकडाउन को बढ़ा दिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्यों से विभिन्न आयामों को लेकर विचार मांगे हैं जिसमें यह पूछा गया है कि क्या कुछ अन्य श्रेणियों के लोगों और सेवाओं को छूट दिये जाने की जरूरत है। वर्तमान लॉकडाउन में केवल आवश्यक सेवाओं को छूट दी गई है।

चांदनी महल...

सबसे बड़ा हॉट स्पॉट बन गया है। पुलिस ने चांदनी महल की चारों ओर से घेरेबंदी कर दी है। यहां न तो कोई बाहर का आदमी आ सकता है और न ही यहां से कोई बाहर जा सकता है। डीएम जरूरी सामान की आपूर्ति डोर टू डोर करने के निर्देश दिए है, ताकि लोगों को खाने-पीने और अन्य जरूरी सामान की दिक्कत न हो। पूरे इलाके का कंटेनमेंट योजना के तहत सैनेटाइजेशन किया जाएगा ताकि वायरस का प्रसार रोका जा सके। यहां मरने वालों के संपर्क में आने वाले सभी लोगों का कोविड 19 टेस्ट किया जाएगा और सभी को क्वारंटीन होम में रखा जाएगा।

कर्नाटक में...

संपर्क में थे। इनमें से एक को सांस लेने में ज्यादा तकलीक है। नए मामलों में 8 साल और 11 साल के दो बच्चे भी शामिल हैं। देश में संक्रमितों की संख्या 7 हजार 608 हो गई है। ये आंकड़े वेबसाइट और राज्य सरकारों के आंकड़ों के अनुसार हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देश में 7 हजार 447 संक्रमित हैं। इनमें से 6 हजार 565 का इलाज चल रहा है। 643 ठीक हुए हैं और 239 की मौत हो चुकी है। 14 अप्रैल को खत्म हो रहे लॉकडाउन को बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मुख्यमंत्रियों के साथ तीसरी बार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग करेंगे। मोदी इससे पहले 20 मार्च और 2 अप्रैल को भी मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर चुके हैं। अभी तक 9 राज्य लॉकडाउन बढ़ाने की मांग केंद्र सरकार से कर चुके हैं।

मेरठ में...

रही भीड़ को खदेड़ा। पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे एसपी सिटी अखिलेश नारायण सिंह ने बताया है कि पुलिस पथराव करने वाले उपद्रवियों की धर-पकड़ कर रही है। फिलहाल पुलिस इलाके को सील करने में लगी हुई है। एसपी सिटी के अनुसार फिलहाल मौके पर शांति व्यवस्था बनी हुई है और पुलिस ने फिर से बैरिकेडिंग करने का काम शुरू कर दिया है।

पश्चिम बंगाल...

में सब्जी, मछली और मटन मार्केट में भी लोग धड़ल्ले से सोशल डिस्टेंसिंग का उल्लंघन करते हुए उमड़ रहे हैं। लॉकडाउन के बीच भी एक दिन पहले मुर्शीदाबाद में एक मस्जिद में जुमे की नमाज के लिए बड़ी तादाद में लोग जुटे थे। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। गृह मंत्रालय ने अपने खत में लिखा है कि पुलिस धार्मिक जमावड़ों को होने दे रही है। मुफ्त राशन को सांस्थानिक वितरण प्रणाली के बजाय नेताओं द्वारा बंटवाया जा रहा है। इससे कोविड-19 का संक्रमण फैल सकता है। इस तरह की गतिविधियां डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट 2005 के तरत केंद्र सरकार की तरफ से समय-समय पर जारी आदेशों का उल्लंघन है और यह दंडनीय अपराध है।

कोरोना से...

लिया है। भारी पुलिस बंदोबस्त और प्रशासन की कड़ी नजर की वजह से स्थिति नियंत्रण में आई।' सूरत में 30 मार्च को 90 प्रवासी कामगारों को ऐसे ही मुद्दों को लेकर देशव्यापी बंद का उल्लंघन करने तथा पुलिस पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि गुजरात में कोरोना वायरस संक्रमण 116 नए मामले मिलने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या 378 हो गई। प्रदेश में कोविड-19 से दो और लोगों की मौत होने के साथ ही मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 19 तक पहुंच गया है।

कोरोना संकट की मार झेलने वालों की मदद को देशभर से आगे आए लोग

भाषा। नई दिल्ली

देशभर में लागू किए गए लॉकडाउन के बीच अपने गांवों की ओर पैदल ही लौट रहे बेघर प्रवासी मजदूरों, संक्रमण के खतरे के बावजूद झुग्गी-बस्तियों में एक साथ रहने को मजबूर लोगों और आजीविका का जरिया समाप्त होने के कारण भोजन के लिए संघर्ष कर रहे लोगों की तस्वीरें एवं वीडियो आर्थिक रूप से कमजोर लोगों पर कोरोना वायरस संकट के विनाशकारी प्रभाव के साक्षी हैं। ऐसे में, इन गरीब एवं वंचित लोगों की परेशानियों को कम करने के लिए इस मुश्किल समय में देशभर से आम लोग मदद के लिए आए हैं।

प्रवासी श्रमिकों, घरेलू सहायकों और मजदूरों की सहायता के लिए पूरे देश के हर कोने से भारतीय आगे आकर दान कर रहे है। वे ऑनलाइन पैसे हस्तांतरित करके क्राउडफंडिंग साइटों के जरिए दान दे रहे हैं। जब खासतौर से इंटरनेट के माध्यम से बड़ी संख्या में लोग किसी मकसद से लिए दान देते हैं तो उस प्रक्रिया को क्राउडफंडिंग कहा जाता है। मात्र 17 दिन में 38.27 लाख रुपए एकत्र करने वाले बेंगलुरु स्थित एक गैर सरकारी संगठन हासिरु दाला की सदस्य रोहिणी मालुर ने कहा, लोगों ने बहुत उदारता दिखाई है। हासिरु दाला क्राउडफंडिंग से मिले इस धन से कर्नाटक के छह शहरों में दिहाड़ी मजदूरों को 21 दिन के लिए पर्याप्त राशन की किट मुहैया करा रहा है।

इस संगठन ने कॉरपोरेट घरानों की मदद पर निर्भर रहने के बजाए क्राउडफंडिंग साइट केट्टो से करार किया जिसने अपना सेवा शुल्क माफ कर दिया है। बिहार में प्रोजेक्ट पोटेंशियल भी इसी प्रकार मुहिम चलाकर गिव इंडिया क्राउडफंडिंग साइट की मदद से दिहाड़ी मजदूरों की मदद कर रहा है। इस साइट ने भी अपना शुल्क माफ कर दिया है। प्रोजेक्ट पोटेंशियल के अबोध कुमार ने पीटीआई भाषा से कहा, बंद के कारण दिहाड़ी मजदूरों के पास आजीविका का जरिया नहीं है। इसके अलावा मध्यम एवं उच्च वर्ग के घरों में सेवाएं देने वाले लोगों की मदद के लिए भी लोग आगे आए हैं। दिल्ली के वसंत कुंज की अमीना तलवार पिछले दो सप्ताह से अपने इलाके के लोगों से धन एकत्र करके घरेलू सहायकों, वाहन चालकों, सफाईकर्मियों और मजदूरों को राशन वितरित कर रही हैं।

तलवार ने कहा, मैंने जब यह करने का विचार बनाया तो कुछ लोगों ने कहा कि यह सफल नहीं हो पाएगा लेकिन लोगों ने बढ़-चढ़ कर मदद की। लोग सामाजिक दूरी सुनिश्चित करने के लिए अपने घरों के दरवाजों के बाहर लिफाफे में धन रख रहे हैं। मैंने एक सप्ताह में दो लाख रुपए जुटा लिए। उन्होंने राहत कार्य को बढ़ाने के लिए अब एनजीओ प्रभाव फाउंडेशन के साथ मिलकर काम करना आरंभ कर दिया है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल में प्रेसिडेंसी और यादवपुर विश्वविद्यालय समेत कई विश्वविद्यालयों के पूर्व एवं मौजूदा छात्र भी इस नेक काम में योगदान दे रहे हैं।

कोरोना का भय

बांग्लादेश सीमा पर घुसपैठ, तस्करी में भारी कमी

● बीएसएफ के अधिकारियों ने दी जानकारी

भाषा। कोलकाता

कोरोना वायरस महामारी के चलते पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश से लगी भारत की सीमा पर पिछले कुछ हफ्तों में मादक पदार्थों, मवेशियों और जाली नोटों की तस्करी के अलावा घुसपैठ में भी अब तक की सर्वाधिक कमी दर्ज की गई है। बीएसएफ के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पश्चिम बंगाल से लगी बांग्लादेश की सीमा दशकों से तस्करी और घुसपैठ के लिए कुख्यात रही है और यह राज्य में राजनीतिक रूप से भी एक ज्वलंत मुद्दा रहा है। बीसीएफ के महानिरीक्षक (आईजी), दक्षिण बंगाल सीमांत, वाई बी खुरनिया ने कहा, हम निगरानी कर रहे हैं। इस संदर्भ में कोई ढील नहीं दी गई है। लेकिन दक्षिण बंगाल सीमांत क्षेत्र में तस्करी, जाली नोटों का कारोबार और घुसपैठ अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। यह नगण्य है। जाली नोट , सोना और चरस की तस्करी कोरोना वायरस महामारी और लॉकडाउन के चलते दक्षिण बंगाल में अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है।

बंगाल सीमांत के बीएसएफ के एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जाली नोटों का कारोबार मुख्य रूप से राजशाही सेक्टर में होता है। बाड़ के इस ओर बांग्लादेश की ओर से जो नोट फेंके जा रहे हैं वे अब बहुत ही दोयम दर्जे के हैं--फोटोकॉपी की तरह। हम यह कह सकते हैं कि जाली नोटों की तस्करी में काफी कमी आई है। बीएसएफ इस सफलता का श्रेय सीमा पर निगरानी बढ़ाए जाने और सीमा को सील करने को देता है। बंगाल से बांग्लादेश की 2,216.7 किमी सीमा लगती है जिनमें से 915 किमी दक्षिण बंगाल सीमांत से जुड़ी हुई है।

अधिकारी ने बताया कि संशोधित नागरिकता अधिनियम पिछले साल दिसंबर में पारित होने और अखिल भारत स्तर पर राष्ट्रीय नागरिक पंजी लागू किए जाने की आशंका के मद्देनजर बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ में पहले से ही कमी आ गई थी। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के फैलने से यह अब तक के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। अधिकारी ने बताया कि 25 मार्च से 10 अप्रैल के बीच सिर्फ 13 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया है। जबकि 2019 में इसी अवधि में यह आंकड़ा 33 था।

लॉकडाउन के दौरान केरल में अपराधों में आई कमी

तिरुवनंतपुरम। कोरोना वायरस फैलने के खतरे को देखते हुए 24 मार्च को किए गए लॉकडाउन के बाद केरल में अपराध की दर में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। राज्य पुलिस की रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई। राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एससीआरबी) द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल के मुकाबले मार्च 2020 में बंद के दौरान अपराध की दर में कमी देखी गई। रिपोर्ट के मुताबिक 2019 में 25 से 31 मार्च के बीच डकैती के 12 मामले सामने आए थे लेकिन इस वर्ष उसी अवधि में डकैती के केवल दो मामले दर्ज हुए। रिपोर्ट के अनुसार इस साल 25 से 31 मार्च के बीच छेड़छाड़ के 18 मामले दर्ज किए गए जबकि इसी अवधि में पिछले साल छेड़छाड़ के 92 मामले सामने आए थे। हालांकि रिपोर्ट में हत्या के मामलों में कोई उल्लेखनीय कमी नहीं देखी गई। एससीआरबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, हत्या जैसे अपराधों पर लगाम लगाना कठिन है क्योंकि हत्या कई प्रकार के व्यक्तिगत कारणों से भी की जाती है। लेकिन चोरी, दंगे, बलात्कार, अपहरण और धोखाधड़ी के मामलों में उल्लेखनीय कमी देखी गई है।

देश भर में लॉकडाउन के बीच पूर्वी दिल्ली के खिचड़ीपुर क्षेत्र को हॉटस्पाट घोषित किए गए क्षेत्र में पेट्रोलिंग करते पुलिस के जवान

पूरी मानवता की बेहतरी के लिए साथ मिलकर काम करें

● ईस्टर पर राष्ट्रपति कोविंद का संदेश

भाषा। नई दिल्ली

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को लोगों से प्रभु ईसा मसीह की सीख को जानने और समूची मानवता की बेहतरी के लिए साथ मिलकर काम करने को कहा। ईस्टर की पूर्व संध्या पर अपने संदेश में उन्होंने उम्मीद जताई कि यह त्योहार हम सबमें एकता की भावना का संचार करेगा और यह हमारे देश और समाज की समृद्धि, खुशहाली के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि इस कठिन समय में जब हम कोरोना वायरस से निपट रहे हैं, सामाजिक दूरी के नियमों और अन्य सरकारी निर्देशों का पालन करते हुए आइए इस पवित्र त्योहार को अपने घरों में रहकर मनाने का संकल्प लें। ऐसा माना जाता है ईस्टर के दिन प्रभु ईसा मसीह मृत्यु के बाद फिर से जी उठे थे। राष्ट्रपति भवन से जारी बयान में राष्ट्रपति ने कहा है, ईसाइयों के लिए बहुत पवित्र त्योहार ईस्टर लोगों को प्यार, बलिदान और दया के पथ पर चलने को प्रेरित करता है। आइए, प्रभु ईसा मसीह की सीख को जानें और समूची मानवता की भलाई के लिए मिलकर काम करें। राष्ट्रपति ने इस पावन अवसर पर सभी नागरिकों, खासकर भारत और दुनियाभर के ईसाई समुदाय को शुभकामनाएं दी है।

मप्र में मिली विधायक निधि के उपयोग की सुविधा

● कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई

भाषा। भोपाल

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के विधायकों को कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास निधि के उपयोग करने की सुविधा दी है। प्रदेश के जनसंपर्क विभाग द्वारा शनिवार को बताया गया कि मुख्यमंत्री चौहान के निर्देश पर योजना, आर्थिक सांख्यिकी विभाग ने आदेश जारी किए हैं कि कोरोना वायरस महामारी से निपटने, बचाव एवं रोकथाम के लिए विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना की राशि का उपयोग किया जा सकेगा। विधायकों की अनुशंसा पर कलेक्टर इस योजना की राशि का उपयोग कोरोना वायरस से बचाव संबंधी विभिन्न कार्यों में खर्च कर सकेंगे। योजना, आर्थिक सांख्यिकी विभाग ने सभी जिला कलेक्टरों से कहा है कि इस राशि का उपयोग इन्फ्रा रेड थर्मोमीटर, पीपीई किट, कोरोना वायरस जांच किट, वेंटीलेटर, पृथक वार्ड बनाए जाने, मास्क, ग्लब्स, सेनेटाइजर अथवा स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा अनुशंसित अन्य स्वास्थ्य उपकरण खरीदने में करें। इसमें सामग्री निर्धारण के मापदण्ड लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अनुसार होंगे। क्रय की कार्वाई विभाग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया अनुसार पूरी पारदर्शिता के साथ होगी। सामग्री के अभिलेख संधारण का कार्य मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा किया जाएगा। अंकेक्षण की कार्वाई राज्य शासन के नियमों के अंतर्गत कराया जाना आवश्यक होगा।

मध्यप्रदेश में लॉकडाउन हटाने के पक्ष में नहीं, चौहान ने मोदी से कहा

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कान्फ्रेंस के जरिए शनिवार को आयोजित बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहा कि वह मध्यप्रदेश में फिलहाल लॉकडाउन हटाने के पक्ष में नहीं हैं क्योंकि वर्तमान में कोरोना वायरस महामारी के संकट को देखते हुए उनके लिए लोगों का जीवन अधिक महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री चौहान के प्रवक्ता के अनुसार मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से कहा, आज हम प्रदेश में लॉकडाउन हटाने के पक्ष में नहीं हैं। इसे अभी नहीं हटाया जाना चाहिए। लोगों का जीवन अधिक महत्वपूर्ण है और इसे बचाने के लिए लॉकडाउन जरुरी है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री चौहान ने अपने विचार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बताए। प्रधानमंत्री कोरोना वायरस संकट के मद्देनजर देश में लागू लॉकडाउन के मुद्दे पर प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों से वीडियो कांफ्रेंस के जरिए विचार विमर्श कर रहे थे। मध्यप्रदेश में कोराना वायरस मरीजों की संख्या शुक्रवार रात तक बढ़कर 470 पर पहुंची गई। प्रदेश में कोरोना वायरस से अब तक 40 व्यक्तियों की मौत हो चुकी है जिनमें से सबसे अधिक 30 मौतें कोरोना वायरस से बुरी तरह प्रभावित इन्दौर में हुई हैं।

अधिकारियों के साथ राज्यपाल की बैठक का आठवले ने किया बचाव

भाषा। मुंबई

केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने इस बात से शनिवार को इंकार किया कि महाराष्ट्र के राज्यपाल बी एस कोश्यारी का कोरोना वायरस पर अधिकारियों के साथ बैठक करना राज्य सरकार को कमतर दिखाना और सत्ता के दो केंद्र होना नहीं है।

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री और केंद्र की राजग सरकार के सहयोगी आठवले ने कहा कि राज्यपाल के पास इस तरह की बैठक करने का अधिकार है। आरपीआई प्रमुख ने किसी का नाम नहीं लिया, वह जाहिर तौर पर राकांपा प्रमुख शरद पवार के बयान का हवाला दे रहे थे जिन्होंने बुधवार को आरोप लगाया था कि कुछ राज्यों के राज्यपाल सीधे नौकरशाही को निर्देश जारी कर रहे हैं। पवार ने कहा था कि राज्यपालों को मुख्यमंत्री के कार्यालय के माध्यम से निर्देश जारी करना चाहिए। आठवले का यह भी मत था कि देश में महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के सवाधिक मामले हैं ऐसे में प्रदेश में लाकडाउन को 30 अप्रैल तक बढाया जाना चाहिए। उन्होंने बयान जारी कर कहा, राज्यपाल मूर्तिवत नहीं बैठ सकते हैं क्योंकि हम कोरोना वायरस जैसे भीषण संकट का सामना कर रहे हैं। नौकरशाहों के साथ राज्यपाल का बैठक करना मुख्यमंत्री के अधिकारों में हस्तक्षेप नहीं है।

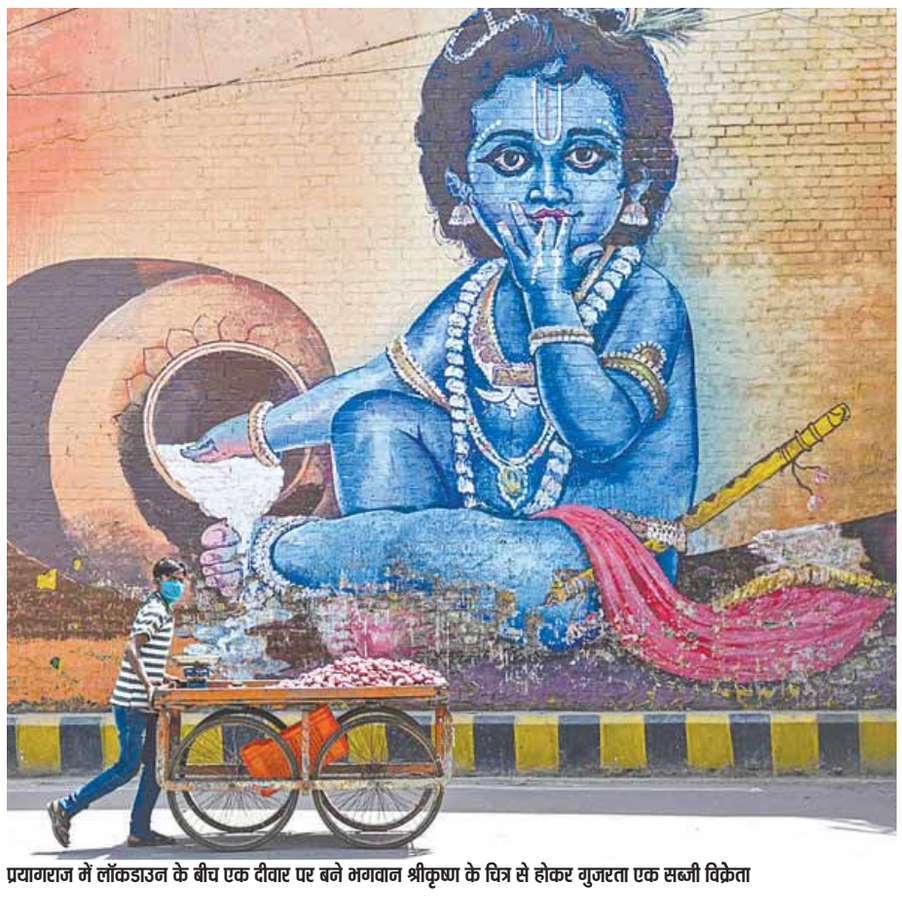

प्रयागराज में लॉकडाउन के बीच एक दीवार पर बने भगवान श्रीकृष्ण के चित्र से होकर गुजरता एक सब्जी विक्रेता

लॉकडाउन के दौरान घरेलू हिंसा की शिकायत दर्ज कराने के लिए केरल सरकार ने व्हाट्सएप सुविधा शुरू की

भाषा। तिरुवनंतपुरम

लॉकडाउन के दौरान घरेलू हिंसा के बढ़ते मामलों को देखते हुए केरल सरकार ने शनिवार को इन शिकायतों को दर्ज कराने के लिए एक व्हाट्सएप सुविधा शुरु की। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि घरेलू हिंसा से संबंधित शिकायतें व्हाट्सएप नंबर 9400080292 पर दर्ज कराई जा सकती हैं। यह 24 घंटे उपलब्ध होगा। विजयन ने अपने फेसबुक पोस्ट में कहा, घरेलू हिंसा की बढ़ती शिकायतों को देखते हुए सामाजिक न्याय विभाग ने इसे रोकने के त्वरित उपाय करने का आग्रह किया था। जिसके बाद एक व्हाट्सएप नंबर शुरु किया गया है ताकि महिलाओं और बच्चों को शिकायत दर्ज कराने में आसानी हो। यह हेल्पलाइन महिला एवं बाल विकास निदेशालय द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के तकनीकी प्रकोष्ठ की मदद से शुरू की गई है। विजयन ने कहा, इसी तरह चाइल्ड लाइन नंबर 1098 और महिला हेल्पलाइन के नंबर, 181 पर भी शिकायत की जा सकती है। शिकायतों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दूरी से भी धड़कन को सुन सकता है आईआईटी बंबई के अनुसंधानकर्ताओं का स्मार्ट स्टेथोस्कोप

भाषा। नई दिल्ली

● ब्लूटूथ की मदद से चिकित्सक तक पहुंच जाता है मरीज की धड़कन की गति संबंधी डेटा

आईआईटी बंबई की एक टीम ने ऐसा डिजिटल स्टेथोस्कोप (डिजिटल आला) विकसित किया है जो दूरी से भी धड़कन की आवाज सुन सकता है और उसे रिकॉर्ड कर सकता है। इस उपकरण की मदद से कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से स्वास्थ्यकर्मियों को होने वाला खतरा कम होगा। टीम के एक सदस्य ने बताया कि मरीज की धड़कन की गति संबंधी डेटा ब्लूटूथ की मदद से चिकित्सक तक पहुंच जाता है। इसके लिए चिकित्सक के लिए मरीज के पास जाना आवश्यक नहीं है। आईआईटी की इस टीम ने इस उपकरण का पेटेंट हासिल कर लिया है। इससे प्राप्त होने वाले डेटा को अन्य चिकित्सकों को भी विश्लेषण एवं आगे के उपचार के लिए भेजा जा सकता है। आयुडिवाइस नाम से स्टार्टअप चला रही टीम ने देश के विभिन्न अस्पतालों एवं स्वास्थ्यसेवा केंद्रों में ऐसे 1,000 स्टेथोस्कोप भेजे हैं। इस उपकरण को रिलायंस अस्पताल एवं पीडी हिंदुजा अस्पताल के चिकित्सकों से मिली नैदानिक जानकारियों की मदद से विकसित किया गया हैं। टीम के एक सदस्य आदर्श के. ने कहा, कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों को अकसर सांस फूलने की दिक्कत होती हैं। चिकित्सक धड़कन और सीने में घरघराहट जैसी आवाज सुनने के लिए (पारम्परिक) स्टेथोस्कोप का उपयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि इससे चिकित्सकों के लिए संक्रमण का खतरा पैदा होता है। कोविड-19 के मरीजों का उपचार कर रहे स्वास्थ्यकर्मियों में संक्रमण के बढ़ते मामले इस बात की पुष्टि करते हैं। आदर्श ने डिजिटल स्टेथोस्कोप की जानकारी देते हुए बताया कि इसमें कान में लगाने वाले दो उपकरण एक ट्यूब से जुड़े होते हैं। यह ट्यूब बीमारी का पता लगाने में बाधा उत्पन्न कर सकने वाले शोर को हटाकर शरीर की ध्वनियों को भेजता है। उन्होंने कहा, इसका दूसरा लाभ यह है कि स्टेथोस्कोप विभिन्न आवाजों को बढ़ाकर एवं फिल्टर करके उन्हें इलेक्ट्रॉनिक संकेतों में बदलने में सक्षम है। आदर्श ने बताया कि ए संकेत स्मार्टफोन या लैपटॉप पर फोनोकार्डियोग्राम (धड़कन संबंधी चार्ट) के रूप में दिखाई देते हैं। उल्लेखनीय है कि देशभर में कोरोना वायरस से 7,447 लोग संक्रमित हो चुके है और कुल 239 लोगों की इस संक्रमण से मौत हो चुकी है।

तेलंगाना में जनता और अधिकारियों के लिए टी कोविड-19 ऐप शुरू

हैदराबाद। कोविड-19 महामारी से सामना करने में नागरिकों और सरकारी विभागों की सहायता के लिए तेलंगाना सरकार ने शनिवार को टी कोविड-19 ऐप शुरु किया। आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि राज्य के स्वास्थ्य और आईटी विभागों ने अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस), सिस्को और क्वांटेला के साथ मिलकर यह एप्लिकेशन बनाया है।

ऐप से लोग कोविड-19 के बारे में सटीक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और इससे फर्जी खबरों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। ऐप को तेलंगाना आईटी और इंडस्ट्रीज केटी रामा राव द्वारा लॉन्च किया गया। यह ऐप लोगों को कोविड-19 के सक्रिय मामलों का सटीक आंकड़ा और अन्य जानकारी मुहैया कराएगा। इसके अलावा लोग ऐप पर दी गई जानकारी की मदद से अपनी शारीरिक स्थिति के बारे में जान पाएंगे। इस एप्लिकेशन में कॉल हेल्थ नाम का एकीकृत टेलीमेडिसिन मॉड्यूल भी है जिसके जरिए लोग डॉक्टर से परामर्श के लिए अग्रिम बुकिंग कर सकते हैं। इसके अलावा इस ऐप में अनुमोदित प्रयोगशालाओं, जांच केंद्रों, पृथक वार्डों और पृथक केंद्रों के बारे में जानकारी दी गई है। विज्ञप्ति के अनुसार ऐप में एक क्लिक पर चौबीस घंटे आपातकालीन हेल्पलाइन से सीधे जुड़ने का विकल्प भी दिया गया है।

आग में झुलसकर एक की मौत, दो घायल

अलीपुरद्वार (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल के अलीद्वारपुर जिले में लगी आग में झुलसकर एक महिला की मौत हो गई। इस घटना में महिला का बेटा और सास घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि मदारीहाट थाना क्षेत्र के मेघनाद साहा नगर इलाके स्थित घर में शनिवार सुबह आग लग गई।

केरल से कांग्रेस सांसद ने न्यायालय का रुख कर खाड़ी देशों में फंसे भारतीयों को लाने का अनुरोध किया

भाषा। नई दिल्ली

केरल से कांग्रेस के एक सांसद ने कोरोना वायरस संकट के बीच खाड़ी देशों में फंसे भारतीय नागरिकों की पहचान कर उन्हें फौरन स्वदेश लाने के लिए एक विशेषज्ञ टीम गठित करने को लेकर उच्चतम न्यायालय से केंद्र को निर्देश देने का अनुरोध किया है।

केरल के कोझीकोड से लोकसभा सदस्य एम. के. राघवन ने अपनी याचिका में कहा है कि केंद्र को खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) राष्ट्रों से वापस आने का यात्रा खर्च वहन नहीं कर सकने वालों को लाने के लिए भी केंद्र को निर्देश देना चाहिए। जीसीसी देशों में सउदी अरब, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कतर, बहरीन और ओमान शामिल हैं। याचिका के जरिए सरकार को यह निर्देश देने की भी मांग की गई है कि इन नागरिकों को वापस लाने के लिए विशेष उड़ानों की अनुमति दी जाए क्योंकि कई फंसे हुए लोग अपने निजी खर्च पर भारत लौटना चाहते हैं। इसमें कहा गया है कि सरकार को जीसीसी राष्ट्रों को मेडिकल टीमें तैनात करने का निर्देश देना चाहिए ताकि इन कोविड-19 से संक्रमित लोगों को इन देशों के नियम कायदों के मुताबिक पर्याप्त चिकित्सा सहायता मिल सके। याचिका में संबद्ध प्राधिकारों को यह निर्देश देने की मांग की गई है कि जो नागरिक जीसीसी राष्ट्रों में नहीं फंसे हुए हैं उन्हें पृथक वास में रखा जाए और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा निर्धारित सभी मेडिकल एवं स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया की जाएं। याचिका में कहा गया है कि केरल के कोझीकोड से काफी संख्या में लोग विदेशों में, खास तौर पर जीसीसी राष्ट्रों में काम कर रहे हैं। याचिका में कहा गया है कि इन राष्ट्रों ने भारतीय नागरिकों की वापसी के लिए भारत के लिए उड़ानों के परिचालन में पूरी सहायता का भरोसा दिलाया है। हालांकि, यह नाकाम साबित हो रहा है क्योंकि भारतीय हवाई क्षेत्र कोविड-19 संकट शुरू होने के बाद से बंद है। याचिकाकर्ता ने कहा कि उन्होंने विदेश मंत्रालय, नागर विमानन मंत्रालय, जहाजरानी मंत्रालय और केरल सरकार को पत्र लिख कर भारत और खाड़ी देशों के बीच चार्ट्ड विमानों का फौरन परिचालन करने का अनुरोध किया है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को शीर्ष न्यायालय में एक अलग याचिका दायर कर केंद्र को यह निर्देश देने की मांग की गई कि वैश्विक महामारी के चलते खाड़ी देशों में फंसे भारतीय प्रवासियों को वहां से निकाल कर वापस लाया जाए।

देवगौड़ा ने पीएम केयर्स कोष, कर्नाटक और केरल कोष में एक-एक लाख रुपए दान किए

बेंगलुरु। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए अपनी पेंशन से प्रधानमंत्री केयर्स कोष को एक लाख रुपए का योगदान दिया। देवगौड़ा ने कर्नाटक और केरल मुख्यमंत्री राहत कोष में भी एक-एक लाख रुपए का दान दिया। उनके कार्यालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। देवगौड़ा के कार्यालय के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से कहा गया, पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने अपनी पेंशन से प्रधानमंत्री केयर्स कोष, कर्नाटक और केरल सरकार के मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में एक-एक लाख रुपए का योगदान दिया।

कर्नाटक में कांग्रेस व जदएस ने किसानों के लिए राहत उपायों की मांग की

भाषा। बेंगलुरू

कर्नाटक में विपक्षी कांग्रेस और जदएस ने शनिवार को राज्य की भाजपा सरकार से समय पर किसानों की फसल खरीदने तथा उन तक आवश्यक वस्तुओं को पहुंचाने की मांग की। जद एस नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी ने विभिन्न ट्वीट कर कोरोना वायरस संक्रमण के कारण हुए लाकडाउन के चलते किसानों की दुर्दशा का जिक्र किया।

कुमारस्वामी ने ट्वीट किया, मैं राज्य सरकार से किसानों के लिए तत्काल राहत पैकेज की घोषणा किए जाने की मांग करता हूं और यह राहत उन्हें प्रत्यक्ष लाभ अंतरण प्रणाली के तहत मिले। इसके अलावा किसानों को आत्महत्या करने से बचाने के लिए मैं उनके सभी कृषि उत्पादों को खरीदने का भी आग्रह सरकार से करता हूं। उन्होंने कहा कि किसान निराश होकर अपने उत्पादों को फेंक रहे हैं और अपनी आजीविका खो रहे हैं जबकि नगरों में आपूर्ति घट रही है। कुमारस्वामी ने कहा कि यह स्थिति जीवन और जीवन यापन दोनों को लिए खतरा है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सरकार त्वरित और प्रभावी ढंग से कार्य करे। दूसरी ओर बयान जारी कर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने मांग की कि सरकार किसानों के कृषि उत्पाद बाजार मूल्य पर खरीद कर इसे गरीबों के बीच बिल्कुल मुफ्त बांटे। शिवकुमार ने कहा कि यह राहत उपाय पार्टी राजनीति को दरकिनार करते हुए किया जाना चाहिए। किसानों को देश के रीढ ही हड्डी बताते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, अगर हम अभी किसानों के समर्थन खडे नहीं होते हैं तो आने वाले दिनों में हमें भूखों मरना होगा।

यूनान में फुटबाल प्रशंसक लॉकडाउन में निकला बाहर, मिला मैच का पास

एथेंस। यूनान के फुटबाल क्लब एईके एथेंस के प्रशंसक ने देश मे कोरेना वायरस के कारण लगे लॉकडाउन मे बाहर निकल कर नियमों की अवहेलना की लेकिन इसका जुर्माना भरने के बाद क्लब ने उसे अगले सत्र के घरेलू मुकाबले का पास इनाम मे दिया। लगभग 60 साल का यह आदमी एथेंस के उपनगरीय क्षेत्र निया फिलाडेलफिया के पास टीम के नए स्टेडियन के निर्माण को देखने जा रहा था। उसके पास हालांकि बाहर निकलने के लिए जरूरी दस्तावेज नही थे और उसे 150 डालर का जुर्माना भरना पड़ा।

लीवरपूल का महान खिलाड़ी डालग्लिश कोविड–19 जांच में पॉजिटिव

लंदन। लीवरपूल फुटबाल क्लब के महान खिलाड़ी केन्नी डालग्लिश को कोरोना वायरस जांच मे पॉजिटिव पाया गया है लेकिन उनमे लक्षण दिखाई नही दे रहे है। उनके परिवार ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पूर्व स्कॉटिश अंतरराष्ट्रीय स्ट्राइकर डालग्लिश को संक्रमण के उपचार के लिए बुधवार को अस्पताल मे भर्ती कराया गया था। इस 69 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने करियर की शुरूआत सेल्टिक फुटबाल क्लब से की थी।

गोल्फ टूर्नामेंट रद्द होने से प्रवासी कैडीज के सामने आजीविका का संकट

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के कारण देशव्यापी लॉकडाउन के चलते पेशेवर गोल्फ टूर आफ इंडिया (पीजीटीआई) टूर्नामेंट रद्द होने और गोल्फ कोर्स बंद होने से दिहाड़ी पर काम कर रहे सैकड़ों कैडीज के सामने आजीविका का संकट पैदा हो गया है। कोविड - 19 से दुनिया भर में खेल टूर्नामेंट या तो रद्द हो गए है या स्थगित कर दिए गए है जिसमे गोल्फ भी शामिल है। दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र मे करीब 2500 से 3000 कैडी रहते है जिनमे अधिकांश प्रवासी है। कई नियमित कैडी है तो कई पार्ट टाइम काम करते है।

अंतरराष्ट्रीय आन लाइन चैम्पियनशिप में भाग लेंगे शीर्ष निशानेबाज

नई दिल्ली। दुनिया के शीर्ष निशानेबाज 15 अप्रैल को पहली अंतरराष्ट्रीय आनलाइन चैम्पियनशिप मे भाग लेगे जिसमे वे अपने घर मे बैठकर इसमे निशाना लगा सकेंगे। इस तरह की पहली प्रतियोगिता के लिए बस एक इलेक्ट्रानिक टारगेट सेटअप और इंटरनेट कनेक्शन वाला मोबाइल फोन चाहिए। भारत से इस प्रतियोगिता मे मनु भाकर, संजीव राजपूत और दिव्यांश सिंह पंवार हिस्सा लेगे। कोविड-19 महामारी के कारण ओलंपिक को एक साल के लिए स्थगित कर दिया गया है जिससे इन निशानेबाजो को भी अपना सपना पूरा करने के लिए इंतजार करना होगा।

'धोनी पर संन्यास का दबाव मत बनाओ'

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर ने चेताया

भाषा। मुंबई

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने शनिवार को कहा कि महेंद्र सिंह धोनी जैसा क्रिकेटर एक पीढी में एक आता है और इसलिए उस पर संन्यास का दबाव बनाने वालों को एहतियात बरतनी चाहिए। हुसैन का मानना है कि भारत का यह पूर्व कप्तान अभी भी भारतीय क्रिकेट को बहुत कुछ दे सकता है। उन्होंने स्टार स्पोटर्स पर क्रिकेट कनेक्टेड शो में कहा , धोनी के जाने के बाद उसके जैसा कोई नहीं मिलेगा। उस पर संन्यास का दबाव बनाना सही नहीं है। सिर्फ धोनी को पता है कि वह किस स्थिति में हैं। आखिर में चयनकर्ताओं को फैसला लेना है और खिलाड़ी मौका मिलने पर खेलते हैं। धोनी ने आखिरी बार जुलाई में न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व कप सेमीफाइनल में खेला था। उसके बाद से उन्होंने प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। सुनील गावस्कर और कपिल देव जैसे पूर्व दिग्गजों ने साफ तौर पर कहा है कि इतने लंबे ब्रेक के बाद उनके लिए वापसी करना मुश्किल होगा। लेकिन हुसैन उनकी राय से इत्तेफाक नहीं रखते। उन्होंने कहा , क्या एम एस धोनी अभी भी भारतीय टीम को कुछ दे सकते हैं। मेरा मानना है कि बहुत कुछ। उन्होंने हालांकि स्वीकार किया कि विश्व कप के दौरान धोनी कुछ मौकों पर चूक गए जब वह पारी की रफ्तार नहीं बढ़ा सके। यह शो शनिवार को शाम सात बजे प्रसारित किया जाएगा।

बेटी के साथ समय बिताकर खुश है रहाणे

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा कि कोविड–19 महामारी के कारण लॉकडाउन (बंद) में उनके लिए सबसे सकारात्मक चीज यह है कि वह अपनी बेटी आर्या को पूरा समय दे पा रहे है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से रहाणे का वीडियो संदेश पोस्ट किया जिसमें वह छह महीने की आर्या के साथ समय बिताने के साथ खाना बनाने में पत्नी राधिका की मदद करते हुए दिख रहे हैं। रहाणे इस वीडियो में कसरत करते और किताब पढ़ते भी दिख रहे है। भारत के लिए 65 टेस्ट खेलने वाले रहाणे ने कहा कि उनकी दिन की शुरुआत कसरत से होती है और फिर आर्या के साथ समय बीतता है। वह इस दौरान कराटे का अभ्यास भी कर रहे है। सुबह उठकर मैं अपना वर्कआउट (कसरत) कर लेता हूं जो लगभग 30–40 मिनट का होती है। मैंने दोबारा से कराटे का अभ्यास शुरू किया है। मैं कराटे में ब्लैक बेल्ट ले चुका हूं। लॉकडाउन के कारण दोबारा से कराटे करने का मौका मिला है और कोशिश करता हूं कि हफ्ते में तीन से चार बार कराटे का अभ्यास करूं। देश के लिए 90 एकदिवसीय मैचों में लगभग 35 की औसत से 2962 रन बनाने वाले रहाणे ने कहा, इस लॉकडाउन का एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि बेटी के साथ मुझे इतना समय बिताने का मौका मिला। आमतौर पर हम पूरे साल यात्रा कर रहे होते है, दौरे पर होते है। बेटी जब दिन में सोती है तब मैं पत्नी की मदद करता हूं, चाहे वह खाना बनाने का काम हो या सफाई का। खाने बनाने के बारे में उससे टिप्स भी ले रहा हूं। हम ने फैसला किया है कि घर के काम का बोझ साझा करेंगे और मैं इसका लुत्फ उठा रहा हूं। रहाणे इसके अलावा संगीत सुनने और किताब पढ़ने के शौक को भी पूरा कर रहे है। इन सब से जब मुझे समय मिलता है तो मुझे संगीत सुनना पसंद है, किताबें पढ़ना पसंद है, उसको भी मैं समय दे रहा हूं। अभी मै पार्थसारथी की द हॉलोकास्ट ऑफ एटैच्मेंट पढ़ रहा हूं। काफी अच्छी किताब है, इससे बहुत कुछ सीखने को मिल रहा है। ऐसे में दिन कैसे कट जा रहा पता ही नहीं चल रहा है। इस बल्लेबाज ने कहा, मुझे उम्मीद है कि आप सभी घर पर हो सुरक्षित हो और अपने स्वास्थ्य का ख्याल रख रहे हो।

भारत के खिलाफ घरेलू श्रृंखला हारना कोचिंग कैरियर का सबसे खराब पल : लेंगर

सिडनी। भारत के खिलाफ घरेलू श्रृंखला मे मिली अभूतपूर्व हार आस्ट्रेलियाई कोच जस्टिन लैंगर के लिए खतरे की घंटी रही और उनका मानना है कि वह श्रृंखला उनके कोचिंग कैरियर का निर्णायक दौर भी रही। लैंगर को मई 2018 मे आस्ट्रेलिया का कोच बनाया गया था। उसी समय कप्तान स्टीव स्मिथ और उपकप्तान जस्टिन लैगर गेंद से छेड़खानी मामले मे प्रतिबंधित हो गए थे। अपने स्टार बल्लेबाजों के बिना आस्ट्रेलियाई टीम भारत के सामने टिक नही सकी। लैगर ने आस्ट्रेलियाई एसोसिएट प्रेस को एक पॉडकास्ट मे कहा , यह खतरे की घंटी थी और मेरे जीवन का कठिन दौर। मुझे इसमे कोई शक नही कि दस साल बाद जब मै अपने कोचिंग कैरियर की समीक्षा करूंगा तो वह श्रृंखला निर्णायिक साबित होगी। उन्होंने अपने कैरियर के एक और कठिन दौर का जिक्र किया जब 2001 एशेज श्रृंखला में उन्हे टीम से निकाल दिया गया था।

अश्विन नहीं, अब लियोन हैं दुनिया के सर्वश्रेष्ठ आफ स्पिनर : हॉग

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया के पूर्व चाइनामैन गेंदबाज ब्राड हॉग का मानना है कि रविचंद्रन अश्विन शानदार गेंदबाज हैं लेकिन अब उनकी जगह नाथन लियोन दुनिया के सर्वश्रेष्ठ आफ स्पिनर हैं। आस्ट्रेलिया के लिए सात टेस्ट और 123 वनडे खेल चुके हॉग लॉकडाउन के दौरान ट्विटर पर क्रिकेटप्रेमियो के सवालो का जवाब दे रहे थे। अश्विन और लियोन मे से टेस्ट क्रिकेट मे उनकी नजर मे बेहतर कौन है, यह पूछने पर उन्होंने कहा , मुझे लगता है कि पिछले साल लियोन ने अश्विन से दुनिया के सर्वश्रेष्ठ आफ स्पिनर का दर्जा ले लिया है। दोनों ने अपने खेल में कमाल का निखार लाया है और लगातार सीखने की कोशिश करते है। अश्विन ने अभी तक 71 टेस्ट मे 365 जबकि लियोन ने 96 टेस्ट मे 390 विकेट लिए है।

वेतन में कटौती के लिए मानसिक रूप से तैयार हैं हम : अजहर अली

कराची। पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान अजहर अली ने शनिवार को कहा कि अगर कोरोना वायरस महामारी के कुछ महीनों तक बरकरार रहने से स्वास्थ्य संकट पैदा होता है तो केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ी वेतन मे कटौती के लिए मानसिक रूप से तैयार है। मीडिया से वीडियो के जरिए बात करते हुए अजहर ने कहा कि वह और उनके साथी इस बात से वाकिफ है कि कोविड-19 के कारण हालात आदर्श नही है। अजहर ने कहा, किसी भी देश के लिए यह अच्छी स्थिति नही है और हम जानते है कि अगर यह लॉकडाउन के हालात कुछ महीनों तक जारी रहता है तो बोर्ड हमें पुराने या नए केंद्रीय अनुबंध मे कटौती के लिए पूछ सकता है। अगर ऐसे हालात पैदा होते है और हमसे कटौती के बारे मे पूछा जाता है तो हम इसके लिए मानसिक रूप से तैयार है। हम बोर्ड के साथ बैठकर सही फैसला करेंगे। अजहर ने यह भी कहा कि क्रिकेट खेलने वाले देश और खिलाड़ी महीनो तक घर पर नही बैठ सकते। देश के लिए 78 टेस्ट खेल चुके इस अनुभवी खिलाड़ी ने कहा, हां, अगर परिस्थितियां यही रहती है तो किसी चरण पर खाली स्टेडियम मे खेलने के विकल्प पर भी चर्चा की जा सकती है लेकिन ऐसा तभी होगा जब सभी शेयरधारकों के लिए अधिकारियों द्वारा स्वास्थ्य और रोकथाम संबंधित उचित कदम उठाए जाएंगे।

भविष्य मे एआईएफएफ अध्यक्ष बनना चाहते है भूटिया

कोलकाता। पूर्व भारतीय कप्तान बाईचुंग भूटिया ने कहा है कि वह भविष्य मे अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ने पर विचार करेंगे। एक दशक से अधिक समय तक भारतीय फुटबॉल का चेहरा रहे भूटिया ने 2011 मे संन्यास लिया था। भूटिया से फेसबुक पर सवाल पूछा गया था कि क्या वह भविष्य मे एआईएफएफ का अध्यक्ष बनना चाहेंगे तो उन्होने कहा, निश्चित रूप से इस पर भविष्य मे विचार किया जा सकता है। पूर्व दिग्गज ने कहा, फिलहाल मै बाइचुंग भूटिया फुटबॉल स्कूल और युनाइटेड सिक्किम क्लब के साथ जमीनी स्तर पर फुटबॉल को मजबूत करने पर ध्यान दे रहा हूं। भविष्य मे मै निश्चित रूप से इस पर (एआईएफएफ अध्यक्ष) विचार करूंगा। एआईएफएफ के मौजूदा अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल प्रभावी रूप से 2008 से इसकी कमान संभाल रहे है जब तत्कालीन प्रमुख प्रियरंजन दास मुंशी बीमार पड़ गए थे। वह 2012 और 2016 मे इसके अध्यक्ष निर्वाचित हुए लेकिन स्पोर्ट्स कोड (खेल संहिता) के कारण वह शायद फिर से चुनाव लड़ने के पात्र नही होगे। देश के लिए 100 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले पहले फुटबॉल खिलाड़ी बने 43 साल के भूटिया ने भारत और एफसी गोवा के खिलाड़ी ब्रैंडन फर्नांडिस को इस समय देश के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर के रूप मे चुना। जाहिर है सुनील छेत्री अभी देश के सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइकर है, उनके टक्कर का कोई नही। उनका गोल करने का रिकार्ड यही बताता है। इस साल जिस मिडफील्डर ने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया वह है एफसी गोवा (इंडियन सुपर लीग की टीम) के खिलाड़ी ब्रैंडन फर्नांडिस। वह राष्ट्रीय टीम में भी है।

लॉकडाउन हटने के बाद तीन साल तक घर से बाहर रह सकता हूं : चहल

भाषा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस के संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए देश में लागू लॉकडाउन से ऊब चुके भारतीय स्पिनर युजवेन्द्र चहल ने कहा कि इसके हटने के बाद वह अगले तीन साल तक घर से दूर रह सकते हैं। कोविड–19 महामारी के प्रसार से बचने के लिए भारत में तीन सप्ताह का लाकडाउन लागू है और मौजूदा स्थिति को देखते हुए इसके दो सप्ताह तक और बढ़ने की संभावना है। चहल ने एक टेलीविजन कार्यक्रम में कहा, मैं घर वापस ही नहीं आऊंगा। मेरे लिए इसका सामना करना मुश्किल हो रहा है, मुझे नहीं लगता कि मैं और अधिक समय तक घर में रह पाऊंगा। इतने दिनों तक घर में रहने के बाद मैं तीन साल तक बाहर रह सकता हूं। देश में अगर लॉकडाउन लागू नहीं होता तो यह क्रिकेटर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेल रहा होता। इस वैश्विक महामारी के कारण हालांकि खिलाड़ियों को पिछले दो सप्ताह से अधिक समय से घर के अंदर ही रहना पड़ रहा है। आईपीएल में रॉयल चैलेंजर बेंगलोर के लिए खेलने वाले चहल लॉकडाउन के कारण अभ्यास नहीं कर पाने से ज्यादा परेशान है। मैं घर के पास किसी हॉस्टल में रह लूंगा लेकिन अब घर में नहीं रह सकता हूं, लॉकडाउन और नहीं झेल सकता हूं। खेल गतिविधियों के रूकने के कारण चहल सोशल मीडिया के मंचों पर व्यस्त है। मुझे अपनी गेंदबाजी की याद आ रही है। मैं जो भी हूं केवल क्रिकेट की वजह से हूं। जिस दिन लॉकडाउन खत्म होगा उस दिन मैं निश्चित रूप से एक गेंद फेंकूंगा।

लॉकडाउन में आनलाइन ट्रेनिंग ले रहे हैं ओलंपिक रजत पदक विजेता विजय

नई दिल्ली। ओलंपिक रजत पदक विजेता निशानेबाज विजय कुमार पुलिस उप अधीक्षक (डीएसपी) पद के लिए हिमाचल प्रदेश में ट्रेनिंग ले रहे थे लेकिन कोविड–19 महामारी के बाद देशव्यापी लॉकडाउन में सामाजिक दूरी का ध्यान रखने के लिए अब केवल आनलाइन ट्रेनिंग ही कर पा रहे हैं तेजी से फैलते कोरोना वायरस से पैदा हुए इस संकट के समय उन्होंने देशवासियों से अपील की कि वे घर में रहकर खुद को सुरक्षित करने साथ सरकार की मदद करें। कोविड–19 महामारी के चलते देश में 21 दिन का लॉकडाउन है और इससे उनकी पुलिस ट्रेनिंग पर भी असर पड़ा। उनकी शारीरिक ट्रेनिंग बंद कर दी गई है जबकि आनलाइन का नून की क्लास जारी हैं। हमीरपुर निवासी विजय ने कहा, मैं घर पर नहीं हूं, मेरी डीएसपी पद के लिए ट्रेनिंग चल रही है जिसमें हम शारीरिक ट्रेनिंग नहीं कर पा रहे क्योंकि इससे सामाजिक दूरी के निर्देशों का पालन करना कठिन होगा। इसलिए आजकल केवल भारतीय कानून की आनलाइन क्लास ही हो पा रही हैं। सेंटर का बाहर की दुनिया से कोई संपर्क नहीं है। पूरा कर्फ्यू की तरह है। यह निशानेबाज तीन साल पहले सेना से सूबेदार मेजर के पद पर सेवानिवृत्त हो गया था।

जब अजहर ने 31 साल पहले 62 गेंद में जड़ा था शतक, पर कोई फुटेज नहीं

भाषा। नई दिल्ली

भारत के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरूद्दीन का कहना है कि उनके 30 अंतरराष्ट्रीय सैकड़ों में से वह मुश्किल से 10 से 12 शतक ही याद कर सकते हैं लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ 62 गेंद क ताबड़तोड़ पारी 31 साल बाद भी उनके दिमाग में तरोताजा है। दिसंबर 1988 में अजहर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 62 गेंद में 100 रन बनाए थे जो उस समय 50 ओवर के क्रिकेट में सबसे तेज सैकड़ा था। हालांकि इस मैच के फुटेज उपलब्ध नहीं है, लेकिन मैच का दूरदर्शन पर सीधा प्रसारण किया गया था। जब भारत ने लक्ष्य का पीछा करना शुरू किया तो ट्रांसमिशन लिंक चला गया और दर्शक टीवी पर अजहर की इस बेहतरीन पारी को देखने से महरूम हो गए। अजहर ने इस पारी को याद करते हुए कहा, यह मोती बाग पैलेस मैदान था। खुला मैदान और दर्शकों के लिए अच्छे इंतजाम। मुझे लगता है कि मैंने उस पारी में तीन या चार छक्के (तीन) लगाए थे जिसमें से दो मैदान के बाहर गिरे थे और एक पेड़ पर लगा था। उस दिन ऐसा लग रहा था कि मैं कुछ भी गलत नहीं कर सकता और मुझे लगा ही नहीं कि मैंने 60 के करीब गेंद में शतक पूरा कर लिया था। भारतीय गेंदबाजों ने अपने मुख्य गेंदबाज कपिल देव की अनुपस्थिति में काफी रन दे दिए थे जिसमें संजीव शर्मा ने 10 ओवर में 74 रन दिए जबकि राशिद पटेल (10 ओवर में 58 रन) और चेतन शर्मा (10 ओवर में 54 रन) भी काफी खर्चीले रहे थे। 279 रन के लक्ष्य का पीछा करना ऐसा था जैसे आज 340 रन का पीछा करने में होता है। अच्छी बात थी कि मैंने उस मैच में छठे नंबर पर बल्लेबाजी की थी। मुझे अभी याद नहीं कि मैं दिलीप भाई (वेंगसरकर) के या फिर संजय के आउट होने के बाद आया था। लेकिन अजय शर्मा ने मेरा अच्छा साथ निभाया क्योंकि हमने जल्द ही 100 से ज्यादा रन की साझेदारी बना ली थी।

नहीं मिल रहे महंगे घरों के लिए खरीदार

तीन साल में सिर्फ 45 प्रतिशत लग्जरी फ्लैट बेच पाए बिल्डर

भाषा। नई दिल्ली

देश में लग्जरी श्रेणी आवास यानी तीन करोड़ रुपए से अधिक कीमत के फ्लैटो की मांग मे भारी गिरावट आई है। रीयल एस्टेट कंपनियो द्वारा पिछले तीन साल मे 13,000 से अधिक लग्जरी आवासीय इकाइयां पेश की गई है। इनमे सिर्फ 45 प्रतिशत फ्लैट ही बेचे जा सकें है। न्यूज कॉर्प और साफ्टबैंक के समर्थन वाली इलारा टेक्नोलॉजीज के स्वामित्व वाली हाउसिंग ब्रोकरेज कंपनी प्रॉपटाइगर की रिपोर्ट के अनुसार डेवलपर कंपनियो ने पिछले तीन साल (2017-19) के दौरान देश के नौ बड़े शहरो मे 13,290 लग्जरी फ्लैट पेश किए है।बिल्डर इस साल जनवरी तक इनमे से सिर्फ 5,926 महंगे फ्लैट ही बेच सके थे। इस विश्लेषण में नौ शहरो अहमदाबाद (गांधीनगर सहित), बेंगलुरु, चेन्नई, गुरुग्राम (भिवाड़ी, दारूहेड़ा और सोहना सहित), हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई (नवी मुंबई और ठाणे सहित), पुणे और नोएडा (ग्रेटर नोएडा, नोएडा एक्सटेंशन और यमुना एक्सप्रेसवे सहित) को शामिल किया गया है। आंकड़ो के अनुसार इनमे से।,131 आवासीय इकाइयां सात-सात करोड़ रुपए से अधिक कीमत की है। इनमे से सिर्फ 554 मकान ही बिक पाए है। वही 3,656 आवासीय इकाइयां पांच से सात करोड़ रुपए कीमत की है। इनमे से मात्र।,631 फ्लैट ही बिक पाए है। तीन से पांच करोड़ रुपए कीमत के 8,503 फ्लैटो मे बिल्डर आधे से भी कम यानी 3,741 फ्लैट ही बेच पाए है। प्रॉपटाइगर एंड हाउसिंग.कॉम के समूह मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ध्रुव अग्रवाल ने कहा कि मांग मे कमी की वजह से रीयल एस्टेट क्षेत्र काफी दबाव मे है। इससे व्यापक रूप से आवासीय रीयल एस्टेट क्षेत्र प्रभावित हुआ है। लग्जरी आवास क्षेत्र पर इसका काफी अधिक असर देखने को मिल रहा है।

स्क्रीन में खराबी 71 प्रतिशत स्मार्टफोनों के मरम्मत की वजह

नई दिल्ली। स्मार्टफोन के सर्विस सेंटर पहुंचने की सबसे बड़ी वजहो मे से एक उनकी स्क्रीन का टूटना, चटकना या खराब होना है। स्मार्टफोन के लिए ऑनलाइन सर्विस सेंटर की सुविधा देने वाली कंपनी ऑनसाइटगो ने अपने एक सर्वेक्षण मे यह बात कही है। इसके अलावा किसी तीसरे पक्ष (थर्ड पार्टी) मोबाइल एप को डालने से भी आपके फोन की मरम्मत पर भारी खर्च उठाना पड़ सकता है। कोरोना वायरस के सामुदायिक फैलाव को रोकने के लिए किए गए लॉकडाउन (सार्वजनिक पाबंदी) के दौरान घर से कार्य करने के लिए स्मार्टफोन की जरूरत बढ़ गई है। सर्वेक्षण के मुताबिक मोबाइल फोन की मरम्मत से जुड़े 71 प्रतिशत मामले स्क्रीन के नुकसान से संबंधित होते है। इसके बाद आठ प्रतिशत मामले फोन को स्टार्ट करने मे आ रही दिक्कत, फोन छह प्रतिशत फोन को किसी तरह के नुकसान, तीन प्रतिशत फोन के पानी मे गिर जाने और दो प्रतिशत सॉफ्टवेयर या चार्जिंग की समस्या से जुड़े मामले होते है। सर्वेक्षण मे यह चेतावनी भी दी गई है कि लोगो को उस तरह की एप डालने से बचना चाहिए जो फोन के सॉफ्टवेयर के अनुकूल ना हो, क्योंकि इससे फोन के सॉफ्टवेयर को नुकसान पहुंचने का खतरा बना रहता है। रपट के अनुसार जिन स्मार्टफोन की स्क्रीन कर्व्ड यानी की किनारो पर सपाट नही होती है उनके टूटने - चटकने का खतरा सबसे अधिक बना रहता है। यह फोन महंगे भी आते है साथ ही इनकी मरम्मत भी महंगी होती है।

ईपीएफओ ने कर्मचारियों, कंपनियों का तीन महीने का अंशदान व्यवस्था की

भाषा। नई दिल्ली

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत कर्मचारी भविष्य निधि खातों में नियोक्ता और कर्मचारी के अंशदान को सरकार के खाते से जमा कराए जाने की व्यवस्था कर ली है। केंद्र ने कोरोना वायरस के चलते कोराबारी इकाइयों की मुश्किलों और रोजगार बचाने चुनौती को देखते हुए यह योजना घोषित की है। इस योजना के तहत तीन माह तक ईंपीएफ खातों में नियोक्ता और कर्मचारी दोनों के हिस्से का अंशदान सरकार अपने पास से जमा करेगी।श्रम मंत्रालय का अनुमान है कि इससे करीब 79 लाख कर्मचारियों और 3.8 लाख नियोक्ताओं को लाभ होगा। सरकार को इसके लिए करीब 4,800 करोड़ रुपए का व्यय करना होगा।श्रम मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ईपीएफओ ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत26 मार्च को घोषित पैकेज के अनुसार अपने अंशधारकों के कर्मचारी भविष्य निधि और कर्मचारी पेंशन योजना खातों में धन जमा कराने की एक इलेक्ट्रॉनिक व्यवस्था बनाई है। मंत्रालय ने कहा है कि यह पैकेज गरीबों को करोना महामारी का मुकाबला करने में मदद के लिए घोषित किया गया है। पात्र संगठन और प्रतिष्ठान एक चालान–सह–विवरण भर कर इस राहत के लिए दावा कर सकते है। इस चालाना के हिसाब से ही कर्मचारी के ईपीएफ और ईपीएस में कर्मचारी और नियोक्ता के कुल अंशदान (कर्मयारी के वेतन के 24 प्रतिशत) के बराबर भुगतान सरकार की ओर से संबंधित कर्मचारी के सार्वत्रिक खाता संख्या (यूएएन) में हस्तांतरित किया जाएगा। यह राहत तीन माह के लिए है। इसका लाभ ईपीएफ के तहत पंजीकृत इकाइयों में कार्यरत 15,000 रुपए से कम मासिक वेतन वाले कर्मचारियों के मामले में मिलेगा। नियम के अनुसार भविष्य में निधि खातों में कर्मचारी और नियोक्त की ओरसे वेतन के 12–12 प्रतिशत के बराबार अंशदान किया जाता है।

नकदी संकट से जूझ रही बिजली वितरण कंपनियों के लिए और कदम उठाने की तैयारी

नई दिल्ली। सरकार कोविड–19 पर अंकुश के लिए लागू बंदी के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने को नकदी संकट से जूझ रही बिजली वितरण कंपनियों के लिए और कदम उठाने की तैयारी कर रही है। इन उपायों में सस्ती कार्यशील पूंजी और निचला शुल्क शामिल है। एक सूत्र ने कहा कि बिजली मंत्रालय लॉकडाएन दौरान बिजली वितरण कंपनियों को राहत के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। विशेषरूप से ऐसी स्थिति में जबकि मांग काफी कम है और बिल संग्रहण नहीं हो पा रहा है। सूत्र ने बताया कि बंदी के दौरान बिजली की मांग में करीब 30 प्रतिशत की गिरावट आई है। 10 अप्रैल को बिजली की मांग घटकर 121.38 गीगावॉट(हजार मेगावाट) रही, जो एक साल पहले इसी दिन 170.52 गीगावॉट थी। मांग में कमी की प्रमुख वजह उद्योगों और राज्य बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) की मांग में गिरावट है। सूत्र का कहना है कि बिजली वितरण कंपनियां नकदी संकट का सामना कर रही हैं। ऐसे में केंद्र सरकार का प्रयास उन्हें कम ब्याज दरों पर कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराना है।

सूत्र ने कहा कि इसके अलावा सरकर केंद्रीय और राज्य बिजली नियामकों से डिस्कॉम के लिए दरों में कमी करने के लिए कह सकती है। हालांकि, इन उपायों के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी की जरूरत होगी क्योंकि इनका वित्तीय प्रभाव पड़ेगा। सूत्र ने बताया कि इस प्रस्ताव को अगले सप्ताह मंत्रिमंडल की मंजूरी के लिए भेजा जा सकता है। बिजली मंत्रालय ने पिछले सप्ताह डिस्कॉम को राहत के लिए कुछ उपाय किए थे। इनमें उत्पादन कंपनियों (जेनको) को देरी से भुगतान और 30 जून तक बने बिलों पर कम विलंब भुगतान अधिभार शामिल है।

अदाणी विल्मर का खाद्य तेलों का उत्पादन 40 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। फॉर्च्यून ब्रांड खाद्य तेल कंपनी, अदानी विल्मर ने शनिवा र को कहा कि मौजूदा लॉकडाऊन में मजदूरों की कमी के कारण उसके खाद्यतेलों के उत्पादन में 40 प्रतिशत की गिरावट आई है जिसके परिणामस्वरूप इस आवश्यक वस्तु की आपूर्ति घट गई है। अडानी विल्मार के डिप्टी सीईओ अंग्शु मैल्लिक ने कहा कि कोविद –19 को नियंत्रित करने के लिए लॉकडाउन के कारण सभी होटलों, रेस्तरां और कैफेटेरिया को बंद होने से खाद्य तेलों की बिक्री में भी 25 प्रतिशत की गिरावट आई है। पैकबंद खाद्य तेल खंड में, अडानी विल्मर बाजार की अग्रणी कंपनी है जिसकी बाजार हिस्सेदारी 20 प्रतिशत है। मल्लिक ने पीटीआई–भाषा से कहा, हम प्रतिदिन लगभग 8,000 टन खाद्य तेल का प्रसंस्करण और उत्पादन करते थे। लेकिन मजदूररों की कमी के कारण उत्पादन लगभग 40 प्रतिशत घट गया है। बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर अपने पैतृक स्थान लौट गए हैं जबकि स्थानीय लोग इस बीमारी से संक्रमित होने के डर से काम करने को तैयार नहीं हैं।

कच्चे तेल उत्पादन में कटौती को लेकर जी–20 के मंत्रियों में चली बड़ी खींचतान

भाषा। रियाद

जी–20 देशों के पेट्रोलियम मंत्रियों की शुक्रवार को हुई टेली कांफ्रेंस में कच्चे तेल उत्पादन घटाने के प्रस्ताव पर उत्पादक देशों के बीच खूब खींचतान हुई और शनिवार को सुबह जारी विज्ञप्ति कटौती की बात पर मौन है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्तक्षेप के बावजूद मैक्सिको अड़ गया था। बैठक के अंत में जो बयान जारी हुआ उसमें मतभेदों पर लीपा–पोती की गई और उत्पादन के कटौती का जिक्र तक नहीं किया जा सका। बयान में बस इतना ही कहा गया कि बैठक ने कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए तेल बाजार में स्थायित्व सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता जताई है। तेल उत्पादक एवं निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) के नेतृत्व में प्रमुख तेल उत्पादक देशों के बीच एक दिन पहले समझौता हुआ था कि मई और जून में दैनिक तेल उत्पादन दस–दस लाख बैरल घटाया जाएगा। उसके बाद अप्रैल 2022 तक उत्पादन में धीरे धीरे और कमी की जाएगी। जी20 की बैठक में मैक्सिको अकेले इस समझौते के खिलाफ खड़ा रहा। इस गतिरोध से कच्चे तेल का दैनिक उत्पादन घटा कर दाम चढ़ाने के प्रयासों का सफल होना संदिग्ध हो गया है। कोरोना वायरस और सऊदी अरब तथा रूस के बीच बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने की होड़ के बीच तेल का भाव करीब दो दशक के न्यूनतम स्तर पर आ गया है। जी20 मंत्रियों की ऑनलाइन बैठक संगठन के मौजूदा अध्यक्ष और ओपेक के प्रमुख सदस्य सऊदी अरब ने बुलाई थी। उम्मीद थी कि इसमें मैक्सिको, कनाडा और अमेरिका सहित प्रमुख गैर–ओपेक देशों के साथ भी उत्पादन कटौती पर सहमति बन जाएगी।

महाबलेश्वर एम. एस. तीन साल और रहेंगे कर्नाटक बैंक के प्रबंध निदेशक, सीईओ

नई दिल्ली। कर्नाटक बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी महाबलेश्वर एम. एस. तीन साल और इस पद पर कार्य करते रहेंगे। बैंक को इसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक से मंजूरी भी मिल गई है। बैंक ने शनिवार को कहा कि रिजर्व बैंक ने पी. जयराम भट को दोबाराअंशकालिक चेयरमैन (गैर-कार्यकारी) बनाने की भी मंजूरी दी है। बैंक के निदेशक मंडल ने रिजर्व बैंक की मंजूरी मिलने के बाद जयराम को दोबारा इस पद पर नियुक्त करने का निर्णय किया। वह इस पद पर 13 नवंबर 2021 या 70 वर्ष की आयु पूरी होने तक मे से जो भी पहले आएगा , तब तक इस पद पर रहेंगे। महाबलेश्वर का मौजूदा कार्यकाल 15 अप्रैल 2020 को खत्म होने वाला था।

कोलकाता में यूको बैंक की सील की गई शाखा सोमवार से फिर खुलेगी

कोलकाता। कोरोना वायरस संक्रमण के खतरे के कारण कोलकाता के भवानीपुर इलाके में यूको बैंक की शुक्रवार को सील की गई शाखा सोमवार से फिर खुलेगी। इस शाखा के प्रबंधक की मां कोरोना वायरस संक्रमित पाई गई है।इस सूचना के बाद इस शाखा को सील कर दिया गया था। यूको बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ए के गोयल ने पीटीआई भाषा से कहा कि शाखा को ऐहतियाती उपाय के तहत शुक्रवार को सील किया गया था।

पेटीएम ने जुटाए 100 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान कंपनी पेटीएम ने अपने मंच के जरिए आपात स्थितियों के लिए प्रधानमंत्री नागरिक सहायता एवं राहत कोष (पीएम-केयर्स) के लिए 100 करोड़ रुपए से अधिक की राशि जुटाई है। यह कोष कोरोना वायरस संकट के दौरान राहत राशि जुटाने के लिए बनाया गया है। पेटीएम ने इससे पहले घोषणा की थी कि उसका इरादा पीएम-केयर्स कोष में 500 करोड़ रुपए (रिपीट 500 करोड़ रुपए) योगदान करने का है।

कोरोना वायरस से संक्रमण का थम नहीं रहा प्रकोप

चीन में 46 नए मामले आए सामने, तीन लोगों की मौत

भाषा। बीजिंग

चीन में कोरोना वायरस संक्रमण के 46 नए मामले दर्ज किए हैं जिनमें चार घरेलू संक्रमण के मामले शामिल हैं। चीन में कोरोना वायरस के 34 मामले ऐसे सामने आए जिनमें संक्रमण के कोई लक्षण दिखाई नहीं दे रहे। चीन में इस वैश्विक महामारी से तीन और लोगों की मौत हो जाने से मृतक संख्या बढ़कर 3,339 हो गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के अनुसार चीनी मुख्यभूभाग में शुक्रवार तक विदेशों से आए संक्रमित लोगों की संख्या।,183 दर्ज की गई। इनमें से 449 लोगों को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और 734 लोगों का उपचार किया जा रहा है जिनमें से 37 लोगों की हालत गंभीर है।

आयोग ने बताया कि देश में संक्रमित लोगों की कुल संख्या शुक्रवार को 81,953 हो गई जिनमें।,089 मरीजों का अभी उपचार चल रहा है, 77,525 लोगों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है और 3,339 लोगों की इस संक्रमण के कारण मौत हो गई है। उसने बताया कि शुक्रवार को कोविड-19 संक्रमण के कुल 46 नए मामले दर्ज किए गए जिनमें से 42 लोग ऐसे हैं जो विदेश से आए हैं।आयोग ने बताया कि चीन में घरेलू स्तर पर संक्रमण के चार नए मामले दर्ज किए गए। चीन में कोरोना वायरस संक्रमण के 34 ऐसे मामले सामने आए जिनमें बीमारी के लक्षण दिखाई नहीं दे रहे। चीन के हुबेई प्रांत और उसकी राजधानी वुहान में कोरोना वायरस को काबू करने के बाद नए मामलों की संख्या बढ़ने के बीच चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कार्यस्थलों पर सुरक्षा कदमों पर कड़ी निगरानी रखे जाने का आदेश दिया। चिनफिंग का यह आदेश ऐसे समय में आया है जब चीन ने इस वैश्विक महामारी के खिलाफ दो महीने से अधिक समय तक चले संघर्ष के बाद हाल में काम और उत्पादन आरंभ किया है।

ब्राजील में मरने वालों की संख्या 1000 से अधिक हुई

एएफपी। ब्रासीलिया

कोरोना वायरस महामारी से सबसे बुरी तरह प्रभावित लातिन अमेरिकी देश ब्राजील में इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 1000 के पार पहुंच गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार ब्राजील में कोविड-19 संक्रमण के अब तक कुल 19,638 मामले सामने आए हैं और यहां।,056 लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो को कोविड-19 को ज्यादा तवज्जो न देकर उसे मामूली फ्लू बताने के कारण आलोचनाओं का शिकार होना पड़ रहा है।गैर जरूरी कारोबार बंद करने और लोगों को घरों में रहने की हिदायत देने के स्थानीय एवं राज्य प्राधिकारियों के फैसले को लेकर उनके और बोलसोनारो के बीच मतभेद पैदा हो गया है। बोलसोनारो संक्रमण को रोकने संबंधी अपनी ही सरकार की सिफारिशों का सम्मान नहीं करते हुए शुक्रवार को अपने समर्थकों से मिलने ब्रासीलिया की सड़कों पर आए। फेस मास्क पहने बिना और सामाजिक दूरी बनाए रखने की अनिवार्यता को नजरअंदाज करते हुए बोलसोनारो ने एक बुजुर्ग महिला से हाथ मिलाया और एक समय पर अपने दाएं हाथ से अपनी नाक भी पोंछी जिसे लेकर उनकी आलोचना हो रही है।इस संक्रमण से दुनिया भर में एक लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी हैं। इटली में 18,000 से अधिक, अमेरिका में करीब 17,000 और स्पेन में करीब 16,000 लोग इस संक्रमण के कारण मारे जा चुके हैं। हालांकि दुनिया के अन्य देशों की तुलना में मृतक संख्या का यह आंकड़ा छोटा है, लेकिन स्वास्थ्य अधिकारियों को स्थिति बिगड़ने की आशंका है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह संक्रमण अप्रैल के अंत में ब्राजील में चरम पर पहुंचना शुरू होगा।

टोक्यो में अपने कार्यालय पर कोरोना वायरस को लेकर समीक्षा बैठक करते जापान के प्रधानमंत्री शिंजो अबे

अस्पताल के अपने कक्ष में टहलकर फिल्में देखकर, पहेलियां सुलझाकर समय बिता रहे हैं बोरिस जॉनसन

भाषा। लंदन

कोरोना वायरस से संक्रमित ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की हालत में अब सुधार हो रहा है और वह यहां एक अस्पताल के कक्ष में कुछ देर टहलकर, फिल्में देखकर, सुडोकू खेलकर और पहेलियां सुलझाकर समय व्यतीत कर रहे हैं। लंदन के सेंट थॉमस अस्पताल में भर्ती जॉनसन के स्वास्थ्य पर चिकित्सक निकटता से नजर रख रहे हैं।डॉउनिंग स्ट्रीट के एक प्रवक्ता ने शुक्रवार शाम को कहा, प्रधानमंत्री अब आराम करने के बीच कुछ देरी तक टहल पाने में सक्षम हैं। उनकी हालत में सुधार हो रहा है। प्रवक्ता ने कहा, उन्होंने अपने चिकित्सकों से बात की और उनकी देखभाल करने वाली पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया। इस बीमारी से प्रभावित हुए लोगों के साथ उनकी संवेदनाएं हैं। उन्होंने बताया कि जॉनसन के स्वास्थ्य के बारे में अस्पताल अब दिन में केवल एक बार जानकारी देगा। द टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि 55 वर्षीय जॉनसन के स्वास्थ्य में काफी सुधार हुआ है और वह अस्पताल के बिस्तर पर लेटकर लॉर्ड ऑफ द रिंग्स और विदनेल एंड आई जैसी फिल्में देख रहे हैं और सुडोकू खेल रहे हैं।डाउनिंग स्ट्रीट ने इस बात की पुष्टि नहीं की कि जॉनसन को उनकी गर्भवती मंगेतर कैरी साइमंड्स समेत किसी से मिलने की अभी अनुमति दी गई है या नहीं, लेकिन लोगों ने उन्हें हजारों कार्ड भेजे हैं, जिनमें उनके स्वस्थ होने की कामना की गई है। जॉनसन को बृहस्पतिवार को आईसीयू से अस्पताल के वार्ड में लाया गया था। जॉनसन के पिता स्टेनली जॉनसन ने अपने बेटे को आराम करने की सलाह दी है। स्टेनली जॉनसन ने कहा कि उनका पूरा परिवार राहत महसूस कर रहा है कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री आईसीयू से बाहर आ गए हैं।

भारत की ओर से भेजे 30 लाख पैरासिटामॉल के पैकेट की पहली खेप रविवार को ब्रिटेन पहुंचेगी

भाषा। लंदन

भारत की ओर से भेजे गए 30 लाख पैरासिटामॉल के पैकेट की पहली खेप रविवार को ब्रिटेन पहुंचेगी। ब्रिटिश सरकार ने कोरोना वायरस की महामारी के चलते लागू प्रतिबंध के बावजूद इस महत्वपूर्ण दवा का निर्यात करने पर भारत सरकार का आभार व्यक्त किया।

विदेश एवं राष्ट्रमंडल कार्यालय में दक्षिण एशिया और राष्ट्रमंडल मामलों के राज्यमंत्री लॉर्ड तारिक अहमद ने शुक्रवार को कहा कि यह खेप अभूतपूर्व वैश्विक संकट के दौरान दोनों देशों के बीच सहयोग का प्रतीक है। अहमद ने कहा, ब्रिटेन और भारत कोविड-19 के खतरे का मुकाबला करने के लिए साझेदारी के तहत मिलकर काम करेंगे। मैं ब्रिटिश सरकार की ओर से भारत को दवा भेजने का फैसला करने के लिए आभार व्यक्त करता हूं।

उन्होंने बताया कि यह दवा विमान के जरिए रविवार को ब्रिटेन पहुंचेगी और यह ऐसे समय हो रहा है जब ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत में फंसे अपने हजारों नागरिकों को निकालने लिए विशेष विमानों की व्यवस्था की जा रही है। अहमद ने कहा, हम भारतीय प्रशासन, लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग, विदेश मंत्रालय और भारत में राज्यों के स्तर पर काम कर रहे हैं ताकि ब्रिटेन वापस आने के इच्छुक ब्रिटिश नागरिकों की वापसी के लिए जरूरी कदम उठाए जा सके। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में गोवा, मुंबई, अमृतसर, अहमदाबाद, तिरुवनंतपुरम वाया कोच्चि, हैदराबाद, कोलकाता, चेन्नई वाया बेंगलुरु ब्रिटिश नागरिकों को निकाला जाएगा। अहमद ने बताया कि ब्रिटेन की उड़ान भरने से पहले यह जांच की जाएगी कि किसी में कोरोना वायरस से संक्रमण के लक्षण तो नहीं है और यहां लाने के बाद उन्हें अन्य ब्रिटिश नगारिकों की तरह पृथकवास के नियम का अनुपालन करना होगा। मंत्री ने बताया कि भारत में अनुमान है कि 21 हजार ब्रिटिश नागरिक इस समय मौजूद हैं जिनमें से पांच हजार लोगों को इस हफ्ते वापस लाया जाएगा और अगले हफ्ते 19 विशेष विमानों से भारत के विभिन्न शहरों से ब्रिटिश नागरिकों को लंदन लाया जाएगा। उन्होंने बताया कि यात्रियों को इन विशेष विमानों में 600 से 650 पाउंड की दर से टिकट की बुकिंग करने का विकल्प दिया जाएगा और जो लोग आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं उन्हें ब्याजमुक्त कर्ज लेने का विकल्प दिया जाएगा जिसे उन्हें छह महीने में चुकाना होगा। नई दिल्ली स्थित ब्रिटिश उच्चायोग ने कहा कि ब्रिटेन वापस जाने के इच्छुक जिन लोगों ने अपना पंजीकरण कराया है उनमें से सबसे असुरक्षित लोगों को पहले प्राथमिकता दी जाएगी। ब्रिटिश उच्चायोग ने बताया कि अप्रैल के अंत तक अधिकतर ब्रिटिश नागरिकों को वापस भेजने का लक्ष्य रखा गया है। भारत में फंसे ब्रिटिश नागरिकों को वापस लाने के लिए जाने वाले विमानों में ब्रिटेन में फंसे भारतीय नागरिकों को भेजने के सवाल पर अहमद ने कहा कि इस पर फैसला भारतीय प्रशासन लेगा क्योंकि वहां पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर प्रतिबंध है।

पाबंदियों में ढील देने के तौर तरीकों पर विचार कर रहा है इटली

भाषा। सोआवे (इटली)

कोरोना वायरस के मामलों में कमी आने और गर्मी का मौसम शुरू होने के बाद पांच हफ्ते से जारी लॉकडाउन में इटली ढील देने के तौर तरीकों पर माथापच्ची जारी है।इटली पहला पश्चिमी देश है जो वायरस से बुरी तरह प्रभावित हुआ और यहां किसी भी देश की तुलना में सर्वाधिक करीब 19 हजार लोगों की मौत इस महामारी के कारण हुई है। अब यह शांतिकाल के दौरान लगाई गई सबसे कड़ी पाबंदियों में किस तरह से ढील दे, इसका उदाहरण पेश करने का प्रयास कर रहा है।फिलहाल स्कूल बंद हैं और बच्चों को पार्क में खेलने की अनुमति भी नहीं है। फिर भी अधिकारी अब विचार कर रहे हैं कि किस तरह से सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में सामाजिक दूरी बनाए रखी जाए, सामान्य दुकानें फिर से खोली जाएं और बिना खतरे के निर्माण इकाइयों को खोलने की अनुमति दी जाए।

व्हाइट हाउस में कोरोना वायरस को लेकर एक बैठक को संबोधित करते अमेरिकी राट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

क्विक न्यूज

अमेरिका ने हिजबुल्ला कमांडर की जानकारी देने पर एक करोड़ डॉलर का इनाम रखा

वाशिंगटन। अमेरिका ने लेबनानी हिजबुल्ला कमांडर मुहम्मद कावधरानी की गतिविधियो, नेटवर्क और सहयोगियो के बारे मे कोई भी जानकारी देने पर एक करोड़ डॉलर के इनाम की घोषणा की। कमांडर पर इराक मे ईरान समर्थित समूहो को समन्वित करने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आरोप है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान मे कहा, कावधरानी इराक मे लेबनानी शिया आंदोलन का एक वरिष्ठ अधिकारी है, जिसने ईरान से जुड़े अर्धसैनिक समूहो के राजनीतिक समन्वयन के काम को संभाला है। इस समूह का संचालन पहले कासिम सुलेमानी करता था। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के शक्तिशाली नेता सुलेमानी जनवरी की शुरुआत मे बगदाद मे अमेरिका के हमले मे मारे गए थे। अमेरिका ने 2013 से ही कावधरानी को आतंकवाद के लिए काली सूची मे डाला हुआ है। अमेरिका का कहना है, कावधरानी इराक सरकार के नियंत्रण के बाहर काम कर रहे समूहो के कार्यों मे मदद पहुंचाता है, जिसने विरोध प्रदर्शनो को हिंसक ढंग से दबाया है और विदेशी राजनयिक मिशनो पर हमला किया है।

संक्रमित लोगों के साथ ऑस्ट्रेलिया का जहाज मोंटेवीडियो बंदरगाह पहुंचा

मोंटेवीडियो। उरुग्वे के तट पर दो हफ्तो से फंसा ऑस्ट्रेलिया का क्रूज जहाज शुक्रवार को मोंटेवीडियो बंदरगाह पहुंचा। इस जहाज मे सवार 100 से अधिक लोग कोरोना वायरस से संक्रमित है। करीब 110 ऑस्ट्रेलियाई और न्यूजीलैंड वासियो को ग्रेग मोर्टाइमर से निकाला गया तथा उन्हे मोंटेवीडियो के अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे ले जाया गया जहां वह चिकित्सीय उपकरणो से लैस चार्टर विमान से आस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर जाएंगे।

हिंदू समूह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अफगानिस्तान में सताए सिखों और हिंदुओं को शरण देने का आग्रह किया

वाशिंगटन। अमेरिका के एक हिंदू समूह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अफ्गानिस्तान से आए सताए हुए सिखो और हिंदुओ को शरण देने का आग्रह किया है। नौ अप्रैल को मोदी को लिखे पत्र मे, हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने कहा कि अफ्गानिस्तान मे धार्मिक अल्पसंख्यको की विकट स्थिति को ठीक करना अनिवार्य है जो भारत को उस क्षेत्र मे एकमात्र सुरक्षित आश्रय स्थल के रूप मे देखता है। फाउंडेशन ने कहा, 25 मार्च, 2020 को अफ्गानिस्तान मे काबुल के शोर बाजार क्षेत्र मे प्रमुख गुरुद्वारा पर एक आतंकवादी हमले मे 25 लोगो की मौत हो गई और कम से कम 8 लोग घायल हो गए। महिलाओ और बच्चो सहित लगभग 150 श्रद्धालु हमले के वक्त वहां थे। संगठन ने कहा कि यह कोई पहला मामला नही है, पहले भी कई बार हमले हुए है। एचएएफ ने कहा कि जुलाई 2018 मे, एक आत्मघाती हमलावर ने अफ्गानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी से मिलने के लिए जा रहे सिखो और हिंदुओ के काफिले पर हमला किया था, जिसमे 19 लोग मारे गए और 20 अन्य घायल हो गए थे। संगठन ने कहा, आज, अफ्गानिस्तान मे केवल 200 के करीब सिख और हिंदू परिवार बचे है। भारत सरकार द्वारा हाल ही मे उठाए गए कदमो से उत्साहित, एचएएफ ने मोदी से अफ्गानिस्तान मे धार्मिक अल्पसंख्यको की समस्याओ को कम करने के लिए आगे की कार्वाई करने का आग्रह किया।

लॉकडाउन में मस्जिदों को खोले जाने की अपील खारिज की

जोहानिसबर्ग। दक्षिण आफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने कोरोना वायरस से निपटने के लिए देश मे लागू लॉक्डाउन के दौरान पांच वक्त की नमाज के लिए मस्जिदो को खोले जाने की अपील खारिज कर दी। एक मुस्लिम संगठन ने यह मांग की थी।महामारी से निपटने के लिए देश मे सभी मस्जिद, चर्च, मंदिर और अन्य धार्मिक स्थानो पर एकत्र होने पर प्रतिबंध है। रामाफोसा ने बृहस्पतिवार को 21 दिनो के लॉक्डाउन की अवधि दो हफ्ते और बढ़ा दी। यह 14 अप्रैल को खत्म होने जा रही थी। अधिवक्ता जहीर उमर ने दक्षिण आफ्रीका की मजलिसुल उलेमा की ओर से रामाफोसा के याचिका पेश करते हुए लॉक्डाउन के कारण कथित तौर पर धार्मिक दायित्वो को पूरा करने से रोके जाने का हवाला दिया। उमर ने लॉक्डाउन के नियमो मे नरमी की मांग करते हुए कहा कि नमाज तेजी से अदा करने के साथ ही नमाजी तुरंत घरो को लौट जाएंगे, लेकिन राष्ट्रपति ने एक बयान मे मांग खारिज करते हुए कहा कि बचाव के उपाय दक्षिण आफ्रीका के सभी लोगो के लिए है, चाहे वो किसी भी धर्म के हो।

जापान में लोगों से बार, रेस्तरां नहीं जाने की अपील

टोक्यो। जापान ने लोगो से बार, क्लब और रेस्तरां से दूर रहने की अपील की है। प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने राष्ट्रीय कोरोना वायरस कार्य बल की बैठक मे कहा है, संक्रमण के कई मामलो की पुष्टि उन स्थानो पर की गई है जहां लोग रात मे जाते है और यह देशभर मे फैला हुआ है। जापान मे सात अप्रैल को आपातकाल लगाया गया, जिसमे कोई दंड का प्रावधान नही है, लेकिन लोगो को यथासंभव घर पर रहने के लिए कहा गया है। आबे ने एक बार फिर कंपनियो से अपील की कि वे लोगो को घर से काम करने की इजाजत दे।

अगर चीन विकासशील देश होकर फायदा उठाता है तो अमेरिका को भी विकासशील बना दो : ट्रंप

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि अगर चीन विकासशील देश होकर फायदा उठाता है तो अमेरिका को भी विकासशील देश ही बना दो। ट्रम्प ने कोरोना वायरस पर व्हाइट हाउस में अपने नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा, चीन ने अविश्वसनीय रूप से हमारा और अन्य देशों का फायदा उठाया है। आप जानते हैं कि उन्हें विकासशील राष्ट्र माना जाता है। मैं कहता हूं कि ठीक है फिर हमें भी विकासशील देश ही बना दीजिए। राष्ट्रपति ने चीन पर एक सवाल के जवाब में कहा, उन्हें बड़े फायदे मिलते हैं क्योंकि वे विकासशील देश हैं। भारत एक विकासशील देश है। अमेरिका बड़ा विकसित देश है। हालांकि हमें भी कई विकास कार्य करने हैं। विश्व व्यापार संगठन द्वारा अमेरिका का फायदा उठाने की बात दोहराते हुए ट्रम्प ने कहा कि चीन की अर्थव्यवस्था तब बढ़ने लगी जब वह अमेरिका की मदद से डब्ल्यूटीओ में शामिल हुआ।उन्होंने कहा, लेकिन अगर वे हमसे निष्पक्षता से पेश नहीं आते तो हम उसे छोड़ देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि चीन 30 वर्षों से अमेरिका का फायदा उठा रहा है। उन्होंने कहा कि चीन ने डब्ल्यूटीओ के जरिए और ऐसे नियमों का इस्तेमाल कर फायदा उठाया है जो अमेरिका के लिए अन्यायपूर्ण रहे हैं। ट्रम्प ने कहा कि देश को कब खोलना है यह उनके लिए अब तक का सबसे बड़ा फैसला होने जा रहा है।कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण महज कुछ ही सप्ताह में अमेरिकी अर्थव्यवस्था थम-सी गई है। राष्ट्रीय आपातकाल के मद्देनजर 95 प्रतिशत से ज्यादा आबादी घरों में सिमटी हुई है और 1.6 करोड़ से अधिक लोग अपनी नौकरियां गंवा चुके हैं।इस जानलेवा संक्रामक रोग से अमेरिका में शुक्रवार तक 18,000 से अधिक लोगों की मौत हो गई जबकि पांच लाख लोग इससे संक्रमित पाए गए हैं। ट्रम्प ने पत्रकारों से कहा कि देश को फिर से खोलने का फैसला कोरोना वायरस पर व्हाइट हाउस कार्य बल के सदस्यों समेत अपने करीबी सलाहकारों से विचार विमर्श के बाद उचित समय पर लिया जाएगा। उन्होंने इसके लिए कोई निश्चित तारीख नहीं बताई। उन्होंने कहा, मैं फैसला लेने जा रहा हूं और मैं उम्मीद करता हूं कि यह सही फैसला हो लेकिन मैं बिना किसी सवाल के यह कहूंगा कि यह मेरा अब तक का सबसे बड़ा फैसला होगा। एक सवाल के जवाब में ट्रम्प ने कहा कि उनके पास देश को फिर से खोलने पर फैसला लेने की शक्तियां हैं।उन्होंने कहा कि वह जितना संभव हो सके उतना जल्दी देश को फिर से खोलना चाहते हैं। साथ ही ट्रम्प ने कहा कि वह अमेरिका को फिर से खोलने पर डॉक्टरों और कारोबारियों की नई परामर्श परिषद का जल्द ही गठन करेंगे।उन्होंने बताया कि नया कार्य बल अर्थव्यवस्था से कहीं अधिक मामलों पर निपटेगा।कुछ मीडिया खबरों के अनुसार, परिषद में वित्त मंत्री स्टीवन मुचिन, उनके नए चीफ ऑफ स्टाफ मार्क मीडॉज तथा उनकी बेटी और वरिष्ठ सलाहकार इवांका ट्रम्प शामिल हो सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के चीन केंद्रित होने के अपने आरोप को दोहराते हुए ट्रम्प ने कहा कि वह अमेरिका द्वारा उसे दी जाने वाली करीब 50 करोड़ डॉलर की निधि पर अगले सप्ताह घोषणा करेंगे।उन्होंने कहा, हम अगले सप्ताह विश्व स्वास्थ्य संगठन पर घोषणा करने जा रहे हैं। जैसा कि आप जानते हैं हम उन्हें एक साल में करीब 50 करोड़ डॉलर देते हैं और हम अगले सप्ताह इस पर बात करने जा रहे हैं। हमारे पास इसके बारे में कहने के लिए काफी कुछ होगा। गौरतलब है कि इस सप्ताह की शुरुआत में राष्ट्रपति ने डब्ल्यूएचओ के वित्त पोषण को रोकने की धमकी दी थी।सवालों के जवाब में ट्रम्प ने कहा कि डब्ल्यूएचओ चीन केंद्रित बन गया है और चीन लंबे समय से अमेरिका का फायदा उठाता रहा है। इस बीच, ट्रम्प ने आशंका जताई कि गूगल-एप्पल टीम के कोरोना वायरस पर लगाम लगाने के लिए संक्रमण के संपर्क में आने वाले लोगों का आसानी से पता लगाने वाली तकनीक से नागरिकों की विभिन्न आजादी पर असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन इसकी निकटता से निगरानी करेगा।उन्होंने कहा, इस गूगल और एप्पल साझेदारी से स्वतंत्रता की दिक्कत और कई चीजें हो सकती है। हम इस पर विचार करेंगे।

सवालो के जवाब मे ट्रंप ने कहा कि डब्ल्यूएचओ चीन केंद्रित बन गया है और चीन लंबे समय से अमेरिका का फायदा उठाता रहा है

अमेरिका में कोरोना वायरस से एक दिन में 2,100 से ज्यादा मौत : जॉन्स हॉपकिन्स का आंकड़ा

वाशिंगटन। अमेरिका में पिछले 24 घंटों में 2,108 लोगों की मौत होने के बाद वह विश्व का पहला ऐसा देश है जहां एक ही दिन में कोविड-19 से 2,000 से ज्यादा मौत हुई हो। जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के आंकड़ों के मुताबिक संक्रमित व्यक्तियों के लिहाज से भी अमेरिका विश्व में सबसे ऊपर है और यहां संक्रमितों की संख्या 5,00,000 के पार पहुंच गई है। पूरे यूरोप और अमेरिका में फैलने से पहले पिछले साल दिसंबर में चीन में शुरू हुए कोरोना वायरस के प्रकोप ने वहां अब तक 3,339 लोगों की जान ली है और कुल 81,000 लोगों को संक्रमित किया है। विश्वविद्यालय के आंकड़ों में कहा गया है कि मृतकों के हिसाब से देखें तो अमेरिका जल्द ही इटली से आगे निकल जाएगा जहां अब तक कोविड-19 मृतकों की संख्या 18,848 है। शुक्रवार रात, अमेरिका में 18,679 मौत हुई जो इटली से कुछ ही कम है। स्पेन में 16,000 से ज्यादा लोगों की और जर्मनी में करीब 13,000 लोगों की मौत हुई है। इसमें बताया गया कि शुक्रवार रात तक कोरोना वायरस से 2,108 अमेरिकियों की मौत हो गई और 5,00,399 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई। अमेरिका में संक्रमितों की संख्या अन्य शीर्ष देशों के आंकड़ें साथ मिला देने से भी ज्यादा हैं। स्पेन में संक्रमितों की संख्या।,58,000, इटली में।,47,000, जर्मनी में।,22,000 और फ्रांस में।,12,000 है। कोविड-19 मृतकों के केंद्र के तौर पर उभरे न्यूयॉर्क में कुल।,70,000 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है जो किसी अन्य देश से ज्यादा है। न्यूयॉर्क में कोरोना वायरस से 7,800 से अधिक लोगों की मौत हुई है। वहीं न्यू जर्सी में करीब 2,000 मौत हुई है और 54,000 से अधिक संक्रमित हैं। इस हफ्ते के शुरू होने से पहले, कोरोना वायरस के विषय पर व्हाइट हाउस कार्यबल के सदस्यों ने अमेरिका में एक से दो लाख लोगों की मौत का अनुमान जताया था। एक ओर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि मौत के लिहाज से यह हफ्ता भयावह, अत्यंत भयावह होने जा रहा है वहीं अमेरिकी सर्जन जनरल जेरोम एडम्स ने कहा था कि यह हफ्ता देश की 9।11 और पर्ल हार्बर जैसी भयावह यादें ताजा कर देगा। शुक्रवार को, ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा था कि नए अनुमानों के तहत मृतकों का आंकड़ा 60,000 से नीचे रह सकता है। उन्होंने कहा, यह यकीन करना बेहद मुश्किल है कि अगर आपके यहां 60,000 मौत होती है, तो आप कभी खुश नहीं हो सकते लेकिन यह जितना हमें शुरू में बताया गया था और हम सोच रहे थे उससे बहुत-बहुत कम है। उन्होंने कहा था कि कम से कम 100 से 2,20,000 के बीच मौत होगी और अगर हम कुछ नहीं करते तो यह 22 लाख तक पहुंच सकता है। लेकिन यह लोगों के अद्भुत संकल्प को दिखाता है। ट्रंप ने राष्ट्रीय आपदा की घोषणा की है और लगभग सभी 50 राज्यों के लिए बड़ी आपदा की घोषणा अधिसूचित की है तथा 33 करोड़ आबादी में से 95 प्रतिशत से अधिक घरों के भीतर रहने के आदेश के तहत जीवन बिता रहे हैं।

पायनियर
रविवार, 12 अप्रैल, 2020

एजेण्डा

महत्वपूर्ण है किसी ऐसी चीज में इस कदर विश्वास करना कि आप कभी निरुत्साहित न हों
-सलमा हायक

लॉकडाउन ने बदली हवा

कोविड-19 लाकडाउन, मौतों व संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच, एक चीज जो नागरिकों के लिए सुखद हो सकती है, वो हैं बेहतर वायु गुणवत्ता सूचकांक जो देश के अनेक हिस्सों में पचास से नीचे आ गया है, यह वो संख्या है जो दिल्ली एनसीआर में कुछ महीने पहले 222 पर हुआ करती थी। विस्तार से जानकारी देने के लिए विशेषज्ञों से चर्चा करती शालिनी सक्सेना की रिपोर्ट

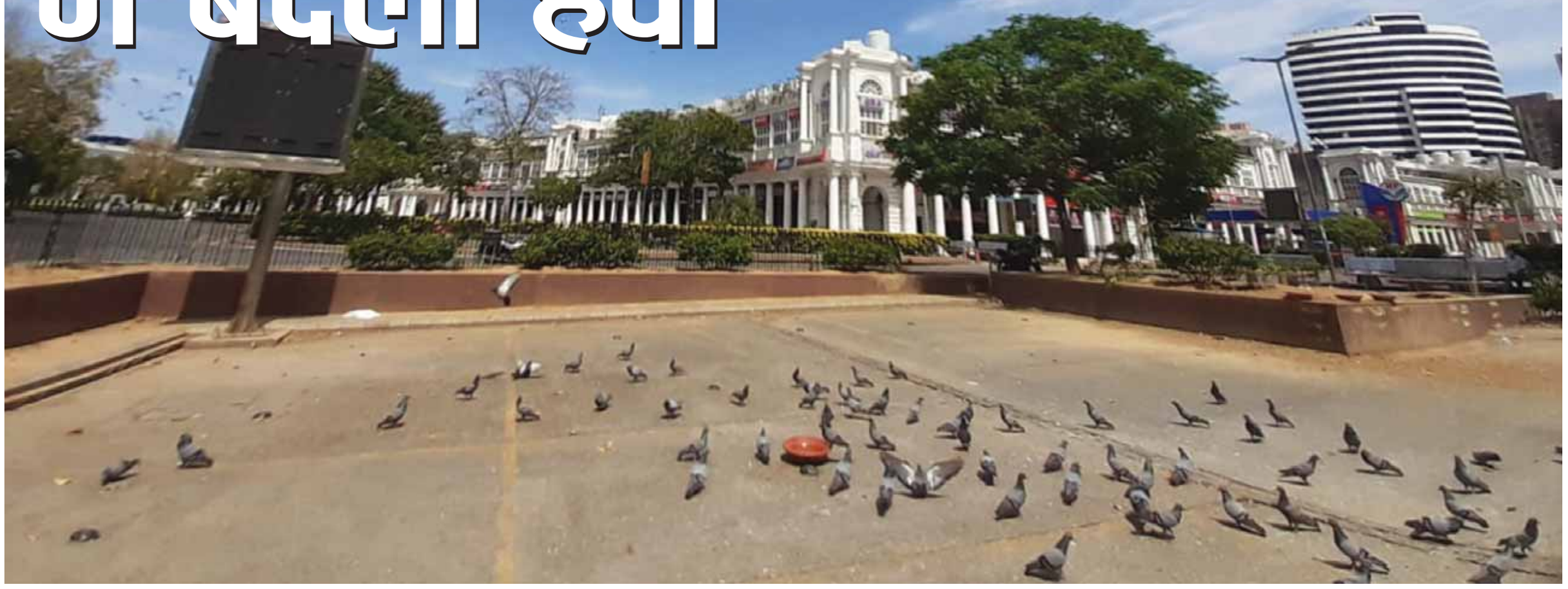

बीते सत्तर, अस्सी, यहां तक कि नब्बे के दशकों में एक समय था जब नीला आसमान होना एक आम परिघटना थी। फिर हर चीज बदल गयी। वैश्वीकरण ने दरवाजे खोल दिए और लगभग खाली सड़कें और बिना शोरगुल वाला ट्रेफिक जल्द अतीत की बात बन गए। जल्द ही वायु गुणवत्ता सूचकांक 1000 को छू रहा था, उसके पार जा रहा था और अनेक लोग विभिन्न श्वांसकारी रोगों के शिकार हो गए।

25 मार्च, 2020 पर आते हैं। साफ नीला आसमान, रात के आसमान में टिमटिमाते तारे और घर की छतों से मीलों तक बगैर किसी धुंधलके के राजधानी का स्पष्ट नजारा आदि ऐसी बातें हैं जिनका दिल्लीवासी लाकडाउन के बाद से गवाह बन रहे हैं। हालांकि वे हालात, जिन्होंने मौजूदा स्थिति तक पहुंचाया है, कोविड-19 मामलों की संख्या के मद्देनजर बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण हैं, जहां फ्लिहाल 4 अप्रैल, 2020 तक 3474 लोग संक्रमित तथा 91 लोगों की मौत हो चुकी है, संख्याएं थोड़ी ही हैं जो प्रभावित हो रही हैं और लोग इससे खुश हो सकते हैं और बेहतर वायु गुणवत्ता के कारण आसानी से सांस ले सकते हैं।

सफर (30 मार्च 2020) द्वारा प्रस्तुत आंकड़े के अनुसार, राजधानी ने एनओएक्स में 63 फीसदी तथा पीएम 2.5 में 49 फीसदी की कमी देखी है। मुंबई ने भी ऐसी कमी देखी गयी है- एनओएक्स 57 फीसदी तथा पीएम 2.5 में 53 फीसदी की गिरावट आई है, यहां तक कि पुणे में भी एनओएक्स में 55 तथा पीएम 2.5 में 38 फीसदी की कमी आई है।

सेंटर फार साइंस एंड इनवायरनमेंट की ऐसोसिएट डायरेक्टर जनरल, अनुमिता रॉय चौधरी, लाकडाउन के बाद, वाहनों, कारखानों, विनिर्माण कार्यों के बंद होने से, कुल मिलाकर वायु प्रदूषण स्तरों में तीव्र कमी आई है। रायचौधरी कहती हैं, '' यह बदलाव लाने के लिए हम इस प्रकार के आपात पर निर्भर रहना नहीं चाहते हैं लेकिन इस संकट ने साबित किया है कि यदि स्वास्थ्य जोखिम अवधारणाएं आपात प्रतिक्रिया को जागृत कर सकती हैं तो यह दूरगामी बदलावों के लिए प्रेरित कर सकती हैं। इस महामारी के दौरान साझा सामूहिक कदम ने हमें मजबूर किया हैं कि हम विषाक्त जोखिम का शिकार होने की अपनी संभावना को कम करने के लिए समाधानों की पुनर्खोज करें। हमने सोशल डिस्टेंसिंग को अपनाने के लिए जबरदसत जीवन शैलीगत तालमेल स्थापित किए हैं। ''

वह बताती हैं कि इस संकट प्रेरित बदलाव वायू प्रदूषण का दूरगामी समाधान प्रस्तुत कर सकते हैं या नहीं, यह ऐसा प्रश्न है जिस पर हमें विचार करने की आवश्यकता है। इसका अर्थ है कि कुछ आपात प्रतिक्रियाओं को सांस्थानिक रूप देने के लिए हमें व्यवस्थागत बदलाव करने पड़ेंगे, इस संदर्भ में कार्यस्थल की अवधारणा में बदलाव लाने के लिए डिजीटल जगत की संभावनाओं को अधिकतम बनाना, व्यक्तिगत वाहन संख्याओं तथा मीलों की वाहन यात्रा को कम करने के लिए सार्वजनिक परिवहन विकल्पों का दायरा बड़ा करना, शून्य उत्सर्जन की ओर बढ़ने हेतु इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को लागू करना, और अन्य विकल्पों के साथ, उत्सर्जन नियंत्रण नियामकों एवं मानकों के अनुलंघन पर जीरो टालरेंस सुनिश्चित करना सम्मिलित है, केवल तभी महामारी अवधि के बाद आपातकालिक कदम की यह अल्पकालिक राहत बरकरार रखी जा सकती है।

रायचौधरी कहती हैं, '' मौजूदा वायु प्रदूषण समस्या से संबंधित स्वास्थ्य जोखिम पर आपात विचार करने की आवश्यकता है। ऐसी आशंकाएं हैं कि महामारी अवधि बीतने के दौरान व्यापार पहले जैसे चलने लगेंगे और प्रदूषण एक बार फिर से नियंत्रण से बाहर निकल जाएगा। लेकिन लोगों को समझने की जरूरत है कि वायू प्रदूषण हर साल 1.2 लाख लोगों की जान लीलता हैं और इससे भी ज्यादा लोगों की बीमार बनाता है। यह उसी प्रकार की आपातकालीन प्रतिक्रिया तथा सख्त कार्रवाई के लिए जनसहयोग की मांग करता है। इस महामारी ने इस बात को भी उजागर किया है कि वायु प्रदूषण महामारी की खतरा बढ़ाता है क्योंकि खराब वायु गुणवत्ता से फेफड़े तथा कुल मिलाकर लोगों का स्वास्थ्य पहले से प्रभावित कर रखा है। यह जरूरी है कि गहन जागरूकता लाई जाएं और इस संबंध में तथा कुल मिलाकर वायु प्रदूषण से संबंधित स्वास्थ्य जोखिम को लेकर लोगों की समझ बढ़ाई जाए ताकि कड़े कार्रवाई को मजबूती मिल सके। हमें समस्त क्षेत्रों में मजबूत एवं टिकाऊ कदम उठाने तथा अपने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम को असरदार औजार बनाने की जरूरत है। ''

> लोगों को समझने की जरूरत है कि वायू प्रदूषण हर साल 1.2 लाख लोगों की जान लीलता हैं और इससे भी ज्यादा लोगों की बीमार बनाता है। यह उसी प्रकार की आपातकालीन प्रतिक्रिया तथा सख्त कार्रवाई के लिए जनसहयोग की मांग करता है। इस महामारी ने इस बात को भी उजागर किया है कि वायु प्रदूषण महामारी की खतरा बढ़ाता है क्योंकि खराब वायु गुणवत्ता से फेफड़े तथा कुल मिलाकर लोगों का स्वास्थ्य पहले से प्रभावित कर रखा है। यह जरूरी है कि गहन जागरूकता लाई जाएं और इस संबंध में तथा कुल मिलाकर वायु प्रदूषण से संबंधित स्वास्थ्य जोखिम को लेकर लोगों की समझ बढ़ाई जाए ताकि कड़े कार्रवाई को मजबूती मिल सके। हमें समस्त क्षेत्रों में मजबूत एवं टिकाऊ कदम उठाने तथा अपने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम को असरदार औजार बनाने की जरूरत है।
> - अनुमिता रॉय चौधरी

वायू प्रदूषण महामारी की खतरा बढ़ाता है क्योंकि खराब वायु गुणवत्ता से फेफड़े तथा कुल मिलाकर लोगों का स्वास्थ्य पहले से प्रभावित कर रखा है। यह जरूरी है कि गहन जागरूकता लाई जाएं और इस संबंध में तथा कुल मिलाकर वायु प्रदूषण से संबंधित स्वास्थ्य जोखिम को लेकर लोगों की समझ बढ़ाई जाए ताकि कड़े कार्रवाई को मजबूती मिल सके। हमें समस्त क्षेत्रों में मजबूत एवं टिकाऊ कदम उठाने तथा अपने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम को असरदार औजार बनाने की जरूरत है। ''

पर्यावरणविद बीएस वोहरा बताते हैं कि घटे कुए एक्यूआई स्तरों ने एक संदेश दिया है। वे कहते हैं, '' यह सब मानवनिर्मित था। यह हमारी गलती थी कि हमने प्रदूषित उद्योगों को काम करने की अनुमति दी थी और हमने वाहन प्रदूषण को उस मुकाम पर पहुंचने की अनुमति दी थीं कि दिल्ली में लोगों का दम घुट गया था। प्रकृति ने हमें कड़ा संदेश दिया है- कि हम कोशिश करें और गलती सुधारें- कि हम वे काम करना बंद करें जो प्रदूषण पैदा करते हैं- चीजें बेहतरी के लिए बदलती हैं। ''

साथ ही, इसमें संदेह की कोई गुंजाइश नहीं है। वोहरा बताते हैं, '' आज हम उच्च एक्यूआई स्तरों का सटीक कारण जानते हैं। इससे पहले, अनेक अध्ययन हुए थे जिन्होंने विभिन्न प्रकार से प्रकाश डाला था कि कौन सी चीज वायू प्रदूषण में योगदान कर रही है। आज, हम असली कारण जानते हैं। हमें बताया जा रहा है कि गलतियां हमारी थीं और हमें सुधारात्मक कदम उठाने की जरूरत है। ''

वह एक भयावह तस्वीर प्रस्तुत करते हैं यदि हम वो सबक नहीं सीखते हैं जो इस लाकडाउन ने हमें सिखाया है। '' पहला, लाकडाउन कुछ वैसा प्रयास नहीं था जो इंसान वायू प्रदूषण से निपटने के लिए किया था। यह कोविड-19 के कारण करना पड़ा था। बेहतर एक्यूआई का अर्थ यह नहीं होता कि इंसान ने कुछ ऐसा कर दिया है। यदि वायरस यहां पर नहीं हुआ होता तो चीजें वैसी ही रहतीं जैसी कि पहले थीं। एक्यूआई स्तरों में कोई सुधार नहीं हुआ होता। दूसरा, इसका कोई दूरगामी असर नहीं होने जा रहा है। यदि आज, लाकडाउन हट जाता है, तो सिर्फ पंद्रह दिन लगेंगे चीजें फिर अपनी पुरानी हालत में चली जाएंगी। एक्यूआई दुबारा आसमान छूने जा रहा हैं यदि हम उद्योगों को उसी गति से काम करने की छूट देते हैं और पहले की तरह वाहन सड़कों पर दौड़ने लगते हैं। ''

इंडियन इंस्टीट्यूट आफ ट्रापिकल मीदियरोलाजी में सफर (सिस्टम आफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रीसर्च) नामक संस्था के चीफ प्रोजेक्ट वैज्ञानिक, डा गुफरान बेग बताते हैं कि उन्होंने चार सफर शहरों - दिल्ली, मुंबई पुणे और अहमदाबाद- में एनओएक्स स्तरों तथा पीएम 2.5 स्तरों की तुलना करने के लिए पिछले दो सालों का डाटा प्रस्तुत किया है। बेग ने स्पष्ट किया, '' लाकडाउन ने हमें तालिका उत्सर्जन स्तरों को वैधता प्रदान करने का अवसर दिया है। जैसे ही हम वापस लौटेंगे हम प्रदूषण स्तरों का मुकाबला करने की स्थिति में रहेंगे। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कोविड-19 ने हम पर यह स्थिति थोप दी है लेकिन इसने हमारे लिए पूर्व की जानकारियों को सही कहना संभव बनाया है और हमें भविष्य के लिए अपनी प्राथमिकताओं में सुधार करने का अवसर प्रदान किया है। ''

ऐक्यूआई के अलावा, एक और बाध्यकारी प्रश्न हमारी ओर घूर रहा है, कि क्या इसका पर्यावरण पर प्रभाव पड़ेगा या नहीं। बेग बताते हैं कि जब कोई पर्यावरण का अध्ययन करता है, तो वह दूरगामी प्रभाव को देखता है। वह बताते हैं कि यह शुरूआत है लेकिन कुछ मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन बताते हैं कि कुछ बदलाव आ सकते हैं। बेग कहते हैं, '' कुछ बदलाव वायु संचार में हो रहे हैं जो ऊपरी वातावरण में ओजोन परत में तेजी से सुधार कर रहे हैं। लेकिन अभी किसी भी ठोस नतीजे तक पहुंचना जल्दबाजी होगा। ''

वायू प्रदूषण घटाने के लिए रणनीति तौर पर आर्थिक गतिविधि को घटाने की पैरवी करने वाली संस्था, क्लीन एयर एशिया, की इंडिया डायरेक्टर, प्रार्थना बोरा बताती हैं, कि जो चीज उत्साहित करने वाली है, वो यह कि विभिन्न क्षेत्र अब लाभकारी वायु गुणवत्ता की गतिविधियों के पुर्नगठन और मौजूदा कार्यशली यात्रा और व्यापार आयोजन की जगह वर्चुअल प्लेटफार्म जैसे नयी तकनीक का उपयोग करने के बारे में सोचेंगे जो वायु गुणवत्ता पर सकारात्मक प्रभाव की ओर ले जा सकता है।

बोरा का मानना है, '' हमें वायू प्रदूषण के समाधान के रूप में वायरस के कारण होने वाली महामारी से मरने के भय जैसी किसी विध्वसंक चीज की आवश्यकता नहीं हैं। हमें समझने का प्रयास करना चाहिए कि हालांकि वायु गुणवत्ता बेहतर हुई हैं मगर यह आर्थिक गतिविधि की पूर्णतया अनुपस्थिति के कारण बेहतर हुई है चाहे वो ट्रेफिक हो, सड़क, रेल, निर्माण कार्य बंद होना तथा कोई अन्य प्रदूषणकारी गतिविधि न होना हो। इसका कभी दूरगामी प्रभाव नहीं हो सकता क्योंकि हम आर्थिक गतिविधि से मुक्त दुनिया की कल्पना नहीं कर सकते। पिछले सप्ताह में, पीएम 2.5 35 पर आ गया था और पीएम 10 55 और 70 के बीच रहा। इसका अर्थ है, हालांकि यह विश्व स्वास्थ्य संगइन के मानकों के अनुसार उतना अच्छा नहीं है, मगर हम उस आधार को हासिल करने में सक्षम हैं जो राष्ट्रीय स्तरीय एक्यू मानकों को छूता है। यह उन लक्ष्यों की प्रक्रिया का मार्गदर्शन करेगी जिसकी हमें अपने लिए बढ़ी हुई आर्थिक गतिविधि के साथ निर्धारण हेतु आवश्यकता है और यह वृद्धि किस हद तक वायू प्रदूषण में बीस से तीस फीसदी कमी हासिल करने के साथ मेल खाती है जो हम हासिल करना चाहते हैं।''

वह बताती हैं कि वर्तमान एक्यूआई स्तरों को बनाए रखन आसान है जब एक बार चीजें सामान्य स्थिति में लौटती हैं। बोरा कहती हैं, '' हमें पर्यावरण पर अपना बुरा असर कम करने का सही तरीका तलाशने की जरूरत है।

>> पेज 3

दिलचस्प आंकड़े

ए क्यू आई स्तर - आरके पुरम नई दिल्ली सायं 4 बजे

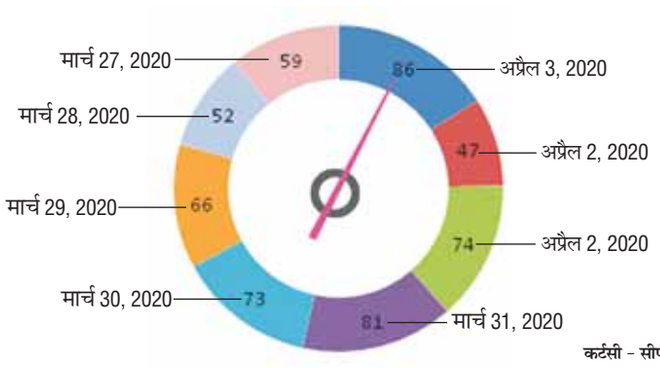

कर्टसी - सीपीसीबी

पट्रीकुलेट मैटर - आरके पुरम नई दिल्ली सायं 4 बजे

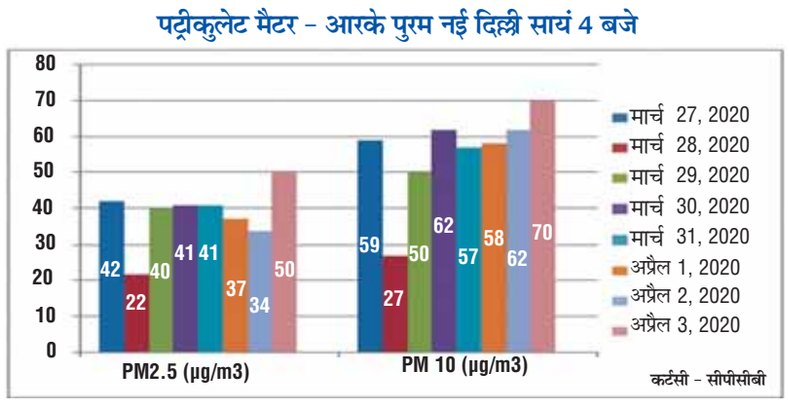

कर्टसी - सीपीसीबी

ग्राफिक : सतीश सी जखमोला

दिल्ली में कमी

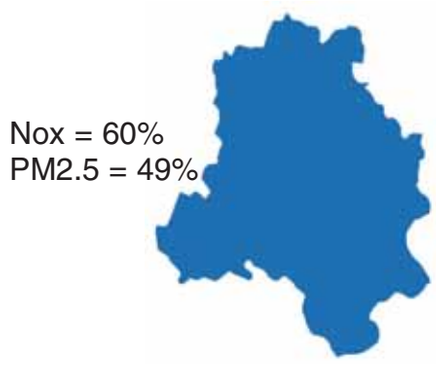

मुंबई में कमी

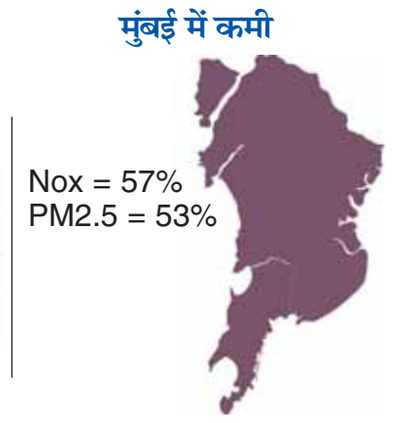

तैयार हों आसुरी शक्तियों से लड़ने के लिए

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

मौजूदा महामारी की पहली जरूरत है कि घबराना नहीं है। घबराने से आप अपनी तार्किक समझ व सजगता खो सकते हैं जो शायद आपको अपनी पूरी क्षमता के साथ अपनी लड़ाई जारी रखने का अवसर न दे। आइए विशेषज्ञों की सलाह के मुताबिक समूची सावधानी व देखभाल का उपयोग करते हुए स्थिति का मुकाबला करें। हमने पहले भी ऐसी महामारियों का सामना किया है। यह महामारी भी गुजर जाएगी। बाकी भरोसा रखें कि स्थिति जल्द सुधरने की शुरूआत हो सकती है।

सृष्टि परियोजना में, सूर्य की उन्नतिशील गति की पड़ताल के जरिए वैश्विक स्वास्थ्य स्थिति का पता चला है। जो 14 अप्रैल को अपने चरम पर पहुचने वाली है। तब तक, अपने स्वास्थ्य का सावधानीपूर्वक खयाल रखें और अपने सामूहिक दायित्वों के प्रति सजग भी रहें। स्थिति धीरे धीरे इसके बाद आसानी होने लग सकती है। जैसे ही सूर्य जून अंत तक उल्लेखनीय ढंग से राहु-केतु धुरी को लांघ जाता है, तो स्थिति नियंत्रण में आ सकती है।

विपरीत स्थिति में भी, यदि हम कभी अपनी सजगता खोते हैं और लापरवाह हो जाते हैं तो हम उसकी चपेट में आ सकते हैं। कुछ दिन पहले ही, चैत्र नवरात्र बीते हैं, जब भक्तों ने देवी दुर्गा मां की पूजा की होगी जो कि शक्ति का प्रतीक मानी जाती है। ध्यान दें, यह भारत में प्रमुख मौमसी बदलाव का समय है जब व्यक्ति खुद को नवीनता देने तथा आपात मौसम के दौरान चुनौतियों का सामना करने के लिए पूर्ण तैयार होने की जरूरत होती है। हम संयम कायम करते हैं और अपनी आहार दिनचर्या को नियमित करते हैं ताकि अपनी समग्र स्वास्थ्य स्थिति के लिए अत्यावश्यक, अपनी पाचन प्रणाली को साध सकें। नियमित प्रार्थनाएं मन की उलझनों का नाश करने में सहायता करती हैं, आत्मविश्वास की पुन: प्राप्ति होती है, और मानसिक शक्तियों को मजबूती हासिल होती है।

यहां यह ध्यान देना उचित हो सकता है कि समस्त प्राचीन पौराणिक कहानियां अनिवार्यतया आतंक की चर्चा करती हैं- देवताओं व राक्षसों के बीच युद्ध, जिसमें, असुरों को हमेशा पहले खुशी प्राप्त होती है। क्यों ? शायद, देवता लापरवाह हो गए होते हैं, अंजान शक्तियों के आसन्न खतरे के खिलाफसजग नहीं रहे और उन्होंने अपने सामूहिक दायित्वों की अपनी समझ को भुला दिया। इसीलिए वे पराजित हुए। लेकिन जब सभी देवता एकत्रित होते हैं, चेतना की परत शक्तिशाली व सर्वज्ञानी असीम शक्ति- ईश्वर का आह्वान करते हैं, तो वे आसुरी शक्तियों को पराजित करते हैं और अपनी खोई भूमि पुन: हासिल करते हैं। उपरोक्त रूपक के आयात को अन्य किसी व्याख्या की आवश्यकता नहीं होती है।

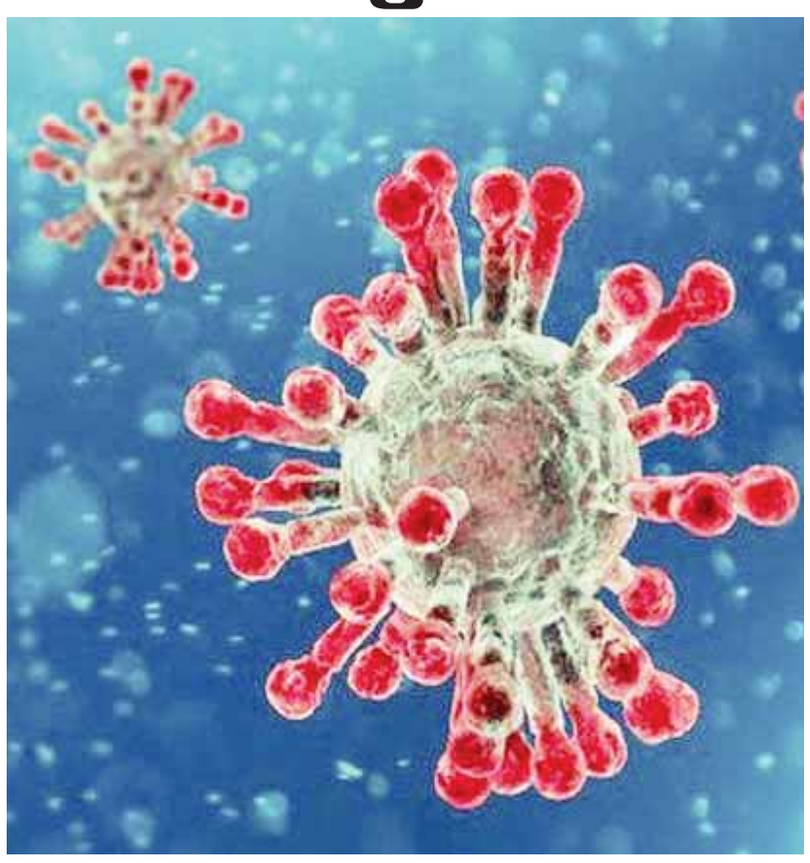

देवी मां, जिस रूप में हम उन्हें समझते हैं, को दस हाथों वाला दिखाया गया है- जिनमें आठ हाथों में शस्त्र लिए हुए तथा शेष एक हाथ में शंख, दूसरे में कमल का फूल लिए हुए। पहला, दस निर्देश हैं। दूसरा, दस इन्द्रीय अंग- पांच अवधारणा तथा पांच कर्म संबंधी। वह अपने शस्त्रों से आठ दिशाओं से आने वाली बुरी शक्तियों से युद्ध करती हैं तथा शेष दो हाथ उत्पादकता को रेखांकित करते हैं।

शंख को जब बजाया जाता है तो उसे ओम जैसी ध्वनि उत्पन्न होती है- आदि ध्वनि जिसे आदिस्रोत से होने वाली पहली गति से उत्पन्न माना जाता है जिसके कारण सृष्टि चक्र की शुरूआत हुई। इस प्रकार शंख सृष्टि में, स्वाभाविक तौर पर उत्पन्न परम उर्जा का प्रतीक है। सभी रंगों की असंख्य पंखुडियों में कमल का फूल सृष्टि की विकरालता व विविधता का प्रतीक है। गौर करें, कमल का फूल जल कें अंदर कीचड़ में खिलता है। लेकिन फूल की पत्तियों पर मिट्टी या पानी की बूंद के ठहरने का नामोनिशान तक नही होता, जो दर्शाता है कि परम शक्तिशाली होने के बावजूद, फिर भी, देवी किसी भी प्रकार का अहंकार या आसक्ति भाव नहीं रखती हैं।

आसुरी शक्तियां चौतरफा दिखाई देती हैं, हमें अपना निशाना बना रही हैं। उनकी मारक क्षमता को कहीं अधिक तीव्र तथा तुलनात्मक रूप से हमारी उत्पादक पहलकदमियों के मुकाबले अधिक व्यापक महसूस किया जाएगा, जो हमें अपने साथ बहा ले सकती है यदि हम जरा भी लापरवाह हो गए। इसीलिए, हमें अपने अस्तित्व के लिए अत्यावश्यक, अपनी उत्पादक क्षमता का अधिकतम उपयोग करने हेतु आसुरी शक्तियों के खिलाफसंघर्ष की मुद्रा में पूर्णतया सजग रहने की आवश्यकता है।

अब, दानवों से हमारा ही मुकाबला क्यों होता है? कहा जाता है कि दानव मायावी होते हैं, विभिन्न प्रकार की भ्रामक उपस्थितियों के जरिए हमें बहकाने तथा अपने साथ बहा लेने में सक्षम होते हैं। याद रखें, दुनिया में कहीं भी ऐसा जीवन रूप मौजूद नहीं है। यह बहुत चारित्रिक है, आंतरिक व बाह्य रूप में सक्रिय आसुरी शक्तियों में मौजूद खतरे के उदाहरणस्वरूप स्पष्ट अर्थों में। कोरोना वायरस को हमारे आसपास मौजूद प्राणघातक क्षमता रखने वाली अदृश्य आसुरी शक्तियों के रूप में लिया जा सकता है। हमारे मन में बैठी नकारात्मक स्मृतियां हमारे भीतर सक्रिय आसुरी शक्तियों का एक और रूप हैं, जो अक्सर हमारी तार्किक क्षमता व समझदारी छीन लेती हैं जिसका भारी खामियाजा हमें भुगतना पड़ सकता है। आइए जीवन के सहज प्रवाह हेतु ऐसी आसुरी शक्तियों का मुकाबला करने के लिए हमेशा युद्धरत हुआ जाए।

घर को बनाएं कोरोना मुक्त

जैसा कि जानलेवा कोरोना वायरस महामारी तेजी से फैल रही है, लोग खुद को सुरक्षित रखने की हरसंभव कोशिश कर रहे हैं लेकिन आपके अपने घर का क्या हाल है? अपने घर को कोरोना वायरस मुक्त बनाने के लिए, स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कुछ नुस्खे साझा किए हैं, मसलन वायरस से लड़ने के लिए हर बार खाना पकाने के बाद किचन की समूची सतहों की सफाई करना और बाहर और अंदर काम करने के जूते चप्पलों को अलग अलग करना।

नयी दिल्ली में फोर्टिस मेमोरियल रीसर्च इंस्टीट्यूट के न्यूरोलाजी अध्यक्ष एवं निर्देशक, प्रवीण गुप्ता के अनुसार, अपने घर को कोरोना वायरस से मुक्त करने के लिए साबुन व अन्य उपलब्ध असंक्रामकों से सभी सतहों की नियमित रूप से सफाई होनी चाहिए।

गुप्ता ने कहा, '' सतहों की सफाई के अलावा, लाइट स्विच, डेस्क, कीबोर्ड, दरवाजे की हत्थे, कुंडियों, टायलेट, अलमारियों को भी साफकरना चाहिए। कृपया सुनिश्चित करें कि आप नंगे हाथों से किसी भी चीज को छूते नहीं हैं, दस्ताने अनिवार्य पहनते हैं और यह भी ध्यान रखते हैं कि सफाई के बाद उन दस्तानों को उचित निस्तारण हो। ''

बहरहाल जब आप बाहर से सब्जियां और फल खरीद रहे हैं तो कृपया सुनिश्चित करें कि आप घर में दाखिल होने से पहले थैले की बहुत सावधानीपूर्वक सफाई रखते हैं। यदि संभव हो, तो सलाह है कि आप थैलों को अपने घर से बाहर रखें या कम से कम 24 से 48 घंटों तक किसी कोने में रख दें।

डाक्टरों ने सलाह दी, '' यह मानते हुए कि कोरोना वायरस ड्रापलेट्स के जरिए फैलता है, अपनी सब्जियों व फलों को पोटेशियम परमेंगनेट सोल्यूशन में धोना सुनिश्चित करें या आप इन्हें कम से कम 5 से 10 मिनट तक गर्म पानी से भी धो सकते हैं। ''

यथासंभव घर पर रहें लेकिन कई बार ऐसा होता है जब हम सब्जी या दवा की दुकान पर जाने से बच नहीं पाते हैं। इन्द्रप्रस्थ अपोलो हास्पिटल में रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग में सीनियर सलाहकार, राजेश चावला ने कहा, '' अनावश्यक किसी बाजार क्षेत्र में आने जाने से बचने और घर पर रहने की सलाह है। विस्तार से छूने वाली हर चीज को संक्रमित होने से बचाएं और सुनिश्चित करें कि आप निरंतर अपने हाथ धोते हैं। साथ ही, घर के पिछवाड़े में अपने पालतू जानवरों की देखरेख करें और उन्हें अन्य लोगों के साथ खेलने या मिलने से दूर रखें। ''

उन्होंने जोड़ा, '' अपने घर का हर कोना साफकरने के लिए हाइपोक्लोराइट का उपयोग करें या ब्लीचिंग पाउडर से अपने घर को साफकरें। ''

अगर आपके घर में कोई बीमार है, तो कृपया सुनिश्चित करें कि उस व्यक्ति से एक दूरी बरकरार रहे तथा उसके कपड़ों को अलग से धोना चाहिए।

चावला ने कहा, '' उपरोक्त सभी गतिविधियां करने के दौरान व्यक्ति को समझने की जरूरत है, दस्ताने पहनना अनिवार्य है और जब आप अपने कपड़ों को लांड्री में दे रहे हैं, तो कृपया निस्तारणयोग्य दस्तानों का उपयोग करें तथा बेहतर है कि अपने कपड़ों को अपने घर पर ही धोएं और किसी भी बाहरी संपर्क से दूर रखें। ''

नयी दिल्ली में श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट के इंटरनल मेडिसिन के विभागाध्यक्ष, डा सुधीश सेहरा ने कहा कि अपने हाथों को निरंतर धोते रहने के अलावा, घर और उसकी प्रत्यक्ष दीवारों की निरंतर सफाई करना भी बहुत जरूरी है।

सेहरा ने कहा, ''मास्क या रूमाल जैसे वैकल्पिक कपड़े से अपना चेहरा ढंककर, बुनियादी झाड़ू-बुहारन से शुरूआत करें तथा फर्श और फर्नीचर सतरों को संक्रमणमुक्त करें। खाना पकाने के बाद हर बार किचन की सारी सतहों की सफाई करें । घर में रहने व बाहर जाने के जूते चप्पल अलग अलग रखें।''

खुशी का फार्मूला

वेणु गोपाल आचार्य का कहना है कि सांस लेना- आकलन करना- स्मार्टफोन व्रत रखना या उससे दूरी रखना- जीवन में बस इन तीन सिद्धांतों को अपनाएं और फर्क देखें कि इनके किस प्रकार आपके आंतरिक जगत में बदलाव आते है

कुछ ऐसी चीजें हैं जिनके बारे में हमें अपने बचपन से पता होता है और फिर कुछ ऐसी चीजें होती हैं जिन्हें हम अपने सहजबोध से महसूस करते हैं जो हमारा मार्गदर्शन करती हैं कि हमारे लिए क्या अच्छा है और क्या नहीं, फिर भी हम उन्हें गंभीरता से आजमाने की कभी कोशिश नहीं करते। और जो हमारी बेचैनी का खासा कारण बन सकता है। प्रस्तुत है खुशी और संतुष्टि प्रदान करने वाले तीन जाने बूझे मगर लगभग नजरंदाज कर दिए परिवर्तनकारी जीवन- सिद्धांत।

सांस लें, स्थिर हों

हम सभी सांस लेते हैं लेकिन क्या हम इसके प्रति सजग हैं? अपने सेमिनारों में, मैं अक्सर प्रतिभागियों से कहता हूं कि वे अपने हाथ अपने पेट पर रखें और अपनी सांसों की आवाजाही को महसूस करें। जब आप सांस लेते हैं, तो आपका पेट उभरता या फूलता है या फिर पिचकता या अंदर की ओर जाता है? क्या होता है जब आप सांस छोड़ते हैं ?इस पर क्लास लगभग बंट जाती हैं, आधे लोग सांस लेते समय अपने पेट के अंदर जाने का दावा करते हैं तो अन्य आधे लोगों को कुछ पता नहीं चलता है। प्राप्त नतीजा दावा करता है कि हमें मालूम ही नहीं है कि सांस कैसे लें। यह कुछ ऐसी क्रिया है जिसे जानवर तक बहुत स्वाभाविक रूप से करते हैं। हमारा खुद के साथ व प्रकृति के साथ बिलगाव भयानक है, इसीलिए हम सामान्य रूप से तथा सजगतापूर्वक सांस लेना नहीं सीख पाते।

सरल तकनीक है, कि गहरी सांस लें और चार तक गिनें, सांस को आठ तक की गिनती गिनने तक रोके रखें और फिर धीरे धीरे आठ तक गिनती गिनते हुए सांस छोड़ें।

अपनी सांस की ध्वनि पर ध्यान दें, जब आप सांस लेते और छोड़ते हैं तो उसकी आवाज को सावधानीपूर्वक सुनें। आपको तत्काल, अपने मन का भटकाव का पता चलेगा। धीरे धीरे, मन को वापस श्वांसक्रिया पर लाएं और दस मिनट में आप अपने भीतर नयी उर्जा का संचार महसूस करेंगे। दिन भर के दौरान पांच मिनट की कुछ ऐसी अवकाश प्रक्रियाएं या दस मिनट की अवकाश प्रक्रियाएं आपके दिन को अधिक फलदायी बना सकती है।

आंकलन ज्यादा, आंकना कम

दूसरा, आप सिर्फआंकलन का प्रयास कर सकते हैं, जहां आप आहिस्ते से मन को वर्तमान की ओर लौटा सकें और धारणाओं को दूर कर सकें। एक बार मैं हवाई सफर पर था, मैंने एक यात्री को अपनी सीट से खड़े देखा। वह इधर उधर देखता था, उसका चेहरा फड़क रहा था, और फिर अचानक मुस्कुराते हुए वह जल्दी से दुबारा अपनी सीट पर बैठ गया। कुछ सेकेंड बाद, वह फिर से खड़ा हुआ और आगे पीछे भागता रहा, अपने आपमें बड़बड़ाते हुए। मैंने अपने आपमें सोचा कि वह निश्चित रूप से अपनी पत्नी से नाराज है। फिर मुझे तत्काल आभास हुआ कि मैंने धारणा बना ली है। आखिरकार, मैं कैसे बता सकता था कि वह अपनी पत्नी से नाराज था या वह उसकी पत्नी थी? फिर मेंने खुद को उस व्यक्ति के प्रति धारणा बनाने का दोष दिया और वह पुन: एक धारणा थी। इस बार मैंने धीरे से अपने मन को कहा, '' प्रिय मन कृपया वापस लौट आओ और बिना पूर्वाग्रह के आंकलन करो। ''

जब आप बिना कोई लेबल लगाए आंकलन करते हैं, तो आप खुद को अपने अराजक मन से मुक्त कर लेते हैं और वास्तविकता के उच्च दायरे में प्रवेश करते हैं। यह मंच आपके अपने पूर्वाग्रहों से परे है। अक्सर हम चूक करते हैं क्योंकि हम देखते कम हैं और आंकते ज्यादा हैं। बल्कि, यदि हम अधिक देखें और आंकें कम, तो संभावना है कि हम वास्तविक तस्वीर को देखेंगे और अपने फैसले को बेहतर बनाएंगे। आंकलन क्रियाएं चमकीली किरणों जैसी होती हैं, वे भ्रम की धुंध को हटाने व स्पष्टता लाने में हमारी सहायता करती हैं।

स्मार्टफोन व्रत

सोशल मीडिया व आभासी दुनिया की अत्यधिक खुराक आपकी वैयक्तिकता का गला घोंट सकती है। इलेक्ट्रानिक जगत का असाधारण दौर व्यक्ति को उसकी भावनाओं व आवश्यकताओं से काट सकता है।

पारंपरिक व्रत का आधुनिक संस्करण सप्ताह में कुछ समय के लिए आपको अपने उपकरणों को त्यागना है। अनेक मठों में, संयासी कभी कभी पके हुए अनाज व चावल का व्रत रखते हैं। आध्यात्मिक फायदों के अलावा, यह हमारे पाचन तंत्र को आराम देता है। शरीर से विषाक्त बाहर होते हैं और आप कुछ मिलाकर बेहतर महसूस करते हैं। इसी प्रकार अपने आंतरिक जगत में, काफी सारा कोलाहल शांत हो आता है जब हम सामाजिक इलेक्ट्रानिक मीडिया से दूरी बनाते हैं। अलग अनुभव के तौर पर हम यह वास्तविक आदान प्रदान कर सकते हैं।

पहले से कही अधिक, हमें अब ठहरने, इस पूरे शोर से अलग हटने तथा अपने सरों के उपर फैले व्यापक आकाश को देखने की जरूरत है, बजाय इसके कि हम अपने उपकरणों में खोए रहें। आइए कहीं अधिक गहरे ढंग से अपने आतंरिक जगत से जुड़ें और अपने इर्दगिर्द की खुबसूरती को देखें।

लेखक प्रवचनकर्ता तथा माइंड योर माइंड: थ्री प्रिंसिपल्स फार हेप्पी लिविंग नामक पुस्तक के लेखक हैं।

इस हफ्ते आपका भविष्य

मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

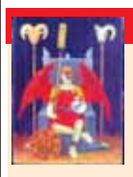

इस सप्ताह आपके भावनात्मक स्वास्थ्य पर तनाव और चिंताएं भारी पड़ेंगे। लापरवाही के कारण, चिकित्सा समस्या बढ़ सकती हैं। बीपी और हृदयरोग मरीजों को सावधान रहने की जरूरत है। कुछ लोगों को आपात चिकित्सा सहायता की आवश्यकता पड़ सकती है। किसी भी स्वास्थ्य समस्या के मामले में चिकित्सा जांच कराएं। आप शांत व आशावादी रहने की जरूरत है क्योंकि क्रोध व बेचैनी धीमे जहर की तरह काम करते हैं। स्वस्थ जीवन की कुंजी है प्रसन्नता। करियर मोर्चे पर, आप बेरोजगारी के कारण अवसादग्रस्त महसूस करेंगे। नौकरीशुदा लोगों को नौकरी जाने का भय महसूस होगा।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** शनिवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

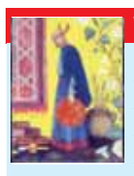

यदि स्वास्थ्य समस्या उभरती है, तो आपकी अपनी शारीरिक रोग का मूल कारण जानने के लिए अपने पारिवारिक पृष्ठभूमि को देखने की जरूरत है। अनुवांशिक कारक आपकी बिमारी का कारण हो सकते हैं। अपने पारिवारिक चिकित्सा इतिहास का रिकार्ड रखें। यदि कोई खांसी जुकाम के लक्षण दिखते हैं तो डाक्टरी सलाह लें। स्थिति जल्द नियंत्रण में आ जाएगी, रोकथाम उपचार के मुकाबले बेहतर है। कार्य मोर्चे पर, आपके सहकर्मी व सहयोगी आपसे मार्गदर्शन की उम्मीद करेंगे। आपकी सलाह की कद्र होगी और उसे लागू किया जाएगा।

शुभ अंक: 19 **शुभ रंग:** बैजनी **शुभ दिन:** गुरूवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

अकेलेपन व अवसाद के कारण इस सप्ताह आप सुस्त रहेंगे। एकांत व अलगाव मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छे नहीं हैं। सकारात्मक एवं मस्त व्यक्तित्व बनाने पर ध्यान दें। ध्यान करें और यदि आवश्यकता हो तो आध्यात्मिक गुरू से परामर्श लें। करीबीजनों से अपने अनुभव साझा करने से राहत मिलेगी। कार्य मोर्चे पर, आप आमदनी का नया स्रोत पा सकते हैं। यह आपका आत्मविश्वास निर्मित करने में सहायता करेगा। आपमें से कुछ लोग तय लक्ष्य हासिल करने में सक्षम होंगे। कार्य बोझ के कारण आपके संबंध प्रभावित होंगे।

शुभ अंक: 30 **शुभ रंग:** हरा **शुभ दिन:** सोमवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

यह सप्ताह राहत लेकर आएगा। आप आशावादी, मस्त व तरोताजा महसूस कर सकते हैं। पुरानी निराशा समाप्त होगी। अपने करीबीजनों के साथ रहना आपको व्यस्त रखेगा। आपसे जुड़े लोग आपके व्यक्तित्व से आकर्षित होंगे। खूब पानी पीएं। करियर स्तर पर, यह अच्छा सप्ताह है। आपकी सभी कामनाएं पूरी होंगी और आपके विचार कार्यान्वित किए जाएंगे। इस सप्ताह को सर्वोत्तम उपयोग करें। छात्रों को इस समय का अपना ज्ञानाधार मजबूत बनाने हेतु उपयोग करने की जरूरत है। व्यक्तिगत मोर्चे पर, तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से सावधान रहें।

शुभ अंक: 24 **शुभ रंग:** हरा **शुभ दिन:** **शनिवार**

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

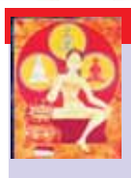

अवसादग्रस्त अवस्था के लोगों को इस सप्ताह राहत प्राप्त होगी। आप अपने जीवन में खुशियां लाने के तरीके प्राप्त करेंगे। आप उन लोगों के हस्तक्षेप की महत्ता को महत्व देंगे जिनके साथ आप अपने दुख बांट सकें। अपनी ताजगी व मनोरंजन के तरीके तलाशें। समझें कि बदलाव ही स्थायी है और यह समय भी बीत जाएगा। सकारात्मक मन:स्थिति आपकी प्रसन्न रहने व स्वस्थ बने रहने में सहायता करेगी। करियर मोर्चे पर, आपको अपने संवाद में सजग रहने की जरूरत है। अपनी कार्ययोजनाओं को किसी के साथ साझा न करें।

शुभ अंक: 15 **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ दिन:** शुक्रवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

इस सप्ताह आप शांति व आंतरिक राहत पाने के लिए आध्यात्मिक कार्यों में समय बिताएंगे। दुनिया में मौजूदा उथलपुथल के बीच खुद को शांत रखने व चुनौतियों का सामना करने हेतु संतुलन लाने व क्षमता हासिल करने के लिए आप ध्यान व योग की शरण लेंगे। आप अपने शरीर में नयी उर्जा महसूस करेंगे और जो आपको जिंदादिल व्यक्ति बनाएगी। पेशेवर रूप् में, आप ऐसी स्थिति का सामना कर सकते हैं जहां आप विरोध का सामना करेंगे। आपके सहकर्मी शायद आपके नजरिए से सहमत न हों। यह आपको जिद्दी व आक्राम बनाएगा।

शुभ अंक: 17 **शुभ रंग:** कॉपर **शुभ दिन:** मंगलवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

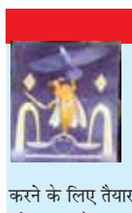

इस सप्ताह आप बहुत चमत्कारिक रहेंगे। आप अपने आकर्षक एवं प्रसन्नचित व्यक्तित्व से लोगों को आकर्षित करेंगे। आप अत्यंत ऊर्जावान हैं और उत्साह से जीवन का सामना करने के लिए तैयार हैं। बीमार लोगों को किन्हीं भी लक्षणों को, खासतौर पर महामारी से जुड़े, नजरंदाज नहीं करना चाहिए। अपनी दिनचर्या को नियमित करें और अनुशासित जीवन जीएं। आपकी लालसाएं व इच्छाएं उभार पर होंगी और आपके स्वस्थ जीवन के नियमों को भंग कर सकती हैं। शराब सेवन व मसालेदार भोजन से बचें। पेशेवर रूप में, आप संतुष्ट रहेंगे।

शुभ अंक: 2 **शुभ गुलाबी :** हरा **शुभ दिन:** मंगलवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

आप अपने स्वास्थ्य को लेकर बहुत संवेदनशील व भावुक रहेंगे। महिलाएं, बंधन, खीज व चिड़चिड़ापन महसूस कर सकती हैं। जीवन की जादुई ऊर्जा सामने लाने के लिए समय निकालें और अपने इर्दगिर्द प्रवाहित प्रेम को महसूस करें। हाई बीपी जैसी समस्याओं के प्रति सजग रहने की जरूरत है। कोई महिला नयी व गहन आध्यात्मिक समझदारी में अग्रसर होने में आपकी सहायता कर सकती है। पारिवारिक व्यापार करने वालों को परिवार के बुजुर्गों के साथ महत्वपूर्ण मसले का समाधान करने व उनसे राय लेने की जरूरत है।

शुभ अंक: 14 **शुभ रंग :** गुलाबी **शुभ दिन:** गुरूवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

शांत रहना आपकी खुशी का राज है। आप एकरस दिनचर्या को तोड़ना और भावी जीवन का सामना करने के लिए खुद के प्रोत्साहित करना चाहते हैं। ज्ञान की आपकी खोज आपको खामोश बैठने नहीं देगी। आप ऐसी नयी योग्यताएं सीखना आरंभ करने वाले हैं जो आपके बहुआयामी व्यक्तित्व में चार चांद लगा देंगी। चूंकि आप हर समय घर पर हैं, उचित खुराक व शारीरिक व्यायाम द्वारा अपना स्वास्थ्य सुधारें। पेशेवर रूप में, सप्ताह संतोषजनक है। वित्त के मामले में यह अच्छा समय है। अतीत में किए गए निवेश का अब आपको अच्छा लाभ प्राप्त होगा।

शुभ अंक: 22 **शुभ रंग:** कोरल **शुभ दिन:** शनिवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

यह सप्ताह आपके लिए बहुत आध्यात्मिक प्रेरणा देने वाला है। अपने जीवन में बदलाव लाने का यह सही समय है। बदलाव ठोस है और इसे रोकना आपके स्वास्थ्य के लिए बुरा हो सकता है। अपने तनाव स्तर को काबू में रखने के लिए जो कुछ भी संभव हो, वह करें। ध्यान व प्राणाम करें। अच्छी खुराक व उचित व्यायाम स्वाथ्य के दो प्रमुख स्तंभ हैं। करियर मोर्चे पर, चुनौनियां आपकी प्रतीक्षा में हैं, लेकिन आपके अंदर उनका सामना करने की पूरी क्षमता है। इस अराजक परिदृश्य में अपने निजी व पेशेवर जीवन के बीच सतुंलित नजरिया अपनाएं।

शुभ अंक: 8 **शुभ रंग:** लाल **शुभ दिन:** सोमवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

यह सप्ताह ऊर्जा से भरा है। बीमार लोग बेहतर व पहले से स्वस्थ महसूस करेंगे। अधिक समय देने के कारण, आप अपनी आध्यात्मिक खोज में, नए दायरों में प्रवेश हेतु तैयार हो रहे हैं। आप स्वस्थ रहने के लिए सभी सावधानियां व उपचारक उपाय अपनाएंगे। योज, प्राणायाम व ध्यान जैसी पारंपरिक उपचार विधियां आपके लिए सर्वोत्तम लाभकारी होंगी। अपनी क्षमताओं का रचनात्मक उपयोग करें। कार्य स्तर पर, नयी शुरूआत है और आप रूकने वाले नहीं हैं। आप जितना अधिक प्रयास करते हैं आप उतना ही सफल होते हैं। मीडिया वालों के लिए यह सप्ताह अच्छा है।

शुभ अंक: 10 **शुभ रंग:** फिरोजी **शुभ दिन:** शुक्रवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

यह सप्ताह आपको साझीदारी में देखेगा, चाहे आध्यात्मिक या स्वास्थ्य दिनचर्या के संबंध में। अपने चक्रों के संतुलन पर अपनी ऊर्जा लगाने पर ध्यान दें, यह मददगार होगी। अपने तन, मन व आत्मा पर ध्यान दें। इससे आपको अन्य तमाम प्रयासों से अधिक लाभ प्राप्त होंगे। आपका स्वास्थ्य आपकी अपेक्षा से कहीं बेहतर होगा। मौजूदा महामारी के कारण, करियर मोर्चे पर उतार-चढ़ाव का सामना कर सकते हैं। गहन अंतर्मन से आप जानते हैं कि क्या करने की जरूरत है। समझें कि यदि आप धैर्य रखते हैं तो स्थितियां आपके पक्ष में घटित होंगी।

शुभ अंक: 23 **शुभ रंग:** हल्का रंग **शुभ दिन:** बुधवार

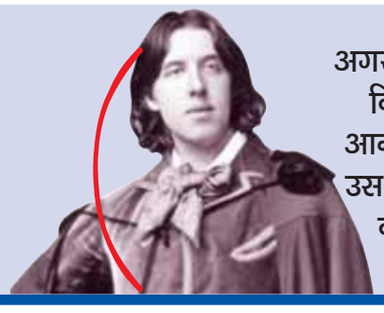

अगर कोई बार बार किसी किताब को पढ़ने का आनंद नहीं ले सकता तो उस किताब को पढ़ने का कोई फायदा नहीं है
- आस्कर वाइल्ड

कोरोना वायरस से लड़ने और घर से काम करने के दौरान खुद को शांत रखने के लिए प्रस्तुत हैं विशेषज्ञों द्वारा बताए गए कुछ तरीके

आयुर्वेदिक कवच

क्या आप वो समय याद कर सकते हैं जब आप अपने बच्चों के साथ खुशी खुशी घूमने गए थे? आपने अपने लिए कब खरीदारी की थी? क्या आप अपने सहकर्मियों के साथ बिताए काफी ब्रेक को याद करते हैं? खैर, यह बातचीत आज की वास्तविकता से कहीं दूर खड़ी नजर आती है जब दुनिया संकट का सामना कर रही है। दुनिया के एक बड़े हिस्से ने, जो कोविड-19 के कारण सुनसान सड़कों के साथ जागता है, लाकडाउन और खाली पड़ी सब्जी की दुकानों को जीने के तरीके के रूप में स्वीकार कर लिया हैं।

वायरस अपने वैश्विक असर के कारण एक सामाजिक व आर्थिक खतरा बन गया हैं। इसने हमारे खाने, उठने बैठने, काम करने, खेलने व यात्रा करने का तरीका बदल दिया है। लेकिन जो चीज और भी ज्यादा भयावह है, वो यह कि हमने अभी तक इसका इलाज नहीं पाया है। डाक्टर व वैज्ञानिक अभी भी इस वायरस के लिए टीका बनाने की खोज करने में लगे हुए हैं। इस समूचे संकट में, ऐसे विशेषज्ञ हैं जो महसूस करते हैं कि आयुर्वेदिक तरीकों का पालन करके व प्रतिरक्षण क्षमता विकसित करके हमें इस वायरस से लड़ने में सहायता मिल सकती है।

यहां प्रस्तुत हैं आयुर्वेद विशेषज्ञ आचार्य मनीश एवं जीवा आयुर्वेद , निर्देशक, आयुर्वेदाचार्य डा प्रताप चौहान, द्वारा महामारी से लड़ने के कुछ तरीके।

कोरोना वायरस को रोक सकता है आयुर्वेद

आयुर्वेद में मजबूत पाचनतंत्र किसी भी वायरस और बिमारी से लड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। महामारी से लड़ने के लिए स्वस्थ जीवनशैली का चुनाव करना तथा आर्गेनिक उत्पादों को अपनाना महत्वपूर्ण कदम हैं। इसके अलाव, आयुर्वेद विशेषज्ञ, आचार्य मनीश द्वारा प्रस्तावित कुछ नुस्खे इस प्रकार हैं:

- जैसा कि हम सभी जानते हैं, अभी नवरात्र बीते हैं, और लोगों ने व्रत रखा थां हालांकि लोग धार्मिक कारणों से आमतौर पर ऐसा करते हैं लेकिन सप्ताह में कम से कम एक बार व्रत रखना स्वास्थ्य के लिए अच्छा है। इसे शरीर विषाक्तमुक्त होता है और प्रतिरक्षण तंत्र बेहतर होता है।
- व्रत के दौरान, सलाद, सब्जियां, ड्राई फ्रूट्स, बीज, नारीयल पानी व हर्बल चाय पीते हैं। यह खुराक वायरस को फैलने से रोक सकती है।
- गिलोय, हली, अश्वगंधा, तुलसी व आंवला जैसी आयुर्वेदिक जड़ीबूटियों का सेवन करें। यह प्रतिरक्षण सुधारने में असरकारी हैं।
- चूंकि वायरस संक्रमित मरीजों के संपर्क में आने से फैलता है, इसलिए उससे परहेज करें और निरंतर हाथ धोना व स्वयं को एकांत में रखना जैसे स्वच्छता दिशानिर्देशों को पालन करें यदि वायरस के कोई लक्षण नजर आते हैं।
- इन दिनों गरिष्ठ भोजन, अंडा, मांस व मछली खाने से परहेज करें।
- छींकते समय नेप्किन, टिशू पेपर का उपयोग करें और उसे उपयोग के बाद कूड़ेदान में फेकें।
- कोशिश करें कि किसी पशु के संपर्क में न आएं।
- गर्म पानी पीएं, जिसे आयुर्वेद में उष्ण जल भी कहा जाता है। यह पाचन में आसान है और शरीर से विषाक्तों को बाहर निकालता है। यह शरीर के प्रतिरक्षण को बनाए रखने में भी सहायता करता है और वायरल संक्रमणों व वायरस संबंधी लक्षण-श्वांसकारी समस्याओं से बचाता भी है।

अपना प्रतिरक्षण मजबूत करने पर ध्यान दें

आपको सिर्फ कोरोना वायरस से लड़ने के लिए प्रतिरक्षण निर्माण पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है बल्कि बैक्टीरिया व वायरसों के कारण होने वाली सभी बिमारियों से लड़ने के लिए ऐसा करने की आवश्यकता है। आचार्य मनीष कहते हैं, ''आपने देखा होगा कि अनेक लोग अक्सर बीमार पड़ते हैं या ज्यादातर खांसी का शिकार रहते हैं जबकि अन्य बिरले बीमार पड़ते हैं। यह अंतर प्रतिरक्षण तंत्र के कारण है। कमजोर प्रतिरक्षण तंत्र वाला व्यक्ति अक्सर बीमार पड़ता है। ''

वह जोड़ते हैं कि तुलसी, गुडुची व हल्दी को खुराक में शामिल करने से शरीर का प्रतिरक्षण सुधारने में सहायता हो सकती है। स्वस्थ भोजन करना प्रतिरक्षण सुधारने का पहला कदम है। व्यक्ति को नियमित रूप से संतर और अंगूर जैसे साइटरस फ्रूट भी खाने चाहिए । उनमें विटामिन सी होता है जो माना जाता है कि इससे श्वेत कोशिकाओं के निर्माण में वृद्धि होती है। ब्रोकली भी शरीर का प्रतिरक्षण तंत्र बढ़ाने में सहायता करती है क्योंकि इसमें विटामिन ए, सी और ई तथा भारी मात्रा में फाइबर होता है।

आयुर्वेदाचार्य डा प्रदीप चौहान, जो जीया आयुर्वेद के निर्देशक हैं, बताते हैं कि व्यक्ति को नियमित चाय पीने से बचना चाहिए। जैसा कि हम घर से काम कर रहे हैं, हमारी दिनचर्या दांव पर लगी हुई है। कार्य तनाव से निपटने के लिए, हम अपनी केफीन खुराक बढ़ा देते हैं। लेकिन यह समय है जब हम अपनी नियमित कैफीन खुराक की जगह आयुर्वेदिक चाय पीएं। कोई इसे घर पर अदरक, तुलसी पत्ती व शहद के साथ बना सकता है। ये पौष्टिक तत्व श्वांसकारी तंत्र व प्रतिरक्षण के लिए भी अच्छे हैं। न केवल यह, ये तनाव से राहत भी हासिल होती है।

ब्राह्मी, अश्वगंधा, जटामानसी, शंखपुष्पी, सर्पगंधा भी तनाव घटाने में मददगार हैं।

योग, एक अनिवार्यता

डा प्रताप कहते हैं, ''योग अब जीवनशैली खुराक मात्र नहीं रह गया है, वह एक अनिवार्यता बन गया है। रोज सुबह तीस मिनट तक योग का अभ्यास करें। सुबह अपने मन को साधने से यह समूचे दिन भर तनावपूर्ण हमलों को झेलने में सक्षम रहेगा। अपने घर में एक शांत जगह चुनें, मसलन आपकी बालकनी या एक खुली खिड़की के निकट और पद्मासन, शवासन और अन्य आसनों का अभ्यास करें।''

आयुर्वेद को भूल गए हैं लोग

यह सबसे प्राचीन परंपरागत उपचार पद्धतियों में से एक है। इस परंपरागत प्राचीन ज्ञान में हर रोग का उपचार करने की क्षमता है। लेकिन आचार्य मनीष सवाल उठाते हैं कि लोगों ने आयुर्वेद को क्यों भुला दिया और यह क्यों महत्वपूर्ण है?खैर, संभवतया चूंकि यह धीमें असर डालती है और लोग त्वरित परिणाम चाहते हैं।

आचार्य मनीष कहते हैं, '' इस त्वरित गतिमान जीवन में लोग ऐलोपेथिक दवाइयों से जुड़े हुए हैं क्योंकि वे तेजी से नतीजे देती हैं। यह इसलिए कि यह केवल बिमारी के लक्षणें को मारती हैं। इसके विपरीत, आयुर्वेद रोग की मूल कारण पर काम करता है। हमें इस तथ्य पर ध्यान देने की जरूरत है कि आयुर्वेद के पास सभी रोगों का इलाज है।

यह समय लेता है लेकिन बगैर किसी दुष्प्रभाव के उचित ढंग से बिमारियों का उपचार करता है।''

बेचैनी को रखें दूर

कोविड-20 के कारण मनोवैज्ञानिक भय कायम है। अर्चना ज्योति डाक्टरों से चर्चा करती हैं कि जो कहते हैं कि घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है।

दिल्ली में सरकारी कर्मचारी, 43 वर्षीया सुनंदिता दास गुप्ता पिछले कुछ दिनों से नोबल कोरोना वायरस के फैलने को लेकर परेशान नजर आई हैं। वह कहती हैं, ''मुझे पहले पर्किंसन रोग की शिकायत हुई है जो मुझे बेचैनी से प्रभावित बनाती है। हालांकि पिछले कुछ दिनों में, यह नियंत्रण से बाहर जा रही थी, मेरी रोजमर्रा गतिविधियों को प्रभावित तथा मेरी शारीरिक हालत को बिगाड़ रही थी। इसके अलावा, मैं सभी मीडिया मंचों पर सूचनाओं की बाढ़ से नर्वस महसूस कर रही थी। ''

घबराहट से इसकी शुरूआत हुई और इससे पहले कि यह गंभीर बेचैनी का रूप ले ले, उन्होंने पेशेवर सहायता लेने का फैसला किया। अब वह पहले से ज्यादा स्थिर हैं, यह बताते हुए वह कहती हैं,'' मैंने एक कौंसिलर से सहायता मांगी जिसने मुझे अपने विचारों को नियंत्रित करने के लिए कुछ तरीके अपनाने की सलाह दी। अब, मैंने योग करना, उभरती मांसपेशियों का साधना, तथा अन्य ऐसी तकनीकों को अपनाना फिर से शुरू किया है, ताकि बेचैनी घटे।''

देश में कोरोना वायरस को लेकर भयोन्माद के मामले में सुनंदिता अकेली नहीं है। अघोषित लॉकडाउन के तहत शहर दर शहर, और धरती की आबादी का एक बड़ा हिस्सा एकांतवास में हैं, चाहे वे परिवारों के साथ हो या व्यक्तिगत तौर पर, मगर स्वास्थ्य पेशेवरों को लगता है कि बड़ी संख्या में लोग मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से प्रभावित हो सकते हैं, मुख्यत: भय व अनिश्चितता की वजह से। लेख लिखे जाने तक कोविड-19 ने लगभग चार लाख लोगों को संक्रमित किया है और 18 हजार से अधिक जानें ली हैं।

विशेषज्ञ कहते हैं कि आम तौर पर, चिकित्सा स्थिति का कारण प्रासंगिक नहीं हैं, जो चीज महत्व रखती है, वो है स्वयं स्थिति। ऐसी संभावना है कि इन हालातों में अधिकांश लोगों को डाक्टरी सहायता की आवश्यकता न पड़े लेकिन वे लोग जिन्हें तनाव के कारण स्थिति से निपटना मानसिक रूप से कठिन लग रहा है, उन्हें पेशेवर सलाह की सहायता अवश्य ले लेनी चाहिए जैसा कि सुनंदिता ने किया।

हमदर्द इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज एंड रीसर्च, दिल्ली में मनोचिकित्सा के प्रोफेसर, डा आरसी जिलोहा मानते हैं कि महामारी सिर्फ एक चिकित्सा परिघटना नहीं है। वे व्यक्तियों व समाज को अनेक स्तरों पर प्रभावित करती हैं, घबराहट व तनाव जैसी परेशानियों का कारण बनती हैं।

जैसा कि आसन्न खतरे के बढ़ने का मामला है, लोग मास्क व अन्य चिकित्सा आपूर्तिया जमा करना शुरू कर सकते हैं। इसके बाद अक्सर बेचैनी संबंधी आचरण, नींद संबंधी परेशानियां, तथा कुल मिलाकर स्वास्थ्य बिगड़ने संबंधी आशंकाएं उभरने लगती हैं। मानसिक रोग वाले व्यक्ति विशेष रूप से व्यापक घबराहट व खतरे के प्रभावों का शिकार हो सकते हैं।

वह कहते हैं सोशल डिस्टेंसिंग व स्वएकांतवास, खासतौर पर बच्चों व बुजुर्गों के लिए, निर्वासन, त्याज्य एवं नजरंदाज किए जाने की भावना पैदा कर सकता है। यह बुजुर्गों के लिए पहले से चुनौतीपूर्ण स्थिति को और भी कठिन बना सकता है, खास तौर पर उन लोगो के लिए जिनमें सहरूग्णता स्थितियां होती हैं, वे अवसाद या अन्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का शिकार हो सकते हैं।

हालांकि, नोबल कोरोना वायरस के कारण होने वाली बिमारी, कोविड-19 से संबंधित घबराहट की संमस्या से निपटने के तरीके हैं। उदाहरणार्थ, डा राम मनोहर लोहिया अस्पताल, दिल्ली में मनोचिकित्सा प्रोफेसर, डा स्मिता देशपांडे कहती हैं कि व्यक्ति को टीवी देखने या सोशल मीडिया समेत किसी चीज को सुनने से अवकाश लेना चाहिए। '' कारणों की ओर जाएं, लेकिन उसे अत्यधिक न करें। स्वस्थ भोजन खाएं, नियमित दिनचर्या बनाए रखें और ऐसा काम करने की कोशिश करें जो आपको पसंद है या उस काम को करने की योजना बनाएं जिसे करने के लिए आप अभी तक समय न निकाल पाए हों। उन लोगों से बात करें जिन पर आप अपनी चिंताओं व भावनाओं को लेकर भरोसा करते हों।''

वह जोर देकर कहती हैं कि ध्यान एवं योग इस कठिन समय में ऐसे नकारात्मक विचारों से बाहर निकलने में लोगों की सहायता कर सकते हैं। वह लोगों को आगाह करती हैं कि डाक्टरों की सलाह लिए बिना किसी भी प्रकार की अवसादरोधक दवाइयां न लें।

वह बताती हैं, ''जो लोग पहले से दवा लेते हैं, उन्हें निरंतर दवाइयां लेनी चाहिए क्योंकि स्थितियां निश्चित रूप से समय बीतने के साथ बेहतर हो जाएंगी। साथ ही बेचैनी या मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोगों की राहत के लिए टेलीफोन-परमर्श सुविधाएं भी उपलब्ध करायी जानी चाहिए। वो इसलिए भी कि अधिकांश अस्पतालों में ओपीडी बंद किए जा रहे हैं। '' डा देशपांडे ने केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को इस संदर्भ में लिखा भी है। युनिवर्सिटी आफआक्सफोर्ड में क्लिनिकल साइकोलजी के प्रोफेसर, डेनियल फ्रीमेन निष्कर्ष में कहते हैं: '' हमें स्वीकार करना होगा कि कोई भी कदम सौ फीसदी जोखिम मुक्त नहीं है और यह कि हम घटनाओं पर पूरी तरह काबू नहीं पा सकते, चाहे हम जितनी भी कोशिश कर लें। चाहे हम जितनी भी चिंता कर लें, हम नहीं जान सकते कि भविष्य में क्या होने वाला है। और हम सिर्फ समस्याओं पर चिंता करने मात्र से समस्याओं को उभरने से रोक नहीं सकते हैं। अंत में, सबसे बेहतर है इस बात पर ध्यान देना कि हमारे जीवन में क्या अर्थपूर्ण है। ''

'' चिंता पर ध्यान दें, उसे स्वीकार करें, लेकिन उसे आपको भटकाने की अनुमति न दें। यथासंभव स्थिरचित्त रहें, आप क्या कर रहे हैं उस पर ध्यान दें, न कि इस पर कि आप क्या सोच रहे हैं, और दूरी रखते हुए अपनी चिंता पर नजर रखें।''

पेज एक का शेष

लॉकडाउन ने बदली हवा

इसके लिए हमें उन नियमों की जरूरत है जो हमारी गतिविधियेां की सीमित करते हैं। हमें लक्ष्य करने चाहिए और फिर उन उचित तकनीकों के उपयोग द्वारा आर्थिक गतिविधियों की सीमित करने या बेहतर बनाने पर काम करना चाहिए जो वायु प्रदूषण को निरंतर प्रतिबंधित रखेगी। ये संख्यात्मक आंकड़े अपनी जगह पर हैं मगर उस विकासशील कार्य पर काम करना अधिक आसान होगा जो स्वच्छ वायु लक्ष्यों को प्राथमिकता देते हैं। हालांकि, इसमें भी एक खतरा है कि कोविड19 के बाद की प्राथमिकताएं भिन्न होंगी और वायु प्रदूषण जैसे अनेक अन्य दबावकारी मसले होंगे और पर्यावरण बदलाव का मसला हाशिए पर जा सकता है। हम पहले से 2020 सीओपी क्लाइमेट वार्ताओं के स्थगन में यह देख सकते हैं। वायु के साथ भी ऐसा हो सकता है क्योंकि शहर कोविड-19 की भरपाई के लिए जूझ रहे होंगे और उनके लिए हवा के बारे में चर्चा आरंभ करने में कुछ समय लग सकता है। ''

लाकडाउन ने वन्यजीवन पर अपना असर छोड़ा है। सोशल मीडिया पर अनेक वीडियोज घूम रहे हैं जहां लोगों ने केरल में कस्तूरी हिरन को, हरिद्वार में हिरन, नोएडा की सुनसान गलियों में नीलगायों को घूमते फिल्माया है, चंडीगढ में तेंदुआ देखा गया और मुंबई के समुद्री तटों के पास डालफिनों को देखा गया है। अनेक लोग हैं जो मानते हैं कि चूंकि इंसान अपने घरों में कैद हैं, यह दावेदारी का प्राकृतिक तरीका है कि यह इलाका किसका था।

मेटास्ट्रिंग फाउंडेशन के सीईओ, तथा मिशन सेक्रेटिएट, नेशनल मिशन आन बायोडायवर्सिटी एंड ह्यूमन वेलबींग के डायरेक्टर, डा रवि चेल्लम के अनुसार, यह इसका आंकलन करने का एक तरीका है।

चेल्लम कहते हैं, '' यह हमें प्रकृति के अंदर वापसी करने के उल्लेखनीय लचीलेपन के बारे में बताता है, यदि हम उसे मामूली सा भी अवसर प्रदान करते हैं। यह समय है कि हम इंसान इस सच्चाई को मानें, स्वीकार करें और इस पर काम करें कि हम प्रकृति का हिस्सा हैं और यह हमारे जीवन व विकास का आधार है। एक कीमत होती है जो बर्बाद होती प्रकृति को चुकानी पड़ती है और यह कीमत हमेशा किसी संभावित आर्थिक लाभ से कहीं अधिक होगी। चेर्नोबिल जैसी जगहें भी जो न्यूक्लीयर विध्वंस के बाद वीरान हो गयी थीं एक रोमांचकारी वन्यजीवन का ठिकाना बन गयी हैं। प्रकृति बहुत लचीली हैं और जब अवसर दिया जाता है तो यह फिर से खुद को आबाद करती है और वापसी करती है। ''

मुंबई के रेसकिंक ऐसोसिएशन फार वाइल्डलाइफवेलफेयर के संस्थापक, पवन शर्मा चेल्लम से सहमत हैं और बताते हैं कि कोई कह सकता है कि यह आंशिक तौर पर सच है कि वापस लेने का प्रकृति का तरीका अपने आपमें सही था।

शर्मा कहते हैं, '' जानवरों के साथ सहअस्तित्व की आवश्यकता है। अभी तक वे हमारे साथ सहअस्तित्व में रहे हैं, अब प्रतिउत्तर देने की हमारी बारी है। जो हम देख रहे हैं, जिसने लाकडाउन की स्थिति में पहुंचाया था, वो है क्षति, जो इंसानी हस्तक्षेप कर सकता है। प्रकृति का खुद को संतुलित करने का अपना तरीका है। हमने इसे सिर्फ किताबों में पढ़ा है लेकिन आज हम इसे जी रहे हैं। यह समय धीमा होने का है। विकास की अपनी खोज में, हम प्रकृति को बर्बाद कर रहे हैं लेकिन विकास और संरक्षण को साथ साथ चलाने की जरूरत है। जानवर इंसानों की बनाई सीमाओं को नहीं समझते हैं। इंसान ने उनके इलाकों पर कब्जा किया है और उन्हें नुकसान पहुंचाया है। चूंकि अब कोई शोरगुल नहीं है, जानवर जिज्ञासु होते हैं और पता लगा रहे हैं। ''

चेल्लम ने तत्काल यह भी इंगित किया कि जंगली जानवरों के सड़कों पर घूमने संबंधी खबरों को सही परिप्रेक्ष्य में समझने की आवश्यकता है। चेल्लम स्पष्ट करते हैं, '' लाकडाउन से पहले भी शेरों, तेंदुओं, हाथियों, गौर, गेंडों, हिरन की अनेक प्रजातियों व नीलगाय व काले हिरन समेत चिकारों, लकड़बघ्घों, नेवलों जैसे अनेक अन्य छोटे स्तनपाइयों, अनेक सृप प्रजातियों जिनमें छिपकलियों, विभिन्न प्रकार के सांपों, चिड़ियों की अनेक प्रजातियों आदि भारतीय सड़कों पर देखना असाधारण बात नहीं थी। ये नजारें उस समय भी दिखते थे जब चीजें सामान्य थीं। लाक डाउन होने से, इंसानी उपस्थिति व शोरगुल में जबरदस्त कमी आई है और इसीलिए हमें इन जानवरों को सामान्य से कहीं अधिक बार और दिन में भी अक्सर देखने का मौका मिल रहा है।'' ये जानवर क्यों शहरों में दिखने लगे हैं, इसके अनेक कारण हैं।

पहला, इनमें से अधिकांश जानवर शहरों के आसपास रहते हैं और उनके आवास शहर द्वारा विभाजित किए हो सकते हैं और इसीलिए वे शहर को अपने आवास के एक हिस्से से दूसरे हिस्से के मार्ग के रूप में इस्तेमाल करते होंगे जो कठिन हो गया होगा जब टेऊफिक और इंसानी उपस्थिति उत्पन्न हो गयी। यह भूलना नहीं चाहिए कि ये हम इंसान ही हैं जो जानवरों के इलाकों में आकर बसे हैं और किसी अर्थ में, हम घुसपैठिए हैं जानवर नहीं। दूसरा, यह हो सकता है कि शहर संसाधन प्रदान करते हैं, मुख्यतया भोजन (ज्यादातर कचरे और हमारे बागीचों व पार्कों में खाद्य पौधों के रूप में) कुत्तों व सुअरों समेत पालतू जानवरों व पानी शामिल है। यह समझना भी महत्वपूर्ण है कि ये जानवर शहरी इलाकों में आकर बस नहीं गए हैं। वे केवल कुछ समय के लिए इसका उपयोग कर रहे हैं।

चेल्लन आगे का रास्ता देखता है। वह बताते हैं, '' यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि मानवता इस महामारी से उचित सामूहिक सबक सीखती है। पुरानी तरह से बिजनेस की ओर वापस लौटना एक भारी गलती होगी जैसे ही महामारी का कहर समाप्त होता है या कोई टीका विकसित हो जाता है। यदि हम उस ढंग से विकसित होते रहते हैं जिससे प्रकृति नष्ट होती है और अन्य सभी इंसानों के प्रति बगैर किसी संवेदना के वातावरण प्रदूषित होता है, ऐसी त्रासदियों का बार बार आना तय है। हमें पहचानना होगा कि हम एक परस्पर संबंधित दुनिया में रहते हैं जिसमें न सिर्फ अन्य देशों के नागरिक आते हैं, बल्कि समान रूप से प्रकृति और उसकी समस्त प्रजातियां भी आती हैं। हमें अपनी प्राथमिकताओं को पूर्णतया बदलने और प्रकृति व कार्यात्मक पारिस्थितिकी के संरक्षण में अधिक निवेश करने की जरूरत है, दूसरे शब्दों में बुनियादी मगर सभी लोगों के लिए स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्याप्त पौष्टाहार, सुरक्षित आवास व शिक्षा जैसी बहुत अनिवार्य आवश्यकताएं में बजाय इसके कि सेना और भारी भरकम ढांचागत परियोजनाओं पर निवेश करने के। नयी प्राथमिकताओं वाला प्रगति वाला माडल कहीं अधिक स्तर पर समानता, कहीं अधिक स्थायित्वपूर्ण विकास हासिल करने में सक्षम बनाएगा और लचीलापन निर्मित करेगा।'''

ये खुशी मेरे इंस्टाग्राम फॉलोअर्स के लिए है जिन्होंने मेरे रील और रियल किरदार को इतना प्यार दिया
- काजोल देवगन

लॉकडाऊन में स्वास्थ्य और स्वाद का संतुलन जरूरी

विशेषज्ञों का मानना है कि स्वयं को क्वारंटीन अर्थात एकांतवास के दौरान सघन पोषणयुक्त भोजन देने से हमारे शरीर की रोग-प्रतिरोधक शक्ति में वृद्धि होती है। ऐसा इसलिये भी आवश्यक है क्योंकि इस अवधि में शारीरिक श्रम में अचानक ही कमी हो जाती है। प्रस्तुत है पायनियर संवाददाता चहक मित्तल की स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करती ये रिपोर्ट -

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम इस बात का साक्षी है कि इस अवधि में लोग भोजन पकाने और खाने में अनेक नए और व्यावहारिक प्रयोग कर रहे हैं। कोरोना वायरस से फैले कोविड19 नामक इस महामारी के दौरान सरकार द्वारा लगाए गए लॉकडाउन के इस दुष्कर समय में भी लोग अपने स्वास्थ्य से किसी प्रकार का समझौता करने को तत्पर नहीं हैं। वे अब अधिक स्वास्थ्यवर्धक विकल्पों पर अपना ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं। कई घरों में अब जंक फूड को त्याज्य माना जाने लगा है। स्वाद बढ़ाने के लिए भी अब स्वास्थ्य की उपेक्षा नहीं की जा रही बल्कि अधिक पौष्टिक विकल्पों को अपनाया जा रहा है।

ऐसे में कुछ शेफऔर फूड विशेषज्ञों ने वर्तमान में उपलब्ध संसाधनों से ही हमें ऐसे ही कुछ व्यंजन बनाने के लिए मंत्र दिये हैं जो इस प्रकार हैं-

व्यावहारिक बने

बीईईपी, आगरा के शेफ दीपांकर अरोड़ा के अनुसार, 'ऐसे समय में भूख को मिटाने का एक ही ढंग व्यावहारिक लगता है और वो ये कि आप भोजन को सादा रखें। आपके लिए घर से बार बार बाहर निकलना जोखिमपूर्ण है अत: आपके घर पर ही उपलब्ध पदार्थों पर काफी कुछ निर्भर करता है। जब आप बाहर जाते हैं तो आपको बंदगोभी, जड़ों वाली सब्जियों पर अधिक ध्यान केन्द्रि करना चाहिये क्योंकि ये आपके फ्रिज में अधिक दिनों तक ताज़े बने रह सकते हैं। ऐसे में यदि आप अपने भोजन की अग्रिम योजना बनाकर काम करें तो आप बार बार घर से निकलने से स्वयं और अन्य परिवारी सदस्यों को बचा सकते हैं। आपको ऐसे पदार्थों को प्राथमिकता देनी होगी जिनमें सड़ने आदि की संभावना कम से कम हो।'

उनका ये भी कहना है कि हम सभी आजकल समय बचाने के लिए एक साथ कई काम करते हैं तो ऐसे में, 'समय बचाने के लिए आप टमाटर और प्याज की प्योरी बनाकर आइस ट्रे में रखकर जमा सकते हैं ताकि भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर उनका उपयोग किया जा सके। जैसे जैसे तापमान में वृद्धि होती जाएगी, आप लेवरयुक्त जल भी बना सकते हैं जिसमें आप पुदीना, नीबू और मुसम्मी के टुकड़े डालकर लोगों को सिप करने के लिए दे सकते हैं।'

डैनब्रो के शेफविकास मलिक का कहना है, 'इस लॉकडाउन की अवधि में हमारे पास भोजन में प्रयोग होने वाली साधारण खाद्य-सामग्रियों तक का भी अभाव हो सकता है। ऐसे में संकट के समय में हमारे पास उपलब्ध पदार्थों का तरह तरह से उपयोग बढ़ाने में ही समझदारी कही जाएगी।'

दिल्ली के 'द इंपीरियल होटल' के कार्यकारी शेफ प्रेम कुमार पोगाकुला का कहना है कि लोग इस समय घरों में रहते हुए अपने समय का सर्वाधिक विवेकपूर्ण उपयोग कर रहे हैं और तरह तरह के व्यंजनों पर हाथ आजमा रहे हैं। लेकिन उनका कहना है कि इस समय नए नए प्रयोग करने की राह में सबसे बड़ी कठिनाई सामग्रियों की अनुपलब्धता है। चूंकि इस समय घर से बाहर जाना किसी के लिए भी उचित नहीं है अत: ऐसे में हमें घर में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध सामग्रियों पर ही ध्यान केन्छित करके ही कुछ नया बनाने के बारे में सोचना होगा।'

अपनाएं नई तकनीक

दीपांकर का सुझाव है कि यदि बच्चे घर में हैं तो उन्हें किचेन के कुछ गुर सिखाने का यही सही समय है। वो बताते हैं, 'हम छोटे बच्चों को विविध प्रकार के फ्लों, सब्जियों तथा दालों आदि से उनका परिचय करा सकते हैं। वृद्ध लोगों को आप किसी सब्जी को छीलने जैसा कोई काम देकर उन्हें व्यस्त रख सकते हैं लेकिन हां उनपर निगरानी अवश्य रखनी होगी।'

उनके अनुसार आप इस अवधि में विविध पाक शैलियों के बारे में भी जान-सीख सकती हैं। उनका प्रस्तुतीकरण भी आपकी रुचि का एक विषय हो सकता है। 'इस दिशा में आपके लिए सर्वश्रेष्ठ विकल्प मेक्सिकन फूड भी हो सकता है क्योंकि उनकी और हमारी किचेन सामग्रियां लगभग समान हैं। आप इनमें से फुल्का टैको या लेबनानी और ग्रीक व्यंजनों पर भी ध्यान केन्द्रित कर सकते हैं। आप भारतीय भोजन के नए प्रस्तुतीकरण को भी आजमा सकती हैं।'

स्वास्थ्य को बनाएं पहली प्राथमिकता

गुरुग्राम स्थित ऑनकोस्त एट कर्मा लेकलैंड्स के कार्यकारी शेफजयनंदन भास्कर बताते हैं कि हम घरों में रहते हुए थोड़े स्नैक्स तो ले सकते हैं लेकिन इन्हें अधिक मात्रा में लेने से बचना चाहिये, विशेषकर ऐसे समय जब एक महामारी हमारे द्वार पर दस्तक दे रही हो। उनके अनुसार, 'हमें ऐसे समय जब घर से निकलने की मनाही हो, और शारीरिक श्रम भी अधिक नहीं हो रहा हो तो हमें फ्लों का सेवन बढ़ाने और उन्हींका विविधतापूर्ण उपयोग करना चाहिये। फ्लों से बने जैम्स हम रोटी या परांठे में लगाकर प्रयोग कर सकते हैं। कच्ची सब्जियों और जल में भीगे मेवा आदि का सेवन भी बढ़ाया जा सकता है इनसे आपकी रोगप्रतिरोधक शक्ति में भी वृद्धि होती है। घरों में रहते हुए हमें अपने शारीरिक श्रम के स्तर को बनाए रखने के लिए रस्सी कूदने, योग या अपनी रुचि के अनुसार किसी भी प्रकार के व्यायाम को अपनाया जा सकता है।'

विकास का मानना है कि भोजन की बात करते हुए जरूरी है कि एक ही भोजन को बार बार बनाने से बचा जाए। उनके अनुसार, 'हमें स्वाद और स्वास्थ्य का एक संतुलन बनाकर रखना होगा। आप इसके लिए विविध प्रकार के सलाद बना सकते हैं लेकिन उन्हें आपको सरल और हल्का रखना होगा। घरों में हमारे पास समय की कोई कमी नहीं है अत: ऐसे में हम नई चीजों पर हाथ आजमाने के बारे में भी सोच सकते हैं।

शेफललित मोहन एशियन अकादमी ऑफकुलिनरी आर्ट के निदेशक हैं उनके अनुसार हमें घर में रह रहे बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना होगा। उन्होंने बताया, 'उनके खाने में चीनी और चिकनाई की मात्रा कम होनी चाहिये साथ ही मोटे अनाज और कम प्रोटीन वाली चीजों को शामिल किया जाना चाहिये। इससे उनकी पाचनशक्ति अच्छी बनाए रखी जा सकेगी।'

द अशोका के जूनियर सोस शेफ विक्रम शोकीन के अनुसार ये कठिन समय अवश्य है लेकिन इसे आप अपने अनुकूल भी बना सकते हैं। घर में रहते हुए आप अब वो सब कुछ कर सकते हैं जो आप समय के अभाव में करना चाहते थे। हमें अपने शुगर तथा नमक एवं स्टार्च आदि के उपभोग को कम करते हुए मोटे अनाज और फाइबर पर ध्यान केन्द्रि करना चाहिये। इस दौरान गर्मियों का आगमन भी हो चुका है तो ऐसे में पेय पदार्थों का सेवन भी बढ़ाएं।

बनाएं वन-पॉट फूड को एक विकल्प

इस अवधि में हमें अधिक खाने से बचते हुए थोड़ा थोड़ा खाना चाहिये। शेफ प्रेम का कहना है कि 'सक्रियता में कमी के कारण हम अधिक खाने के कारण पाचन को संकट में डाल सकते हैं लेकिन यदि हम ध्यान रखें तो ऐसा कुछ भी बना सकते हैं जो हम एक ही प्लेट या कटोरे में खा सकें। इन्हें बनाना भी आसान हैं। हम ऐसा करके जल को भी व्यर्थ होने से बचा सकते हैं।

उनके अनुसार हम दाल तड़का के साथ पास्ता का मिश्रण तैयार कर सकते हैं या इसमें कुछ भिंडी का भी उपयोग कर सकते हैं। रोटी को काटकर नूडल या पायसम में मैगी नूडुल मिलाकर भी एक नया प्रयोग कर सकते हैं।'

फूड हिस्टोरियन और द कुकिंग जीन, के लेखक माइकल ट्वीटी ने बताया, 'वन पॉट एक ऐसी शब्दावली है जिसे एक ही बर्तन में एक साथ बनाया जा सकता हो। हमारे पूर्वज भी इस तकनीक को अपनाते थे क्योंकि इससे समय, जल और लकड़ी की बचत होती थी जो उन दिनों खाना बनाने के लिए तीन सबसे जरूरी चीजें होती थीं।'

अमिताभ बच्चन के बाद रणवीर सिंह बनेंगे शहंशाह!

कोरोना वायरस का चक्कर खत्म हो जाए तो वे शहंशाह के रीमेक को बनाने की हलचल तेज करेंगे। 1988 में टीनू ने यह फिल्म अमिताभ बच्चन को लेकर निर्देशित की थी।

अभिनेता और निर्देशक टीनू आनंद के पास जब कुछ निर्माता फिल्म शहंशाह के रीमेक बनाने के राइट्स मांगने लगातार आने लगे तो टीनू के दिमाग की बत्ती जली कि क्यों न खुद ही रीमेक बना लिया जाए इस बहाने बरसों से बंद दुकान भी चल पड़ सकती है। टीनू का कहना है कि कोरोना वायरस का चक्कर खत्म हो जाए तो वे शहंशाह के रीमेक को बनाने की हलचल तेज करेंगे। 1988 में टीनू ने यह फिल्म अमिताभ बच्चन को लेकर निर्देशित की थी। फिल्म कुछ खास नहीं थी, लेकिन इसलिए चल पड़ी थी कि लंबे समय बाद अमिताभ की कोई फिल्म रिलीज हुई थी। रिश्ते में हम तुम्हारे बाप लगते हैं नाम है शहंशाह, यह डॉयलॉग गली-गली गूंजा था और अभी भी अमिताभ से इस संवाद को सुनाने की फरमाइश की जाती है। टीनू ने बरसों से कोई फिल्म नहीं बनाई है और रीमेक के बहाने बड़े स्टार के साथ वे यह फिल्म बना सकते हैं। कहा जा रहा है कि रणवीर सिंह उनके दिमाग में हैं और उनको लेकर वे फिर से शहंशाह बना सकते हैं। रणवीर तैयार हो सकते हैं, लेकिन क्या टीनू के निर्देशन में वे काम करने के लिए तैयार होंगे?

बमफाड़ : ठंडी कहानी में जोश लाए आदित्य रावल, फिर भी नहीं बनी बात

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर परेश रावल ने जब अपने बेटे आदित्य रावल के डेब्यू का ऐलान किया था, तो सभी को देखना था कि हुबहू अपने पिता जैसे दिखने वाले आदित्य क्या पर्दे पर वैसा ही जादू दिखा पाएंगे. स्टार किड्स को हमेशा से उनके माता-पिता के काम से आंका गया है और यहां आदित्य के साथ भी कुछ अलग नहीं होने वाला था. जी-5 की ओरिजिनल फिल्म बमफाड़ से आदित्य रावल ने डेब्यू किया है।

क्या है कहानी ? : बॉलीवुड से लेकर ओटीटी प्लेटफार्म ने हमें बहुत सी बढ़िया क्राइम ड्रामा फिल्में दी हैं. ऐसे में बमफाड़ की कहानी सबसे साधारण है. एक लड़का जो दिलेर है और अपनी कॉलोनी का हीरो है. किसी से नहीं डरता और शहरभर में घूमता-फिरता है. एक लड़की जो गलत चक्करों में फंस गई है और अपनी जिंदगी में प्यार और इज्जत तलाश रही है, और एक शहर का गुंडा जिसका नाम सुनकर लोग कांपते हैं और जिसपर बड़े-बड़े लोगों का हाथ है।

बमफाड़ की कहानी शुरू होती है नाटे उर्फ नासिर जमाल (आदित्य रावल) के अपने स्कूल में आतंक मचाने से. वो अल्हड़ है, खुशमिजाज है और उनका खून उबलने में चंद सेकंड भी ढंग से नहीं लगते. नासिर की मुलाकात होती है नीलम (शालिनी पांडे) से और दोनों को प्यार हो जाता है. वहीं शहर के गुंडे जिगर फरीदी (विजय वर्मा) का बोलबाला भी हर तरफ है और नीलम का जिगर से जरूरत का कनेक्शन है. नीलम कौन है, कहां से आई है और इलाहाबाद में यूं अकेली क्यों रहती है नाटे नहीं जनता. वो अपने सच को नासिर से छुपाती है और जब उसका भेद खुलता है तो शुरू होती है एक ऐसी कहानी, जिसे दर्शकों को अपने साथ बांधकर रखना था लेकिन अफसोस ऐसा हुआ नहीं।

परफॉरमेंस : परफॉरमेंस की बात करें तो आदित्य रावल और शालिनी पांडे का ये डिजिटल डेब्यू है. आदित्य से पहले शालिनी की बात करें तो उनके रोल में कुछ खास मसाला नहीं था और न ही उनके काम में कोई नयापन. शालिनी को हम पहले अर्जुन रेड्डी जैसी फिल्म में देख चुके हैं और

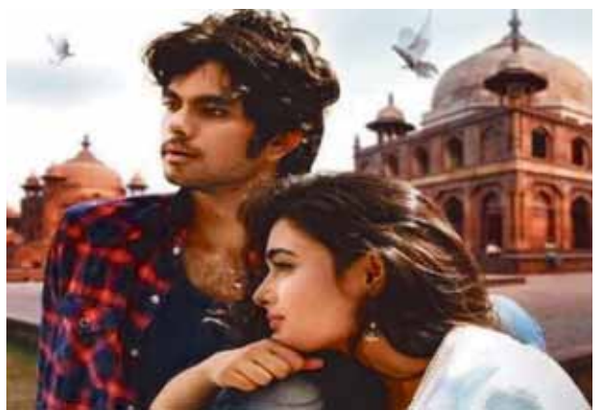

उनके काम की खूब तारीफें भी सुन चुके हैं. लेकिन बमफाड़ में उन्होंने कुछ ऐसा नहीं किया, जो आपको उनके किरदार के साथ जोड़े. आदित्य रावल को पहली बार लीड रोल में देखा गया है और कहना सही होगा कि उनमें एक्टिंग की काबिलियत है. लेकिन इस फिल्म में उनका टैलेंट कुछ खास उभरकर सामने नहीं आया. नासिर के किरदार के साथ उन्होंने न्याय करने की कोशिश बहुत की लेकिन फिर भी उसमें कुछ कमी रह गई.

आदित्य का किरदार दबंग है और बिना सोचे समझे चीजें करता है, ये बात आपको फिल्म में दिखाई देती है लेकिन जब फील की बात आती है तो वे फेल हो जाते हैं. उनका जूनून स्क्रीन पर दिखाई तो दिया लेकिन उस जोश के साथ कहानी को रोमांचक नहीं बना पाया.

विजय वर्मा एक कमाल के एक्टर हैं और उन्होंने ये बात कई फिल्मों से साबित की है. यहां उन्होंने एक दबंग गुंडे का किरदार निभाया और वो काफी अच्छे भी लगे. विजय ने जिगर फरीदी के किरदार को अच्छे से निभाया, लेकिन शायद फिल्म की कहानी और अन्य बातों की वजह से उनका काम कुछ फीका लगा. जतिन सरना ने जाहिद के रोल में अपना काम अच्छे से किया. उनका काम काफी अच्छा था.

डायरेक्शन : डायरेक्टर रंजन चंदेल ने इस कहानी को लेयर्स जरूर दीं लेकिन उन्हें ढंग से खोला नहीं. जिगर के कारोबार की कहानी, जाहिद की सोच ये बातें फिल्म में की गईं लेकिन कभी उभरकर बाहर नहीं आईं. फिल्म में बहुत अच्छा युवा प्यार देखने को मिला, जहां आपको सामने वाले की हर छोटी-बड़ी बात पसंद होती है. लव जिहाद के बारे में भी बात हुई, लेकिन वो आगे नहीं बढ़ी.

फिल्म का अच्छा पार्ट था एक मुस्लिम हीरो का होना और डायरेक्टर का उसे स्टीरियोटाइप ना करना. इस फिल्म में नासिर जमाल हर उस अन्य हीरो जैसा है, जिन्हें हमने पहले देखा है. फिल्म में और भी कुछ एलिमेंट हैं, लेकिन फिर भी फिल्म में उस जोश की कमी थी, जो आपको एक कहानी से जोड़ने के लिए चाहिए.

फिल्म का म्यूजिक ठीक था. बैकग्राउंड स्कोर की बात करें तो वो बहुत सी जगह रोमांचक सीन्स के फील को मार देता है. इस कहानी को बमफाड़ होना था, लेकिन अफसोस ऐसा पूरी तरह हुआ नहीं.

अमिताभ को सताने लगा अंधेपन का डर

बॉलीवुड में बिग बी के नाम से मशहूर अमिताभ बच्चन ब्लॉग लगातार लिखते हैं जो उनके फैंस चाव से पढ़ते हैं। हाल ही में अमिताभ ने ऐसी बात लिखी है जिससे उनके फैंस चिंतित हो गए हैं। अमिताभ ने अपनी आंखों की रोशनी को लेकर चिंता जताई है। उनको डर है कि वे दृष्टिहीन हो सकते हैं। बिग बी लिखते हैं कि उन्हें धुंधला दिखने लगा है।

चीजें दो भी नजर आती हैं। कुछ दिनों से वे महसूस कर रहे हैं कि अंधापन आने वाला है। पहले ही कई शारीरिक समस्याएं हैं और अब एक नई शुरू होने वाली है। हालांकि अमिताभ ने आगे यह लिख कर तसल्ली दी है कि डॉक्टर ने उन्हें कहा है कि वे दृष्टिहीन नहीं होंगे।

यह सब स्क्रीन ज्यादा देखने से हो रहा है। उन्हें एक आई ड्रॉप दिया गया है और साथ में हिदायत दी गई है कि डिजीटल स्क्रीन को समय कम दें।कोरोनावायरस के कारण अमिताभ सेल्फ आइसोलेशन में हैं और घर पर रह कर वे इस महामारी के खिलाफ लोगों में जागरूकता फैलाने में लगे हुए हैं।

बागी 4 को लेकर टाइगर श्रॉफ ने दिए संकेत

भले ही बागी 3 को ज्यादा पसंद नहीं किया गया, लेकिन यह बात तय थी कि फिल्म 125 से 150 करोड़ के बीच का बिज़नेस करती, लेकिन रास्ते में कोविड 19 आ गया और सिनेमाघरों में ताले लगे। इस वजह से बागी 3 की यात्रा असमय ही समाप्त हो गई।

वैसे बागी सीरिज को पसंद करने वालों ने दिल खोल कर फिल्म का स्वागत किया और अकेले टाइगर को एक देश के खिलाफ लड़ते देखना उनके लिए रोमांचकारी अनुभव रहा। टाइगर भी दुखी हैं कि उनकी फिल्म को अचानक सिनेमाघरों से उतारना पड़ा। प्रशंसकों के मैसेजेस उन्हें मिल रहे हैं जो बागी 3 नहीं देख पाए हैं। फिल्म के निर्माता असमंजस में है कि फिल्म को फिर से सिनेमाघर में लगाया जाए या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जाए। यह बात तय नहीं है कि कब सिनेमाघर खुलेंगे। खुलेंगे तो दर्शक सिनेमाघर में जाएंगे या नहीं? इसलिए इस बात की संभावना ज्यादा है कि फिल्म जल्दी ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देखने को मिलेगी। एक इंटरव्यू में टाइगर ने बताया कि फिलहाल वे इस बात में व्यस्त हैं कि बागी 3 उन लोगों तक पहुंचे जो देखना चाहते हैं। उन्होंने साथ ही यह भी संकेत दिया कि जल्दी ही बागी 4 की भी घोषणा की जाएगी। बागी 4 जरूर बनेगी। अपने छोटे से करियर में टाइगर ने एक सफल फ्रेंचाइज़ का हिस्सा बन कर सभी को चौंका दिया है। टाइगर ने एक्शन स्टार के रूप में अपनी इमेज बनाई है और देश के भीतरी इलाकों तक उनकी पैठ है।